EMpower

लर्निंग टुगेदर

(साथ सीखना)

लर्निंग कम्युनिटी द्वारा विकसित एक व्यापक कार्यक्रम मार्गदर्शिका

लर्निंग कम्युनिटी के 10 साल

एम्पावर का काम लड़कियों की आवाज़ों को आगे लाना और उनका नेतृत्व की भूमिकाओं में समर्थन कर उन्हें बढ़ावा देना है। इसका एक उदाहरण है सीमा, जो मुंबई में लर्निंग कम्युनिटी और गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल (सलाहकार परिषद) की सदस्य है, और अपने समुदाय में बदलाव लाने का काम कर रही है। सीमा स्नातक की डिग्री की पढ़ाई कर रही है, और दृढ़ संकल्प से भरपूर है। हालांकि, मुंबई में जेंडर आधारित भेदभाव का सामना करते हुए अपनी परवरिश के दौरान उसने अपने लिए ऐसे भविष्य की कल्पना नहीं की थी।

आइये जानें सीमा की कहानी:

मुझे वह दिन अच्छी तरह याद है जब मेरा एक नया जीवन शुरू हुआ। यह बात 2008 की है, मैं नौ साल की थी, जब मेरे माता-पिता ने मेरा परिचय वाचा चैरिटेबल ट्रस्ट से करवाया। यह मेरे समुदाय में काम करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था है, और कई सालों से एम्पावर से अनुदान प्राप्त कर उनकी साझेदारी में काम कर रही है। वहाँ मेरी मुलाकात कई उत्साहित एवं खुशमिजाज़ लड़कियों से हुई, जो मिलनसार होने के साथ-साथ बातूनी भी थीं, जबकि मैं कुछ शर्मीली थी और अपने आप में ही रहा करती। शुरू-शुरू में मुझे उनके साथ घुलना-मिलना काफी मुश्किल लगा, लेकिन जैसे-जैसे दिन महीनों में बदलते गए, वाचा और ये लड़कियां मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गईं। **देखते ही देखते, एक साल के अन्दर, मैं निर्भीक, आत्मविश्वासी, मिलनसार और, सबसे बड़ी बात, हंसमुख बन गई।**

वाचा में मेरा दाखिला करवा कर, मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं कुछ नया अनुभव करूं, अपने व्यक्तित्व को खोजूं, और मैंने जो अपने चारों ओर एक दीवार सी बना ली थी, उसे तोड़ पाऊं।

हमने ऐसे मुद्दे जो हमें सीधे प्रभावित करते हैं, जैसे 'कम होते जा रहे सार्वजनिक स्थान' और 'शिक्षा तक पहुंच' पर नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया और रैलियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। मुझे समझ में आने लगा कि जेंडर आधारित भेदभाव हमेशा स्पष्ट नहीं होता है - यह हमेशा खुल कर नहीं दिखता है। उदाहरण के लिए, घरों में पुरुषों को अधिक रोटियां दी जाती हैं, क्योंकि आमतौर पर यह धारणा है कि वे महिलाओं की तुलना में अधिक शारीरिक मेहनत वाले काम करते हैं। वाचा की गतिविधियों में भाग लेने और हमें प्रभावित करने वाले मुद्दों को सार्वजनिक रूप से उठाने से मुझे संतुष्टि का अहसास हुआ, क्योंकि अब हमने अपनी समस्याओं के समाधान खोजने का जिम्मा खुद अपने ऊपर ले लिया था।

वाचा में अपने चौथे वर्ष के दौरान, 'लर्निंग कम्युनिटी - एम्पावर की एक पहल' जिसका संचालन वाचा करती है, के माध्यम से मैं मुंबई में एम्पावर के दो लोगों से मिली, जिन्हें मैं अपने जीवन में बहुत महत्वपूर्ण मानती हूं: निशा दी और सिंथिया दी ("दी" हिंदी शब्द दीदी का संक्षिप्त रूप है)

उनके खुश मिजाज़ चेहरों और मुस्कान ने मुझे कुछ नया करने से होने वाली चिंता और डर से पूरी तरह से मुक्त कर दिया। लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से, एम्पावर ने कक्षा को लड़कियों के लिए एक मंच में बदल दिया, जिससे मुझ जैसी किशोरियों को एक साथ टीम में काम करने, एक-दूसरे के अनुभवों और चुनौतियों से सीखने और अपने मुद्दों को हल करने के तरीके खुद खोजने में मदद मिलती है, जो हमें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। हम सार्वजनिक जगहों को फिर से हासिल करने के लिए निकल पड़े हैं—चाहे वह खेल का मैदान हो, व्यायामशाला हो, गेमिंग स्टेशन हों या अन्य जैसे कि 'चाय की टपरी' (भारत में सड़क के किनारे की चाय की दुकान। ये आम तौर से एक ऐसी जगह रही है जहाँ लड़के और पुरुष चाय की चुस्कियों के साथ बौद्धिक चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं)।

आज, मैंने लर्निंग कम्युनिटी के साथ अपने दस साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान, मैंने और मेरे साथियों ने रैलियों का नेतृत्व किया है, सर्वेक्षण किए हैं, नाटकों और फ्लैश मॉब (एक समन्वित और अक्सर कोरियोग्राफ किए गए नृत्य, गीत या अन्य गतिविधि जिसको अचानक करने के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर लोगों को जमा किया जाता है) का प्रदर्शन किया है, माता-पिताओं के समूह बनवाए हैं, और अपने मुद्दों को उजागर करने के लिए नगर निगम के अधिकारियों से भी मुलाकात की हैं। हाल ही में, लर्निंग कम्युनिटी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जहां हमने मीडिया के सामने शौचालयों, खेल के मैदानों तक पहुंच की कमी और हमारे समुदायों में न्यूज़स्टैंड की अपर्याप्त संख्या पर अपनी चिंताओं के बारे में मांगों का एक चार्टर प्रस्तुत किया। लर्निंग कम्युनिटी सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह हर उस लड़की की आवाज़ है जो समुदाय में सक्रिय रूप से शामिल होने में असमर्थ है। हम पिछले कुछ वर्षों में कई समुदायों तक पहुंचे हैं, और एक ऐसा नेटवर्क बना रहे हैं, जो शहर भर में लड़कियों के सामने आने वाली विविध और आम समस्याओं का प्रतिनिधित्व करे। इस तरह के सामूहिक प्रयास हमेशा लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचते हैं, और यदि साथ ही समुदाय की समस्याओं का समाधान भी हो सके तो यह हम सबके लिए एक खुशी का पल बन जाता है।

एम्पावर ने न केवल मुझे अपनी आवाज़ सुनाने के लिए एक मंच दिया है, बल्कि मुझे नए राज्यों में उड़ान भरने और नए-नए लोगों से मिलने के लिए पंख भी दिए हैं। साल 2018 में, मैंने गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल (किशोरी सलाहकार परिषद) के हिस्से के रूप में दिल्ली की अपनी पहली यात्रा की। यह लड़कियों के नेतृत्व वाली एक पहल है, जहाँ हम सलाहकार हैं और अक्सर निर्णय लेने वाले भी। पिछले साल गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल की लॉन्च मीटिंग में, जहां मैं वाचा का प्रतिनिधित्व कर रही थी, मैं पूरे भारत के संस्थाओं से आयी गर्ल लीडर्स से मिली, जो एम्पावर द्वारा समर्थित हैं। ये सब लड़कियां अब मेरी मित्र हैं, और इनके साथ बिताया समय, मेरे जीवन का सबसे अच्छा समय रहा है। हमने पिछले साल और फिर इस साल भी तीन दिन साथ बिताए, विचार-मंथन किया और न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर युवाओं के साथ अपने काम को मजबूत करने के लिए एम्पावर को अपनी सिफारिशें दीं। एडवाइजरी काउंसिल (सलाहकार परिषद) में एक गर्ल लीडर के रूप में, मुझे हमेशा लगता है कि मेरी राय मायने रखती है।

मै जानती हूँ कि मेरे शहर में भी ऐसी कई लड़कियां हैं जिन्हें सपने और आकांक्षाएं रखने की इजाज़त नहीं है। इसलिए, मैं अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने कभी भी मेरे विकास के रास्ते में सामाजिक मानदंडों को नहीं आने दिया। और मैं 'असली सीमा' को सामने लाने में मदद करने के लिए, लर्निंग कम्युनिटी और गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल जैसे प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए एम्पावर को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

सीमा दोसाद

एम्पावर लर्निंग कम्युनिटी की पूर्व प्रतिभागी (एलुमनाई)
और गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल की एक सदस्य

[* यह सीमा द्वारा एम्पावर को 2019 में लिखे गए पत्र का एक अंश है]

एम्पावर का ‘लड़कियों के साथ काम और सार्थक युवा जुड़ाव’ का सफ़र

सिंथिया स्टील

प्रेसिडेंट एवं सीईओ

एम्पावर का विश्वास है कि लड़कियों के जीवन की सबसे कुशल विशेषज्ञ स्वयं लड़कियां ही होती हैं। साल 2005 में, एम्पावर ने उभरते बाजार वाले देशों में, 10 से 24 वर्ष की उम्र के, हाशिये पर रहने वाले युवाओं के लिए अवसरों और कौशल पर ध्यान केंद्रित करने की अपनी रणनीति को और कारगर करने के लिए बेहतर बनाया। तब भी यह स्पष्ट था कि एक लड़की होना उन कारकों में से एक है जो युवाओं को सबसे अधिक असुरक्षित बना देता है: उनके सामने स्कूल न जा पाने या स्कूल पूरा न कर पाने का; जल्द विवाह का; गर्भवती होने का; एचआईवी का या अन्य यौन संचारित संक्रमण का; हिंसा का शिकार होने आदि के जोखिम हैं। हम यह भी जानते थे कि अधिकांश समुदायों में लड़कियों की परवरिश को बहुत कम निवेश या ध्यान मिलता है, और अपने विचारों को व्यक्त करने या अपने भविष्य से सम्बंधित निर्णय लेने के अवसर तो और भी कम।

इसके अलावा, जब शुरुवाती दिनों में हम अपनी साथी संस्थाओं के साथ मिल कर, लड़कियों के विचार सुन कर अपनी रणनीति बना रहे थे, तभी यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया था कि:

- हम मौजूदा और एक मजबूत लड़कियों पर केंद्रित काम के विस्तार और गहनता का समर्थन कर सकते हैं;
- युवाओं या महिलाओं के साथ काम करने वाली संस्थाओं को, उनके काम को लड़कियों पर केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाने और कार्यक्रमों को और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित और समर्थित कर सकते हैं;
- हमारी अनुदान प्राप्त करने वाली साथी संस्थाओं के लिए, जो लड़कियों पर केन्द्रित काम करती हैं, आपस में आदान-प्रदान करने के मौके बना सकते हैं, ताकि वे एक-दूसरे से सीख सकें, एक साथ समस्याओं का समाधान कर सकें, और एक साझे लक्ष्य का निर्धारण कर सकें।

आवश्यकता और क्षमता दोनों को देखते हुए, साल 2006 के बाद से एम्पावर ने अपने काम को लड़कियों पर केन्द्रित बना दिया। हम अपनी इस यात्रा में अपने सभी मार्गदर्शकों – गर्ल लीडर्स, साथी संस्थाओं और कार्यकर्त्ताओं के प्रति आभारी हैं।

निशा धवन

कंट्री डायरेक्टर, भारत

लर्निंग कम्युनिटी, एम्पावर के किशोरियों की बुद्धिमत्ता के प्रति दृढ़ विश्वास की अभिव्यक्ति है। साल 2012 की शुरुआत में, हमने महाराष्ट्र में स्थित अपनी चार साथी संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श कर, लड़कियों के लिए सीखने की एक ऐसी जगह बनाने की योजना बनाई, जिसका नेतृत्व लड़कियों के हाथ में हो।

शुरुआती दिन साथ सीखने और नज़रिया बनाने, एक दूसरे का सहयोग करने और एक साथ सोचने के लिए एक मौका थे। मॉडल की शुरुआत स्वाभाविक रूप से हुई - हमने अपने लक्ष्यों को पाने के लिए टूल्स और सेशन की योजनाएँ बनाईं, जिनमें, “लड़कियों को प्रोग्राम डिज़ाइन और बजट बनाने, सीखने, बदलाव और प्रभाव की प्रक्रिया में अग्रणी कैसे बनाएं”, शामिल हैं। हमने समय के साथ इन टूल्स को बेहतर किया, चर्चा की कि इनमे से क्या कारगर है और क्या नहीं, और उस आधार पर हमने 2016 में इस प्रोग्राम गाइड का पहला संस्करण बनाया, जिसका शीर्षक था **“लर्निंग टुगेदर: ए टूलकिट फॉर मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएटिंग प्रोग्राम फॉर एडोलसेंट गर्ल्स”** (एक साथ सीखना: किशोरियों के कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक टूलकिट’)। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि यह मॉडल कई अलग-अलग संदर्भों के लिए अनुकूल हो, और साधनों का उपयोग उनकी संपूर्णता में या भागों में, दोनों तरीके से किया जा सके - ताकि लड़कियों के ज्ञान और क्षमताओं को सामने लाकर एक लहरदार प्रभाव पैदा किया जा सके।

एक रूपरेखा बन जाने के बाद, हमने 2017 में दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी का विस्तार किया और देखा कि हमारी साथी संस्थाओं ने टूलकिट की रणनीतियों को अपना कर अपनी संस्थाओं में लड़कियों को अधिक सार्थक रूप से केंद्र में लाने के प्रयास किये। लगभग इसी समय, हमने बांग्लादेश और नेपाल में लर्निंग कम्युनिटी मॉडल को अपनाने और कार्यान्वयन के लिए संस्था, केयर (CARE) के साथ साझेदारी की, और 2022 में हमने लर्निंग कम्युनिटी का विस्तार राजस्थान में किया। पहली बार हमने इस मॉडल को ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया और वह भी सभी क्षेत्रों में एक साथ। लर्निंग कम्युनिटी से मिली सीखों ने हमें लड़कियों के साथ अपने काम के बारे में सोचने में अधिक सक्षम बनाया, और 2018 में गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल को बनाने, और उन 15 देशों में जहां हम काम करते हैं, हमारे लड़कियों पर केन्द्रित और गर्ल-लेड काम में विशेष योगदान दिया।

लर्निंग कम्युनिटी लड़कियां जिन मुद्दों को खुद महत्वपूर्ण मानती हैं, उन पर प्रमुख निर्णयकर्ता बनने के लिए मौके देती है। मुंबई में, लड़कियों ने प्रतिबंधों, सार्वजनिक सुरक्षा और गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करना चुना – जो उनके ऊपर किशोरावस्था के सबसे ख़ास प्रभाव हैं। दिल्ली में, लड़कियों ने यौन उत्पीड़न पर ध्यान केंद्रित करना चुना, और राजस्थान में, बाल विवाह पर – ये सब नेतृत्व कर रही लड़कियों द्वारा परिभाषित महत्वपूर्ण मुद्दे थे। साल 2021 में, नौ वर्षों के अपने अनुभव और सीख के साथ, हमने लड़कियों के एक समूह, जो लर्निंग कम्युनिटी का हिस्सा थीं, के साथ मिलकर इस प्रोग्राम गाइड को विकसित करने के लिए टूलकिट पर दोबारा गौर किया। हम किशोरियों, हमारी साथी संस्थाओं और हमारे सहयोगियों के साथ लगातार सीखने और उनकी ज़रूरतों के अनुसार बदलते रहने की की प्रक्रिया में जुड़े हैं। हम आपको भी अपने साथ इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

क्रिस्टन वूल्फ

वाईस प्रेसिडेंट, प्रोग्राम्स

एम्पावर का मानना है कि युवा स्वयं खुद और अपने समुदाय को प्रभावित कर रही चुनौतियों, आवश्यकताओं और अवसरों के बारे में गहरी समझ रखते हैं और इस बारे में माहिर हैं; साथ ही उनके पास इनसे सम्बंधित, उनके खुद के और उनके समुदायों के जीवंत अनुभव भी हैं। यही कारण है कि युवाओं को एम्पावर की परिकल्पना और रणनीति में एक विशेष स्थान दिया गया है, और अधिक व्यापक रूप से देखें तो युवा-केंद्रित विकास के कामों के वातावरण में भी।

युवाओं लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध एक फंडर (दान-दाता) के रूप में, हमारे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण है कि हम संसाधनों को रणनीतिक, प्रासंगिक और बदलावकारी तरीकों से आवंटित करने के लिए युवाओं के ज्ञान और अनुभवों का उपयोग करें। हम उन संस्थागत मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो सत्ता का पुनर्विभाजन करती हैं और युवाओं की 'निर्णय लेने की क्षमता' के प्रति विश्वास और सम्मान प्रदर्शित करती हैं। इसके अलावा हम यह भी मानते हैं कि विकास के कामों में सार्थक युवा भागीदारी व्यक्तिगत स्तर के साथ-साथ संस्थागत और प्रणालीगत स्तर पर भी अधिक रणनीतिक परिणामों और ज्यादा और निरंतर प्रभाव हासिल करने में योगदान देती है।

एम्पावर का लक्ष्य, साल 2025 तक, हमारी मौजूदा निपुणताओं और कामों के बल पर आगे बढ़ना, एक व्यवस्थित रूप से युवाओं के अनुभवों का उपयोग करना, और यह सुनिश्चित करना है कि उनकी आवाज़ और उनके विचार विभिन्न क्षेत्रों के और वैश्विक स्तर के निर्णयों को प्रभावित कर सकें। एम्पावर अपने लगातार सीखते रहने और लचीलेपन के माध्यम से इन दृष्टिकोणों का समर्थन करेगा, और हमारे अनुदान और कार्यक्रम के साथ-साथ हमारी संस्था में युवाओं द्वारा लाये जाने वाले मूल्यों को स्वीकृति और बढ़ावा देगा।

साथी संस्थाओं की आवाजों में लर्निंग कम्युनिटी का सफ़र

यग्ना परमार

वाचा ट्रस्ट, मुंबई

लर्निंग कम्युनिटी ने किशोरियों के साथ वाचा के काम को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वाचा की परिकल्पना के लिए लर्निंग कम्युनिटी का सिद्धांत एकदम सही मेल था, जैसा कि हमारी संस्थापक स्वर्गीय सोनल शुक्ला ने कहा था, 'लड़कियों के बिना लड़कियों के लिए कुछ भी नहीं।' एम्पावर भी इस बात के लिए तत्पर था कि लड़कियां खुद उन मुद्दों को तय करें, जो उनके लिए महत्वपूर्ण थे, और उनके समाधान के तरीके भी सुझाएं। दूसरे शब्दों में, यदि आप लड़कियों के मुद्दों के बारे में बात कर रहे हैं, तो मंच पर उन्हें अपने मुद्दों को खुद बताने के लिए जगह दें।

यह पहली बार था जब वाचा अन्य संस्थाओं के साथ नियमित रूप से काम कर रही थी। शुरू में कुछ हिचकिचाहट और अनिश्चितता थी, लेकिन बेशक उत्साह बहुत था। हमें अभी भी वह दिन याद है जब एम्पावर की तरफ से सिंथिया स्टील और निशा धवन ने किशोरियों के लिए लर्निंग कम्युनिटी के बारे में प्रस्ताव रखा, और वाचा को इस प्रोजेक्ट का समन्वय करने के लिए आमंत्रित किया। हमें इस नेटवर्क का समन्वय करने में अपना सौभाग्य महसूस हुआ और हम इसके लिए सहमत हो गए। सिंथिया और निशा द्वारा दिया गया पहला प्रशिक्षण हमारे लिए सामुदायिक काम की योजना बनाने, लड़कियों को अपनी खुद की बजट योजना और कार्यक्रम के कार्यान्वयन की रणनीति तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करने, और किशोरियों के नेतृत्व को मजबूत बनाने में बेहद उपयोगी साबित हुआ।

यह मॉडल हमारे और नेटवर्क में अन्य साथी संस्थाओं के लिए लड़कियों के साथ अपने काम की समीक्षा करने, संसाधन साझा करने, लड़कियों के बीच नेटवर्क बनाने, और इस तरह उनकी सामाजिक पूंजी बढ़ाने का एक अच्छा मंच बन गया। लड़कियों का नेतृत्व, विशेष रूप से 12-19 वर्ष की उम्र वर्ग की लड़कियों के लिए, कार्यक्रम के बजट बनाने और उपयोग करने के अवसर के साथ और मजबूत हुआ। बजट योजना और उपयोग के लिए लड़कियों को प्रशिक्षण देना एक ऐसा काम था जो वाचा ने पहले नहीं किया था। सीमा और सबा जैसी लर्निंग कम्युनिटी की लड़कियों ने अपने करियर में भी प्रगति की। हालांकि वे कई वर्षों से वाचा का हिस्सा रही हैं, उनके जीवन में लर्निंग कम्युनिटी का योगदान भी काफी महत्वपूर्ण रहा है। सीमा ने अपना करियर बनाने के लिए पुणे में ही रहने का फैसला किया, जब कि उसके माता-पिता अपने गाँव लौट गए। वह गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल की सदस्य बनी, एम्पावर की एक ऐसी पहल, जहाँ उसे और उसके जैसी अन्य लड़कियों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया जाता है। वर्तमान में वह अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय से डेवलपमेंट स्टडीज में एम. ए. कर रही है। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का हिस्सा बनने के बाद, वाचा की एक और किशोरी, सोनी को *'कोविड: इन हर वॉइस'* के लिए 25 लड़कियों की एक शोध टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

इन लड़कियों ने इस शोध के महत्व को अच्छी तरह समझा। इसके अंतर्गत उन्होंने कम्युनिटी मैपिंग की। उन्होंने अपने समुदाय में 'सार्वजनिक स्थानों तक पहुँच पर प्रतिबंध' पर सर्वेक्षण किया और उसके निष्कर्ष के आधार पर इनपर अपने अभियानों: लड़कियों की सुरक्षित, स्वच्छ और पर्याप्त शौचालयों तक, समाचार पत्र स्टैंड तक और खेल के मैदानों तक पहुंच, को चलाया। हर एक किशोरी समूह ने समूह की क्षमता के अनुसार अभियान का नेतृत्व किया। स्थानीय नेताओं से संपर्क करना, मांगों का चार्टर तैयार करना, प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करना, भाषण देना, प्रेस को बुलाना और साक्षात्कार देना, ये कुछ ऐसी चीजें थीं जो उन्होंने समय के साथ, धीरे-धीरे एक-दूसरे से सीखीं। शहर के अलग-अलग इलाकों में काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं से जुड़ी लड़कियों ने देखा कि उनके मुद्दों में काफी समानता थी। उन्होंने अपने नेटवर्क बनाने, अपने कार्यक्रम की योजना में संयुक्त कार्यक्रमों को शामिल करने और सामुदायिक स्तर पर अलग-अलग गतिविधियों की आवश्यकता महसूस की। ये लड़कियां अभी भी व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक और इंस्टाग्राम चैनल के माध्यम से एक- दूसरे से जुड़ी हुई हैं। लर्निंग कम्युनिटी ने लड़कियों और मेंटर्स को *माई स्पेस, द*

टाइम इज़ नाउ! (मेरे लिए जगह बनाओ, अब समय आ गया है!) अभियान का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सार्वजनिक स्थानों पर लड़कियों की पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया गया। यह मुमकिन है कि भारत में इस उद्देश्य के साथ, लड़कियों के नेतृत्व में चलाये गए (गर्ल लेड) अभियानों में यह पहले कुछ अभियानों में से एक हो। इस अभियान का और अधिक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है।

लर्निंग कम्युनिटी वार्षिक पुस्तिका प्रकाशित करने का विचार लड़कियों और सहयोगी संस्थाओं को बहुत पसंद आया, जिसमें उन्हें उनकी गतिविधियों के बारे में लिखने के लिए कुछ पन्ने दिए गए थे। इस से उनका सशक्तिकरण हुआ और उनमे स्वामित्व की भावना आई। वार्षिक पुस्तिका में हर एक किशोरी की संक्षिप्त जीवनी शामिल की गई, जिससे उन्हें बहुत ख़ास महसूस हुआ।

व्यवस्थित और व्यापक लर्निंग कम्युनिटी टूलकिट, कार्यक्रम के प्रभाव का तीन स्तरों: व्यक्तिगत स्तर, सामुदायिक स्तर और संस्था के स्तर पर मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वपूर्ण टूल बन गया। हम लड़कियों के सशक्तिकरण के अपने मौजूदा कार्यक्रम के लिए इसमें से कुछ टूल्स का उपयोग कर रहे हैं, जैसे कि प्लानिंग और बजट शीट, सामुदायिक जांच सूची, प्लानिंग कौशल (स्किल) फॉर्म, स्वयं को समझना और 'बदलाव के पल' फॉर्म। इससे हमारे लर्निंग और इवैल्यूएशन (निगरानी और मूल्यांकन) सिस्टम की कार्यक्षमता में सुधार हुआ है। कुछ लर्निंग कम्युनिटी मेंटर अपनी संस्था में अगले स्तर पर चले गए। वाचा में दो मेंटर, यग्ना परमार और अमृता डे, लर्निंग कम्युनिटी मुंबई की समन्वयक बनीं, और बाद में यग्ना लर्निंग कम्युनिटी मुंबई के निदेशक बनी। लर्निंग कम्युनिटी ने हमें डोनर सर्किल और एनजीओ नेटवर्क के बीच किशोरियों के साथ हमारे काम की दृश्यता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान किया। हमारे डोनर्स में से एक, शाधिका फाउंडेशन ने हमें 'सामुदायिक काम की योजना की रचना और उसके कार्यान्वयन' के ऊपर, देश भर से अपने सहयोगी संस्थाओं से जुड़ी कुछ किशोरियों को प्रशिक्षण देने के लिए आमंत्रित किया। एम्पावर को उचित श्रेय देने के बाद, हमने 2019 में तीन दिनों का प्रशिक्षण आयोजित किया।

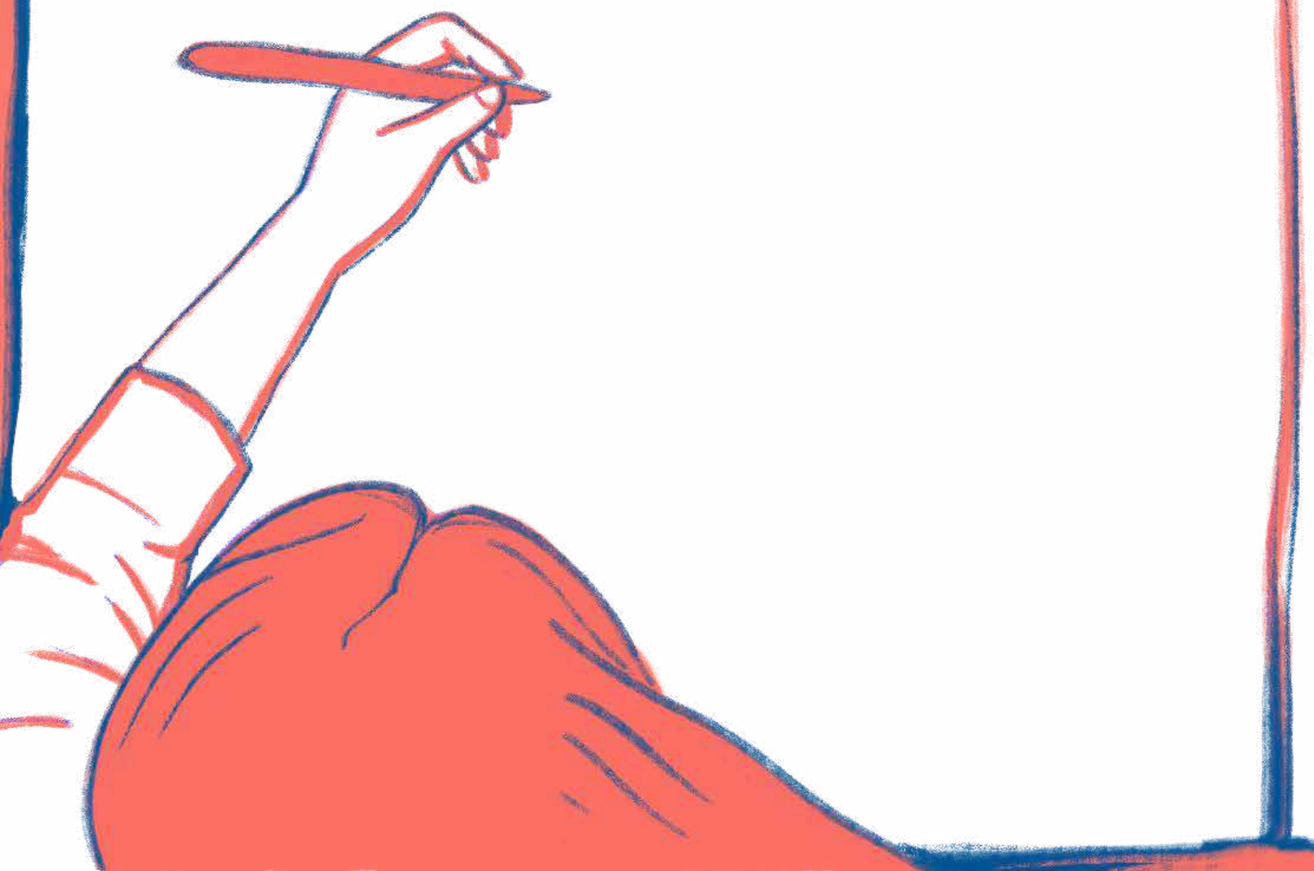

लर्निंग कम्युनिटी में लगातार समीक्षा के चरण होने की वजह से नेटवर्क को कार्यक्रम में आवश्यकतानुसार सुधार लाने में मदद मिली। समय-समय पर लर्निंग कम्युनिटी मॉडल को संशोधित करने और नेटवर्क में सभी की आवाज सुनने के लिए लड़कियों और सलाहकारों के साथ फोकस समूह चर्चा, और विभिन्न संस्थाओं के कार्यकारी निदेशकों के साथ व्यक्तिगत बैठकें महत्वपूर्ण रहीं। कई भागीदार गैर-लाभकारी संस्थाओं ने लर्निंग कम्युनिटी का हिस्सा बनने के बाद किशोरियों के साथ अपने काम को मजबूत करना शुरू कर दिया।

कौशल (स्किल) और ज्ञान निर्माण के अलावा, लर्निंग कम्युनिटी ने लड़कियों की गतिशीलता में भी योगदान दिया। दस साल पहले, लर्निंग कम्युनिटी की लड़कियों का अपने पड़ोस की अन्य लड़कियों से बहुत कम संपर्क था। लर्निंग कम्युनिटी के साथ, उनमें से कुछ लड़कियां सार्वजनिक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल कर, अकेले यात्रा करने लगीं। कुछ तो पहली बार अपने घरों से बाहर निकल पाई। कई मेंटर और लड़कियों के लिए बड़े होटलों और विभिन्न शहरों में प्रशिक्षण और बैठकों में भाग लेना इन 'प्रतिबंधित' स्थानों में प्रवेश करने का पहला अनुभव था। उन्होंने इस मौके का भरपूर आनंद लिया और इसकी तारीफ की।

हमें यह नया अवसर देने और हम पर भरोसा करने, और जरूरत पड़ने पर हमें प्रोत्साहित करने, मॉडल में लचीलापन लाने और लर्निंग कम्युनिटी नेटवर्क के कल्पना और निर्माण में हमारी आवाज को जगह देने के लिए हम एम्पावर को धन्यवाद देना चाहते हैं। वाचा के लिए एम्पावर और लर्निंग कम्युनिटी के साथ की यात्रा बहुत ही उपयोगी और रोमांचक रही है।

विमलेन्दु झा

स्वेच्छा, नई दिल्ली

दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी के शुरुआती चरण को स्थापित करने का अनुभव सीखों से भरा था। यह व्यक्तिगत के साथ-साथ सामूहिक रूप से लड़कियों की नेतृत्व में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की तरफ कार्यक्रम एक नया दृष्टिकोण था। कार्यक्रम के डिजाइन का सबसे अच्छा हिस्सा, कार्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना थी, इसलिए वे केवल कार्यक्रम में शामिल नहीं थे, बल्कि कार्यक्रम के सक्रिय संचालक थे—जिसका अर्थ था, महत्वपूर्ण निर्णय लेना, उन निर्णयों पर अमल करना और उन निर्णयों से सीखना।

कार्यक्रम का एक अन्य दिलचस्प पहलू अभियान के माध्यम से पहुँच बनाना था, जिससे प्रतिभागी अपने समुदाय से अपने ख़ास मुद्दों और चिंताओं के लिए विभिन्न रचनात्मक और सहभागी तरीकों से जुड़े।

प्रभलीन टुटेजा

वाई.पी. फाउंडेशन, नई दिल्ली

“लर्निंग कम्युनिटी, सामूहिक शिक्षा, एकजुटता निर्माण और विश्वास-आधारित नेतृत्व के लिए प्रेरणा और आकांक्षाओं का एक समागम है।” यह कथन उन मूल्यों को दिखाता है, जो हमने साथी संस्थाओं से, किशोरी गर्ल लीडर्स से, और इस मुद्दे पर मंत्रमुग्ध करने वाले इस सफ़र पर हमारे साथ आए विभिन्न व्यक्तियों से सुने है। हम इसे पूरे भान के साथ कहते हैं कि कार्यकर्ताओं के पास एक साथ मिलकर, नारीवादी नेतृत्व को पूरी तरह से समझने, सत्ता को साझा करने और अमल में लाने, और किशोरियों के साथ जगहों के सह-निर्माण करने के लिए कुछ ही मौके हैं। न केवल लर्निंग कम्युनिटी इस प्रक्रिया में विश्वास करती है, बल्कि उसने हर संभव तरीके से सभी साथी संस्थाओं के बीच इसे एक मूल्य बनाने का प्रयास भी किया है।

वाई. पी. फाउंडेशन के लिए, साथी संस्थाओं के मेंटरशिप सपोर्ट के साथ, सहयोग, साथ और विश्वास पर आधारित, किशोरियों पर केन्द्रित एक मॉडल का सह-विकास करने का मौका काफी खास था, जिससे प्रतिभागियों के लिए साथ सीखने के कई रास्ते खुले।

पिछले साल, जब सारी दुनिया महामारी से प्रभावित थी, संख्या के संदर्भ में बात करना कुछ अजीब होगा । उस समय किशोरियों के समस्या से उबरने की क्षमता और उनकी भलाई (वेल-बीइंग) सर्वोच्च प्राथमिकता थी, और हमने मानसिक स्वास्थ्य और भलाई (वेल-बीइंग) पर ध्यान केंद्रित करने वाले समूहों को एक साथ लाने के लिए तेजी से प्रयास किये।

धीरे-धीरे, डांस मूवमेंट सेशन, मंडला आर्ट कार्यशालाओं और फिल्म स्क्रीनिंग के माध्यम से, विभिन्न संस्थाओं से विशिष्ट समूह, अलग-अलग वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह में शामिल हो गए। इस दौरान यह भावना विकसित हुई और अपने नाम के अनुरूप रही कि हम कार्यकर्त्ताओं, अधिकारों के पैरवीकारों और, नारीवादी किशोरी लीडर्स के एक समुदाय के रूप में लगातार सीखते रहते हैं। लर्निंग कम्युनिटी रुकती नहीं है; हम विकसित होते हैं, और आगे बढ़ते रहते हैं। हम उन किशोरी लीडर्स को प्रोत्साहित करते हैं, जो सभी के लिए एक न्यायसंगत और समान दुनिया बनाने के लिए आशान्वित और प्रेरणादायक हैं।

आभार

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका की रचना, लड़कियों की लीडरशिप और उनकी क्षमता निर्माण के लिए समर्पित कई संस्थाओं और व्यक्तियों के सहयोग के बिना संभव नहीं थी। एम्पावर उन सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता है, जो भारत में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को लागू करने के लिए हमारे साथ मिल कर काम करते हैं। इनमें भारत में हमारे अनुदान प्राप्त करने वाली साथी संस्थाएं शामिल हैं: **वाचा ट्रस्ट, वाई. पी. फाउंडेशन, स्वेच्छा, कोरो (CORO), स्त्री मुक्ति संगठन, अक्षरा, आँगन ट्रस्ट, ब्राइट फ्यूचर, वाई. डब्लू. सी. ए. (YWCA), विधायक संसद, दोस्ती प्रोजेक्ट, एनेबलिंग लीडरशिप, अन्तरंग फाउंडेशन, ऑस्कर फाउंडेशन, फेमिनिस्ट एप्रोच टू टेक्नोलॉजी (FAT), जोश और चिंतन**; जिनका अपने काम में लड़कियों को केंद्रित करने के लिए निरंतर प्रयास और समर्पण प्रेरणादायक हैं।

सबसे अधिक हम गर्ल लीडर्स और मेंटर्स की सराहना करना चाहेंगे, जिन्होंने इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका को प्रेरित किया और जिनके लिए इसे बनाया गया है। लड़कियों के विचारों और सिफारिशों को इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के ताने-बाने में बुना गया है।

कार्यक्रम मार्गदर्शिका को उन सभी के लिए योजना बनाने, प्रशिक्षण देने, कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन करने और शिक्षण के टूल प्रदान करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है, जो किशोरियों के लिए कार्यक्रम लागू करना चाहते हैं, और विशेष रूप से उनके लिए जो युवा-केंद्रित कार्यक्रमों को चलाना चाहते हैं। इसकी सामग्री लड़कियों के साथ काम करने के अनुभवों के साथ-साथ कार्यक्रम के प्रतिभागियों, सलाहकारों और संस्थाओं से प्राप्त फीडबैक पर आधारित है, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में भारत, बांग्लादेश और नेपाल में विभिन्न क्षेत्रों और में इस कार्यक्रम को लागू किया और संदर्भों के अनुसार अनुकूलित किया है। हम रणनीतिक योजना बनाने की प्रक्रिया और समूह चर्चाओं और बैठकों में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहेंगे, जिन्होंने कार्यक्रम के मॉडल को संशोधित करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी और सुझाव प्रदान किये।

कुछ साथी उनके योगदान के लिए विशेष उल्लेख के पात्र हैं:

युवा संपादकीय बोर्ड के सदस्य: **सीमा** (बैच 2012, वाचा ट्रस्ट) और **आरती** (बैच 2018, कोरो) लर्निंग कम्युनिटी मुंबई से; **शिफा** (बैच 2017, जोश); **सिमरन** (बैच 2017, स्वेच्छा); **कशिश** और **शिवानी** (बैच 2017, वाई. पी. फाउंडेशन), लर्निंग कम्युनिटी दिल्ली से, जिन्होंने शोध करने, अपने साथियों तक पहुंचने और इस मार्गदर्शिका को विकसित करने के लिए एम्पावर टीम के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने लड़कियों के दृष्टिकोण को इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेंटर: **कात्यायनी**, वाई. पी. फाउंडेशन की ओर से **सुमन** चिंतन से, **शबनम** जोश से, **वृंदा** स्वेच्छा से, **रोहिणी** और **सुषमा**, कोरो से, ज्योति और **अनघा** वाचा से, **विनीता** FAT से, जिन्होंने कार्यक्रम मार्गदर्शिका के विकास में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्रदान कीं।

यग्ना परमार, मुंबई में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और लर्निंग कम्युनिटी मुंबई की समन्वयक, **स्टेफी फर्नांडो**, वाचा ट्रस्ट की असिस्टेंट प्रोग्राम डायरेक्टर, **प्रभलीन टुटेजा**, प्रोग्राम डायरेक्टर, **अपर्णा मणिकंदन**, वाई.पी. फाउंडेशन की एग्जीक्यूटिव कोऑर्डिनेटर, और लर्निंग कम्युनिटी दिल्ली की समन्वयक , पूरी प्रक्रिया के दौरान महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए और इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के लिए प्रमुख कार्यक्रम भागों का मसौदा तैयार करने के लिए।

सुनीति नियोगी और **ऐनी स्प्रिंकल**, केयर ने 'टिपिंग प्वाइंट' कार्यक्रम के माध्यम से बांग्लादेश और नेपाल में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के कुछ हिस्सों के अनुकूलन से महत्वपूर्ण फीडबैक प्रदान किया। हम एम्पावर और केयर की साझेदारी के लिए आभारी हैं, जिसके कारण **लर्निंग कम्युनिटीज ऑन द मूव मॉडल (LCOM)**[1] का निर्माण हुआ, जिसने लड़कियों की विशेषज्ञता और योगदान पर ध्यान केंद्रित करके, हानिकारक सामाजिक और जेंडर मानदंडों को बदलने के लिए संस्थाओं और कार्यक्रमों के लिए एक रोडमैप तैयार करके इस मॉडल के कुछ हिस्सों को अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में ले जाने में सक्षम बनाया है।

बोनी शेफर्ड, मेधावीनी नामजोशी, अमृता डे और लीडिया होल्डन, जिन्होंने इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के पहले के संस्करण को विकसित करने में योगदान प्रदान किया।

2011-14 में **नोवो फाउंडेशन** और **नाइके फाउंडेशन** के समर्थन के बिना लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का सफ़र, संभव नहीं होता।

1 लिंक - https://empowerweb.org/publications/learning-communities-on-the-move

एम्पावर टीम, जिन्होंने इसे सिर्फ एक विचार से शुरू कर, एक परखे हुए और उपयोगी संसाधन के रूप में बदल दिया:

स्वर्णलता माहिलकर, प्रोग्राम ऑफिसर, एडोलसेंट गर्ल्स एंड जेंडर इनिशिएटिव्स, जो गर्ल फेलो के रूप में टीम का हिस्सा बनी, और उन्होंने इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के विकास और लेखन का नेतृत्व किया, जिसमें लड़कियों को इस प्रक्रिया के हर चरण में समान भागीदार और सहयोगी के रूप में शामिल किया गया।

जयंती पुष्करन, सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर, एडोलसेंट गर्ल्स, ने कार्यक्रम संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया और जिनकी समीक्षा और अनेक मसौदों के विश्लेषण की मदद से मार्गदर्शिका का एक मजबूत संस्करण सामने आ पाया।

ईवा रॉका, लर्निंग एवं इवैल्यूएशन कंसल्टेंट को, लर्निंग, मोनिटरिंग एवं इवैल्यूएशन सरंचना पर उनके सुझाव के लिए, और टूल के साथ-साथ इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के कई मसौदों की समीक्षा कर के इसका एक मजबूत संस्करण बनाने में मदद करने के लिए।

आईसातु बाह, एडोलसेंट गर्ल्स और जेंडर इनिशिएटिव डायरेक्टर, को इस मार्गदर्शिका के विकास के दौरान उनके नेतृत्व और महत्वपूर्ण सुझावों के लिए।

थियोडोरस क्रोनोपोलोस, सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर और सेफगार्डिंग लीड, को सफेगार्डिंग उपायों की समीक्षा और सुझावों के लिए।

तन्वी मिश्रा, सीनियर कम्युनिकेशंस स्पेशलिस्ट, जिन्होंने **सारा साद**, ग्लोबल कम्युनिकेशंस एसोसिएट के सहयोग से इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका को रचनात्मक बनाने की प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

अलिफ्या लोहारचलवाला, पूर्व सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर और **एलिटा अल्मेडा**, पूर्व प्रोग्राम ऑफिसर, को लर्निंग कम्युनिटी रोडमैप पर उनके सुझावों और फीडबैक के लिए।

क्रिस्टन वूल्फ, वाईस प्रेसिडेंट प्रोग्राम्स और **हीरा**, प्रोग्राम डायरेक्टर, भारत, को उनकी रणनीतिक अंतर्दृष्टि, सुझाव और सलाह के लिए।

निशा धवन, कंट्री डायरेक्टर, भारत, और **सिंथिया स्टील**, प्रेसिडेंट एवं सी. ई. ओ., को जिनके सहयोग से एम्पावर ने 2012 में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की कल्पना की। निशा ने इस कार्यक्रम के सभी चरणों में तथा इस मार्गदर्शिका के विकास, उपयोग और सुधार में सहायता दी।

हम अपनी प्रकाशन टीम के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके बिना हम इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका को पूरा नहीं कर पाते। ग्राफिक डिजाइन और चित्रण के लिए: **दुलरी परमार**, कॉपी एडिटिंग के लिए: **कैरोल परेरा**, हिंदी में अनुवाद के लिए: **रिचा सिलाकारी** ।

हम उन सभी संस्थाओं के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके अग्रणी कार्य ने हमें मार्गदर्शन दिया है और जिन्हें हमने इस गाइड के विकास के दौरान उपयोग किया है।। हमने कई संसाधनों और टूल्स का उपयोग और अनुकूलन किया है, जिनकी सूची इस मार्गदर्शिका के सम्बंधित भागों में दी गई है। प्रयासों को दोहराने की बजाय, हम विभिन्न संस्थाओं के एक शानदार समुदाय के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं, जिनके काम ने हमारे लिए परस्पर सीखने के अवसर प्रदान किए हैं।

उद्धरण के लिए सुझाव: एम्पावर (2023): लर्निंग टुगेदर: लर्निंग कम्युनिटी द्वारा विकसित एक व्यापक कार्यक्रम मार्गदर्शिका। दिल्ली: एम्पावर - द इमर्जिंग मार्केट्स फाउंडेशन।

शब्दावली और प्रमुख परिभाषाओं की सूची

शब्दावली

किशोरियां: 10-19 वर्ष की उम्र का कोई भी व्यक्ति जो, स्वयं की पहचान एक लड़की के रूप में करती है, या स्वयं को लड़की मानती है। करें

एलुमनाई गर्ल लीडर्स: उन लड़कियों और युवा गर्ल लीडर्स को दर्शाता है, जो लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का हिस्सा हैं, और 12-18 महीने के लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में अपनी नेतृत्व यात्रा पूरी कर चुकी हैं।

गर्ल-लेड एक्शन प्रोजेक्ट: ये छह महीने की समय की वे योजनायें हैं, जिनकी परिकल्पना लड़कियां अपने समुदायों में बदलाव लाने के लिए करती हैं, और जिन्हें अपने नेतृत्व में क्रियान्वित करती हैं।

लर्निंग कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर (समन्वयक): ये वे संस्थाएं हैं, जो अन्य लर्निंग कम्युनिटी सदस्य संस्थाओं के साथ मिल कर लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का सह-नेतृत्व करती हैं।

लर्निंग कम्युनिटी मेंटर: संस्था के वे कार्यकर्त्ता हैं, जो किशोरियों और समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर काम करते हैं।

पीयर लीडर (सहकर्मी लीडर): वे युवा महिलाएं हैं, जो लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की एलुमनाई गर्ल लीडर्स भी हैं। वे लर्निंग कम्युनिटी के मेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि नई लड़कियों की सहायता कर सकें और उन्हें कार्यक्रम से जुड़ने करने में मदद कर सकें।

युवा महिला: 20-24 वर्ष की उम्र की कोई भी व्यक्ति जो, स्वयं की पहचान एक महिला के रूप में करती है, या स्वयं को महिला मानती हैं।

प्रमुख परिभाषाएँ

कम्युनिटी ऑफ़ प्रैक्टिस: यह ऐसे लोगों का एक संगठित समूह है, जो किसी एक निश्चित विषय में साझा रुचि रखते हैं, और विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों का मिल कर समन्वय करते हैं। वे आपस में सूचनाओं के आदान-प्रदान, एक साथ सीखने, अपने कौशल में सुधार करने, विषय के बारे में सामान्य जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई योग्य ज्ञान हासिल करने के लिए एक समूह बनाने के लिए नियमित रूप से समन्वय और सहयोग करते हैं।

जेंडर: यह एक सामाजिक संरचना है, जो व्यक्ति, परिवार, समुदाय, संस्थागत और संरचनात्मक स्तरों पर सत्ता के संबंधों द्वारा परिभाषित है, और जो एक व्यक्ति की एक महिला/ लड़की (सिसजेंडर -जिस व्यक्ति की जेंडर पहचान उसके जन्म के समय उसके लिंग से मेल खाती है, या ट्रांसजेंडर), एक पुरुष/लड़का (सिसजेंडर या ट्रांसजेंडर) के रूप में, या एक नॉन-बाइनरी व्यक्ति के रूप में कथित और/या व्यक्तिगत रूप से अनुभव की गई पहचान है।

एक सामाजिक संरचना के रूप में जेंडर का अर्थ, आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भूमिकाओं के साथ-साथ उन पहचानों से जुड़ी जिम्मेदारियों, अधिकारों, मानदंडों और अपेक्षाओं के बारे में, समाज में मौजूद सामाजिक मान्यताओं से है। यह समय के साथ और सांस्कृतिक संदर्भ के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं, और इसे नस्लीय पहचान, जातीय पहचान, उम्र और अन्य कारकों के संबंध में भी देखा जाना चाहिए।

जेंडर समानता: यह वह परिस्थिति है जब सभी जेंडर, जेंडर आधारित पहचानों और जेंडर अभिव्यक्तियों के व्यक्ति स्वास्थ्य और मानवाधिकारों का सच्चे और समान रूप से लाभ उठा सकते हैं, और बिना किसी स्पष्ट या छिपे भेदभाव, या उनके जेंडर के आधार पर राजनीतिक, सामाजिक, या आर्थिक बाधाओं के बिना, संसाधनों और अवसरों तक उचित पहुंच प्राप्त कर सकते हैं।

जेंडर समता: यह वह परिस्थिति है जब सभी लिंग, जेंडर, जेंडर आधारित पहचानों और जेंडर अभिव्यक्तियों वाले व्यक्तियों के साथ न्याय संगत व्यवहार किया जाता है, और उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर अवसरों तक उनकी समान पहुंच होती है। इसमें उनके साथ समान या असमान व्यवहार शामिल हो सकते हैं, जो अलग अलग होते हुए भी, अधिकारों, लाभों, दायित्वों और अवसरों के संदर्भ में समान माने जाते हैं, और जो जेंडर समानता की ओर बढ़ने में मदद करते हैं।

जेंडर-न्याय: जेंडर न्याय, मानव विकास और शांतिपूर्ण, न्यायसंगत और समावेशी समाजों की को बनाने के लिए एक मौलिक आवश्यकता है। इसमें कानून के साथ-साथ व्यवहार में महिला-पुरुषों के बीच असमानताओं को समाप्त कर, उन असमानताओं का समाधान प्रदान करना शामिल है।

जेंडर-न्याय को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक व्यापक दृष्टिकोण में नीतिगत और कानून में सुधार शामिल हैं, जो भेदभावपूर्ण मानदंडों और हानिकारक जेंडर आधारित मान्यताओं, पूर्वाग्रहों और परम्पराओं का निवारण करें; व्यवहार में बदलाव लाने वाली सूचना और ज्ञान का समर्थन और प्रसार करें; महिलाओं के लिए न्याय तक पहुंच, और उनकी सफेगार्डिंग को बढ़ावा दें; महिलाओं का सशक्तिकरण करें, जिससे वो जेंडर और सत्ता आधारित संबंधों और उन्हें खुद को सशक्त बनाने वाली संरचनाओं को बदलने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारों के रूप में हिस्सा ले सकें; और यौन और जेंडर-आधारित हिंसा के प्रति जवाबदेही को बढ़ावा दें।

लड़कियों पर केंद्रित[2]: लड़कियों पर केन्द्रित कामों में काम की देखरेख वयस्क व्यक्ति करते हैं, लेकिन लड़कियों के साथ मिल कर, और उन्हें सहयोग देते हुए। वयस्क व्यक्ति लड़कियों को सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाते हैं, और सहभागी तरीके से किसी मुद्दे पर प्राथमिकताओं और सिफारिशों पर सहमत होते हैं, वे यह भी यह सुनिश्चित करते हैं कि लड़कियों के हित केंद्र में हों और उनकी आवाज सुनी जाए। लड़कियां और वयस्क व्यक्ति दोनों मिल कर संदेश और सिफारिशें बनाते हैं।

लड़कियों के नेतृत्व में (गर्ल-लेड): लड़कियां अपने समूह से संबंधित सभी मुद्दों पर खुद निर्णय लेती हैं। वे खुद अपनी योजनाओं/रणनीतियों को बनाती हैं, अपनी प्राथमिकताओं को निर्धारित करती हैं, और यह तय करती हैं कि बजट का उपयोग कैसे किया जाएगा। इसके लिए उनके पास वयस्क व्यक्तियों का समर्थन हो भी सकता है और नहीं भी। वयस्क सहयोगी उन्हें जानकारी प्रदान कर सकते हैं, और उनकी प्रक्रियाओं के दौरान लड़कियों की सहायता कर सकते हैं।

इंटरसेक्शनैलिटी: यह पहचान की परस्पर-व्याप्त होती परतों को दर्शाता है (उदाहरण के लिए, जेंडर पहचान, यौनिक रुझान, नस्लीय पहचान, सांस्कृतिक पहचान, वर्ग-आधारित पहचान, जाति-आधारित पहचान, भौगोलिक पहचान, विकलांगता या किसी विशेष स्वास्थ्य स्थिति के साथ रहना, आदि) जिनमें व्यक्ति, परिवार और समुदाय रहते हैं, और जो अक्सर असमानता, भेदभाव, हाशियाकरण, और/या उत्पीड़न के एक साथ कई स्तर प्रस्तुत करते हैं। अमेरिकन नस्ल थ्योरी की विद्वान, किम्बरले क्रेंशॉ द्वारा 1991 में **इंटरसेक्शनैलिटी** शब्द गढ़ा गया था।

सार्थक युवा जुड़ाव/भागीदारी[3]: एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से युवा सार्थक रूप से निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं, जो उनके जीवन, समुदायों और समाजों को प्रभावित करते हैं। आपसी सम्मान, साझा शक्ति और युवाओं के लिए अपनी आवाज और प्रभाव का उपयोग करने के सार्थक अवसर इस प्रक्रिया की विशेषता है।

---

2 लड़कियों पर केंद्रित और गर्ल-लेड: मामा कैश और फ्रीडा| द यंग फेमिनिस्ट द्वारा 'गर्ल्स टू द फ्रंट' रिपोर्ट में दी गई परिभाषाओं से अपनाई गई हैं https://www.startpage.com/do/dsearch?query=girlstothefront_report_web.pdf&cat=web&pl=ext-ff&language=english&extVersion=1.3.0

3 निर्णय लेने में सार्थक युवा भागीदारी के लिए संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देश (2010)

विषयसूची

परिचय

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका क्या है, और यह किसके लिए है? **02**

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें? **03**

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका का उपयोग क्यों करना चाहिए? **07**

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को अपने संदर्भ में अपनाना **08**

01

भाग 1 - लर्निंग कम्युनिटी क्या है **09**

लर्निंग कम्युनिटी के दस सालों का सफ़र **11**

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम **16**

लर्निंग कम्युनिटी, कम्युनिटी ऑफ़ प्रेक्टिस के कार्यक्रम मॉडल के रूप में **25**

एलुमनाई गर्ल लीडर्स के जुड़ाव और आन्दोलन निर्माण के माध्यम से नेतृत्व को आगे बढ़ाना **26**

संलग्नक **26**

02

भाग 2 - किशोरियों के लिए कार्यक्रम की योजना कैसे बनाएं **31**

कैसे शुरू करें? **33**

कार्यक्रम स्तर की प्रक्रियाएं **33**

चरण 1 - कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति 33

चरण 2 - टीम की संरचना और उनका प्रशिक्षण 34

चरण 3 – कार्यक्रम की टाइम लाइन बनाना 35

चरण 4 - बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग 41

चरण 5 - जोखिमों और उन्हें कम करने के लिए रणनीतियों की पहचान करना 41

चरण 6 - कार्यक्रम सरंचना में स्वयं की देखभाल और 'भलाई' (वैल बीइंग) को शामिल करना 43

चरण 7 - सीखने और प्रभाव का आंकलन – लर्निंग कम्युनिटी की यात्रा को मैप करना 43

सामुदायिक स्तर की प्रक्रियाओं के माध्यम से संदर्भ को समझना **45**

चरण 1 - किशोरियों और उनके समुदाय की पहचान करना 45

चरण 2 - भागीदारी टूल के माध्यम से ज़रूरतों का आंकलन करना 45

चरण 3 - सामुदायिक मोबिलाइजेशन की गतिविधियाँ 46

चरण 4 - किशोरियों के माता-पिता या अभिभावकों से मिलना 46

प्रतिभागी (किशोरियां) और उनकी सामूहिक प्रक्रियाएं **47**

चरण 1 - लड़कियों के समूहों का गठन 47

चरण 2 - लर्निंग कम्युनिटी की लड़कियों का आमुखीकरण 47

चरण 3 - लड़कियों का प्रशिक्षण और क्षमता का विकास 47

चरण 4 – गर्ल-लेड काम की योजनाओं की रचना और कार्यान्वयन 47

किशोरियों के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें **49**

अ. डिजिटल माध्यमों से जुड़ने के लिए के लिए विचार 49

ब. कोविड-19 (और अन्य आपदा/ परिस्थितियाँ) के लिए विचार 50

संलग्नक **51**

संलग्नक 2.1 - मेंटर की भूमिका, नियुक्ति के मानदंड और उसकी प्रक्रिया और मानदेय 51

संलग्नक 2.2 - बच्चों और युवाओं की सफेगार्डिंग 56

संलग्नक 2.3 - संभावित जोखिमों का आंकलन करने और उनके समाधान निकालने के लिए टेम्प्लेट 63

03

भाग 3 – लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से लड़कियों का सफ़र **65**

प्रशिक्षण और क्षमता विकास **67**

आमुखीकरण कार्यशाला 67

आमुखीकरण कार्यशाला की योजना बनाने के लिए सैंपल प्लान 68

किशोरियों का प्रशिक्षण **70**

सहजकर्ता के लिए दिशानिर्देश 71

लड़कियों की प्रशिक्षण गाइड और क्षमता-विकास योजना 71

प्रशिक्षण के लिए सेशन गाइड 73

गर्ल सेशन 1: जेंडर को समझना 77

गर्ल सेशन 2: समाज को समझना 81

गर्ल सेशन 3: हमारे समुदाय को समझना 85

गर्ल सेशन 4: नेतृत्व को समझना 89

गर्ल सेशन 5: निर्णय लेना 93

गर्ल सेशन 6: लड़कियों के समूह (कलेक्टिव) का निर्माण 97

गर्ल सेशन 7: लक्ष्य निर्धारण 101

गर्ल सेशन 8: गर्ल-पाथ टूल 103

गर्ल सेशन 9: सोशल नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम को समझना 105

गर्ल सेशन 10: गर्ल-लेड पहल/ प्रोजेक्ट बनाने की मूल बातें 107

नेतृत्व और प्रोजेक्ट व बजट योजना पर संयुक्त कार्यशाला **111**

गर्ल-लेड एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से नेतृत्व करना [कार्यान्वयन] **113**

मेंटर और गर्ल लीडर्स की मासिक चेक-इन मीटिंग 114

वैकल्पिक: गर्ल लीडर्स की मासिक योजना मीटिंग 115

लड़कियों की सीखने के सफ़र की मैपिंग **117**

लड़कियों और उनके समूह के लिए टूल 119

04

भाग 4 – लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से मेंटर का सफ़र **169**

मेंटर के प्रशिक्षण और क्षमता विकास की टाइम लाइन **171**

मेंटर का प्रशिक्षण और चेक-इन क्यों महत्वपूर्ण है? **172**

मेंटर के प्रशिक्षण और चेक-इन में कौन-सी थीम/विषय शामिल होंगे? 172

मेंटर का प्रशिक्षण **174**

प्रशिक्षण की रूपरेखा का एक उदाहरण 177

मेंटर के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण **187**

मेंटर के साथ द्वि-मासिक चेक-इन/कॉल **190**

समुदाय में मेंटर का काम **191**

मेंटर के सीखने के सफ़र की मैपिंग **192**

मेंटर के लिए टूल 193

05

भाग 5 – लर्निंग कम्युनिटी की सीखों को साथ लाना 207

समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला 209

कार्यक्रम और सामुदायिक स्तर के प्रभाव का दस्तावेजीकरण कैसे किया जाए? 211

अलग-अलग संस्थाओं के लिए सीखें 211

संस्थागत स्तर पर विचार-विमर्श के लिए कुछ वैकल्पिक प्रश्न 212

लर्निंग कम्युनिटी - आगे का सफ़र ... 214

मेथोडोलोजिकल टूल्स/ विश्लेषण गाइड 215

5.1 गुणात्मक ग्रेडिंग मार्गदर्शिका (क्वालिटेटिव ग्रेडिंग गाइड) 215

गुणात्मक ग्रेडिंग क्या है? 215

गुणात्मक (क्वालिटेटिव) डेटा को मात्रात्मक (क्वांटिटेटिव) में कैसे बदलें 216

5.2 विषयगत विश्लेषण मार्गदर्शिका (थीमेटिक ग्रेडिंग गाइड) 219

विषयगत विश्लेषण के लिए निर्देश 219

5.3 वर्ड क्लाउड क्या है? 223

कार्यान्वयन में आसानी के लिए 225

प्रिंटिंग के लिए फॉर्म और रिकॉर्डिंग शीट - गर्ल लीडर्स के लिए 227

प्रिंटिंग के लिए फॉर्म और रिकॉर्डिंग शीट – मेंटर के लिए 247

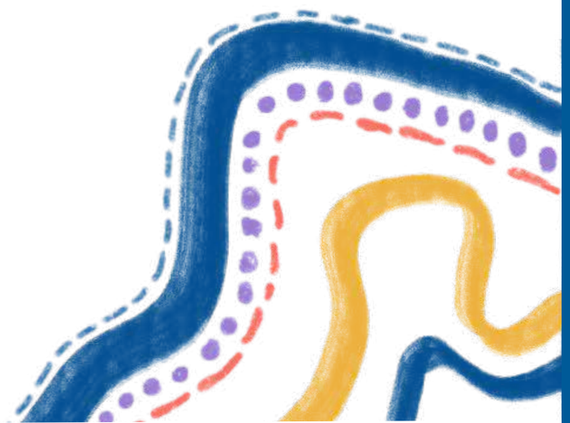

परिचय

किशोरावस्था जीवन में बदलाव का एक महत्वपूर्ण दौर है, जो लड़कियों के भविष्य को गहराई से प्रभावित करता है। यह एक ऐसा समय है, जहां जीवन के सबसे ख़ास निर्णय लिए जाते हैं, जो उनके जीवन के आगे की दिशा को निर्धारित करते हैं। इन निर्णयों में, स्कूल में पढ़ना, ऐसे कौशल में प्रशिक्षण लेना का जो उन्हें सफल आजीविका के लिए तैयार करे, और उनके शरीर और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना, शामिल हैं जो उनके आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। किशोरावस्था लड़कियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित तरीके से वयस्क जीवन में कदम रखने के लिए अपने अन्दर क्षमता विकसित करने का एक महत्वपूर्ण समय है, लेकिन अक्सर, वास्तविकता अलग होती है।

जैसे-जैसे लड़कियां किशोरावस्था में प्रवेश करती हैं, वे पहले से अधिक स्पष्ट जेंडर की भूमिकाओं, और जेंडर आधारित भेदभाव का अनुभव करती हैं, जो उनकी जानकारी और अवसरों तक पहुंच को बहुत सीमित कर देता है। सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंड उनकी गतिशीलता और स्वतंत्रता, शिक्षा तक उनकी पहुंच, अच्छे स्वास्थ्य और आजीविका के मौकों को बाधित करते हैं, जिससे उनके लिए जेंडर आधारित हिंसा का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, इस तरह के मानदंड, दृष्टिकोण और प्रथाएं, लड़कियों के मत और निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करती हैं। दुनिया भर में युवाओं के लिए कई कार्यक्रम हैं, जो उन्हें सूचना, कौशल और समर्थन के माध्यम से सशक्त बनाने की कोशिश करते हैं। एम्पावर का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रमों को युवाओं, विशेष रूप से लड़कियों, को केंद्रित करते हुए और उन्हें सक्रिय प्रतिभागियों के रूप में रख कर विकसित किया जाना चाहिए। लड़कियों को उन कार्यक्रमों से सबसे अधिक लाभ होता है जिनमें उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने, सक्रिय रूप से भाग लेने और नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए जगह मिलती है । एम्पावर का मानना है कि लड़कियां अपने जीवन की विशेषज्ञ होती हैं। वे मुखर और लचीली होती हैं, और जब लड़कियां अपने जीवन के मुख्य निर्णय लेने की स्थिति में होती हैं, तो बदलाव उनके और उनके समुदाय के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक होते हैं। हमें अंततः लड़कियों के लिए बनने वाले कार्यक्रमों को देखने का तरीका बदलने की ज़रूरत है, और केवल कार्यक्रम बना देने से आगे बढ़ कर कार्यक्रमों के हर पहलुओं में लड़कियों को केंद्रित करने की ज़रूरत है। पिछले एक दशक के लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के अनुभवों से हमें लड़कियों पर केंद्रित और उनके नेतृत्व में होने वाले कार्यक्रम के बारे में बहुत महत्वपूर्ण सीखें मिली हैं, जो इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका में प्रस्तुत की गई हैं। यह मार्गदर्शिका लड़कियों के अनुभवों पर आधारित है, और इसे लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ मिलकर, समान भागीदारी में बनाया गया है ।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका क्या है, और यह किसके लिए है?

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका सार्थक युवा जुड़ाव में एम्पावर के विश्वास का एक उदाहरण है। इसमें किशोरियों के लिए कार्यक्रमों की संरचना, कार्यान्वयन, दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल, गतिविधियाँ, भागीदारी टूल और चेकलिस्ट को शामिल किया गया है।

यह उन लोगों के लिए है जो: (1) किशोरियों के साथ कोई कार्यक्रम चला रहे हैं, और उसे बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं, (2) अभी लड़कियों के साथ काम करने लिए कोई कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं और (3) पहले से लड़कियों के साथ काम कर रहे हैं, और कार्यक्रम की गतिविधियों को बनाये रखने के लिए नए विचारों की आवश्यकता है। इसका गाइड का इस्तेमाल नीचे दिए लोगों द्वारा किया जा सकता है:

व्यक्ति और संस्था द्वारा, जो एक लड़कियों पर केंद्रित और उनके द्वारा नेतृत्व किये जाने वाले (गर्ल-लेड) कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं

प्रमुख हितधारकों द्वारा, जिनमें संस्थाएं, सरकारें, और डोनर संस्थाएं शामिल हैं, जो युवाओं के, विशेष रूप से किशोरियों के लिए विकास के कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं

प्रतिभागियों द्वारा, स्वयं और समुदाय के बारे में गंभीर रूप से विचार करने के लिए

मेंटर, सहजकर्ता और प्रशिक्षक द्वारा, जो किशोरियों और युवाओं के साथ काम करते हैं

कार्यक्रम प्रबंधक और कार्यकारी निदेशक द्वारा, प्रतिभागियों और कार्यक्रम का आंकलन और क्षमता विकास करने के लिए

सीखना, निगरानी और मूल्यांकन (M&E) टीमों द्वारा, सीखों का दस्तावेजीकरण करने और परिणामों को मापने के लिए

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें?

यह कार्यक्रम मार्गदर्शिका पांच भागों में बंटी हुई है, जिनमें से हर एक भाग, कार्यक्रम के किसी एक हिस्से या पूरे कार्यक्रम को लड़कियों को केंद्र में रखकर, उनके समुदायों की ज़रूरतों के आधार पर बनाने पर प्रकाश डालता है। हर एक भाग में भारत में लर्निंग कम्युनिटी, गर्ल लीडर्स, मेंटर और साथी संस्थाओं के अनुभवों पर आधारित सामग्री है और यह नए संदर्भों और क्षेत्रों में अनुकूलन के लिए गुंजाइश प्रदान करता है।

भाग 1 में कार्यक्रम की परिकल्पना, उद्देश्यों, मूल सिद्धांतों, कार्यक्रम की रणनीतियों, टाइम लाइन और गतिविधियों के साथ-साथ टीम की संरचना, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ-साथ लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम और इसके विभिन्न भागों का परिचय शामिल है।

भाग 2 किशोरियों के लिए एक कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए रणनीतियों और दृष्टिकोणों को विकसित करने में शामिल आवश्यक चरणों का वर्णन करता है। यह भाग आपको अपने कार्यक्रम के मुख्य हिस्सों को विकसित करने और परिभाषित करने में मदद करेगा।

भाग 3 में लड़कियों के क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण तैयार करने के लिए मार्गदर्शिका शामिल है। यह विभिन्न प्रकार के कार्यशाला सेशन, संसाधन और कौशल सुझाता है, जो लड़कियों में नेतृत्व की भूमिका निभाने और उन्हें निर्णय लेने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार करता है। यह भाग गर्ल लीडर्स के लिए अपने समुदायों में बदलाव की कल्पना करने, और इसे वास्तविकता बनाने के लिए उनकी कार्य योजनाओं का नेतृत्व करने के लिए अवसर पैदा करने की प्रक्रियाओं पर भी रोशनी डालता है।

भाग 4 मेंटर्स की, गर्ल-लेड कार्यक्रम पर समझ बनाने, उनके नज़रिया और नेतृत्व विकास के लिए क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। जिसके लिए इस भाग में सत्र योजनाओं और विभिन्न टूल्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।

भाग 5 लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की सीखों पर विचार करके सीखने के सफ़र के अगले चरण को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

यह मार्गदर्शिका हर एक सेशन और टूल पर विस्तार से चर्चा करती है और निम्नलिखित जानकारी प्रदान करती है:

ट्रेनिंग सेशन

- **सेशन के विषय और अपेक्षित परिणाम/उद्देश्य**
- **सेशन की समय**
- **सेशन के लिए बिंदु और/या टूल**
- हर सेशन के लिए **संसाधन सामग्री** के लिए सुझाव
- सहजकर्ता के लिए **नोट्स और अतिरिक्त मार्गदर्शन**
- गर्ल लीडर्स के लिए **असाइनमेंट**

मूल्यांकन (लर्निंग) और ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) के लिए टूल्स

- टूल का **विवरण**
- टूल के **मुख्य उद्देश्य** और उपयोगों का विवरण
- **निर्धारित टाइम लाइन**, यह बताते हुए कि, कार्यक्रम के दौरान कब टूल के द्वारा जानकारी एकत्र करना सबसे उपयोगी होगा
- हर टूल के लिए **आवश्यक सामग्री**
- **टूल का उपयोग कौन करेगा**, जिसमें सेशन के संचालन और फॉर्म भरने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के बारे में मार्गदर्शन है **टूल का उपयोग कैसे करें**, जिससे प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने में सहजकर्ता को सहायता मिले
- **सहजकर्ताओं के लिए निर्देश**, गतिविधि का संचालन करने में उनकी सहायता करने के लिए कार्यक्रम के प्रभाव को मापने के लिए **आंकड़ों का विश्लेषण**
- सहजकर्ता के लिए अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए **बिंदु / टिप्पणियाँ**

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दो प्रकार के टूल्स दिए है: लड़कियों से संबंधित मुद्दों को समझने के लिए ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) टूल, और लड़कियों और उनके जीवन और समुदायों में बदलाव को समझने के लिए मूल्यांकन टूल। ये सहभागी टूल पूरे कार्यक्रम में शामिल हैं। आप इन्हें अलग-अलग हिस्सों में या एक साथ उपयोग कर सकते हैं। ये टूल आपको भाग 3, 4 और 5 में मिलेंगे। इस प्रक्रिया को आसान और टूल्स को अपने संदर्भ में अपनाने के लिए, लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दो प्रकार के पॉप-अप बॉक्स दिए है:

अपने सन्दर्भ में अपनाएं

''**अपने सन्दर्भ में अपनाएं** "- इस बॉक्स में कार्यक्रम को अपने सन्दर्भ के अनुसार बदलने और अपनाने के लिए सुझाव दिए गए हैं।

"**हमारे अनुभव में**" - इस बॉक्स में किसी विशेष टूल या रणनीती का उपयोग करने का हमारा अनुभव साझा किया गया है।

हमारे अनुभव से

टेबल 1: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए मूल्यांकन और नॉलेज बिल्डिंग टूल्स का विवरण:

	कार्यक्रम की तैयारी और शुरुआत	क्षमता विकास और प्रशिक्षण	गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट - कार्यान्वयन	समीक्षा, सीखना और साझा करना (रिव्यु, लर्निंग, एवं शेयरिंग) – समेकन
	पहला और दूसरा चरण - महीना 1	तीसरा चरण - महीना 2-4	चौथा चरण - महीना 5-10	पांचवा चरण - महीना 11-12
किशोरियों के लिए टूल्स				
ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) टूल		टूल 2: सामाजिक नक्शा / सोशल रिसोर्स मैपिंग (बेसलाइन) – मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक टूल टूल 3: लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) टूल टूल 4: गर्ल-पाथ टूल टूल 5: सामाजिक नेटवर्क मैपिंग		टूल 2: सामाजिक नक्शा / सोशल रिसोर्स मैपिंग (एंड लाइन) – मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक टूल
लर्निंग और मूल्यांकन टूल	टूल 1: स्व-मूल्यांकन टूल - बेसलाइन	टूल 6: प्लानिंग और बजट शीट – बेसलाइन	टूल 7: प्रोजेक्ट के मूल्यांकन का फॉर्म	टूल 8: गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के लिए मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 1: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 9: बदलाव के पल टूल 10: केस स्टोरी विश्लेषण टूल 11: लाइफ लाइन टूल 12: फोटो-वॉयस टूल – वैकल्पिक
मेंटर के लिए टूल्स				
ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) टूल		टूल 3: लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) टूल टूल 4: गर्ल-पाथ टूल		
लर्निंग और मूल्यांकन टूल	टूल 13: स्व-मूल्यांकन टूल – बेसलाइन			टूल 13: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 14: वर्ल्ड कैफे

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका का उपयोग क्यों किया जाना चाहिए?

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका किशोरियों और साथी संस्थाओं के अनुभवों और संदर्भों पर आधारित है। यह भारत में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को लागू करने के 10 वर्षों के समृद्ध ज्ञान और बेस्ट प्रैक्टिसेस पर रोशनी डालती है, जो इस कार्यक्रम में लड़कियों की आवाज़ और निर्णय लेने की क्षमता को केंद्रित करने में सहायक रहे हैं। यह दिखाते हैं कि लड़कियों पर केन्द्रित प्रक्रियाएं व्यवहार में कैसी दिखती हैं। यह मार्गदर्शिका उन संस्थाओं, सरकारों, दानदाताओं और व्यक्तियों की मदद कर सकती है, जो युवा लोगों के साथ अपने काम में लड़कियों की आवाज़ और नेतृत्व को प्राथमिकता देना चाहते हैं। लड़कियों पर केन्द्रित कार्यक्रम की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए, इसके हर चरण में प्रयास करना महत्वपूर्ण है - योजना और तैयारी के समय से लेकर क्षमता विकास और कार्यान्वयन तक, और साथ ही व्यवस्थित निगरानी, सीखने और मूल्यांकन के दौरान भी।यह मार्गदर्शिका कई पद्धतियों और गतिविधियों पर आधारित है, जो किसी कार्यक्रम के प्रभाव, कमियों और उपलब्धियों के बारे में सबूतों के आधार पर जानकारी दे सकते हैं। इसमें लड़कियों पर केन्द्रित और नेतृत्व वाले कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के के लिए उठाये जाने वाले कदमों के साथ-साथ, मेंटर और किशोरियों और युवाओं की क्षमता को मजबूत करने के लिए मॉड्यूल और मूल्यांकन के लिए टूल शामिल हैं, जो सीखने को प्राथमिकता देते हैं, और लड़कियों की क्षमता पर जोर देते हैं, जिससे वे अपने समुदायों में बदलाव की एजेंट बन सकें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि लड़कियां अपने जीवन और समुदायों में बदलाव के केंद्र में हैं, पूरे कार्यक्रम में सहभागितापूर्ण तरीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह मार्गदर्शिका लड़कियों की वास्तविकताओं और संदर्भों के अनुसार अपनाने लचीलेपन के साथ आपके संदर्भ में, लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की योजना बनाने में मदद करेगी।

यह मार्गदर्शिका निम्नलिखित में सहायता करती है:

- विभिन्न संदर्भों में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की योजना बनाने और उसे लागू करने में।
- मेंटर और किशोरियों की क्षमता विकास और प्रशिक्षण में।
- एलुमनाई गर्ल लीडर्स का जुड़ाव और समूह-निर्माण की प्रक्रियाओं में।
- किसी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद लड़कियों के जीवन में आए बदलावों को समझने और उनका आंकलन करने – अपेक्षित और अनपेक्षित दोनों बदलावों में (उदाहरण के लिए, आपको यह पता चले कि लड़कियों की गतिशीलता और सफेगार्डिंग का एक कार्यक्रम, उनके अपने माता-पिता के साथ उनके संवाद में सुधार भी ला सकता है)।
- किसी कार्यक्रम की सफलता को मापने में (उदाहरण के लिए, क्या आपका कार्यक्रम लड़कियों के आत्मविश्वास और मुखरता को बढ़ाता है? और यह वास्तव में नेतृत्व को कैसे बढ़ावा देता है?)।
- लड़कियों के सामने आने वाली समस्याओं या चुनौतियों के बारे में और अधिक सीखने में (उदाहरण के लिए, लड़कियां सार्वजनिक स्थानों पर क्यों नहीं जाती हैं, या आपके कार्यक्रम के लिए लड़कियों को नामांकित करना / जोड़े रखना क्यों मुश्किल होता है?)
- सामुदायिक बदलाव के लिए गर्ल लेड प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी हासिल करने में।
- लड़कियों के जीवन की वास्तविकताओं और उनमें अधिक निवेश करने की आवश्यकता के बारे में माता-पिता, हितधारकों, दाताओं और अन्य व्यक्तियों को सूचित करने के लिए उपयोग की जा सकने वाली जानकारी एकत्र करने में।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को अपने संदर्भ में अपनाना

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम हमारी मुख्य सीखों को प्रस्तुत करता है, जिसके बारे में हमारा मानना है कि इसमें लड़कियों और युवाओं के लिए नयी परिस्थियों और सन्दर्भों में अपनाने की असीमित गुंजाईश के साथ ही उनके लिए कार्यक्रम बनाने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करने की काफी संभावनाएं हैं। इसे अपने संदर्भ या क्षेत्र में बेहतर तरीके से अपनाने के लिए, निम्नलिखित पर गौर करें:

1. आपके कार्यक्रम का उद्देश्य क्या है?

संस्थाओं को अपने कार्यक्रम के उद्देश्यों की पहचान करने की आवश्यकता है। इसके आधार पर वे अपने कार्यक्रमों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए पूरे लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मॉडल या इस मार्गदर्शिका के अलग अलग भागों का उपयोग कर सकते हैं। उदाहरण के लिए भाग 3 और 4 को किशोरियों और मेंटर की क्षमता विकास के लिए, लड़कियों या युवाओं के साथ चल रहे कार्यक्रम में नेतृत्व को मजबूत करने, और चल रहे कार्यक्रम के प्रभाव को मापने के लिए किया जा सकता है।

2. समुदाय का सांस्कृतिक संदर्भ क्या है?

कार्यक्रम की रणनीति विकसित करने से पहले सांस्कृतिक संदर्भ और सामुदायिक प्रथाओं/मान्यताओं को जानना ज़रूरी है। अपने क्षेत्र में कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही संस्थाओं को अपने समुदाय के ख़ास मुद्दों के बारे में अपनी समझ बनाने के लिए जरूरतों का आंकलन करना चाहिए। भाग 2: किशोरियों के लिए कार्यक्रम कैसे विकसित करें, इस संबंध में उपयोगी हो सकता है।

3. प्रतिभागियों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और उम्र क्या है?

संस्थाओं को अपने संदर्भों में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की योजना बनाने से पहले प्रतिभागियों की उम्र, उनके जेंडर आधारित मुद्दों, और सामुदायिक मान्यताओं और विश्वासों को जानने की आवश्यकता है। इनके नतीजों के आधार पर, आपको प्रशिक्षण सामग्री, उदाहरण,और प्रशिक्षण सेशन चलाने की भाषा में बदलाव करना हो सकता है।

4. आपके कार्यक्रम का समय क्या है?

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए आदर्श समय 12 -18 महीने है। हालांकि, इसे किशोरियों या युवाओं के उपलब्ध समय या संसाधन के आधार पर बदला जा सकता है।आप इसमें कोई अन्य विचार भी जोड़ सकते हैं, जो आपको लगता है कि आपके संदर्भ के लिए ज़रूरी हैं। यह आपके सन्दर्भ में लड़कियों और युवाओं के लिए इसे और सार्थक बनाने और कार्यक्रम को अपने संदर्भ में अपनाने के लिए जरूरतों का आंकलन करने में मदद करेगा।

आप इस गाइड का उपयोग किशोरियों के लिए कार्यक्रम तैयार करने, इसे लागू करने और इसकी सीखों का मूल्यांकन करने के लिए, शुरू से अंत तक कर सकते हैं। आप इस के केवल कुछ हिस्सों का उपयोग भी कर सकते हैं, और इसे संशोधित भी कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, किशोरियों या मेंटर की क्षमता विकास करने के लिए, आप सीधे भाग 3 और 4 का उपयोग कर सकते हैं। आप हमारे साथ संपर्क में भी रहें, ताकि हम यह जान सकें कि आपका काम कैसे आगे बढ़ रहा हैं और क्या एम्पावर टीम आपकी किसी तरह सहायता कर सकती है।

भाग 1: लर्निंग कम्युनिटी क्या है

यह भाग किशोरियों, युवा महिलाओं और उनके समुदायों के साथ काम करने के लिए लर्निंग कम्युनिटी के दस सालों के सफ़र, इसकी परिकल्पना, मूल्यों, प्रमुख सिद्धांतों और दृष्टिकोणों को दर्शाता है।

लर्निंग कम्युनिटी के दस सालों का सफ़र

एम्पावर की 'लर्निंग कम्युनिटी' की अवधारणा एक ऐसी जगह बनाने की प्रतिबद्धता से प्रेरित है, जो लड़कियों की लीडरशिप को बढ़ावा देकर उन्हें सशक्त बनाती है। लड़कियां सभी स्तरों पर निर्णय लेने वाली होती हैं: वे लक्षित मुद्दों को तय करती हैं, नए विचार लाती हैं, योजना बनाती है और अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लड़कियां सक्रिय रूप से उनके सामने आने वाली बाधाओं के समाधान करने में आगे आती हैं, जो उन्हें पीछे खींचती हैं।

साल 2012 में, एम्पावर ने मुंबई, भारत में पहली बार लर्निंग कम्युनिटी की अवधारणा की शुरुआत की। लर्निंग कम्युनिटी का पहला चक्र 2012 से 2013 तक चला, जब एम्पावर की चार साथी संस्थाओं - वाचा, अक्षरा, आंगन ट्रस्ट, और विधायक संसद - ने इस नेटवर्क को बनाने के लिए एक साथ काम किया। साल 2013 में, तीन नई संस्थाएं: कोरो (CORO) दोस्ती प्रोजेक्ट, और स्त्री मुक्ति संगठन, लर्निंग कम्युनिटी के दूसरे चक्र के लिए नेटवर्क में शामिल हुए। इस नेटवर्क का उद्देश्य सदस्य संस्थाओं की कौशल और क्षमताओं के विकास पर ज़ोर देना है जिससे वो किशोरियों के लिए एक ऐसा माहौल बनाने में सक्षम हो, जिसमें किशोरियां अपने मुद्दों को चुन सकें, और अपने बदलाव के प्रोजेक्ट बना सकें और उसका नेतृत्व कर सकें। इस कार्यक्रम के मुख्य हिस्से नीचे दिए हैं:

1. **लड़कियों का नेतृत्व:** सदस्य संस्थाओं से जुड़ी किशोरियां अपने समुदायों में प्रोजेक्ट को लागू करने से पहले नेतृत्व-प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं, जिससे वो उनके लिए महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे रोक-टोक, गतिशीलता और लड़कियों के लिए सार्वजनिक सुरक्षा के हल निकाल सकें।

2. **मेंटरशिप:** संस्था के मेंटर नेतृत्व, प्रोजेक्ट प्रबंधन और मेंटरशिप की क्षमताओं पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, ताकि वे लड़कियों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित कर सकें, और अपनी संस्थाओं में प्रबंधन के रोल में आगे आकर काम कर सकें।

साल 2016 में, एम्पावर ने **लर्निंग टुगेदर - किशोरियों के लिए कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक टूलकिट**[4] नामक एक टूलकिट को बनाया, जिसमें मुंबई में लर्निंग कम्युनिटी के काम से निकले, किशोरियों के लिए कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन (मोनिटरिंग एवं इवैल्यूएशन) सम्बंधित संसाधनों का दस्तावेजीकरण किया गया। टूलकिट में रचनात्मक, सहभागी टूल और रणनीतियाँ शामिल हैं, जिन्हें नीचे दिए उद्देश्यों के लिए विकसित किया गया है:

- लड़कियों के जीवन में बदलाव को मापने के लिए
- समुदायों में लड़कियों की स्थितियों को समझने के लिए
- कार्यक्रम के प्रभाव को मापने के लिए
- गर्ल लेड कामों के महत्त्व को दिखाने के लिए

4 https://empowerweb.org/assets/uploads/tools-resources/350/learning_together_toolkit_final_2016.pdf

2020 में, एम्पावर ने गर्ल लीडर्स, मेंटर्स और साथी संस्थाओं के अनुभवों और अंतर्दृष्टि की मदद से लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की एक साल लम्बी समीक्षा (रिव्यु) प्रक्रिया शुरू की जिससे लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को लड़कियों और उनके समुदायों के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाते हुए कार्यक्रम के प्रभाव को और बेहतर बनाया जा सके।

इस समीक्षा में दिल्ली और मुंबई की एलुमनाई गर्ल लीडर्स, मेंटर्स और साथी संस्थाओं के स्टाफ के साथ 15 फ़ोकस समूह चर्चाएँ शामिल थीं। उनके योगदान और अंतर्दृष्टि के आधार पर लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया। समीक्षा के दौरान लड़कियों द्वारा साझा की गई जरूरतों को पूरा करने के लिए एम्पावर ने टूलकिट में सुधार करने की आवश्यकता को महसूस किया। इसके लिए एम्पावर ने 2021 में एक गर्ल फेलो को नियुक्त किया, और छह गर्ल लीडर्स, नौ मेंटर, दो लर्निंग कम्युनिटी समन्वयकों और तीन एम्पावर कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में एक संपादकीय बोर्ड का गठन किया, जिन्होंने मिल कर लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका को 2022 में व्यापक तरीके से बनाया है।

यह मार्गदर्शिका सहभागी टूल और प्रक्रियाओं, प्रशिक्षण मॉड्यूल और रणनीतियों को निम्न उद्देश्यों से साझा करती है:

- किशोरियों और युवाओं के नेतृत्व, निर्णय लेने की क्षमता और अधिकारों को आगे बढ़ाना
- लड़कियों के जीवन में बदलाव को मापना
- किशोरियों और मेंटर की क्षमता का विकास करना
- लड़कियों पर केन्द्रित और गर्ल लेड कार्यक्रम को विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए मार्गदर्शन देना
- समुदायों में किशोरियों की वास्तविकताओं और मुद्दों को समझना
- कार्यक्रम के प्रभाव को मापना
- कार्यक्रम में गर्ल लेड कामों के महत्त्व को दिखाना

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका को कोविड-19 महामारी के दौरान विकसित किया जा रहा था, इसलिए यह महामारी के दौरान लड़कियों पर केन्द्रित और गर्ल लेड कार्यक्रम में बदलाव करने के लिए अतिरिक्त विचार और सुझाव देती है। इस गाइड को कई अन्य परिस्थितियों में भी अपनाया जा सकता है जहाँ सामान्य तरीके से संचार मुश्किल हो। कार्यक्रम मार्गदर्शिका डिजिटल माध्यमों के द्वारा क्षमता विकास, संसाधनों और तैयारियों की ज़रूरत, और स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) के विचारों पर भी रोशनी डालती है, जो लड़कियों और युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए ज़रूरी है।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के प्रमुख पड़ाव

2012

एम्पावर ने मुंबई में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की कल्पना की और उसकी शुरुआत की।

2016

एम्पावर ने 'लर्निंग टुगेदर' टूलकिट विकसित किया।

लर्निंग कम्युनिटी का पहला चक्र 2012 से 2013 तक एम्पावर की चार साथी संस्थाओं के साथ चला।

मुंबई

- वाचा
- अक्षरा
- आंगन
- विधायक संसद

2017

लर्निंग कम्युनिटी टूलकिट के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश और नेपाल में केयर के टिपिंग पॉइंट प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनाया गया, एम्पावर के प्रशिक्षण में सहयोग दिया ।

2018-19

एम्पावर ने दिल्ली में पांच साथी संस्थाओं के नेतृत्व में अपनी दूसरी लर्निंग कम्युनिटी की शुरुआत की।

दिल्ली

- फेमिनिस्ट अप्रोच टू टेक्नोलॉजी (FAT)
- स्वेच्छा
- चिंतन
- जोश
- द वाई पी फाउंडेशन

2020

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की एक साल लंबी समीक्षा प्रक्रिया की शुरुआत की और एलुमनाई गर्ल लीडर्स और मेंटर, साथी संस्थाओं को आमंत्रित कर, कार्यक्रम के मॉडल में सुधार के लिए उनसे सुझाव और सिफारिशें लीं।

2021

एम्पावर और केयर की साझेदारी से विकसित 'लर्निंग कम्युनिटी ऑन द मूव (LCOM) मॉडल ने लड़कियों को केंद्र में रखते हुए, हानिकारक सामाजिक और जेंडर मानदंडों को बदलने के लिए संस्थाओं और कार्यक्रमों के लिए एक रोडमैप तैयार किया।

कार्यक्रम मार्गदर्शिका को विकसित करने के लिए एक संपादकीय बोर्ड का गठन किया, जिसमें गर्ल लीडर्स और मेंटर को शामिल किया गया।

संपादकीय बोर्ड

राजस्थान

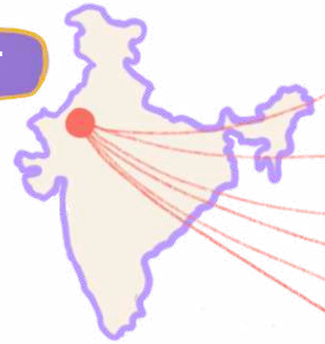

- आज़ाद फाउंडेशन
- इब्तिदा
- विकल्प संस्थान
- स्वेच्छा
- जनसाहस
- विशाखा

एम्पावर ने राजस्थान में छह साथी संस्थाओं के नेतृत्व में, संशोधित लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका के कुछ हिस्सों का संचालन करते हुए, तीसरी लर्निंग कम्युनिटी की शुरुआत की।

2022

2023

एम्पावर ने लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका प्रकाशित की।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम

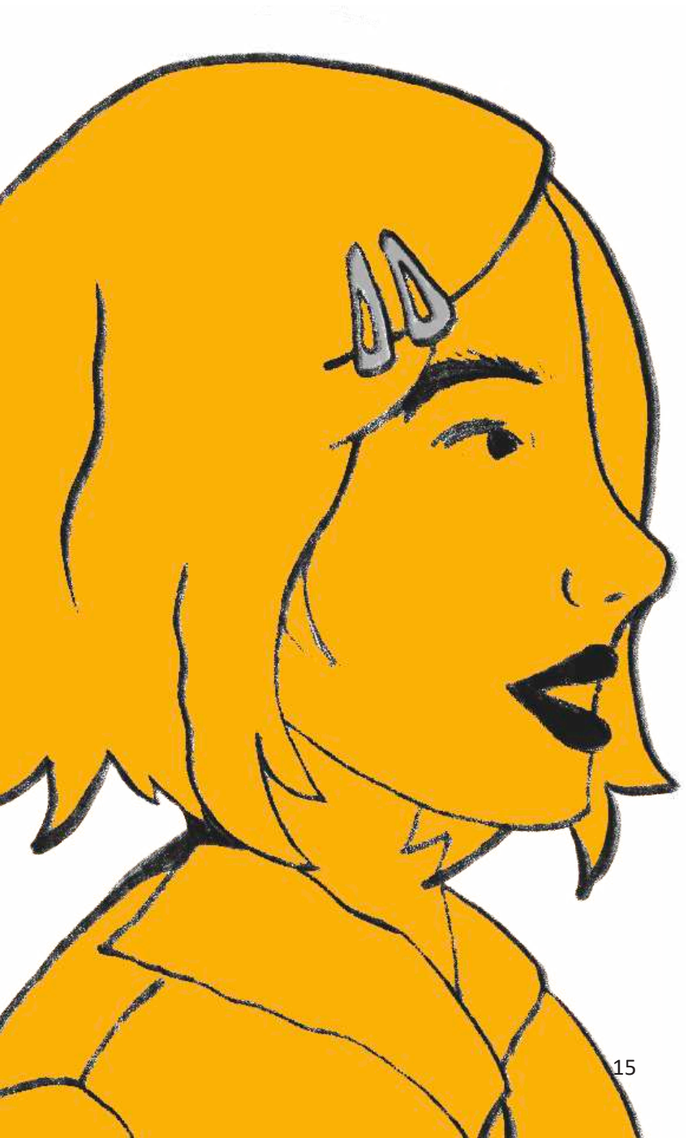

"जब लड़कियां नेतृत्व के कौशल सीखती हैं, तो उनमें आत्मविश्वास आता है। लर्निंग कम्युनिटी की गतिविधियां और सेशन हमारे जीवन के अनुभवों के साथ मेल खाते हैं, क्योंकि इनमें हम जेंडर भेदभाव और प्रतिबंधों के बारे में सोचते हैं, जिनका हम हर दिन सामना करते हैं। हम इस तरह के प्रश्नों के बारे में सोचते हैं कि, लड़की होने के कारण, हम भेदभाव का सामना क्यों करते हैं? हमने इसके बारे में पहले नहीं सोचा था। हमने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से इन मुद्दों पर काम किया। जब हमें अपने माता-पिता और समुदाय से भी सहयोग मिला, तो हम में और आत्मविश्वास आया। इससे हमें अपने समुदाय की अन्य लड़कियों के अनुभवों के बारे में भी पता चलता है। मैंने अपने दोस्तों को लर्निंग कम्युनिटी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया है।"

लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर, दिल्ली

परिकल्पना

लर्निंग कम्युनिटी, लड़कियों पर केन्द्रित और उनके नेतृत्व में चलने वाला एक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य लड़कियों के अधिकारों को आगे बढ़ाना है। लर्निंग कम्युनिटी क्षमता विकास और भागीदारी के साथ सीखने की प्रक्रियाओं के माध्यम से किशोरियों के बीच नेतृत्व, निर्णय लेने की क्षमता और आंदोलन के निर्माण की कल्पना करती है।

इसका उद्देश्य किशोरियों के लिए एक ऐसी जगह और परिस्थिति का निर्माण करना है जो उनके लिए समर्थकारी हों। जहां वे खुद को पूरी तरह से अभिव्यक्त कर सकें, महत्वपूर्ण विचारों पर सोच सकें और उनका विश्लेषण कर सकें। साथ ही अपने समुदायों में लड़कियों का एक मजबूत संगठन बनाने के लिए एक दूसरे के प्रति संवेदना रख उनका समर्थन कर सकें।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के मूल्य:

लर्निंग कम्युनिटी किशोरियों और युवा महिलाओं के लिए एक ऐसी जगह है जो:

- **समावेशी** और **विविध** है
- **पारदर्शी** और **गैर-आलोचनात्मक** है
- **सम्मानपूर्ण** और **संवेदनशील** है
- लड़कियों के **अधिकारों को सेफ़गार्ड** करती है और उनकी **लीडरशिप और एजेंसी** में विश्वास रखती है
- **अपनेपन की भावना** को बढ़ावा देती है

मुख्य दृष्टिकोण: गर्ल लेड और लड़कियों पर केन्द्रित कार्यक्रम क्या है?

लड़कियों के नेतृत्व में (गर्ल लेड) कार्यक्रम: लड़कियां अपने समूह से संबंधित सभी मुद्दों पर खुद निर्णय लेती हैं। वे खुद अपनी योजनाओं/रणनीतियों को बनाती हैं, अपनी प्राथमिकताओं को निर्धारित करती हैं, और यह तय करती हैं कि बजट का उपयोग कैसे किया जाएगा । इसके लिए उनके पास वयस्क व्यक्तियों का समर्थन हो भी सकता है और नहीं भी। वयस्क सहयोगी उन्हें जानकारी प्रदान कर सकते हैं, और उनकी प्रक्रियाओं के दौरान लड़कियों की सहायता कर सकते हैं।

लड़कियों पर केन्द्रित: लड़कियों पर केन्द्रित कामों में काम की देखरेख वयस्क व्यक्ति करते हैं, लेकिन लड़कियों के साथ मिल कर, और उन्हें सहयोग देते हुए। वयस्क व्यक्ति लड़कियों को सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाते हैं, और सहभागी तरीके से किसी मुद्दे पर प्राथमिकताओं और सिफारिशों पर सहमत होते हैं, वे यह भी यह सुनिश्चित करते हैं कि लड़कियों के हित केंद्र में हों और उनकी आवाज सुनी जाए। लड़कियां और वयस्क व्यक्ति दोनों मिल कर संदेश और सिफारिशें बनाते हैं।

लड़कों की भूमिका?

यह एक ऐसा प्रश्न है जो अधिकांश लड़कियों पर केन्द्रित या गर्ल लेड कार्यक्रम बनाने वालों और चलाने वालों से अक्सर पूछा जाता है।

कई संदर्भों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लड़के भी हिंसा, नेतृत्व के अवसरों की कमी और शिक्षा और रोजगार में बाधाओं का सामना करते हैं। हालाँकि, लड़कियों के अनुभव अलग होते हैं, और ज्यादातर उन्हें लड़कों तुलना में ज़्यादा वंचित रहना पड़ता है। अधिकांश संदर्भों में, अभी भी माता-पिता लड़कियों की तुलना में लड़कों को प्राथमिकता देते हैं, लड़कियों की गतिशीलता पर प्रतिबंध, और आगे बढ़ने के अवसरों में जेंडर के आधार पर काफ़ी अंतर है, खासकर उन लड़कियों के लिए जो हाशिए पर रहने वाले समुदायों से हैं। किसी समुदाय में युवाओं के लिए कार्यक्रम मौजूद तो हो सकते हैं, या मनोरंजन और दोस्ती के लिए सामुदायिक स्थान भी उपलब्ध हो सकते हैं, लेकिन वे अक्सर लड़कों के लिए अधिक फायदेमंद होते हैं।

इस सन्दर्भ में, लड़कियों के लिए सकारात्मक पहलों से फायदे मिलने की संभावनाएं कम और नकारात्मक तत्वों द्वारा नियंत्रित होने की सम्भावनएं ज़्यादा है। इसे ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम ने लड़कियों की जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए, सोच समझ कर प्रयासों को उनके नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता को आगे बढ़ाने पर केन्द्रित किया है।

हालांकि किशोरियों और युवा महिलाएं इस कार्यक्रम के केंद्र में हैं, लेकिन बदलाव की ज़िम्मेदारी अकेले लड़कियों पर नहीं डाली जा सकती है। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर, लड़कियों के आस-पास के माहौल के साथ मिलकर काम करता है, और किशोर लड़कों और युवा पुरुषों को समुदायों और लड़कियों के जीवन में बदलाव की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी मानता है। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में, यह निर्णय लेने का अधिकार लड़कियों और युवा महिलाओं को है कि, क्या पुरुषों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए, किस स्तर पर, और किस सीमा तक। एम्पावर का मानना है कि लड़कियां अपने जीवन की विशेषज्ञ होती हैं, और लड़कों के साथ जुड़ने का निर्णय एक महत्वपूर्ण निर्णय है, जो उन्हें खुद लेना चाहिए। यह कार्यक्रम लड़कियों को लड़कों के साथ जुड़ने और उन्हें अपने नेतृत्व के सफ़र में साथ रखने का निर्णय लेने के लिए, सोच-विचार करने के लिए जगह बनाता है[5]।

---

5 लर्निंग कम्युनिटी मुंबई की सदस्य संस्थाओं में से एक कोरो (CORO) ने लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के अपने दूसरे वर्ष में लड़कियों द्वारा इस ज़रूरत को सामने लाने के बाद लड़कों के साथ जुड़ना शुरू कर दिया। उन्होंने रुचि रखने वाले लड़कों को उन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठकों में शामिल करना शुरू किया, जिनका सामना लड़कियों को खेल के मैदान जैसे सार्वजनिक स्थानों तक पहुंचने में करना पड़ता है। इन बैठकों के कारण, कुछ लड़कों ने खुद अपनी इच्छा से लड़कियों को क्रिकेट टूर्नामेंट के अभ्यास के लिए सहयोग दिया (यह उन गतिविधियों में से एक है, जिनकी योजना लड़कियों ने सार्वजनिक स्थानों पर पहुँच हासिल करने और समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने के लिए बनाई थी)।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की प्रमुख रणनीतियाँ:

नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता (एजेंसी) को बढ़ावा देकर कार्यक्रम में लड़कियों को केंद्रित करना - इस कार्यक्रम की प्रमुख रणनीति है, जिसमें 13-24 साल की किशोरियों और युवा महिलाओं को नेतृत्व विकास के लिए प्रशिक्षण दिए जाते हैं, जिससे वे बदलाव की प्रक्रियाओं का नेतृत्व कर सकें और लड़कियों को एकजुट कर सकें।

समुदाय, परिवार और प्रमुख हितधारकों के साथ जुड़ाव के माध्यम से लड़कियों के लिए एक सक्षम वातावरण बनाना - समुदाय के सदस्य, जैसे माता-पिता, शिक्षक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और अन्य लोगों का लड़कियों के जीवन और उनके निर्णयों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है; इसलिए, लड़कियों के लिए एक सक्षम वातावरण विकसित करने के लिए इन सभी के साथ काम करना बहुत ज़रूरी है, ताकि लड़कियां अपने लिए निर्णय लेने और अपने समुदायों में बदलाव का नेतृत्व करने में खुद को सशक्त महसूस कर सकें।

कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क, मेंटर और सदस्य संस्थाएं – गर्ल लेड कार्यक्रम को चलाने, लड़कियों को मेटोरिंग सपोर्ट देने, उनकी आवाज़ को बढ़ाने और लड़कियों पर केंद्रित कार्यक्रम से मिली सीख को दूसरों के साथ साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चित्र 1:

"लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से, लड़कियों को अपने जीवन और भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिए तैयार किया जाता है, ताकि वे इन कौशलों को अपने व्यक्तिगत जीवन में लागू कर सकें, और यदि वे चाहें तो सामुदायिक स्तर पर बदलाव ला सकें। ये कौशल लर्निंग कम्युनिटी की गतिविधियों से आगे भी लड़कियों को अपने फैसले लेने के लिए मदद करते हैं।"

- लर्निंग कम्युनिटी मेंटर, मुंबई

"लर्निंग कम्युनिटी लड़कियों के लिए एक मंच है, जहां वे खुल कर बोल सकती हैं। यह लड़कियों को बिना डरे अपनी जिंदगी जीने का हौसला देती है। यह लड़कियों की अपनी जगह है, जो उन्हें नेतृत्व की विभिन्न भूमिकाएँ निभाने के लिए प्रोत्साहित करती है।"

- लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर, दिल्ली

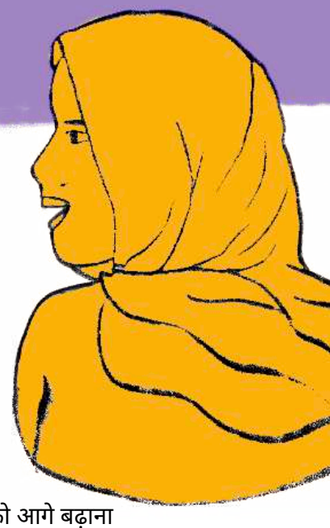

लर्निंग कम्युनिटी के प्रमुख उद्देश्य:

लडकियां:

1. लड़कियों के कौशल और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करके उनके अधिकारों को आगे बढ़ाना
2. किशोरियों की खुद की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) को बढ़ाना
3. किशोरियों को मेंटरिंग सपोर्ट देना
4. एक-दूसरे से जुड़ने, सीखने, और सहयोग करने की नारीवादी प्रक्रियाओं को बढ़ावा देकर, किशोरियों और युवा महिलाओं की एकजुटता और आंदोलन में निवेश करना

परिवार, समुदाय और अन्य हितधारक:

5. व्यक्तिगत, सामूहिक और सामुदायिक स्तरों पर नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने में सक्षम होने के लिए, किशोरियों के लिए सहयोगी वातावरण और सामुदायिक समर्थन बनाना

मेंटर और संस्थाएं:

6. किशोरियों के साथ काम में सीखने की सहभागी प्रक्रिया को संचालित करने के लिए मेंटर की क्षमता का विकास करना

समाज में बदलाव:

7. लड़कियों पर केंद्रित कार्यक्रम बनाने के लिए संस्थाओं के साथ मिलकर कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क विकसित करना
8. लड़कियों की आवाज़ को आगे बढ़ाना और कार्यक्रम की सीखों को अन्य क्षेत्रों, संस्थाओं और निर्णय लेने वाले प्रमुख व्यक्तियों के साथ बांटना
9. कार्यक्रम की सोच को बदलना जिससे लड़कियां न केवल सेवाओं की प्राप्तकर्ता हों बल्कि बदलाव की एजेंट भी हों
10. कार्यक्रम की सीखों को प्रमुख निर्णयकर्ताओं के साथ साझा कर उन प्रमुख निर्णयों को प्रभावित करना जो लड़कियों के जीवन पर असर करते हैं
11. लड़कियों पर केंद्रित प्रोग्रामिंग को अपनाने और नए संदर्भों और भौगोलिक क्षेत्रों तक विस्तार करने के लिए कार्यक्रम चलाने वाले लोगों को विश्वास दिलाना और उन्हें प्रेरित करना

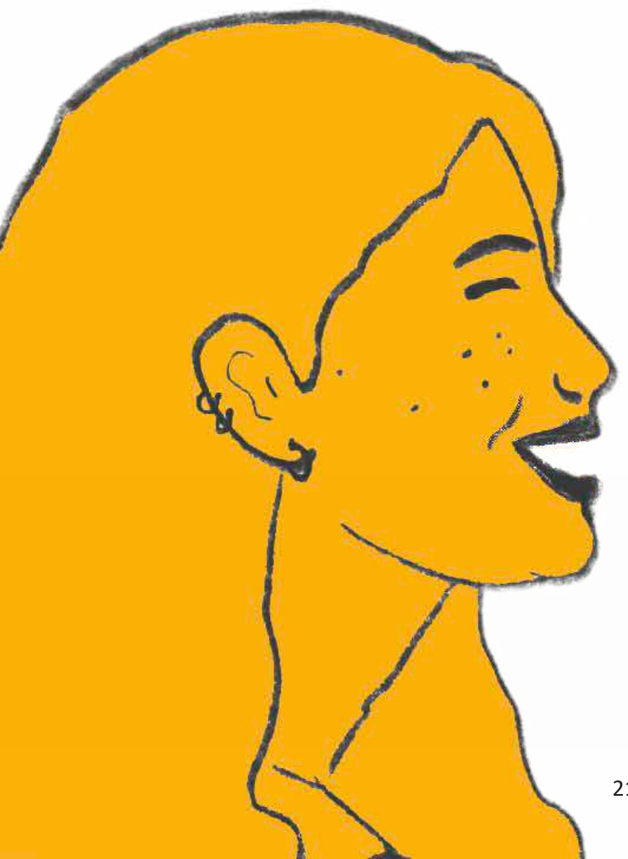

“लर्निंग कम्युनिटी मेरे जैसी लड़कियों के लिए एक मंच है जहां मैं अपने बारे में सीख सकती हूं। क्योंकि मैं एक लड़की हूं, मेरी दुनिया स्कूल और घर तक ही सीमित थी, और मैं घर का काम कर रही थी। बस इतना ही। जब मैं लर्निंग कम्युनिटी में शामिल हुई तो मुझे उन प्रतिबंधों का एहसास हुआ जो मैं अनुभव कर रही थी। लर्निंग कम्युनिटी में, हम इस बारे में सोचते हैं कि हम क्या पसंद करते हैं और क्या सीखना चाहते हैं, और हमारे सपने क्या हैं। यह मेरे लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था; मैं अब अपने करियर के प्रति अधिक केंद्रित और जागरूक हो गयी हूं।

- लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर , मुंबई

लर्निंग कम्युनिटी के प्रमुख सिद्धांत

इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है कि लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के हर एक चरण में लड़कियां खुद निर्णय लेती हैं; उनके निर्णय कार्यक्रम को स्वरुप देते हैं और विभिन्न संदर्भों और क्षेत्रों में यह कैसा दिखेगा यह भी तय करते हैं। यह व्यवहार में ऐसा दिखेगा:

लड़कियां खुद, अपनी लर्निंग कम्युनिटी का नेतृत्व करती हैं

वे प्रमुख निर्णयकर्ता हैं और समुदाय में चिन्हित मुद्दों के आधार पर लर्निंग कम्युनिटी की थीम चुनते हैं, वें अपने प्रोजेक्ट्स डिज़ाइन करते हैं, और इसे अपने समुदायों में लागू करते हैं।

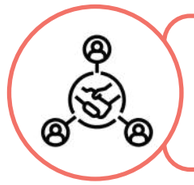

लड़कियां सभी गतिविधियाँ खुद तय करती हैं

वे सभी सामुदायिक कामों की योजना बनाती हैं, उन्हें आकार देती हैं, और उन्हें लागू भी करती हैं।

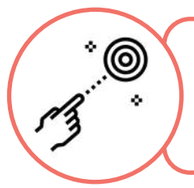

लड़कियां अपने लिए जगह चुनती हैं

वे समुदायों में उन जगहों का चयन करती हैं, जहाँ वे अपनी गतिविधियाँ चलाना चाहती हैं।

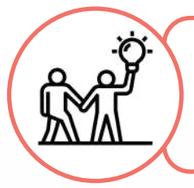

लड़कियां कार्यक्रम को चलाती हैं

वे अपने समुदाय में मुद्दों को हल करने और उसके प्रभाव को मापने के लिए, कार्यक्रम की योजना, गतिविधियों का टाइमलाइन, बजट और मॉनिटरिंग व मूल्यांकन का प्लान बनाती हैं।

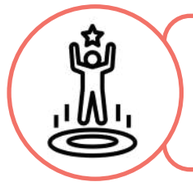

लड़कियां लर्निंग कम्युनिटी की पहचान हैं

वे सम्बंधित अधिकारियों और समुदाय के सदस्यों से कार्यक्रम आयोजित करने की इजाज़त लेने और सामुदायिक कार्यों के लिए उनसे निगोशिएट करने के लिए संपर्क करती हैं।

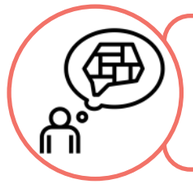

लड़कियां लर्निंग कम्युनिटी की आवाज़ है

वे लर्निंग कम्युनिटी का विभिन्न मंचों पर जैसे संगोष्ठी, प्रेस कॉन्फ्रेंस, सार्वजनिक परामर्श और विशेषज्ञ पैनल पर प्रतिनिधित्व करती हैं ।

लड़कियां गतिविधियों की योजना बनाती है

वे सामूहिक गतिविधियों, जैसे संयुक्त आयोजनों और साल के अंत में किये जाने वाले आयोजन की योजनाएँ बनाती हैं। वे इन आयोजनों के दौरान विषय-वस्तु और मुद्दों को तय करने, कार्यक्रम प्रस्तुत करने, समन्वय करने और अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत करने और साथ कुछ अन्य जैसे पंजीकरण, मंच संचालन आदि, की जिम्मेदारियां लेती हैं ।

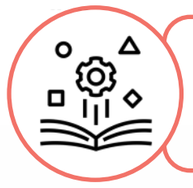

लड़कियां एक-दूसरे को सिखाती भी हैं

वे एक दूसरे के साथ अपने ज्ञान को साझा करती हैं, और कोऑर्डिनेटर संस्था को, लर्निंग कम्युनिटी पर प्रतिक्रिया (फीडबैक) देती हैं।

लर्निंग कम्युनिटी, 'कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस' कार्यक्रम मॉडल के रूप में

लर्निंग कम्युनिटी को इसकी शुरुआत से ही एक 'कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस' के रूप में सोचा गया है। यह संस्थाओं का एक ऐसा समूह है, जो समान भागीदारों के रूप में किशोरियों और युवा महिलाओं के नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता को आगे बढ़ाने और गर्ल लेड बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वे साझा-नेतृत्व करने की सोच से मिलकर काम करती हैं। वे लर्निंग कम्युनिटी की गतिविधियों का कार्यान्वयन, एक-दूसरे को सहयोग देना और एकजुट रह, अपनी सीखों का आदान-प्रदान करते हैं। लर्निंग कम्युनिटी नेटवर्क के साझा नेतृत्व का समन्वय करने, सूचनाओं का नियमित रूप से आदान प्रदान, और कार्यक्रम का प्रभावी तरीके से चलना सुनिश्चित करने के लिए एक संस्था समन्वयक की भूमिका में होती है।

भारत में, लर्निंग कम्युनिटी दो स्थानों, मुंबई और दिल्ली में में चल रही है, और हर एक शहर में 7-10 संस्थाएं हैं, जो किशोरियों के साथ काम करती हैं। लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक अन्य सदस्य संस्थाओं के साथ मिलकर, लर्निंग कम्युनिटी प्रक्रियाओं का साझा-नेतृत्व करते हैं। क्षमता विकास प्रशिक्षण, निगरानी और मूल्यांकन (M&E) पर कार्यशालाएं, सामूहिक कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित करना, और लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को एक जीवंत कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस कार्यक्रम बनाने के लिए ज्ञान, शिक्षा और कौशल का आदान-प्रदान करने में, लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह मॉडल भारतीय परिपेक्ष्य में इस कार्यक्रम में बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

अन्य सन्दर्भों में, संस्थाएं इस मॉडल को संशोधित कर सकती हैं। वे संस्था के स्तर पर लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को डिज़ाइन कर सकती हैं, और बाद के चरण में 'कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस' मॉडल बनाने के लिए लड़कियों और युवाओं के साथ काम करने वाले, दूसरी समान विचारधारा वाली संस्थाओं या व्यक्तियों के साथ सहयोग कर सकती हैं। संलग्नक संख्या 1.1 में लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के उदाहरणों के साथ-साथ, लर्निंग कम्युनिटी में नई सदस्य संस्था को जोड़ने के लिए के लिए मानदंड भी शामिल हैं। इसे लर्निंग कम्युनिटी मुंबई और दिल्ली के समन्वयकों के साथ मिल कर बनाया गया है।

"लर्निंग कम्युनिटी में, हम दूसरी संस्थाओं की बहुत सी लड़कियों से मिलते हैं, और उनके साथ काम करते हैं। हम अलग अलग लोगों/लड़कियों के साथ काम करने के कौशल भी सीखते हैं। हम अपनी सीख, जानकारी और ज्ञान को अन्य लड़कियों के साथ साझा करते हैं। मेरे लिए, ये वो नेतृत्व है जिसे हम लर्निंग कम्युनिटी में निर्मित करते हैं।"

- लर्निंग कम्युनिटी, एलुमनाई गर्ल लीडर, मुंबई

एलुमनाई लीडर्स के जुड़ाव और आन्दोलन निर्माण के माध्यम से नेतृत्व को आगे बढ़ाना

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में किशोरियों और युवा महिलाओं के एक मजबूत आंदोलन के निर्माण में एलुमनाई की भागीदारी महत्वपूर्ण रणनीतियों में से एक है। यह लड़कियों और युवा महिलाओं को जोड़ने, ज्ञान और कौशल साझा करने, एक साथ सीखने और आपस में एकजुटता बनाने के लिए एक सामूहिक जगह बनाने की कल्पना करती है। समय के साथ, लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई लीडर्स के, पीयर लीडर और मेंटर बनने के साथ, ऐसे कार्यक्रम युवाओं की सामूहिक शक्ति को लेते हुए लड़कियों के एक स्थायी और बुनियादी ढाँचे का निर्माण कर सकती हैं।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम, जिसे एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ की गई प्रक्रियाओं के माध्यम से विकसित किया गया है, एलुमनाई गर्ल लीडर्स के जुड़ाव को कई तरीकों से देखता है। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम स्वयं लड़कियों द्वारा पहचानी गई ज़रूरतों के आधार पर सिफारिशें करता है। एलुमनाई का जुड़ाव लड़कियों के लिए निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है:

- उन्हें अपने नेतृत्व कौशल को मजबूत करने की जरूरत होती है।
- उन्हें नई जानकारी और करियर मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।
- लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम से जुड़े रहने के लिए उन्हें निरंतर जुड़ाव और संवाद की आवश्यकता है।
- वे लर्निंग कम्युनिटी में नई आई लड़कियों और कार्यक्रम को सहायता प्रदान करने की स्थिति में हैं।

इन जरूरतों के आधार पर, लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई लीडर्स के साथ सार्थक रूप से जुड़ने के लिए कार्यक्रम निम्नलिखित प्रक्रियाओं को एक साथ लाता है। कार्यक्रम यह भी मानता है कि लर्निंग कम्युनिटी के प्रतिभागी अपने नेतृत्व को अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शित करते हैं, कुछ व्यक्तिगत और कुछ सामूहिक लीडर्स के रूप में। इसलिए, उनके साथ जुड़ाव की रणनीतियाँ, लड़कियों की लीडरशिप से जुड़ी विशेष ज़रूरतों के लिए विकल्प प्रदान करती हैं:

1. **एलुमनाई गर्ल लीडर्स की ट्रैकिंग** – पहला कदम लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई के साथ जुड़े रहना है। लर्निंग कम्युनिटी मेंटर को साल में कम से कम दो बार एलुमनाई गर्ल लीडर्स से संपर्क करना चाहिए, ताकि वे जान सकें कि वे क्या कर रही हैं और क्या करने की योजना बना रही हैं। इससे यह पहचानने में मदद मिलेगी कि उन्हें किस प्रकार की सहायता की आवश्यकता है, और वे अन्य लड़कियों के साथ अपना ज्ञान कैसे साझा कर सकती हैं।

2. **एलुमनाई गर्ल लीडर्स के लिये क्षमता विकास** – एलुमनाई गर्ल लीडर्स के लिए नए विषयों और उनके द्वारा पहचाने गए मुद्दों पर कार्यशालाओं और प्रशिक्षण का आयोजन करना। इसमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, डिजिटल सुरक्षा, संवैधानिक कानून और मानवाधिकार, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार; काम/नौकरियों के लिए ख़ास कौशल; और कैरियर और भलाई (वेल बीइंग) के बारे में काउन्सलिंग सेशन, आदि जैसे नए विषयों पर सेशन शामिल हो सकते हैं । लड़कियों और युवा महिलाओं के साथ नई प्रशिक्षण ज़रूरतों और विषयों की पहचान करने का सुझाव है।

3. **फैलोशिप (व्यक्तिगत या समूह)** – कुछ एलुमनाई गर्ल लीडर के पास नए काम करने के लिए नए विचार हो सकते हैं। फैलोशिप (व्यक्तिगत या समूह) एलुमनाई गर्ल लीडर्स को अपने प्रोजेक्ट डिजाइन करने और उन पर काम करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं। विभिन्न संस्थाएं युवाओं से जुड़ने के लिए इस मॉडल का उपयोग कर रहे हैं।

4. **सहकर्मी या पीयर लीडर के रूप में** – इच्छुक एलुमनाई गर्ल लीडर्स को लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में सहकर्मी (पीयर लीडर) के रूप में शामिल किया जा सकता है जो, नई लड़कियों को नेतृत्व करने में सहायता कर सकते हैं। उन्हें उनके समय और कौशल के लिए वजीफा दिया जाना उचित होगा।

5. **लर्निंग एक्सचेंज या एक्सपोजर विजिट** - एलुमनाई गर्ल लीडर्स और युवा महिलाओं को शामिल करने के लिए एक और महत्वपूर्ण रणनीति है। इसके लिए दूसरे रचनात्मक, युवाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों के साथ अनुभवों और सीखों के आदान-प्रदान की योजना बनाई जा सकती है। संस्थाएं एलुमनाई गर्ल लीडर्स के लिए विभिन्न संस्थानों या पुलिस स्टेशनों, कैरियर परामर्श केंद्रों, किशोरियों के अनुकूल स्वास्थ्य केंद्र आदि जैसे स्थानों पर जाने की योजना भी बना सकती हैं। सुझाव है कि, इन जगहों की पहचान और चयन लर्निंग कम्युनिटी की लीडर्स के साथ चर्चा करके किया जाये।

6. **एलुमनाई गर्ल लीडर्स की सालाना सभा** – लर्निंग कम्युनिटी की प्रतिभागियों के आपस में मिलने और अपने अनुभवों व सफ़र को साझा करने का मौका हो सकता है। इस मौके पर अन्य उभरती गर्ल लीडर्स को भी आमंत्रित किया जा सकता है जिससे प्रतिभागियों को प्रेरणा मिल सके। प्रतिभागियों के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए इस मीटिंग को कई अलग तरीकों से डिजाइन किया जा सकता है।

एलुमनाई गर्ल लीडर्स के जुड़ाव के लिए कार्यक्रम की योजना बनाने वाली कोई संस्था या व्यक्ति इन रणनीतियों के सभी या कुछ का उपयोग करके, इसे अपने क्षेत्र में लड़कियों और युवाओं की जरूरतों और संदर्भ के अनुरूप बनाने पर विचार कर सकते हैं।

भाग 1 – संलग्नक:

संलग्नक 1.1. – 'लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्था की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां और कार्यक्रम में नए लर्निंग कम्युनिटी सदस्य संस्था का जुड़ाव'। इसे मुंबई और दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी समन्वयकों के सुझावों के साथ विकसित किया गया है।

अ. लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक की भूमिका और जिम्मेदारियां

कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क के लीडर के रूप में समन्वयक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। भारत में, लर्निंग कम्युनिटी कई क्षेत्रों में संचालित होती हैं, जिसमें हर एक शहर में सात से दस संस्थाएं किशोरियों के साथ काम करती हैं। लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक अन्य साथी संस्थाओं के साथ मिलकर, कार्यक्रम की प्रक्रियाओं का साझा-नेतृत्व करते हैं, और क्षमता विकास, निगरानी और मूल्यांकन (M&E), संयुक्त गतिविधियों आदि का आयोजन करके, लर्निंग कम्युनिटी के कार्यान्वयन को बनाये रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को एक जीवंत कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस कार्यक्रम बनाने की दिशा में और ज्ञान और कौशल के आदान-प्रदान को सहज बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम जहां लागू किया जा रहा है, उस क्षेत्र के संदर्भ और जरूरतों के अनुसार समन्वयक संस्था की भूमिका को कई तरीकों से विकसित किया जा सकता है। भारत में, इस कार्यक्रम का साझा-नेतृत्व एक समन्वयक संस्था और अन्य साथी संस्थाओं द्वारा किया गया है। अन्य सन्दर्भों में, जहां केवल एक संस्था लर्निंग कम्युनिटी या इसके-जैसे कार्यक्रम विकसित कर रही है, वहां समन्वयक और साथी संस्था के मॉडल की आवश्यकता नहीं है।

समन्वयक संस्था की संभावित भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निम्नलिखित हैं। इसे एम्पावर के मुंबई और दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को लागू करने के अनुभव के आधार पर तैयार किया गया हैं। इसे क्षेत्रीय संदर्भ और उनकी विशेष ज़रूरतों के अनुसार बदलने और अपनाने की ज़रूरत है:

कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क का नेतृत्व करना

- विकसित मानदंडों के आधार पर नयी साथी संस्थाओं का चयन करना
- साथी संस्थाओं और लड़कियों, और एलुमनाई गर्ल लीडर्स की एक जीवंत लर्निंग कम्युनिटी नेटवर्क को चलाने में मुख्य भूमिका निभाना
- सूचनाओं का पारदर्शी और नियमित रूप से संचार सुनिश्चित करना और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में मदद करना

क्षमता विकास

- सभी साथी संस्थाओं के लिए एक ओरिएंटेशन आयोजित करना और उन्हें पूर वर्ष की योजना के बार में बताना
- कार्यक्रम मार्गदर्शिका के चयन मानदंडों का उपयोग करके मेंटर, पीयर मेंटर्स और किशोरियों की नियुक्ति में सहायता करना
- संस्थाओं द्वारा सहमति और सेफगार्डिंग फॉर्म भरना सुनिश्चित करना
- नए सदस्यों और मेंटर के लिए क्षमता निर्माण की प्रक्रियाओं पर विचार करना; सुनिश्चित करना कि हर एक साथी संस्था को अपनी विशेषज्ञता के अनुसार सत्रों का नेतृत्व करने का अवसर मिले; भागीदारी प्रक्रियाओं को संचालित करना; और एक जीवंत कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस मॉडल को बनाने की दिशा में आपसी जिम्मेदारी और जवाबदेही को बढ़ावा देना
- मेंटर के प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन करना
- लड़कियों के लिए लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का आमुखीकरण का संचालन करना

लर्निंग कम्युनिटी का कार्यान्वयन

- कार्यक्रम मार्गदर्शिका के सभी भागों से लर्निंग कम्युनिटी के संचालन के लिए सहायता लेना
- लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए साथी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करना
- यह सुनिश्चित करना कि, मेंटर का चयन मापदंडों को ध्यान में रखते हुए समय से हो
- सुनिश्चित करर कि, लड़कियों का चयन मानदंड के अनुसार हो
- लर्निंग कम्युनिटी की मुख्य गतिविधियों, जैसे मेंटर का प्रशिक्षण, कार्यक्रम का आमुखीकरण, और संयुक्त कार्यशाला, और समीक्षा और उन्हें साझा करने के लिए वर्कशॉप, मेंटर चेक-इन, साल के अंत में होने वाला साझा-कार्यक्रम आदि, का आयोजित को मिल कर करना
- लड़कियों की कार्ययोजना और बजट को स्वीकृत और फ़ाइल करना
- लड़कियों की कार्य योजना और बजट के साथ-साथ संयुक्त गतिविधियों के संबंध में सहयोगी संस्थाओं के साथ समन्वय करना
- लर्निंग कम्युनिटी साथी संस्थाओं को ज़रूरत के अनुसार सहयोग देना

लर्निंग, मॉनिटरिंग और मूल्यांकन

- मॉनिटरिंग और मूल्यांकन और शेयरिंग मीटिंग का आयोजन करना
- इस गाइड के अनुसार मूल्यांकन के टूल्स (जो समन्वयकों के लिए है) का उपयोग करना
- डेटा (गुणात्मक और मात्रात्मक) को सारणीबद्ध कर उसका विश्लेषण करना और उसके प्रभाव पर रिपोर्ट बनाना
- सभी लर्निंग कम्युनिटी रिपोर्ट (उदाहरण के लिए: लर्निंग कम्युनिटी प्रगति रिपोर्ट, अंतिम रिपोर्ट, प्रभाव रिपोर्ट आदि) को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना और सभी साथी संस्थाओं की रिपोर्ट समेकित करने की प्रक्रियाओं में सहयोग करना

ब. लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए नए सदस्य संस्थाओं के चयन के लिए मानदंड और प्रक्रिया

मुंबई और दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्थाओं द्वारा विकसित मानदंड, नए सदस्यों के कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क में शामिल होने के लिए चयन की प्रक्रिया में मार्गदर्शन कर सकता है। वे संस्था/समूह जो:

- हाशिए पर रहने वाले समुदायों की किशोरियों और युवा महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर काम करने का अनुभव रखते हैं, और/या वर्तमान में लड़कियों के साथ काम कर रहे हैं, और/या किशोरियों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं।
- लड़कियों के नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता में विश्वास करते हैं।
- किशोरियों और युवाओं के साथ काम में अधिकार-आधारित नज़रिया रखते हैं।
- गर्ल लेड और लड़कियों पर केन्द्रित कार्यक्रम की योजना बनाने और उसे लागू करने में रुचि रखते हैं।
- आपसी सहयोग से काम करने के लिए इच्छुक हैं।
- वित्तीय और संस्थागत स्तर पर आवश्यक अनुपालन (कंप्लायंस) का पालन करते हैं।

स. नियुक्ति की प्रक्रिया के लिए विचार

- मौजूदा साथी संस्थाओं से सुझाव और प्रतिक्रिया लेना।
- मौजूदा लर्निंग कम्युनिटी की साथी संस्थाएं, एक ऐसी संस्था को नामांकित कर सकती है, जो कम से कम 70% मानदंडों को पूरा करती है। नामांकित संस्था अंतिम चयन के लिए, लड़कियों के नेतृत्व में होने वाले राउंड टेबल चर्चा में भाग ले सकती है।
- संभावित नई संस्थाओं को लर्निंग कम्युनिटी के साल केअंत में होने वाले इवेंट में आमंत्रित किया जा सकता है, उसके बाद उनकी रुचि जानने के लिए कार्यक्रम का एक बुनियादी ओरिएंटेशन किया जा सकता है।
- लर्निंग कम्युनिटी-कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क से जुड़ने में रुचि रखने वाली संभावित संस्थाओं के साथ एक-एक करके बातचीत की जा सकती है।
- गर्ल लीडर्स और मेंटर के साथ एक चयन बोर्ड का गठन किया जा सकता है, जो संस्था के प्रतिनिधियों से मिलें और फॉलो-अप प्रश्न पूछें।
- उनकी यात्रा को और अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए, साथी संस्था के प्रमुख और युवा लीडर्स के साथ कम से कम एक बार बातचीत करना।
- एम्पावर/ डोनर और कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस नेटवर्क की संस्थाओं के बीच समझौता (MoU) करना।

भाग 2: किशोरियों के लिए कार्यक्रम कैसे प्लान करें

यह भाग के उन विभिन्न चरणों को दर्शाता है, जो किशोरियों के लिए एक कार्यक्रम प्लान करने के लिए रणनीतियों और दृष्टिकोणों को विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। यह आपके कार्यक्रम के मुख्य भागों को विकसित करने और स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में आपका मार्गदर्शन करेगा। ये निर्देश **कार्यक्रम मूल्यांकन के लिए एम्पावर की गाइड** [7] से अपनाये गये हैं।

7 https://empowerweb.org/youth-development-tools/category/basic-guide-to-program-evaluation

शुरूआत कैसे करें

कार्यक्रम-स्तरीय प्रक्रियाएं

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम शुरू करने से पहले, कार्यक्रम तैयार करने और इसे आकार देने के लिए एक या दो महीने का समय रखें। इस समय को कार्यकर्त्ताओं की नियुक्ति, कार्यक्रम के शुरूआती समय के दौरान प्रशिक्षण, कार्यक्रम की टाइमलाइन बनाने, सेफगार्डिंग और रिस्क का आंकलन करने, सीखने व प्रभाव के ढांचे को विकसित करने, एवं समुदाय-स्तर के मोबिलाईज़ेशन और लड़कियों के चयन करने के लिए उपयोग में लायें। नीचे दी गई प्रक्रियाएँ और चरण आपको कार्यक्रम को शुरू करने और सही दिशा में प्रगति सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं।

चरण 1 – **कार्यक्रम स्टाफ की नियुक्ति** – मेंटर्स और पीयर लीडर (लर्निंग कम्युनिटी/ एलुमनाई गर्ल लीडर) – मेंटर्स लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की रीढ़ की हड्डी हैं; वे किशोरियों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पीयर लीडर, मेंटर्स को उनके विशिष्ट कामों में सहायता करते हैं। यह सिफारिश की जाती है कि मेंटर्स का कम से कम 60% समय, लर्निंग कम्युनिटी या इसी तरह के कार्यक्रमों की गतिविधियों के लिए आवंटित किया जाए। उनके बचे हुए समय को किसी भी अन्य जिम्मेदारियों और किसी भी आपातकालीन काम के लिए रखा जा सकता है, जो कि युवाओं और उनके समुदाय के लिए आवश्यक हो।

मेंटर कौन हैं?

मेंटर्स लड़कियों और उनके समुदायों के साथ काम करते हुए कई भूमिकाएँ निभाते हैं। वे किशोरियों को प्रशिक्षित करते हैं और सलाह देते हैं, वे भागीदारी प्रक्रियाओं को सहज बनाते हैं, परिवारों के साथ संपर्क करते हैं, समुदायों को संगठित करते हैं, और विभिन्न मंचों पर अपनी संस्था और कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन सभी ज़िम्मेदारियों को निभाने में मेंटर्स अवसरों, ज्ञान और सूचनाओं तक पहुंच में जेंडर भेद-भाव को कम करते हुए, खुद के एवं किशोरियों के कौशल और लीडरशिप का निर्माण करते हैं। इसके साथ ही, वे सुरक्षित, गैर-आलोचनात्मक और ऐसी साहसिक जगहों को बनाने का प्रयास करते हैं, जहाँ किशोरियां सोचने और विश्लेषण में शामिल हो सकें, अपने दृष्टिकोण और राय बना सकें, और उनके जीवन और समुदायों में बदलाव की प्रक्रिया शुरू करने की पहल करने के लिए सक्षम बन सकें।

लर्निंग कम्युनिटी मेंटर्स के शब्दों में: मेंटर एक प्रशिक्षक, सहजकर्ता, गाइड, मोबिलाइजर, संयोजक/कनेक्टर, प्रतिनिधि और खुद सीखने वाला होता है। मेंटर ये भूमिका निभा सकते हैं:

- ✓ लड़कियों को महत्वपूर्ण समर्थन व सहयोग देने की
- ✓ सामुदायिक हितधारकों और किशोरियों के बीच संबंध स्थापित करने की
- ✓ सूचना और ज्ञान के बीच एक कड़ी बनने की

मेंटर की भूमिका क्या नहीं है:

- ✗ लड़कियों की ओर से निर्णय लेने की
- ✗ लड़कियों के लिए समाधान खोजने की
- ✗ लड़कियों का नेतृत्व और प्रतिनिधित्व करने की

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में मेंटर्स की भूमिकाओं, अपेक्षाओं और उनकी ज़िम्मेदारियों को समझने के लिए उनके कार्य का एक लिखित विवरण या जॉब डिस्क्रिप्शन का उदाहरण – संलग्नक संख्या 2.1 में दिया गया है। हालाँकि, आपके अपने कार्यक्रम के लिए यह विवरण इससे अलग हो सकता है, क्योंकि इसे आपके संदर्भ के अनुसार चर्चा के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए।

चरण 2 – **स्टाफ संरचना और प्रशिक्षण** उनमें नज़रिया, मेंटरिंग और ट्रेनिंग कौशल विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि वे लड़कियों के साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकें। नए मेंटर्स को प्रशिक्षित करने के लिए संस्थाएं विषय विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकती हैं। एक मज़बूत प्रशिक्षण के बाद मेंटर लड़कियों या युवाओं के समूह को लीडरशिप कौशल दे सकते हैं, और बड़े समुदाय के साथ जुड़ने में सक्षम बना सकते हैं। साथ ही गतिविधियों की बारीकी से मॉनिटरिंग करते हुए रिपोर्ट कर सकते हैं।

कार्यक्रम के पूरे कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए एक समर्पित टीम होना जरूरी है। साथ ही कार्यक्रम के प्रभावी रूप से चलने के लिए समन्वयकों, मेंटर, पीयर लीडर्स और गर्ल लीडर्स के बीच एक फीडबैक की प्रक्रिया सुनिश्चित करने से सहायता मिलती है।

चित्र 2: किशोरियों के कार्यक्रम के लिए स्टाफ संरचना:

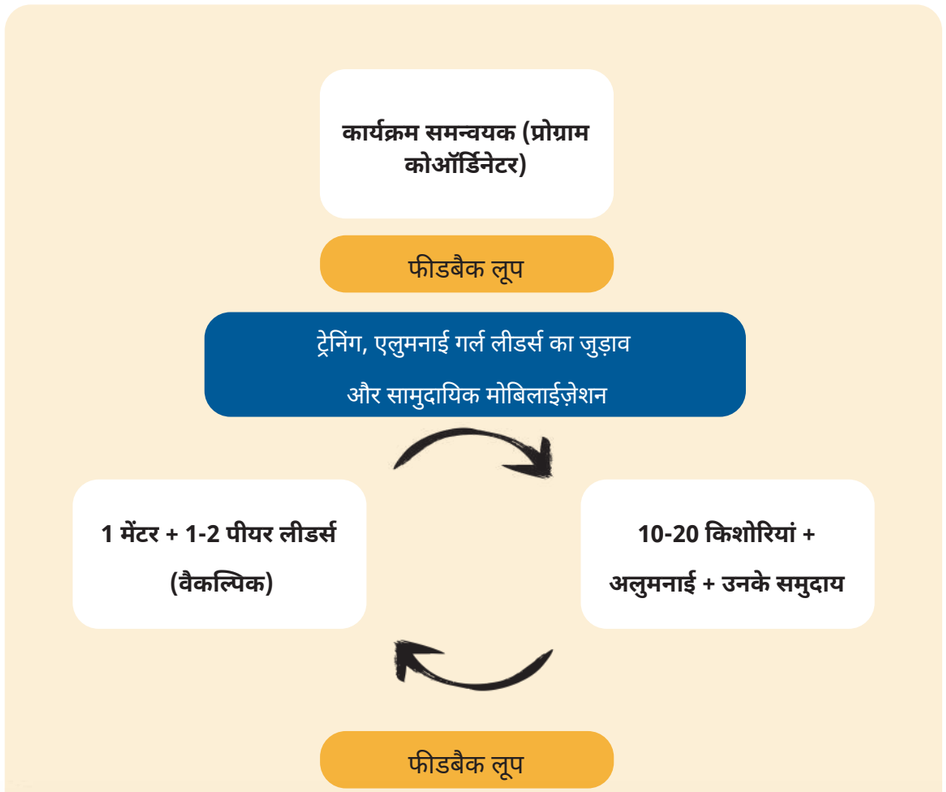

चरण 3: **कार्यक्रम की टाइम लाइन बनाना**। किशोरियों की विशेष ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए आपके कार्यक्रम की गतिविधियों की एक टाइम लाइन बनाएँ। इसमें ये निर्णय लेना शामिल है: आप लड़कियों का चयन कैसे करेंगे; उन्हें कैसे और कहाँ प्रशिक्षित करेंगे; सेफगार्डिंग, पहुंच और उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए हफ्ते/महीने का कौन सा समय और दिन अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

किशोरियों के लिए 12 से 18 महीने के कार्यक्रम के लिए टाइमलाइन का एक उदाहरण:

तैयारी का चरण:

एक से दो महीने (कार्यक्रम की शुरुआत से पहले)

- किशोरियों और उनके समुदाय की पहचान करें
- सहभागी टूल्स का उपयोग कर ज़रूरतों का आंकलन करें
- सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन गतिविधियों का संचालन करें
- लड़कियों के माता-पिता या अभिभावकों से मिलें
- जोखिमों/रिस्क का आंकलन करें और उससे निबटने के लिए रणनीति विकसित करें
- इस कार्यक्रम के लिए बजट आवंटित करें

1

कार्यक्रम का आरंभिक चरण (पहला महीना)

- मेंटर और पीयर लीडर्स की नियुक्ति करना
- मेंटर्स का प्रशिक्षण करना
- किशोरियों का चयन करना
- माता-पिता और लड़कियों के साथ मीटिंग और सहमति लेने की प्रक्रिया करना
- लड़कियों के समूह का गठन करना

2

क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण चरण

(दूसरे से चौथा महीना)

- किशोरियों का आमुखीकरण करना
- मेंटर लड़कियों की ट्रेनिंग करना: नेतृत्व, जेंडर समानता, समूह बनाना, जेंडर मानदंडों को समझने, भेदभाव, सत्ता, प्रोजेक्ट की योजना, बजट, और निगरानी (मोनिटरिंग) और मूल्यांकन कौशल पर लड़कियों के साथ साप्ताहिक सेशन।
- सभी सदस्य संस्थाओं की गर्ल लीडर्स के साथ मीटिंग करना – उनके एक्शन प्रोजेक्ट के लिए एक विषय और मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए, और उनके प्रोजेक्ट के लिए गतिविधियों प्लान करने के लिए।

3

गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट/पहलों के माध्यम से नेतृत्व करना

(कार्यान्वयन चरण) (पांचवे से दसवां महीना)

- गर्ल लीडर्स द्वारा नियोजित गतिविधियों का कार्यान्वयन करना
- मेंटर द्वारा हितधारकों/माता-पिता के साथ नियमित जुड़ाव करना (त्रैमासिक बैठकें)
- सीखने, प्रोजेक्ट मूल्यांकन और योजना को साझा करने के लिए गर्ल लीडर्स और मेंटर्स के बीच मासिक बैठकें करना
- हर 2 महीने में मेंटर्स के साथ सीखों को साझा करने, गतिविधियों की मोनिटरिंग और प्लानिंग करने के लिए चेक-इन मीटिंग्स
- मेंटर्स के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग करना

4

लर्निंग कम्युनिटी की सीखों को साथ लाना—लड़कियों की आवाज़ को बढ़ाना (समेकन चरण) (ग्यारहवां और बारहवां महीना)

- लर्निंग कम्युनिटी की सीखने और समीक्षा प्रक्रिया में लड़कियों के समूह, मेंटर और पीयर लीडर भाग लेते हैं
- अपनी सीखों को बाकी समुदाय के साथ साझा करने के लिए गर्ल लेड सामुदायिक इवेंट करना
- कार्यक्रम समीक्षा मीटिंग जिसमें सभी लर्निंग कम्युनिटी सदस्य संस्थाएं, गर्ल लीडर्स, मेंटर्स और पीयर लीडर्स भाग लेते हैं
- गर्ल-लेड इवेंट की तैयारी करना जिसमें मॉनिटरिंग और मूल्यांकन (M&E) के से मिली सीखों के आधार पर संसाधन सामग्री का निर्माण करना

गर्ल लेड इवेंट/आयोजनों के लिए कार्यक्रम

(बारहवां महीना)

- संस्थाएं अलग-अलग तरीकों से इन कार्यक्रमों को गर्ल लीडर्स के साथ मिल कर डिजाइन और संचालित कर सकती हैं, उदाहरण के लिए: एक ऐसा इवेंट जहां विभिन्न हितधारकों को आमंत्रित किया जाता है, और गर्ल लीडर सरकार, डोनर संस्थाओं, अन्य संस्थाओं और व्यक्तियों आदि के सामने अपने काम, निष्कर्ष और उभरती जरूरतों को प्रस्तुत करती हैं।

एलुमनाई गर्ल लीडर्स का जुड़ाव, युवाओं की आवाज़ को आगे लाना और संगठन को मज़बूत करना

(लर्निंग कम्युनिटी के 12 महीने के चरण के 4-6 महीने बाद)

- संस्थाओं को 12 महीने का कार्यक्रम पूरा करने के बाद एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ संपर्क बनाए रखने का सुझाव दिया जाता है। जब वे अपने प्रोजेक्ट का समापन करती हैं और अपनी उपलब्धियों और सीखों का मूल्यांकन करती हैं, उस समय गर्ल लीडर्स एक समूह के रूप में एकता की भावना का प्रदर्शन करती हैं। उन्हें प्रेरित करने और जुड़ाव बनाये रखने के लिए, संस्थाएं इस मार्गदर्शिका के भाग 1 में दी गई 'एलुमनाई गर्ल लीडर्स की सहभागिता के लिए रणनीतियों' को अपना सकती हैं।

टेबल 2: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के 12-18 महीनों के लिए टाइम लाइन

	तैयारी का चरण	कार्यक्रम की शुरुआत और क्षमता विकास का चरण		गर्ल लेड योजनाओं/ पहल के कार्यान्वयन के चरण के माध्यम से नेतृत्व करना	लर्निंग कम्युनिटी की सीखों को साथ लाने और लड़कियों की आवाज़ को बढ़ाने के लिए समेकन का चरण	एलुमनाई गर्ल लीडर्स का जुड़ाव, युवाओं की आवाज को बढ़ाना और सामूहिक मजबूती का समय
समय	एक माह	पहला महीना	दूसरे से चौथा महीना (3 महीने)	पांचवे से दसवां महीना (6 महीने)	ग्यारह से बारहवां महीना (2 महीने)	तेरहवे से अठारहवा महीना (6 महीने और उससे आगे)
लड़कियों की टाइम लाइन						
लड़कियों के लिए और की उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां		माता-पिता/ अभिभावकों और लड़कियों के साथ बैठकें लड़कियों का चयन और सहमति प्रक्रिया	आमुखीकरण + बेसलाइन लड़कियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना और बजट बनाना	गर्ल लीडर्स द्वारा की जाने वाली पहलों की योजना और कार्यान्वयन	गर्ल लीडर्स वाले आयोजनों के लिए गतिविधियाँ	एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ मीटिंग
मेंटर्स की टाइम लाइन						
मेंटर्स के लिए और की उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां	सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन ज़रूरतों के आंकलन के लिए गतिविधियां	मेंटर की नियुक्ति और प्रशिक्षण सहकर्मी (पीयर लीडर) के रूप में लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स की पहचान करना	लड़कियों का प्रशिक्षण लर्निंग, मोनिटरिंग और मूल्यांकन सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन	मेंटर्स के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण लड़कियों को मेंटरिंग सपोर्ट देना	प्रोजेक्ट समीक्षा की प्रक्रिया में लर्निंग कम्युनिटी लड़कियों का समर्थन करना कार्यक्रमों के आयोजन में लर्निंग कम्युनिटी लड़कियों का सहयोग करना	एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ बैठकें आयोजित करना

चरण 4: बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का उद्देश्य 13 से 24 वर्ष की किशोरियों और युवा महिलाओं के नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करना है। यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि, लड़कियां इस सशक्तिकरण को अनुभव कर, सुरक्षित महसूस करें।

सेफगार्डिंग का मतलब क्या होता है?

सेफगार्डिंग बच्चों की भलाई (वेल-बीइंग) को बढ़ावा देने और उन्हें नुकसान से बचाने के लिए किये जाने वाली काम हैं।
सेफगार्डिंग का मतलब है:

- बच्चों को दुर्व्यवहार से बचाना
- बच्चों के स्वास्थ्य या विकास को किसी नुकसान से बचाना
- बच्चों का पालन-पोषण सुरक्षित और उचित देखभाल के साथ सुनिश्चित करना
- ऐसे प्रयास करना जिससे सभी बच्चे और युवा को सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए सक्षम हों

बाल संरक्षण सेफगार्डिंग प्रक्रिया का हिस्सा है। यह उन बच्चों की सेफगार्डिंग पर केंद्रित है जो पीड़ित हैं या जिनको किसी ख़ास नुकसान की संभावना है। इसमें बाल संरक्षण प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो विस्तार से बताती हैं कि किसी बच्चे के बारे में चिंताओं का समाधान कैसे किया जाए।

संलग्नक संख्या 2.2 देखें, यह विभिन्न आवश्यक कदमों और उपायों पर यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक जानकारी प्रदान करता है कि लड़कियां और युवा महिलाएं सुरक्षित हैं, और उनकी लर्निंग कम्युनिटी की यात्रा के अनुभव सशक्त हैं।

चरण 5: जोखिमों और उन्हें कम करने के लिए रणनीतियों की पहचान करना किशोरियों और युवाओं के लिए एक सार्थक और सशक्त कार्यक्रम तैयार करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम, विभिन्न चरणों में संभावित जोखिमों और उन्हें कम करने की रणनीतियों की पहचान करने के लिए प्रक्रियाओं को एक साथ लाता है।

कार्यकर्ताओं के लिए कदम:

- किशोरियों और युवा महिलाओं के साथ काम करने से जुड़े संभावित जोखिमों की पहचान करें। उदाहरण के लिए: स्थानीय संदर्भ-विशेष को देखते हुए कार्यक्रम का दायरा, लड़कियों से संपर्क, कार्यक्रम प्रतिभागियों से जोखिम आदि, जो किशोरियों और युवा महिलाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
- हर एक क्षेत्र के लिए जोखिम के कारणों की पहचान करें, जैसे ऐसी ट्रेनिंग की जगहें और प्रक्रियाएं जहाँ लडकियां उपस्थित रहती हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म/ऑनलाइन स्पेस, व्यक्तिगत डेटा/सूचना का प्रबंधन, और जब लडकियां लीडरशिप की भूमिकाओं में अपने अधिकारों की मांग करती हैं तो सामुदायिक प्रतिक्रियाएं।
- जोखिम की गंभीरता (उच्च, मध्यम और कम तीव्रता के जोखिम के रूप में) का मूल्यांकन।
- जोखिम को कम करने की रणनीतियों और उनके समाधान के साथ-साथ उन्हें लागू करने के लिए कार्रवाई पर विचार करें।
- विचार करें कि, जोखिम से बचने की योजना का नेतृत्व कौन कर रहा है, और वह उपाय कब करेंगे?

8 सेफगार्डिंग की परिभाषा https://learning.nspcc.org.uk/safeguarding-child-protection से ली गई है

टेबल 3: संभावित जोखिमों का आंकलन करने और समाधान विकसित करने के लिए टेम्प्लेट[9]

संभावित जोखिम	जोखिम	जोखिम की गंभीरता/ तीव्रता	संभावित रणनीतियाँ/ निवारण के उपाय	जोखिम से बचने के लिए कौन कार्रवाई करेगा?	ये उपाय कब काम में लें
सामुदायिक प्रतिक्रिया	कार्यक्रम के बारे में धार्मिक नेता गुस्से में और आक्रामक है	**उच्च**	संवाद के लिए एक सुरक्षित और खुली जगह बनाएँ जहाँ आप बदला लिया जाने के डर के बिना मुद्दों पर चर्चा कर सकें। उदाहरण के लिए, आयोजन से पहले, उन लोगों से बात करें जो समस्या पैदा कर सकते हैं।	प्रतिभागी (उदाहरण के लिए, सबीना/एटीनो/गीता जोखिम से निपटने के लिए लोगों के साथ समन्वय करने के लिए जिम्मेदार हैं।	गतिविधि या इवेंट से एक सप्ताह पहले
अन्य प्रतिभागियों द्वारा (पीयर-टू-पीयर) नुकसान	डराना धमकाना	**उच्च**	धमकाने जैसे दुर्व्यवहार के रूपों के समाधान के लिए सेफगार्डिंग पर प्रशिक्षण करना। प्रतिभागियों को रिपोर्टिंग की व्यवस्था के बारे में जानकारी होना।	आपकी संस्था में मेंटर और सेफगार्डिंग के काम का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति	कार्यक्रम की शुरुआत प्रशिक्षण चरण

प्रतिभागियों को गंभीर नुकसान का खतरा है (इस मामले में किशोरियां को)

जो प्रतिभागी डराना-धमकाना कर रहे हैं और जिन्हें डराया-धमकाया गया है दोनों की विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग हो।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम शुरू करने से पहले, संस्थाओं को एक व्यापक जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, साथ ही जोखिमों को दूर करने के लिए रणनीतियां बनानी और उसके लिए कदम उठाने चाहिए। जोखिम मूल्यांकन टेम्प्लेट के लिए संलग्नक संख्या 2.3 को देखें । साथ ही, देखें जोखिम मूल्यांकन पर 'लर्निंग कम्युनिटी ओन द मूव' सेशन 7.

9 यह टेम्पलेट LCOM से ली गई है https://empowerweb.org/publications/learning-communities-on-the-move

चरण 6: प्रोग्राम डिज़ाइन में खुद की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) को शामिल करना भी लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए एक प्राथमिकता है। यह हमारे लड़कियों के काम के साथ हमारे पिछले अनुभवों से ली गई सीख पर आधारित है। सबूत यह भी दिखाते हैं कि महामारी या अन्य संकट की स्थितियों में, हाशिए पर रहने वाले लोग सबसे अधिक नकारात्मक रूप से प्रभावित होते हैं। हाशिये पर रहने वाले समुदायों में रहने वाली किशोरियां और युवा कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुए हैं, और उन्होंने अपने साथियों, उन्हें समझने वाले वयस्कों और मेंटर्स से जुड़ने की ज़रूरत व्यक्त की है। किशोरियों और युवाओं की उम्र, उनके जेंडर, उनकी जाति, उनका वर्ग, उनकी नस्ल, और उनके जीवन पर नियंत्रण रखने वाली एवं उनके अनुभवों को प्रभावित करने वाली सामाजिक प्रथाएं मानसिक स्वास्थ्य पहलों की आवश्यकता को अधिक महत्वपूर्ण बना देती हैं।

लर्निंग कम्युनिटी मार्गदर्शिका में आत्म-चिंतन, खुद की देखभाल, सहानुभूति और पारस्परिक देखभाल की संस्कृति को बढ़ाने के लिए रचनात्मक और रोचक तरीकों से किशोरियों के साथ जुड़ने के लिए संसाधन और गतिविधि के सुझाव शामिल हैं। किशोरियों की भलाई (वेल-बीइंग) को बढ़ाने के लिए संस्थाएं गतिविधियों को संशोधित कर सकती हैं, या नई गतिविधियों को शामिल कर सकती हैं।

चरण 7: सीखना (लर्निंग) और मूल्यांकन – लर्निंग कम्युनिटी के सफ़र की मैपिंग करना

सीखना (लर्निंग) और प्रभाव का मूल्यांकन करना किसी कार्यक्रम की सफलता को समझने में सहायता करता है, और कार्यक्रम में भाग लेने से लड़कियों को क्या फायदा हुआ है इसकी प्रक्रिया को दिखाने में मदद करता है। यह बदलाव की प्रक्रियाओं से सीखने और उनके दस्तावेज़ीकरण में भी सहायता करता है। कार्यक्रम की शुरुआत में ही एक मजबूत 'लर्निंग (लर्निंग) और प्रभाव मूल्यांकन योजना' को शामिल करने से हमें कार्यक्रम की अपनी परिकल्पना और उद्देश्यों की दिशा में अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद मिलती है, साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि कार्यक्रम से आये बदलाव या प्रभाव को परिभाषित करने और मूल्यांकन करने में लड़कियां/प्रतिभागी कैसी और क्या भूमिका निभाएंगी। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के किसी भी अन्य पहलू की तरह, सीखने और प्रभाव के मूल्यांकन को लड़कियों की आवाज़ को केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। इस गाइड में प्रस्तुत टूल्स को लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स के फीडबैक के आधार पर संशोधित किया गया है, ताकि वे सहभागी, चिंतनशील और गतिविधि आधारित हों।

इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सहभागी टूल्स को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है: **ज्ञान निर्माण टूल और मूल्यांकन टूल** ये दोनों सहभागी टूल खुद में और सामूहिक विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करते हैं, संख्याओं को उजागर करते हैं, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से लड़कियों के दृष्टिकोण के माध्यम से बदलाव या इसकी प्रक्रियाओं की कहानियां बताते हैं। ये टूल प्रतिभागियों और संस्थाओं को निम्नलिखित के बारे में जानने और मापने में मदद करते हैं:

ज्ञान निर्माण टूल लीडरशिप और एक्शन प्रोजेक्ट प्लानिंग पर महत्वपूर्ण सीखें देने के लिए बनाया गया है, जो लड़कियों और मेंटर्स को स्वयं, उनके मुद्दों, उनके समुदायों, उनके द्वारा जिन समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, का गंभीरता से विश्लेषण करने और उनकी समझ में सुधार करने का मौक़ा देता है। इनमें स्व-चिंतनशील गतिविधियां, व्याख्यात्मक कार्य, सहभागी टूल, समूह अभ्यास और अपनी बात कहने और दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए सुझाव शामिल हैं।

मूल्यांकन टूल कार्यक्रम जिन लोगों पर फोकस करता है, (जैसे युवा लोग, युवाओं के साथ काम करने वाले वयस्क, या युवाओं के जीवन में अन्य महत्वपूर्ण लोग) उस समुदाय में बदलाव को समझने का प्रयास करता है।)। यह टूल इन प्रश्नों के उत्तर प्रदान करता है:

- कार्यक्रम ने लोगों के ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल या व्यवहार को कैसे बदला है?
- कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के परिणामस्वरूप व्यक्तियों, संस्थाओं और समुदाय पर क्या प्रभाव पड़ा है?
- प्रतिभागियों ने एक दूसरे से क्या सीखा?

ये टूल संकेतकों को मापते हैं, जैसे:

- लड़कियों में नेतृत्व, उनके दृष्टिकोण और योजना बनाने के कौशल में बदलाव
- सामूहिक रूप से काम करने के कौशल में वृद्धि
- मेंटर्स के नेतृत्व और सलाह देने के कौशल में वृद्धि
- युवा प्रतिभागियों में खुद के और उनके समुदायों के मुद्दों और समस्याओं की समझ में वृद्धि
- व्यक्तियों, समुदाय और संस्था पर प्रभाव

इसके अतिरिक्त, टूल ये मापने में मदद करते हैं:

- कौन सी गतिविधियां की जा रही हैं?
- आपका कार्यक्रम कितने युवाओं तक पहुँचा, और उनकी प्रोफ़ाइल क्या है (उम्र, जेंडर, जाति, नस्ल, आर्थिक स्थिति, आदि)?
- प्रतिभागियों को शामिल करने और जोड़े रखने के लिए क्या आवश्यक था?
- क्या काम अच्छे से हुआ और क्या-क्या सुधार किये जा सकते हैं?
- कार्यक्रम के प्रतिभागी कार्यक्रम से कितने संतुष्ट हैं? सुधार के लिए उनके क्या सुझाव हैं?

सामुदायिक स्तर की प्रक्रियाओं के माध्यम से संदर्भ को समझना

किसी समुदाय में कार्यक्रम शुरू करने के लिए, सबसे पहले उसके संदर्भ और लोगों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए। किशोरियों और समुदायों की पहचान करना, उनकी आवश्यकताओं का आंकलन करना और समुदायों को संगठित करना आदि किशोरियों और युवाओं के लिए एक मजबूत और सार्थक कार्यक्रम विकसित करने के महत्वपूर्ण कदम हैं।

चरण 1: **किशोरियों और उनके समुदाय की पहचान करना**- विचार करें कि आप लड़कियों और युवा महिलाओं के किस समूह के साथ सहयोग करना चाहते हैं। सबसे अधिक वंचित समूहों और लड़कियों की पहचान करना क्यों महत्वपूर्ण है? इनमें से कितनी लड़कियां आपके कार्यक्रम क्षेत्र में रहती हैं? यह एक महत्वपूर्ण कदम है जब आप उन लड़कियों का चयन करते हैं जिनके साथ आप पूरे कार्यक्रम में काम करेंगे। किशोरियों के मुद्दे, उम्र, स्थान, संस्कृति और उनके जीवन के अन्य पहलुओं के अनुसार अलग-अलग होते हैं। वे एक अलग-अलग वास्तविकताओं वाला विविध समूह हैं, जो विभिन्न सामाजिक मानदंडों और परम्पराओं के आधार पर कई प्रकार के भेदभाव का सामना करता है, जैसे कि जो स्कूल से बाहर हैं, विकलांग हैं, हाशिए पर रह रहे समुदायों से, जनजातियों से संबंधित हैं, अत्यधिक गरीबी में रह रहे हैं, आदि। आपके कार्यक्रम की संरचना इन सवालों के जवाबों पर निर्भर करेगी।

चरण 2: **सहभागी (पार्टिसिपेटरी) टूल्स का इस्तेमाल करते हुए आवश्यकताओं का आंकलन (नीड्स असेसमेंट)** - आवश्यकता मूल्यांकन टूल और गतिविधियां लड़कियों के एक समूह और उनके समुदायों तक पहुंचने में मदद कर सकती हैं जो एक क्षेत्र/समुदाय के भीतर छिपे हुए हैं और हाशिए पर हैं। पहली बार किशोरियों के लिए कार्यक्रम तैयार करने वाली संस्थाओं के लिए, कार्यक्रम की कार्यनीतियों और गतिविधियों को विकसित करना आवश्यक है।

पार्टिसिपेटरी टूल्स (जिसे PRA या PLA टूल्स के नाम से भी जाना जाता है[10]) जैसे सामाजिक रिसोर्स मैपिंग, फोकस्ड ग्रुप डिस्कशन (FGD), सर्वे, मोबिलिटी एंड सेफ्टी मैपिंग, सीजनल और डेली रूटीन मैप आदि कुछ उपयोगी टूल्स[11] हैं। ये कम्युनिटी के संदर्भों, मुद्दों और प्राथमिकताओं को समझने की प्रक्रिया में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने में सहायक हो सकते हैं। यदि आप इन टूल्स का उपयोग करते हैं, तो आप अपने समुदाय के संदर्भ और विशिष्ट मुद्दों और लड़कियों और युवाओं के जीवित अनुभवों के बारे में जानने में सक्षम होंगे। संस्थाएं इस जानकारी का उपयोग कार्यक्रम रणनीतियों को विकसित करने, समूह-विशेष मुद्दों की पहचान करने, समुदाय के साथ तालमेल बनाने आदि के लिए कर सकती हैं। यदि क्षेत्र या समुदाय तुलनात्मक रूप से नया है, तो लड़कियों के साथ जरूरतों का आंकलन करना और समुदाय की भागीदारी एक मूल्यवान प्रक्रिया है।

---

10 PLA - पार्टिसिपेटरी लर्निंग एंड एक्शन, एक सामुदायिक मूल्यांकन प्रक्रिया है जो समुदाय, विभिन्न समूहों के बारे में जानने के लिए विभिन्न भागीदारी उपकरणों और विधियों का उपयोग करती है।और उनकी समस्याएँ। यह समुदाय-आधारित कार्यक्रमों और इसकी रणनीतियों को डिजाइन करने में मदद कर सकती है। यह प्रक्रिया एक नए क्षेत्र/समुदाय में एक नया कार्यक्रम शुरू करने में सहायक रही है। आवश्यक जानकारी और समझ के आधार पर ऐसे कई उपकरण और विधियाँ हैं जिनका उपयोग किया जा सकता है।

11 उपयोगी संसाधन:

https://buildcommunity4girls.org/intentional-design-guide/

https://www.fao.org/3/x5996e/x5996e06.htm

https://www.researchgate.net/publication/336230869_Participatory_Rural_AppraisalPRATools_Techniques,https://buildcommunity4girls.org/intentional-design-guide/]

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए, संस्थाओं को यह सुझाव दिया जाता है कि लड़कियां और युवा, उन जरूरतों के आंकलन की प्रक्रिया में शामिल हों, जिसके आधार पर वो समुदाय के मुद्दों पर काम करने की योजना बनाने वाले हैं।

चरण 3: **सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन गतिविधियाँ** – सामुदायिक समर्थन प्राप्त करने और समुदाय के सदस्यों के साथ सहयोग बनाने के लिए समुदायों को कार्यक्रम के बारे में जागरूक करना महत्वपूर्ण है। संस्थाओं को सुझाव दिया जाता है कि, वे सामुदायिक बैठकें और आवश्यकताओ को आंकने के लिए 'नीड असेसमेंट' की गतिविधि आयोजित करें, और होम विजिट यानि घर-घर जाकर मिलें ताकि कार्यक्रमों में लड़कियों की भागीदारी और उनकी नेतृत्व की भूमिका के बारे में समुदाय में जागरूकता पैदा हो। ये गतिविधियाँ कार्यक्रम के लिए दृश्यता पैदा करने और किशोरियां और उनके समुदायों में युवाओं के लिए सहायता समूहों/व्यक्तियों की पहचान करने में मूल्यवान रही हैं।

सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन एक बार की प्रक्रिया नहीं है; यह एक सतत प्रक्रिया है जिसे कार्यक्रम में जोड़ा जाना चाहिए और कई चरणों में पूरा किया जाना चाहिए। किसी कार्यक्रम के विभिन्न चरणों के दौरान इसके उद्देश्यों और विधियों को संशोधित किया जा सकता है। संस्थाएं स्थानीय सन्दर्भ को देखते हुए गतिविधियों की योजना बना सकती हैं, जैसे, फ़्लायर्स बनाना और वितरित करना, सामुदायिक बैठकें आयोजित करना, नुक्कड़ नाटक/फिल्म स्क्रीनिंग और सामुदायिक स्तर पर चर्चा करना, सामुदायिक बैठकों के दौरान घोषणाएँ करना आदि।

चरण 4: **लड़कियों के माता-पिता या अभिभावकों के साथ मीटिंग** – गर्ल्स एडवाइजरी काउंसिल और लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर गर्ल्स इसे किशोरियों और युवा महिलाओं के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखते हैं। मेंटर्स और संस्था के अन्य कार्यकर्त्ताओं को किशोरियों के माता-पिता/अभिभावकों के घर जाकर मिलना और बैठकें आयोजित करनी चाहिए, ताकि कार्यक्रम को विस्तार से समझाया जा सके, लड़कियों का जुड़ाव और उनकी सहमति प्राप्त की जा सके। उसके बाद, इस जुड़ाव और समर्थन को बनाए रखने के लिए माता-पिता के साथ त्रैमासिक बैठकें आयोजित की जा सकती हैं।

प्रतिभागी (किशोरियां) और उनकी समूह-स्तरीय प्रक्रियाएं

ये प्रक्रियाएं लड़कियों और युवा महिलाओं के साथ व्यक्तिगत और सामूहिक काम पर जोर देती हैं। परिवर्तनकारी बदलाव के लिए न केवल व्यक्तिगत लड़कियों के सशक्तिकरण की आवश्यकता है, बल्कि उनकी सामूहिक क्षमताओं के विकास और उनके ईको-सिस्टम के सहयोग की भी आवश्यकता है। इन स्तरों पर काम करने का मतलब बदलाव का एक अधिक स्थायी मॉडल बनाना भी है। लड़कियों और युवा महिलाओं के नेतृत्व में किये जाने वाली भागीदारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए नीचे कई महत्वपूर्ण कदम दिए गए हैं।

चरण 1: **लड़कियों के समूहों का गठन -** आवश्यकता का आंकलन करने और शुरूआती मोबिलाईज़ेशन की प्रक्रिया को पूरा करने के बाद, संस्थाएं किशोरियों को एकजुट करके कार्यक्रम शुरू कर सकती हैं। समुदाय/बस्ती या क्षेत्र/मोहल्ला स्तर पर संस्था लड़कियों के एक या एक से अधिक समूह बनाने का निर्णय ले सकती हैं। टीम के निर्माण और टीम के परिचय के लिए गतिविधियों को आयोजित करने के लिए सुझाव दिये गये हैं। इस स्तर पर लड़कियां अपने समूह को एक नाम दे सकती हैं, और प्रशिक्षण के लिए समय और स्थान का चयन कर सकती हैं।

चरण 2: **लर्निंग कम्युनिटी की लड़कियों का आमुखीकरण(ओरिएंटेशन)**– यह अगला महत्वपूर्ण कदम है। संस्थाओं को कार्यक्रम में शामिल होने वाली सभी किशोरियों और युवा महिलाओं के लिए एक कार्यक्रम आमुखीकरण तैयार कर और उसे आयोजित करना चाहिए। समूह की संकल्पना, इसके सिद्धांतों और इसकी प्रक्रियाओं से प्रतिभागियों को परिचित कराने का लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है।

चरण 3: **लड़कियों का प्रशिक्षण और क्षमता विकास** – लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मानता है कि किशोरियां अलग-अलग माहौल से आती हैं, और उनके अपने अलग-अलग, अनोखे अनुभव होते हैं। इसलिए, प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण चरण सभी लड़कियों को एक मंच पर साथ लाता है, ताकि वे उन मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श कर सकें, जो उनके जीवन के विकल्पों को प्रभावित करते हैं, उन्हें अपनी लीडरशिप यात्रा शुरू करने के लिए तैयार कर सकें, और आपस में एकजुटता का निर्माण करने के लिए प्रेरित करे। लड़कियों और युवा महिलाओं की क्षमताओं और दृष्टिकोणों को विकसित करने में निवेश करना उनकी लीडरशिप की यात्रा के लिए आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

चरण 4: **गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट्स/पहलों का विकास और कार्यान्वयन** – लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में यह एक महत्वपूर्ण चरण है, जहां गर्ल लीडर्स अपनी प्रोजेक्ट/पहलों का विकास और कार्यान्वयन करती हैं और अन्य लड़कियों और समुदाय के सदस्यों के साथ काम करते हुए अपने नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करती हैं। वे अपने जीवन में सार्थक बदलाव लाने, अपने मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके समाधान की दिशा में काम करने के लिए इन पहलों की कल्पना करती हैं, और उन्हें लागू करती हैं। मेंटर और पीयर लीडर किसी विषय और मुद्दों का चयन करने, गतिविधियों पर निर्णय लेने, इसे कार्यान्वित करने की योजना विकसित करने, और उनके काम के लिए एक टाइमलाइन और बजट बनाने ने में गर्ल लीडर्स को सलाह देते हुए सहयोग प्रदान करते हैं।

इन पहलों में नीचे दी गई गतिविधियां शामिल हो सकती हैं जिनमें संस्थाएं अपने विशेष संदर्भों के अनुरूप बदलाव कर सकती हैं। संस्थाओं को इन गतिविधियों का उदाहरण देना चाहिए और लड़कियों को यह तय करने देना चाहिए कि वे अपने एक्शन प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में किस तरह की पहल/गतिविधि करना चाहती हैं।:

नोट: गर्ल लीडर्स को सभी चार प्रकार की गतिविधियों की योजना बनाने की आवश्यकता नहीं है; इसकी बजाय, वे अपनी प्रोजेक्ट की जरूरतों और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इनमे से एक या अधिक पर काम करना चुन सकती हैं।

चित्र 3: एक्शन प्रोजेक्ट/पहलों को डिजाइन करने के लिए गतिविधियों के सुझाव

एक्शन-आधारित गतिविधियाँ	भागीदारी और परामर्श की गतिविधियां	जागरूकता निर्माण	रूढ़ियों को तोड़ना
ये गर्ल लेड गतिविधियाँ हैं जो समुदाय में लड़कियों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं। स्तर पर कॉमिक्स और कहानी सुनाना आदि।	ये गतिविधियाँ लड़कियों और समुदाय के प्रमुख सदस्यों के बीच आवश्यक संबंध बनाने में मदद करती हैं। यह लड़कियों के लिए एक लोकल स्तर पर समर्थन की व्यवस्था बनाने में मदद करता है।	इन गतिविधियों का उद्देश्य समुदाय को आवश्यक जानकारी देना है।	लड़कियां इन गतिविधियों के माध्यम से अपनी जेंडर आधारित भूमिकाओं से बाहर निकल सकती हैं और समुदाय में अपने लिए जगह का दावा कर सकती हैं।
उदाहरण – रैलियां, फ्लैश मॉब (एक समन्वित और अक्सर कोरियोग्राफ किया गया नृत्य, गीत या अन्य गतिविधि जिसको अचानक करने के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर लोगों को जमा किया जाता है), दीवार लेखन, समाचार पत्र विकास, नुक्कड़ नाटक, जमीनी स्तर पर कॉमिक्स और कहानी सुनाना आदि।	उदाहरण –हितधारक परामर्श, पैनल चर्चा, स्वास्थ्य कैंप, मेले, विभिन्न संस्थाओं के साथ संवाद, खेल टूर्नामेंट, या मैत्रीपूर्ण मैच आदि।	उदाहरण – फिल्म दिखाना और नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन, जमीनी स्तर पर कॉमिक्स बनाना और कहानी सुनाना आदि जैसे कार्यक्रम।	उदाहरण – लड़कियों का बाहरी खेल खेलना और लड़कियों के लिए खेल दिवस समारोह आयोजित करना, फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण आदि में लड़कियों को शामिल करना।

किशोरियों के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए कुछ और महत्वपूर्ण बातें

अ. वर्चुअल इंगेजमेंट/ डिजिटल माध्यमों से जुड़ने के लिए सुझाव

यह कार्यक्रम मार्गदर्शिका कोविड-19 महामारी के दौरान बनाई गई है, जब कई युवा कार्यक्रम ऑनलाइन चल रहे थे। लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम किशोरियों और युवा महिलाओं के साथ काम करने के लिए मिले-जुले तरीकों से काम करने का दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव देता है। यह युवाओं के साथ ऑनलाइन बैठकें/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण सेशन आयोजित करने के लिए कुछ सुझाव देता है। निम्नलिखित सुझाव प्रशिक्षणों को अधिक सार्थक और रोचक बनाने में किशोरियों और मेंटर्स की मदद कर सकते हैं।

- ऑनलाइन प्रशिक्षण थकाने वाला हो सकता है। इससे बचने के लिए, अपने प्रशिक्षण के सत्रों को प्रति दिन 3-4 घंटे तक का ही रखें, बीच-बीच में ब्रेक के लिय समय भी रखें। छोटी समय के प्रशिक्षण की योजना बनाएं, उदाहरण के लिए, 4-5 दिनों के प्रशिक्षण के बजाय इसे दो सप्ताहों में बांटा जा सकता है (हर सप्ताह 2-3 दिन)।
- सुनिश्चित करें कि सभी प्रतिभागियों के पास प्रशिक्षण या मीटिंग में भाग लेने के लिए डिवाइस/उपकरण और एक मज़बूत इंटरनेट कनेक्शन हो।
- प्रशिक्षण आसान बनाने के लिए, प्रतिभागियों को एक इंटरनेट डेटा पैक दें और संस्थागत लैपटॉप/कंप्यूटर उपलब्ध कराएं। इसके अलावा, संस्था के ऑफिस की जगह और उपकरणों का उपयोग भी किया जा सकता है।
- हो सकता है कि, प्रतिभागियों के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म में भाग लेना शुरू करना आसान ना हो। विशेष रूप से हाशिए के समुदायों की किशोरियों के लिए, जिनके पास उनके परिवारों से सहयोग और टेक्नोलॉजी के साथ काम करने का अनुभव कम हो सकता है। इसलिए, लड़कियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने की बुनियादी बातों से परिचित कराने की सलाह दी जाती है।
- ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में किशोरियों से परामर्श लेना सुनिश्चित करें। हो सकता है कि, वे परिवार के किसी सदस्य के फोन का उपयोग कर रही हों, या दिन में निश्चित समय पर उनकी फ़ोन तक पहुंच हो। उनसे चर्चा करने से लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- यदि वे नेटवर्क कनेक्टिविटी के कारण प्रशिक्षण के किसी हिस्से में नहीं रह पायी हैं या बाद में इसे फिर से देखना चाहें, तो आप मेंटर द्वारा दिए प्रशिक्षण सेशन रिकॉर्ड कर सकते हैं जो प्रतिभागियों तक पहुंचाये जा सकते है। आपको ऐसे किसी भी सेशन को रिकॉर्ड नहीं करना चाहिए जिसमें प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए हों।
- रोचक गतिविधियों का उपयोग करें जो जिज्ञासा और चर्चा को बढ़ावा दे सकें, जैसे कि ऑडियो-विजुअल मटेरियल का उपयोग और उसके बाद चर्चा।

ब. कोविड-19 (और अन्य महामारी /परिस्थितियों) के दौरान कार्यक्रम के संचालन के लिए सुझाव

कोविड-19 महामारी ने न केवल लड़कियों और युवाओं के जीवन में बल्कि हमारे सहयोग करने के तरीकों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया है। नीचे दिए गए सुझाव व चेकलिस्ट किशोरियों के साथ कार्यक्रम की रणनीति विकसित करने में उपयोगी हो सकती है।

कोविड-19 सेफगार्डिंग चेकलिस्ट:

- अपने साथ एक कोविड-19 सेफगार्डिंग किट (सैनिटाइज़र, मास्क आदि) रखें।
- सभी सावधानियां बरतें, जैसे पूरे समय मास्क पहनना, शारीरिक दूरी बनाए रखना और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना।
- अपने राज्य/सरकार देश की या स्थानीय प्रसाशन/अधिकारियों द्वारा जारी की गई सलाह को पढ़ें, समझें और उसका पालन करें।
- लड़कियों, युवाओं, या समुदाय के सदस्यों को बड़े समूहों में इकट्ठा न करें। सभी कोविड-19 सेफगार्डिंग प्रोटोकॉल बनाए रखें।
- अन्य – अपनी पानी की बोतल, खाना/दोपहर का भोजन, दवाई (यदि लागू हो) आदि साथ रखें।

भाग 2 – संलग्नक:

संलग्नक 2.1 – मेंटर की भूमिका, नियुक्ति मानदंड तथा प्रक्रिया, और मानदेय

मेंटर की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां - लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में मेंटर्स तीन स्तरों पर काम करते हैं:

- किशोरियों के साथ काम
- सामुदायिक स्तर पर, और
- लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की जिम्मेदारियों के स्तर पर

इस जॉब डिस्क्रिप्शन को भारत में, मुंबई और दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में लर्निंग कम्युनिटी को लागू करने के मेंटर के अनुभवों के आधार पर एम्पावर और मेंटर्स द्वारा मिल कर बनाया गया है। इसे लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम की योजना बनाने वाली संस्थाओं के लिए उदाहरण के तौर पर दिया गया है।

लर्निंग कम्युनिटी मेंटर्स के लिए जॉब डिस्क्रिप्शन (जेडी)

भूमिका और जिम्मेदारियाँ:

मेंटर की भूमिका में उन्हें कम से कम 12 महीनों के लिए, हर हफ्ते 16-24 घंटे (2-3 दिन) का समय देना होगा। इस दौरान, उन्हें एक आवासीय/गैर-आवासीय/वर्चुअल जगह पर 3-5-दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेना होगा। उनकी मुख्य ज़िम्मेदारियों में किशोरियों और समुदाय के सदस्यों के साथ मिलकर काम करना, नियमित समुदाय में विजिट करना, लर्निंग कम्युनिटी के बारे में रिकॉर्ड/डेटा रखना, जैसे सहमति फॉर्म, लर्निंग, मोनिटरिंग और मूल्यांकन फॉर्म, लर्निंग कम्युनिटी रिपोर्ट आदि, शामिल हैं:

1. भूमिका और जिम्मेदारियाँ:

- किशोरियों को अपना एक समूह बनाने के लिए प्रेरित करना।
- एक प्रशिक्षक और एक सहजकर्ता के रूप में किशोरियों के साथ काम करना, अलग-अलग विषयगत मुद्दों पर चर्चाओं का मार्गदर्शन करना, कौशल निर्माण और नए विचारों का समर्थन करना और लड़कियों को नए दृष्टिकोण बनाने में मदद करना।
- विवाद की स्थिति में मध्यस्थता करना और अपने समूहों और समुदाय में समाधान खोजने में लड़कियों का सहयोग करना।
- किशोरियों के संदर्भ, उनके जीवन की वास्तविकताओं और उनकी चुनौतियों को समझने के लिए उनसे जुड़ना।
- लड़कियों, विशेष रूप से हाशिये पर रहने वाले समुदायों की किशोरियों की जरूरतों के अनुसार सुझाव देना।
- घर-घर जाकर और फोन के माध्यम से लड़कियों से संपर्क बनाये रखना, नियमित रूप से चेक-इन करना, और उन्हें कार्यक्रम में भाग लेने और नेतृत्व करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना।
- लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एलुमनाई गर्ल लीडर्स के साथ सहयोग करना।

- एक ऐसे सहायक और सक्षम वातावरण का निर्माण करना, जिससे लड़कियां अपने समुदायों और जीवन में नेतृत्व करने में सुरक्षित और सशक्त महसूस करें।
- लड़कियों के मुद्दों पर सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन करने में उनकी सहायता करना, और उन्हें समुदाय में अपने काम, विचारों और एक्शन के दायरे से जुड़े संवाद करने/और गतिविधियों को लागू करने में सक्षम बनाना।
- लड़कियों को व्यक्तिगत विकास और काम से सम्बंधित सफ़र के लिए परामर्श प्रदान करना।
- लर्निंग कम्युनिटी टूल्स के माध्यम से, लड़कियों की समय-समय पर जरूरतों, चिंताओं और मुद्दों का आंकलन करना, और समाधानों को आसान बनाना।
- लड़कियों की लीडरशिप और उनके नेतृत्व में होने वाले कामों को आगे बढ़ाने के लिए विचार विमर्श और चर्चा करने के लिए लर्निंग कम्युनिटी की किशोरियों और मेंटर्स के साथ (ऑनलाइन और या साथ मिलकर) काम करना।

2. सामुदायिक स्तर पर जुड़ने के लिए कार्य:

- सामुदायिक मोबिलाईज़ेशन और घर पर विजिट के माध्यम से संबंध स्थापित करना
- माता-पिता/अभिभावकों से सहमति प्राप्त करना
- किशोरियों के लिए समर्थन और ऐसी जगहें बनाना जहाँ वे सशक्त महसूस कर सकें, सामुदायिक हितधारकों के साथ नियमित बातचीत और माहौल बनाने के लिए सेशन आयोजित करना और अन्य तरीक से जुड़ाव को सहज बनाना ।
- समुदाय के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना कि, लड़कियों के पास अपने नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए एक मंच तक पहुंच हो।
- आपसी समझ और सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए लड़कियों और समुदाय के बीच खुले संवाद के मौके को उपलब्ध कराना।
- विभिन्न सामुदायिक स्तर के हितधारकों के साथ नेटवर्क बनाना।

3. लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम/संस्थागत स्तर:

- सेफगार्डिंग लीड के रूप में सेफगार्डिंग नीतियों और प्रक्रियाओं को समझना।
- लोकल, सामुदायिक स्तर पर और साथी संस्थाओं के सहयोग से लर्निंग कम्युनिटी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को संचालित, समन्वयित और प्रबंधित करना।
- कार्यक्रम के सुचारु और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, लर्निंग कम्युनिटी के साथी संस्थाओं के मेंटर्स के साथ समन्वय करना और मिलकर काम करना।
- कार्यक्रम कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एम्पावर और समन्वयक संस्था के साथ कार्य करना।
- ड्यू-डिलिजेंस और रिपोर्टिंग प्रक्रियाओं को नियमित रूप से पूरा करना।

एक व्यक्ति जो निम्नलिखित मूल्यों में विश्वास रखता है:

- लड़कियों की राय का सम्मान करना, उनकी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखना और उसकी गोपनीयता बनाए रखना।
- किशोरियों के लिए एक पारदर्शी, गैर-आलोचनात्मक, समावेशी और विविध जगह बनाने के लिए प्रतिबद्ध होना।
- जेंडर समता और लड़कियों की लीडरशिप में विश्वास करना।
- आत्म-चिंतन करना और लड़कियों और उनके अनुभवों से सीखने और अपना नजरिया बदलने के लिए तैयार होना।

मेंटर्स के चयन के मानदंड नीचे दिए गए हैं। ये केवल सुझाव हैं, और संस्थाओं को उनके संदर्भ, क्षेत्र और सामुदायिक वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। ये मानदंड दो सबसे बड़े भारतीय शहरों के मेंटर्स के अनुभवों के आधार पर विकसित किए गए थे। गैर-महानगरीय शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति भिन्न हो सकती है। इसलिए, संभावित मेंटर के कौशल और अनुभव के आधार पर जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

चयन के आधार:

1. **युवा महिला या व्यक्ति जो स्वयं की एक महिला के रूप में पहचान रखती है:** लर्निंग कम्युनिटी के लक्ष्यों में से एक लड़कियों और युवा महिलाओं के नेतृत्व को विकसित और सुदृढ़ करना है। इस दिशा में पहला कदम, मेंटर के रूप में एक युवा महिला को या लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर को चुनना है। वो युवा महिलाएं मेंटर हो सकती हैं, जो प्रतिभागी किशोरियों की तुलना में कुछ ही वर्ष बड़ी हों। उनके जीवन के साझा अनुभव लड़कियों के साथ जुड़ाव बनाने और उनके साथ शारीरिक बदलाव, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार, जेंडर संबंधी अनुभव आदि जैसे विषयों पर चर्चा करने में मदद कर सकता है।
2. **उम्र, 24-35 के बीच हो लेकिन 40 से अधिक न हो:** अन्य कार्यक्रमों की लड़कियों और और युवा महिलाओं को, जो मेंटर बनने के मानदंड पूरा करती हैं, को इस काम के लिए प्रोत्साहित और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।
3. **बेहतर होगा वे लड़कियों के समुदाय या आस-पास के समुदायों से हों:**

   लड़कियों के समुदाय या आस-पास के समुदायों से मेंटर्स का चयन करने के अपने फायदे हो सकते हैं। यह मेंटर्स के लिए लड़कियों के विभिन्न मुद्दों जैसे जेंडर, जाति, वर्ग, नस्ल आदि, और उनके अनुभवों से जुड़ने और समुदाय के संदर्भ में, एक मजबूत जुड़ाव और विश्वास बनाने में मदद कर सकता है। इससे हाशिये के समुदायों से आनेवाली युवा महिलाओं के नेतृत्व में बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, अनुभव यह भी बताते हैं कि कभी-कभी हाशिए के समुदायों से आने वाले मेंटर्स के लिए अपनी पहचान के कारण खुद के या आस-पास के समुदायों में अपने आप को स्थापित करना चुनौतीपूर्ण होता है। उनके नेतृत्व को उनके अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा चुनौती दी जाती है। ऐसी स्थिति में संस्था, मेंटर के नेतृत्व को स्थापित करने और उसके ज्ञान और कौशल निर्माण में निवेश करने के साथ-साथ सामुदायिक स्तर पर उसके नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए उनके प्रति स्वीकृति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

4. **ऐसा कोई जिससे बात करना आसान हो और जो लड़कियों और उनके समुदाय के साथ जुड़ने में सक्षम हो।**
5. **समुदाय की स्थानीय भाषा(ओं) का पूर्व ज्ञान हो या सीखने की इच्छा रखतें हो**

   यह लड़कियों के साथ बातचीत और चर्चा को बेहतर बनाने और उनके साथ जुड़ाव बनाने में मदद करेगा।
6. **महिलाओं और लड़कियों के साथ काम करने का पूर्व अनुभव और जानकारी (या रुचि) हो।**
7. **जेंडर समता और लड़कियों के अधिकारों, नेतृत्व और समूहों के बारे में सीखने और काम करने की रुचि और इच्छा हो।**
8. **साक्षर हो या थोड़ा पढ़ना और लिखना जानती हो**: प्रशिक्षण मॉड्यूल का उपयोग करके प्रशिक्षण देने और सीखने का दस्तावेजीकरण करने के लिए मेंटर्स को इस कौशल की आवश्यकता होगी। हालांकि, यदि वे अन्य सभी मानदंडों को पूरा करते हैं और एक मजबूत उम्मीदवार लगते हैं, तो संस्था को उनके साक्षरता कौशल में सुधार के लिए निवेश करने पर विचार करना चाहिए।
9. **डिजिटल साक्षरता:** डिजिटल टूल्स के संचालन का बुनियादी ज्ञान हो और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्यशालाओं में भाग लेने में और सेशन्स या बैठकों का आयोजन करने में सहज हो।
10. **समय की उपलब्धता:** कोई व्यक्ति जिसके पास मेंटर की भूमिका और ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए समय और लचीलापन हो।

चयन और नियुक्ति प्रक्रिया: यह प्रक्रिया भारत में विभिन्न लर्निंग कम्युनिटी संस्थाओं द्वारा की जानी वाली प्रक्रियाओं के आधार पर विकसित की गई है। हालाँकि ये केवल सुझाव हैं, इन्हें सामुदायिक संदर्भ और मेंटर की आवश्यकताओं के आधार पर संशोधित किया जा सकता है।

1. **एलुमनाई गर्ल लीडर्स की मेंटर के रूप में नियुक्ति** – एलुमनाई गर्ल लीडर्स को जो मेंटर बनने में रुचि और कौशल रखती हैं, प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्हें मेंटर बनने के लिए, क्षमता विकास प्रशिक्षण के साथ-साथ काम का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उनके अपने अनुभव, कार्यक्रम में पूर्व भागीदारी और लड़कियों के संदर्भ की समझ उन्हें इस भूमिका में काम करने के लिए मदद कर सकती है। यहां एलुमनाई गर्ल लीडर्स को मेंटर के रूप में एक नई भूमिका निभाने में मदद करने में संस्था का योगदान महत्वपूर्ण होगा।

2. **आंतरिक नियुक्ति प्रक्रिया** – लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम शुरू करने वाली संस्था, आंतरिक नियुक्ति का विकल्प चुन सकती है। वे मौजूदा कार्यकर्त्ताओं के बीच मेंटर्स की पहचान कर सकती हैं, जो चयन मानदंडों को पूरा करते हैं, लर्निंग कम्युनिटी कार्य में रूचि रखते हैं, और मेंटर की भूमिका निभाने के इच्छुक हैं। मेंटर, संस्था के नए कार्यकर्त्ता हो सकते हैं, जो नेतृत्व के कौशल रखते हैं और अपनी संस्थाओं में आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

   इस बारे में, यह सलाह दी जाती है कि कार्यकर्त्ता पूरे समय या कम से कम 60% समय लर्निंग कम्युनिटी को दे। अन्य स्टाफ सदस्यों को भी नियमित लर्निंग कम्युनिटी की अपडेट और सीखने की प्रक्रिया में शामिल करने की सलाह दी जाती है, साथ ही स्टाफ सदस्यों और गर्ल लीडर्स में से संभावित मेंटर्स की पहचान कर साथ-साथ उन के लिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना चाहिए।

3. **आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्ति** – संस्था आवेदन आमंत्रित करके और इंटरव्यू आयोजित करके चयन प्रक्रिया करने का निर्णय भी ले सकती हैं। इसके लिए, नियुक्ति की घोषणा को समुदाय-स्तर के हितधारकों के साथ और जगहों पर साझा किया जा सकता है, जैसे कि, स्कूलों में वितरित करके, शिक्षकों, महिला समूहों और क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं के साथ, या लड़कियों के मुद्दों और अधिकारों आदि पर काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के साथ ईमेल के माध्यम से साझा करके। संस्थाओं को लर्निंग कम्युनिटी या अन्य समान कार्यक्रम से गर्ल लीडर्स को साक्षात्कारकर्ताओं के रूप में शामिल करने का भी सुझाव है।

वेतन और मुआवज़ा: उन्हें विकास के अवसरों के साथ प्रतिस्पर्धी वेतन दिया जाना चाहिए। जो देश के वेतन/श्रम कानूनों के अनुसार हो। मेंटर कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक कार्यक्रम को प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए मेंटर्स के समय और समर्पण की आवश्यकता होती है, इसलिए उन्हें उनके काम का उचित मानदेय दिया जाना चाहिए। आपके क्षेत्र मेंटर को उनके जैसे जिम्मेदारियों वाले अन्य पदों की तुलना में उनके समान वेतन दिया जाना चाहिए, जैसे कि, एक सरकारी स्कूल शिक्षक या संस्था में कार्यक्रम चलाने वाला व्यक्ति।

संलग्नक संख्या 2.2 – बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग

परिचय: एम्पावर का मानना है कि सभी बच्चे और युवा, उनकी जीवन परिस्थितियों के बावजूद, स्वस्थ और उपयोगी जीवन जीने के अवसर के योग्य हैं। हालाँकि, हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार का बच्चों और युवाओं के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, जो उन्हें अपने मानवाधिकारों का आनंद लेने से रोकते हैं, और स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने की उनकी क्षमता को प्रभावित करते हैं। एम्पावर हाशिए पर रहने वाले बच्चों और युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करता है, ताकि वे उन्नति कर सकें और सुरक्षित महसूस कर सकें। एम्पावर अपने द्वारा समर्थित कार्यक्रमों में शामिल सभी बच्चों और युवाओं से दुर्व्यवहार को रोकने और उनकी सेफगार्डिंग, भलाई (वेल-बीइंग) और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

लर्निंग कम्युनिटी में यह सुनिश्चित करने के लिए सेफगार्डिंग के उपायों को शमिल किया गया है, जिससे किशोरियां और युवा महिलाएं स्वस्थ और सम्पूर्ण जीवन जी सकें। लर्निंग कम्युनिटी किशोरियों और युवा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें नुकसान और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए निम्नलिखित उपायों को करने के सुझाव देता है।

1. **सेफगार्डिंग नीति/ पॉलिसी:** लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम शुरू करने वाली संस्थाओं के पास सेफगार्डिंग नीति होनी चाहिए और उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्यक्रम में शामिल सभी लोग इसका पालन करें। संस्थाओं को इस पर आमुखीकरण, प्रशिक्षण, नियमित चेक-इन आयोजित करने और यह सुनिश्चित करने में भी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जिससे इसमें शामिल लोग किशोरियों और युवाओं के अधिकारों की सेफगार्डिंग और भलाई (वेल-बीइंग) के महत्व को, और साथ ही सेफगार्डिंग संबंधी को कोई घटना होने पर क्या करें, इसे समझे।

2. **रिपोर्टिंग और जवाबदेही तंत्र:** सेफगार्डिंग नीति में संस्था के किसी विशेष व्यक्ति/अधिकारी को नियुक्त किया जाना चाहिए या किसी भी शंका, घटना, या संभावित सेफगार्डिंग चिंताओं की स्थिति में किससे संपर्क किया जाय यह स्पष्ट होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, हर घटना या गतिविधि के दौरान, एक तय व्यक्ति (जैसे, मेंटर या कोई अन्य कार्यकर्त्ता) होना चाहिए जो किशोरियों को जानता हो और जिससे किसी घटना या संभावित नुकसान के मामले में संपर्क किया जा सके।

3. **सेफगार्डिंग चेकलिस्ट**: यह लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में गर्ल लीडर्स का समर्थन करने वाली संस्था के प्रतिनिधियों या मेंटर्स के लिए है। उन्हें एक चेकलिस्ट विकसित करनी चाहिए जिसमें पूरी प्रक्रिया के दौरान युवाओं की सुरक्षा और भलाई से संबंधित सभी पहलुओं को शामिल किया जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए और क्रॉस-चेक करने के लिए कि हर चरण पर अपेक्षित उपाय किए गए हैं।

4. **सेफगार्डिंग नीति और उपायों पर ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण:** लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में शामिल हर एक व्यक्ति को किशोरियों और युवा महिलाओं के अधिकार, प्रमुख परिभाषाएँ, क्या करें और क्या न करें, और रिपोर्टिंग और जवाबदेही तंत्र के बारे में समझने के लिए एक ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरना चाहिए । लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में किशोरियों के लिए एक सुरक्षित और सशक्त जगह बनाने की दिशा में यह एक ज़रूरी कदम है। लड़कियों, मेंटर्स और अन्य स्टाफ सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सामग्री इस भाग में आगे दी गई है।

5. **सेफगार्डिंग पर लड़कियों और युवाओं का आमुखीकरण:** यह महत्वपूर्ण है कि किशोरियां न केवल सेफगार्डिंग नीति और उन्हें सुरक्षित रखने के उपायों को समझें बल्कि यह भी समझें कि खतरे/हानि की पहचान कैसे की जाए, वे आत्मविश्वास से नीति का उपयोग कहां कर सकती हैं और असुरक्षित महसूस होने पर किससे संपर्क कर सकती हैं। इसलिए, किशोरियों और युवाओं के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत में आमुखीकरण कर युवाओं के साथ चल रहे जुड़ाव को सहज बनाना चाहिए, ताकि वे हानि और दुर्व्यवहार की पहचान कर सकें, और रिपोर्ट करने और समर्थन लेने के लिए उनमे आत्मविश्वास हो। इस भाग में आगे दी गई विषय-वस्तु का उद्देश्य किशोरियों और युवा महिलाओं को प्रशिक्षित करना है।

6. **ऑनलाइन सेशन के लिए सेफगार्डिंग संबंधी विशेष मुद्दे:**

   - प्रशिक्षण या कार्यशाला के बाद संस्थाएं प्रतिभागियों के साथ चेक-इन करें, खासकर जब प्रशिक्षण में व्यक्तिगत विचार अभिव्यक्त करने की प्रक्रिया हो। यह संभव है कि प्रशिक्षण के दौरान कोई बात प्रतिभागियों को आघात पहुंचाए या कोई उनमे भावनात्मक प्रतिक्रिया का कारण बने। ऐसे योग्य व्यक्ति जो लड़कियों के साथ प्रभावी ढंग से काम कर सकें, उनके साथ आमने-सामने बात-चीत और अपनी बात/समस्या साझा करने और आपसी देखभाल के लिए जगह बनाने में सहायता कर सकते हैं। सहजकर्त्ताओं के पास आवश्यकतानुसार सन्दर्भ सामग्री होनी चाहिए।

     [**नोट**: यदि किसी प्रक्रिया में आघात पहुँचाने का जोखिम होता है, तो उन लड़कियों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने के लिए एक मेंटर या प्रशिक्षित व्यक्ति का मौजूद होना अच्छा होगा। साथ ही ऐसा कुछ भी कहने से बचना आवश्यक होगा जो पुन: आघात पहुँचाने का कारण बने, लड़कियों को शर्मिन्दा करे या चुप कराए। प्रशिक्षित व्यक्ति को प्रक्रिया की शुरुआत में लड़कियों से मिलना चाहिए, और उनके साथ विश्वास का रिश्ता स्थापित करने के लिए उनके साथ कुछ गतिविधियों में भाग भी लेना चाहिए।]

   - सुनिश्चित करें कि प्रतिभागी एक व्यक्तिगत जगह से प्रशिक्षण में भाग लें, जहाँ वे स्वतंत्र रूप से अपने विचार और राय व्यक्त कर सकें। प्रतिभागियों से इस बारे में पता करें कि वे प्रशिक्षण में कहाँ से शामिल होंगे, और उन्हें वह सहायता प्रदान करें जिसकी उन्हें आवश्यकता हो सकती है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि वे एक सहज और सुरक्षित स्थान से सेशन में भाग लें।

बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग: किशोरियों, युवाओं और मेंटर्स के लिए आमुखीकरण सेशन:

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम सभी युवाओं के अधिकारों और भलाई (वेल-बीइंग) की रक्षा के लिए समर्पित है। यह सुझाव दिया जाता है कि किशोरियां, युवा लोग और मेंटर सेफगार्डिंग पर प्रशिक्षण दिया जाये।

?

बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग: किशोरियों, युवाओं और मेंटर्स के लिए आमुखीकरण सेशन:

- बच्चों और युवाओं की सेफगार्डिंग क्या है ?
- गतिविधि: वीडियो के बाद चर्चा
- वीडियो: बाल अधिकार क्या हैं और ये क्यों महत्वपूर्ण हैं? यूनिसेफ इंडिया द्वारा
  वीडियो लिंक: https://www.youtube.com/watch?v=HCYLdtug8sk

1. **सेफगार्डिंग नीति क्या है?**
   सभी बच्चों और युवाओं को सभी प्रकार की हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण से मुक्त रहने का अधिकार है। सेफगार्डिंग नीति यह सुनिश्चित करने के लिए किसी संस्था की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है कि युवा किसी भी प्रकार की हिंसा, नुकसान और दुर्व्यवहार से मुक्त हैं, उनके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार किया जाता है, और उन्हें नस्ल, जेंडर, जातीय या सामाजिक मूल, भाषा, जन्म स्थान, धार्मिक या अन्य विश्वास, जाति, वर्ग, अक्षमता, यौन रुझान' या अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता है। यह नीति बच्चों और युवाओं के स्वस्थ, सुखी और स्वतंत्र जीवन जीने के अधिकारों की सेफगार्डिंग के लिए भाषा और व्यवहार कोड की व्याख्या करती है।

2. **मार्गदर्शक सिद्धांत क्या हैं?**
   मार्गदर्शक सिद्धांत:
   - सभी बच्चों और युवाओं को सभी प्रकार की हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण से मुक्ति का अधिकार है।
   - सभी बच्चों और युवाओं को उनकी नस्ल, जेंडर, जातीय या सामाजिक मूल, जन्म स्थान, भाषा, धार्मिक या अन्य मान्यताओं, जाति, वर्ग, विकलांगता, यौन रुझान', या अन्य स्थिति की परवाह किए बिना सम्मान के साथ व्यवहार करने का अधिकार है।
   - एम्पावर और साथी संस्थाओं के लिए कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों और युवाओं का हित और कल्याण सर्वोपरि है। एम्पावर और इसके सभी साझेदारों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उनके कार्यकर्त्ता, ट्रस्टी, स्वयंसेवक और कांट्रेक्टर, बच्चों और युवाओं के लिए किसी तरह का जोखिम पैदा न करें, और यह सुनिश्चित करें कि उन्होंने उनकी सेफगार्डिंग के लिए हर सावधानी बरती है।

3. **"बच्चा" किसे माना जाता है?**
   बच्चा - 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति।

4. **"युवा व्यक्ति" किसे माना जाता है?**
   डब्ल्यू एच ओ (WHO) 'किशोर' को 10 से 19 वर्ष की उम्र के व्यक्तियों के रूप में और 'युवा' को 15 से 24 वर्ष की उम्र के लोगों के रूप में परिभाषित करता है। 'युवा लोग' शब्द 10 से 24 वर्ष की उम्र के लोगों को दर्शाता है।

5. **"बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले व्यक्तियों" का क्या अर्थ है?**
   बच्चों और युवाओं के साथ काम करने वाले व्यक्ति--जो एम्पावर की ओर से या उसके द्वारा अनुदान पा कर ऐसे काम में शामिल हैं, जिसमें उनका बच्चों और युवाओं के साथ सीधा संपर्क होता है, या पहुंच होती है।

6. **"शोषण" का क्या अर्थ है?**
   शोषण – सभी प्रकार के शारीरिक और/या भावनात्मक दुर्व्यवहार, यौन शोषण, उपेक्षा या उपेक्षापूर्ण व्यवहार या व्यवसायिक या अन्य शोषण जो किसी बच्चे या युवा व्यक्ति के स्वास्थ्य, जीवन, विकास या सम्मान को वास्तविक या संभावित नुकसान पहुंचाता है, और जिम्मेदारी, विश्वास या सत्ता के रिश्ते के सन्दर्भ में हो सकता है। यह (1) ध्यान और/या देखभाल की कमी का परिणाम भी हो सकता है या (2) तब होता है जब किसी व्यक्ति को लेन-देन में भाग लेने के लिए राजी किया जाता है जिसके लिए उसने सहमति नहीं दी है या वह सहमति देने में असमर्थ है। किसी भी रिश्ते में अपमानजनक व्यवहार हो सकता है और इसका प्रभाव रिश्ता खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक जारी रह सकता है।

7. दुर्व्यवहार के विभिन्न रूप क्या हैं?

- **यौन शोषण**- यौन शोषण सहित यौन गतिविधियों में भाग लेने के लिए मजबूर या प्रोत्साहित करना, जबकि व्यक्ति समझता है कि क्या हो रहा है या नहीं समझता है। यौन शोषण में गैर-स्पर्श वाली गतिविधियाँ भी शामिल हैं जैसे कि मानसिक रूप से शोषण के लिए तैयार करना, शोषण करना, बच्चों को इंटरनेट पर यौन क्रिया करने के लिए राजी करना और बच्चों को पोर्नोग्राफी दिखाना।
- **शारीरिक शोषण-** जानबूझकर बल का प्रयोग जिससे चोट लग सकती है (मारना, जलाना, जोर से हिलाना, लात मारना, वस्तुओं को फेंकना, आदि)।
- **भावनात्मक शोषण**- नुकसान या छोड़ देने की धमकी, संपर्क से वंचित रखना, अपमान, दोषारोपण, धमकी, उत्पीड़न, या अलगाव भावनात्मक दुर्व्यवहार के उदाहरण हैं, जिनका भावनात्मक विकास पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसमें दूसरों के साथ दुर्व्यवहार (घरेलू दुर्व्यवहार) भी शामिल हो सकता है।
- **उपेक्षा करना**- किसी व्यक्ति की बुनियादी शारीरिक और/या मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को पूरा करने में लगातार असफलता, जैसे कि पर्याप्त भोजन, कपड़े और/या आश्रय प्रदान करने में असफल रहना, नुकसान को रोकने में विफल होना, पर्याप्त निगरानी सुनिश्चित करने में विफल होना, या उचित चिकित्सा देखभाल या इलाज तक पहुंच सुनिश्चित करने में विफल होना। बुरी पेशेवर देखभाल के बार-बार होने वाले उदाहरणों को संस्थागत दुर्व्यवहार के रूप में माना जा सकता है।

8. सहमति कैसे परिभाषित की जाती है/सहमति क्या है?

सहमति को युवा व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित किसी बात से सहमत या असहमत होने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

हर एक किशोरी और युवा व्यक्ति को अनिश्चित होने या सहमति देने या न देने का अधिकार है। यदि कोई प्रतिभागी अनिश्चित है, तो संस्था उन्हें सहमति बनाने में मदद करने के लिए अतिरिक्त जानकारी प्रदान कर सकती है।

लड़कियों और युवाओं को उनके डेटा का उपयोग, फोटोग्राफ या फिल्म, सेशन रिकॉर्डिंग आदि के बारे में सूचित होकर सहमति प्रदान करने के लिए गतिविधियों, घटनाओं के बारे में सभी प्रासंगिक जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। यह लड़कियों और युवा वयस्कों को संभावित जोखिमों और उनकी भागीदारी के महत्त्व और इच्छा का मूल्यांकन करने में सहायता करता है, ताकि वे सूचित निर्णय ले सकें।

9. डेटा/व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता क्या है?

यह एक महत्वपूर्ण संकल्पना है। जब हमारी व्यक्तिगत जानकारी या डेटा की बात आती है तो इसका सम्बन्ध हमारी निजता के अधिकार से है। यह प्रतिभागियों के उनकी व्यक्तिगत जानकारी या डेटा की गोपनीयता के अधिकार से संबंधित है। किसी को भी प्रतिभागियों की व्यक्तिगत जानकारी या डेटा को बाहरी लोगों के साथ उनकी सहमति के बिना साझा करने का अधिकार नहीं है। युवाओं या किशोरियों के साथ काम करने वाली सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को कुछ चीजें सुनिश्चित करनी चाहिए, जैसे कि:

- वे किसी भी व्यक्ति के साथ या किसी भी ऑनलाइन या ऑफलाइन जगहों पर ऐसी पहचाने जाने योग्य जानकारी (मतलब वह जानकारी जिसका उपयोग किसी प्रतिभागी की पहचान या वो कहाँ रहते हैं का पता लगाने के लिए किया जा सकता है) साझा न करें।
- वे युवाओं के लिए स्वतंत्र रूप से अपने अनुभव साझा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाते हैं।
- प्रतिभागियों की व्यक्तिगत जानकारी या सुरक्षित जगह पर साझा किए गए अनुभवों को सेफ गार्ड करना संस्था की जिम्मेदारी है।

10. किशोरियों और युवाओं के अधिकार क्या हैं?

सभी किशोरियां और युवा व्यक्ति निम्नलिखित का अधिकार रखते है:

- सुरक्षित और सरंक्षित रहने का अधिकार (सभी प्रकार की हिंसा से)
- अपनी बात कहने का और इसका अधिकार है कि उनके विचारों को गंभीरता से लिया जाय
- अपने आप को इस जगह पर लाने का अधिकार, यह जानते हुए कि वे सुरक्षित और सम्मानित होंगे
- चोट लगने या दुर्व्यवहार आदि होने पर समर्थन प्राप्त करने का अधिकार
- स्वयं के बारे में सूचना का अधिकार (प्राप्त करने और उस तक पहुंच के लिए)
- उनकी अपनी समानता और प्रतिनिधित्व का अधिकार (फोटो आदि)।
- कार्यक्रम, प्रशिक्षण और गतिविधियों के बारे में जानकारी और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार, जिसमें प्रशिक्षण का समय और स्थान, प्रतिभागियों, सहजकर्ता आदि जैसे विवरण शामिल हैं।[मेंटर्स सभी प्रतिभागियों को गतिविधियों के बारे में जानकारी और विवरण प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं]।
- प्रतिभागियों को उद्देश्य के बारे में जानने का अधिकार है कि उनकी फोटो, वीडियो क्लिप/फिल्म, या किसी मीटिंग/कार्यक्रम की ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग कैसे, कहाँ और कितने समय के लिए किया जाएगा। [आयोजक को लड़कियों को पूरी तरह से स्थिति समझानी चाहिए और उनकी सहमति लेनी चाहिए]।
- हर बार जब कोई व्यक्ति फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, या मीटिंग/सेशन (यदि कोई ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म हो) की रिकॉर्डिंग जैसे तरीकों का उपयोग कर रहा है तो प्रतिभागियों की सहमति लेना जरूरी है, भले ही कार्यक्रम की शुरुआत में सहमति ली गई हो।
- विवरण जानने के बाद, प्रतिभागियों को **हाँ/नहीं/निश्चित नहीं** कहने का अधिकार है। कोई भी उन्हें सहमति देने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है, और "ना" कहने के लिए उन्हें दंडित नहीं कर सकता है। यदि कोई युवा अनिश्चित है तो उत्तर होना चाहिए **नहीं।**
- अपनी व्यक्तिगत जानकारी और विवरण को निजी रखने का अधिकार है।

11. किसी उल्लंघन या संभावित नुकसान के मामले में किसे रिपोर्ट करना चाहिए?

उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए किसी भी शंका, घटना, या संभावित सेफगार्डिंग चिंताओं के मामले में आपकी संस्था में एक तय अधिकारी/व्यक्ति से संपर्क किया जाना चाहिए। इसके अलावा, हर एक घटना या गतिविधि में, एक तय व्यक्ति (जैसे, मेंटर या अन्य कार्यकर्त्ता) होना चाहिए जिसे किशोरियां और युवा लोग जानते हैं और उनसे संपर्क कर सकते हैं।

12. युवाओं के साथ काम करने वाले व्यक्ति और मेंटर्स क्या करें और क्या न करें?[12] [केवल मेंटर्स या कार्यकर्त्ताओं के लिए]

ये करें और ये न करें

ये करें

1. सभी बच्चों और युवाओं के साथ सम्मान से पेश आएं।
2. बच्चों और युवाओं के साथ हमेशा उचित भाषा और व्यवहार का प्रयोग करें जो उत्पीड़क, अपमानजनक, या यौन उत्तेजक न हो।
3. उन स्थितियों के प्रति सतर्क रहें जो उन्हें असहज महसूस करा सकती हैं – भले ही कुछ भी अप्रिय न हो रहा हो – और हमेशा बच्चे या युवा व्यक्ति के हितों की जांच करने और उन्हें बनाए रखने के लिए कार्य करें।
4. किसी बच्चे या युवा व्यक्ति के उनकी तरफ से आपके साथ शारीरिक संपर्क शुरू करने की प्रतीक्षा करें (उदाहरण के लिए, समूह गतिविधि, खेल या गीत में हाथ पकड़ना)।
5. बच्चों और युवाओं के साथ शांत, सकारात्मक, सहायक और उत्साहजनक व्यवहार करें।
6. युवाओं के साथ मीटिंग/सेशन की फोटो लेने, फिल्म बनाने या रिकॉर्ड करने से पहले बच्चे या युवा व्यक्ति से मौखिक सहमति प्राप्त करें (ऑनलाइन मंच पर संचालित)। हर एक नई गतिविधि या इवेंट से पहले ऐसा करें।

ये न करें/इससे बचें

1. नस्ल, जेंडर, जातीय या सामाजिक मूल, भाषा, जन्म स्थान, धार्मिक या अन्य मान्यताओं, विकलांगता, यौन रुझान, या अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव न करें।
2. किसी भी तरह से ऐसा कार्य न करें जो दंभपूर्ण, नीचा दिखाने वाला या गाली देने वाला हो।
3. राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी भी असुरक्षित, अनुचित, या अवैध व्यवहार में शामिल न हों या उसे अनदेखा न करें।
4. अकेले बच्चे या युवा व्यक्ति के साथ अकेले रहने से बचें।
5. गले लगने, थपथपाने और अन्य शारीरिक संपर्क से बचें, जिसका गलत अर्थ निकाला जा सकता है। अपवाद हो सकता जब ये कहीं की परंपरा का हिस्सा हो (उदाहरण के लिए, लैटिन अमेरिका में गाल पर चुंबन एक सामान्य अभिवादन है) लेकिन फिर भी, युवाओं को पहल करने दें और/या अन्य कार्यकर्त्ताओं के नेतृत्व का पालन करें (या उनसे पूछें)। जब संदेह हो, तो औपचारिकता सबसे अच्छी होती है।
6. किसी बच्चे या युवा व्यक्ति को कभी भी अपने घर, होटल या किसी अन्य निजी स्थान पर न ले जाएं।

12 स्रोत: ओक फाउंडेशन की बाल सेफगार्डिंग (सुरक्षा) नीति से अपनाई गई है। लिंक - https://oakfnd.org/publications/child-safeguarding-policy/

ये करें और ये न करें

ये करें

7. बच्चों और युवाओं, और अभिभावकों को यह जानने दें कि फोटो का उपयोग कैसे और कहाँ किया जाएगा (जैसे, सोशल मीडिया, रिपोर्ट आदि)। सुनिश्चित करें कि वे समझते हैं कि किसी भी ऐसी जगह फोटो का उपयोग नहीं किया जाएगा जो कार्यक्रम के बारे में नहीं है।
8. युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए डेटा की गोपनीयता बनाए रखें और मनोवैज्ञानिक नुकसान सहित संभावित नुकसान या दुरुपयोग से बचें।
9. कहानियां, उद्धरण, या रिसर्च डेटा साझा करते समय पहचाने जाने योग्य डेटा को हटा दें।
10. सही प्रक्रिया के अनुसार तय अधिकारी/व्यक्ति को किसी भी शंका, घटना या संभावित सेफगार्डिंग चिंताओं की रिपोर्ट करें।

ये न करें/इससे बचें

7. 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे या युवा व्यक्ति (या अधिक, स्थानीय कानूनों द्वारा परिभाषित के अनुसार) के साथ किसी भी प्रकार के यौन संपर्क या संबंध में शामिल न हों। किसी बच्चे या युवा व्यक्ति की उम्र के बारे में गलत धारणा कोई बचाव नहीं है।
8. किसी भी संवाद में, सावधान रहें कि व्यक्तिगत या अन्य जानकारी का उपयोग करके बच्चों या युवाओं को खतरे में न डालें, जिसका उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है कि वे कहाँ हैं। उनकी सहमति से, विशेष बच्चों और युवाओं के पहले नामों का उपयोग किया जा सकता है।
9. जिन बच्चों या युवाओं की पूर्व सहमति नहीं ली गई है, उनकी फोटो न लें या फिल्म न बनाएं।
10. घरेलू या अन्य श्रम के लिए बच्चों या युवा व्यक्तियों का उपयोग न करें। यह वर्जित है जब: यह बच्चे की उम्र या विकासात्मक क्षमता के लिए अनुपयुक्त है; शिक्षा और मनोरंजक गतिविधियों के लिए उपलब्ध समय में हस्तक्षेप करता है; या बच्चे को चोट, शोषण या दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण जोखिम में डालता है।

संलग्नक संख्या 2.3 - संभावित जोखिमों का आंकलन करने और समाधान विकसित करने के लिए टेम्प्लेट:

संभावित जोखिम	जोखिम	जोखिम की गंभीरता/ तीव्रता	संभावित रणनीतियाँ/ निवारण के उपाय	जोखिम से बचने के लिए कौन कार्रवाई करेगा?	ये उपाय कब काम में लें

भाग 3: लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से लड़कियों का सफ़र

यह भाग लड़कियों के नेतृत्व और उनके समूहों को मजबूत करने और उनके समुदायों में प्रोजेक्ट बनाने और लागू करने में उनके कौशल को विकसित करने के लिए सह-निर्मित किया गया है। यह प्रतिभागियों की ट्रेनिंग के लिए सत्रों की योजना बनाने के लिए मार्गदर्शन करता है। जिसके लिए इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, विषय, संसाधन सामग्री, और सेशन को डिजाइन करने और लागू करने के लिए ध्यान में रखने वाली बातें, और साथ ही लड़कियों के सफ़र को दर्शाने के लिए टूल शामिल हैं। इसे मुंबई और दिल्ली लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स के सहयोग से बनाया गया है। उन्होंने विषयों की पहचान करने, अवधारणाओं को परिभाषित करने, सेशन के विचारों को विकसित करने और मार्गदर्शिका में अपने साथियों के सुझाव और सीखों को शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भाग तीन उप-भागों में बांटा गया है: 1) प्रशिक्षण और क्षमता विकास; 2) गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से नेतृत्व करना; और 3) लड़कियों के नेतृत्व और सीखने के सफ़र को दिखाना।

लड़कियों के सीखने के सफ़र (लर्निंग जर्नी) की टाइम लाइन

चित्र 4:

प्रशिक्षण और क्षमता विकास

आमुखीकरण कार्यशाला

गर्ल लीडर्स के लिए लर्निंग कम्युनिटी के सफ़र में आमुखीकरण कार्यशाला पहली गतिविधि है। लर्निंग कम्युनिटी मुंबई ने इस कार्यशाला का नाम रखा –**रूबरू** [उर्दू भाषा का एक सुंदर शब्द, जिसका मतलब है, आमने-सामने मुलाकात]। इसमें प्रतिभागियों को एक-दूसरे से मिलवाया जाता है, वे लर्निंग कम्युनिटी के बारे में जानते हैं, और उनके समूह का निर्माण शुरू होता है। भागीदारीपूर्ण और रचनात्मक तरीकों को शामिल करके कार्यशाला को निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया जा सकता है:

आमुखीकरण कार्यशाला

आमुखीकरण कार्यशाला के अपेक्षित परिणाम:

1. प्रतिभागियों की एक दूसरे से जान-पहचान होना
2. लड़कियों के नेतृत्व और एक टीम के रूप में काम करने के महत्व के बारे में जानना
3. लर्निंग कम्युनिटी के कार्यक्रम और उसके उद्देश्यों पर उनका ध्यान केंद्रित करना
4. युवाओं की सेफगार्डिंग (सुरक्षा) और अधिकारों के बारे में उनकी समझ विकसित करना
5. प्रभाव मूल्यांकन टूल को संचालित करना

[नोट: जिन संस्थाओं ने लर्निंग कम्युनिटी या इसी तरह के कार्यक्रम चलाए हैं, उन्हें नई लड़कियों के लिए लर्निंग कम्युनिटी आमुखीकरण की योजना बनाने और मिल कर इसे आयोजित करने के लिए एलुमनाई गर्ल लीडर्स को शामिल करना चाहिए। लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स को उनके योगदान और समय के लिए वजीफा देना चाहिए।]

समय

पहला महीना, ढाई दिन की कार्यशाला के दौरान

कार्यशाला सेटिंग

व्यक्तिगत रूप से आवासीय/गैर-आवासीय या ऑनलाइन,
तीन या अधिक दिनों के दौरान

आमुखीकरण कार्यशाला की योजना बनाने के लिए एक उदाहरण:

कार्यशाला सेशन	समय	इसमें क्या शामिल होगा
सेशन 1 - परिचय	1 घंटा	परिचय, आइसब्रेकर (परिचय और मेल-जोल) के लिए की जाने वाली गतिविधियाँ; कार्यशाला की बाकी व्यवस्थाएं
सेशन 2 –लर्निंग कम्युनिटी क्या है?	2 घंटे	प्रतिभागियों की टाइम लाइन और गतिविधियों, गर्ल लेड दृष्टिकोण के सिद्धांतों और सामूहिक रूप से एक साथ काम करने पर विशेष ध्यान देने के साथ उद्देश्यों, मार्गदर्शक सिद्धांतों, टाइम लाइन को कवर करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाएं [इस गाइड के भाग 1 को देखें]
सेशन 3 – सेफगार्डिंग (सुरक्षा) और लड़कियों के अधिकार	2 घंटे	लड़कियों और युवाओं की सेफगार्डिंग (सुरक्षा) पर आमुखीकरण इसमें लड़कियों और युवाओं के अधिकार और प्रश्नोत्तर शामिल हैं।
सेशन 4 – स्व-मूल्यांकन फॉर्म - बेसलाइन टूल	2-3 घंटे	टूल 1 को प्रतिभागियों के लिए संचालित करना – प्रतिभागियों के कौशल और दृष्टिकोण/विचारों के बारे में जानने के लिए कार्यक्रम की शुरुआत में लड़कियों के लिए स्व-मूल्यांकन फॉर्म और अन्य मूल्यांकन टूल।

कार्यशाला सेशन	समय	इसमें क्या शामिल होगा
सेशन 5 – नेतृत्व और सामूहिक रूप से सीखने के लिए एक सुरक्षित स्थान का निर्माण करना	2-3 घंटे	लीडर के रूप में उनकी भूमिका और उनके नेतृत्व के अनुभवों के बारे में बताने की शुरुआत करने के लिए एक महत्वपूर्ण सेशन है। लड़कियां साथ में मिल एक समूह बनाना शुरू करती हैं। यह समूह निर्णय लेता है और लड़कियों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए बदलाव लाने में साथियों और सामुदायिक हितधारकों के साथ सहयोग करता है। विश्वास, सामूहिक देखभाल, एकजुटता और सहानुभूति का एक सुरक्षित स्थान बनाने पर सेशन। [एलजीएल पाठ्यक्रम का संदर्भ लें[13] LGL_ Curriculum_FINAL.pdf, पृष्ठ सं। 26-30 गतिविधियाँ 2-4]
सेशन 6 – अगले तीन महीनों के लिए टाइम लाइन और योजना	2-3 घंटे	लर्निंग कम्युनिटी टाइम लाइन को समझना, और गर्ल लीडर्स का प्रशिक्षण। प्रतिभागियों को अगले कुछ महीने क्या गतिविधियां होने वाली के बारे में पता होना चाहिए। उन्हें साप्ताहिक मीटिंग का समय और स्थान भी तय करना चाहिए। [टाइम लाइन और गतिविधियों के लिए इस मार्गदर्शिका के भाग 2 को देखें]

13 लेट गर्ल्स लीड LGL_Curriculum_FINAL.pdf

हमारे अनुभव में

हमारे अनुभव में

कृपया प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के लिए केवल लेक्चर और पावरपॉइंट प्रस्तुतियों से बचें। इससे प्रतिभागियों में की रुचि कम होती जाती है। जब सत्र भागीदारीपूर्ण, रचनात्मक, गतिविधि-आधारित होते हैं और प्रासंगिक सामग्री पेश करते हैं तो युवा बेहतर तरीके से जुड़ते हैं।

किशोरियों को प्रशिक्षण देना

किशोरियों और युवा महिलाओं का प्रशिक्षण उन्हें सीखने और अपने नज़रिये में बदलाव लाने और उन भेदभावपूर्ण मानदंडों और प्रथाओं को समझने में सक्षम बनाता है, जो अवसरों तक उनकी पहुंच को सीमित करते हैं। वे इसे एक साथ मिल कर विभिन्न परिप्रेक्ष्य निर्माण और कौशल निर्माण के सत्रों के माध्यम से करते हैं, जो लर्निंग कम्युनिटी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका का हिस्सा हैं।

सह-रचनाकारों के रूप में, लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स ने इसकी विषय वस्तु के संबंध में निर्णय लेने और सत्रों को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किशोरियों को प्रशिक्षण देना

कार्य विधि – लड़कियों के साथ प्रशिक्षण सत्रों में चर्चा शुरू करने में मदद करने के लिए रोचक तरीकों और गतिविधियों की आवश्यकता होती है, और लड़कियों को व्यक्तिगत और समूह स्तरों पर विचार करने का मौक़ा मिलता है।

प्रशिक्षण को डिजाइन करते समय सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियाँ/ गतिविधियाँ:

- रोचक और रचनात्मक हैं, और लड़कियों में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किए गए हैं।
- लड़कियों को अकेले और छोटे समूहों में काम करने देती हैं।
- चर्चाओं और विचारों को प्रोत्साहित करती हैं।
- उनके संदर्भ और जीवन के लिए प्रासंगिक उदाहरण और भाषा का उपयोग करती हैं।
- जटिल अवधारणाओं को सरल तरीकों से समझने में मदद करती हैं।

किस तरह की गतिविधियाँ?

केस स्टडी विश्लेषण और चर्चा, रोल प्ले और चर्चा, सहमत-असहमत होना, समुदाय और संसाधनों की मैपिंग के लिए सीखने के टूल, वीडियो दिखाना और चर्चा, ड्राइंग/कोलाज और चर्चा, आदि कुछ उदाहरण हैं।

अतिरिक्त गतिविधियां

पूरे प्रशिक्षण के दौरान टीम-बिल्डिंग गतिविधियों, एनर्जाइज़र (उत्साहवर्धक खेलों) और आइसब्रेकर (जान-पहचान और सहजता लाने के लिए खेल) का भी उपयोग किया जाना चाहिए।

सेशन संचालन के लिए युक्तियाँ /मार्गदर्शिका[14] - नीचे दी गई मार्गदर्शिका मेंटर्स को एक सेशन तैयार करने, नेतृत्व करने और उसका समापन करने में मदद करेगी।

तैयारी

1. सेशन के लिए पहले से **पढ़ें, समझें और तैयारी करें।**

2. सेशन से पहले **सभी सामग्री तैयार रखें** जैसे स्टेशनरी, फोटोकॉपी, केस स्टडी, वीडियो/ऑडियो आदि।

3. मार्गदर्शिका का उपयोग करके **सेशन की गतिविधियों और चर्चा की योजना** बनाएं और उपलब्ध समय के अनुसार उनमें बदलाव करें।

4. सेशन शुरू करने से पहले या जब समूह में ऊर्जा का स्तर कम हो रहा हो, **एनर्जाइज़र या आइसब्रेकर करवाएं ।**

5. सेशन के लिए **समुदाय में एक ऐसी जगह चुनें** जो प्रतिभागियों के लिए सुलभ है और जहां वे खुलकर बात करने में सहज महसूस करते हैं।

सेशन का नेतृत्व करना

1. प्रतिभागियों को **प्रश्न बॉक्स के बारे में सूचित करें** और समझाएं कि इसका उपयोग कैसे करें। उनके लिखने और प्रश्न पूछने के लिए बॉक्स, कुछ पेन और कागज पास में रखें। उन्हें इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

2. **प्रतिभागियों के साथ चेक-इन करें**, यह जानने से पहले कि वे कैसे हैं।

   नोट: यदि किसी सहभागी को अलग से बात करने की आवश्यकता है, तो कृपया सेशन के बाद उनसे बात करें।

3. पिछली मीटिंग/सेशन को याद दिलाने के लिए उनसे **प्रश्न पूछें**।

4. ऐसा **वातावरण बनाएँ** जो प्रतिभागियों को सेशन के बारे में बात करने, विचार साझा करने और उत्साहित महसूस करने के लिए प्रोत्साहित करे।

5. **हर एक प्रतिभागी पर ध्यान दें** और उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें आश्वस्त करें कि कोई प्रश्न मूर्खतापूर्ण या तुच्छ, सही या गलत नहीं है। हर एक प्रश्न ख़ास और मूल्यवान है।

6. जब कोई प्रतिभागी अपने विचार साझा कर रहा हो या प्रश्न पूछ रहा हो, एक **सक्रिय श्रोता बनें** और अन्य प्रतिभागियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

समापन

1. **सत्र और चर्चा को बांधने की गतिविधि**

2. **यदि किसी महत्वपूर्ण चर्चा में अधिक समय लगता है**, तो प्रतिभागियों को बताएं कि आप अगले सेशन के दौरान इसके लिए समय निकालेंगे।

3. **मुख्य बिन्दुओं पर जोर** देते हुए सेशन का समापन करें।

4. प्रतिभागियों से पूछें कि **क्या उनके कोई सवाल है**, और जवाब दें।

5. सेशन के बाद, उनके द्वारा डाले गए किसी भी प्रश्न या टिप्पणी को देखने के लिए **प्रश्न बॉक्स को देखें।**

14 फैसिलिटेशन टिप्स/गाइड को लेट गर्ल्स लीड गाइड से रूपांतरित किया गया है LGL_Curriculum_FINAL.pdf

सेशन संचालन के लिए युक्तियाँ /मार्गदर्शिका - नीचे दी गई मार्गदर्शिका मेंटर्स को एक सेशन तैयार करने, नेतृत्व करने और उसका समापन करने में मदद करेगी।

तैयारी

6. **एक प्रश्न बॉक्स तैयार करें** और सेशन में ले जाएं। प्रतिभागियों को बताएं कि वे अपने प्रश्न गुमनाम रूप से लिख कर इस बॉक्स में डाल सकते हैं।

7. यदि कोई सेशन ऑनलाइन हो रहा है, तो सुनिश्चित करें कि प्रतिभागी सेशन में ऐसे स्थान से भाग लें जहाँ वे अन्य सदस्यों द्वारा परेशान या हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से सुन सकें या अपनी बात कह सकें।

सेशन का नेतृत्व करना

7. **प्रतिभागियों को अपनी बात पूरी करने दें** और बीच में जवाब देने से बचें।

8. **चौकस रहें**, किसी भी मौखिक संकेत, चेहरे के हाव-भाव जो सेशन के दौरान अलगाव/डिस्कनेक्ट या सत्र से ध्यान हटने का संकेत देते हैं।

9. **ऐसे उदाहरण/बयान देने से बचें जो पक्षपात, पूर्वाग्रह या रूढ़िवादिता को बढ़ावा देते हों,** उदाहरण के लिए, लड़कियां / महिलाएं पुरुषों की तुलना में बेहतर गृहिणी हैं।

10. **गलत या अधूरी जानकारी देने से बचें।** याद रखें, अगर आप कोई बात नहीं जानते तो यह इसमें कुछ गलत नहीं है।

    ऐसे मामलों में, प्रतिभागियों को सूचित करें कि आप अभी किसी प्रश्न/विषय का उत्तर नहीं जानते हैं, बाद में पढ़ कर/पता लगा कर उन्हें बताएँगे।

11. **वीडियो या ऑडियो सामग्री चलाने के बाद रुकें** और उन्हें अपनी टिप्पणियों और विचारों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

12. **प्रतिभागियों की ख़ास आवश्यकताओं पर ध्यान दें,** हाशिये के समुदायों से जैसे, दलित, बहुजन और आदिवासी समुदायों के, विकलांग प्रतिभागियों, ट्रांस और नॉन-बाइनरी (वे व्यक्ति जो महिला या पुरुष इन दो जेंडर पहचानों के अलावा कोई पहचान रखते हैं) लोगों, आदि।

समापन

6. यदि उनके लिए बाद में करने के लिए कोई **असाइनमेंट है, तो उन्हें उसके बारे में समझाएं।**

7. यदि किसी प्रतिभागी को **सेशन के बाद बात करने की आवश्यकता है,** तो उन्हें सुनें (सेफगार्डिंग उपायों का पालन करते हुए)।

टेबल 4: प्रशिक्षण सेशन का विवरण

किशोरी प्रशिक्षण मार्गदर्शिका और क्षमता विकास योजना - क्षमता विकास चरण के दौरान, लड़कियों के लिए 10 सेशन होंगे। नीचे दी गई टेबल, सत्रों का विवरण और प्रवाह दिखाती है, जिसके बाद सत्रों पर विस्तृत रूप से दिशा निर्देश दिए गये हैं।

क्रमांक	सेशन का नाम	इस सेशन में क्या शामिल होगा?	समय
गर्ल सेशन – 1	**जेंडर को समझना**	• जेंडर क्या है? • जेंडर और लिंग के बीच अंतर • गैर-पारंपरिक जेंडर आधारित भूमिकाएं	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 2	**समाज को समझना**	• समाज और विभिन्न व्यवस्थाएं • सत्ता और पितृसत्ता • विभिन्न व्यवस्थाओं द्वारा कायम रखी जाने वाले मानदंडों और प्रथाओं पर विचार-विमर्श	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 3	**हमारे समुदाय को समझना**	• सामाजिक संसाधनों की मैपिंग द्वारा संसाधनों तक लड़कियों की पहुंच पर विचार-विमर्श	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 4	**नेतृत्व को समझना**	• लीडर कौन है? • लड़कियां/महिलाएं और नेतृत्व/लीडरशिप	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 5	**निर्णय लेना**	• लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 6	**लड़कियों के समूहों का निर्माण**	• समूह क्या हैं, और उनका का क्या महत्व है? • सामाजिक बदलाव के लिए समूह-निर्माण	3-4 घंटे
गर्ल सेशन –7	**लक्ष्य निर्धारण**	• आपका लक्ष्य/सपना (व्यक्तिगत स्तर पर) क्या है? और इसे कैसे प्राप्त करें?	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 8	**गर्ल-पाथ टूल**	• विभिन्न स्तरों पर लड़कियां जिन बाधाओं का अनुभव करती हैं • उन बाधाओं से निपटने के लिए लड़कियों के समाधान	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 9	**सोशल नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम को समझना**	• लड़कियों का सामाजिक नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम	3-4 घंटे
गर्ल सेशन – 10	**प्रोजेक्ट विकास की मूल बातें**	• प्रोजेक्ट की योजना बनाने के प्रमुख हिस्से • बजट क्या है?	3-4 घंटे

प्रशिक्षण सेशन मार्गदर्शिका

प्रशिक्षण देने के लिए इस तरह बनाई गई है कि इसमें सेशन का नाम, क्या शामिल किया जाएगा, उद्देश्य या अपेक्षित परिणाम, समय, टूल और संसाधन सामग्री के लिए सुझाव को शामिल किया गया है।

हर सेशन के अंत में, सेशन के बाद करने के लिए, लड़कियों के आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट दिए गए हैं। मेंटर्स को लड़कियों को सेशन के बाद अपने समय में असाइनमेंट/कार्यों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लड़कियों को अगले सेशन में अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें, यदि वे ऐसा करने में सहज हों तो। लड़कियों के लिए अपने विचार-विमर्श साझा करना अनिवार्य नहीं है।

गर्ल सेशन 1: जेंडर को समझना

इसमें क्या शामिल होगा

- जेंडर क्या है?
- जेंडर और लिंग के बीच अंतर
- गैर-पारंपरिक जेंडर आधारित भूमिकाएं

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- लड़कियां एक लड़की के रूप में बड़े होने के अपने अनुभवों पर विचार करती हैं
- वे सेक्स और जेंडर के बीच के अंतर को समझती हैं
- लड़कियां समझती हैं कि समाज लड़कियों और लड़कों से क्या उम्मीदें रखता है
- वे गैर-पारंपरिक जेंडर भूमिकाओं के बारे में पता लगाती हैं

समय
3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव:

1. लेट गर्ल्स लीड (एलजीएल) पाठ्यक्रम की पृष्ठ संख्या 98 - 100 देखें। लिंक: LGL_Curriculum_FINAL.pdf
2. गतिविधि 26: चित्र के माध्यम से गैर-पारंपरिक जेंडर भूमिकाओं पर विचार, पृष्ठ संख्या 67 Creative Assets and Program Content Guide To Build Social and Em.pdf[15]

15 एडोलसेंट गर्ल्स और क्रिएटिविटी नेटवर्क। 2020. "क्रिएटिव एसेट्स एंड प्रोग्राम कंटेंट गाइड: टू बिल्ड सोशल एंड इमोशनल लर्निंग एंड प्रमोट ट्रॉमा मिटिगेशन एंड हीलिंग," क्रिस्टीना मैली और सोफी सोरेस (eds.)। न्यूयॉर्क: पापुलेशन काउंसिल।

वीडियो

- https://www.youtube.com/watch?v=YQAFYy15N7E ट्रांसजेंडर क्या है? साधारण शब्दों में समझाया गया (अंग्रेज़ी में)[16]
- #GrownUpGirls: सीरीज (हिंदी में अंग्रेजी उपशीर्षकों के साथ) https://www.youtube.com/playlist?list=PLuOmNjZTlhxRYaT_pdRnEAd73BAjR7M2v[17]

  (ध्यान दें: विषय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक 2-3 वीडियो चुनें)
- रोशनी मिस्बाह | हिजाबी बाइकर |#ChalBadhChal (हिंदी में अंग्रेजी उपशीर्षकों के साथ) https://www.youtube.com/watch?v=MLRA6qxF7Jw[18]
- बंदिश ए बदलाव (हिन्दी में) https://www.youtube.com/watch?v=4wBGQNVXCbU[19]

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

नीचे दिए गए प्रश्नों पर सोचें करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं।

- आपको पहली बार कब एहसास हुआ कि आप एक लड़की हैं? उस अनुभव को याद करने की कोशिश करें और उस समय आपको कैसा महसूस हुआ, इस पर विचार करें।
- उस समय के बारे में सोचें जब आप को एक लड़की होने पर गर्व या खुशी हुई थी। आप चाहें तो उस भावना को अपनी कॉपी में लिख सकते हैं/उसका चित्र बना सकते हैं।
- तीन चीजें लिखें/चित्र बनाएं जिन्हें आप करना पसंद करते हैं या जो आपके शौक; और तीन चीजें जिन्हें आप खाना पसंद करते हैं।
- क्या आप लड़कियों या अपने जेंडर के लोगों से जुड़ाव महसूस करती हैं? यदि हाँ, तो आपमें तीन कौन सी बातें समान हैं जो आपको दूसरों से जोड़ती हैं उन्हें लिखें/चित्र बनाएँ।

16 लेखक: लेसी लैंग्लॉइस वीडियो स्रोत: सिंपलशो फाउंडेशन (CC-BY लाइसेंस)

17 ये वीडियो कम उम्र में शादी, बाल विवाह और सहमति की उम्र पर एजेंट्स ऑफ इश्क की सीरीज का हिस्सा हैं। ये साक्षात्कार SELF (स्पोर्ट्स, एक्सप्रेशन, लीडरशिप एंड फ्रीडम), युवा महिलाओं के लिए क्रिया की नेतृत्व अकादमी, के प्रतिभागियों के साथ किए गए थे।

18 उसका नाम रोशनी मिस्बाह उर्फ 'हिजाबी बाइकर' है। उसने हजारों मील की दूरी तय की है और कई रूढ़ियों को तोड़ा है। और, यह उसकी कहानी है #ChalBadhChal

19 सनतकदा फिल्म स्टूडियो द्वारा (लखनऊ में एक स्वतंत्र महिला फिल्म स्टूडियो)

नोट्स

नोट्स

गर्ल सेशन 2: समाज को समझना

इसमें क्या शामिल होगा

- समाज और विभिन्न व्यवस्थाएं
- सत्ता और पितृसत्ता
- मानदंडों और प्रथाओं पर विचार जिन्हें विभिन्न व्यवस्थाओं द्वारा सही ठहराया जाता है

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- लड़कियां समाज और उसकी संरचना को समझती हैं - इसमें वे संस्थाएं/व्यवस्थाएं शामिल हैं जो अभी मौजूद हैं और हमारे जीवन को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जैसे जेंडर, जाति, वर्ग, नस्ल, धर्म, आदि।
- लड़कियां हमारे समाज में विभिन्न व्यवस्थाओं द्वारा किए जा रहे भेदभाव और उत्पीड़न को समझती हैं और यह भी समझती हैं कि वे हमारे जीवन को कैसे नियंत्रित करते हैं।
- लड़कियां अपने जीवन और उन सत्ताओं पर विचार करती हैं जो उनके पास हैं या विकसित हो सकती हैं। सामाजिक बदलाव को प्रभावित करने के लिए वे किस प्रकार सहयोग कर सकती हैं?

समय
3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

सेशन के लिए सुझाव:

- चर्चा को आसान बनाने के लिए दमन चक्र और नियंत्रण गतिविधि चक्र (सर्किल ऑफ़ ओप्रेशन व सर्किल ऑफ़ कंट्रोल) का उपयोग करें। इसके बारे में नीचे बताया गया है।
- लड़कियों से पूछें कि वो हमारे समाज में क्या देखती हैं? समाज किससे बने होते हैं? (जैसे, लड़के-लड़कियां, और कौन-कौन? अमीर-गरीब, जाति, धर्म आदि)
- आप हमारे समाज में भेदभाव कहां देखती हैं? ऐसा क्यों है?
- आप अपने समुदाय में लड़कियों के बारे में क्या देखते हैं? विभिन्न पहलू लड़कियों के जीवन को किस प्रकार नियंत्रित करते हैं?

चित्र 5: दमन चक्र

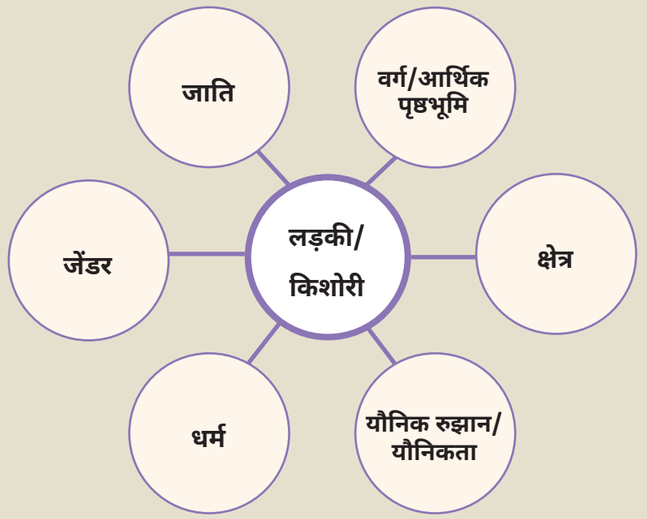

सहजकर्ता के लिए कुछ बिंदु:

- लड़कियों से इस बात पर विचार करने के लिए कहें कि समाज की विभिन्न व्यवस्थाओं से संबंधित मानदंडों, जैसे जेंडर, जाति, वर्ग, आदि के कारण उन्हें या अन्य लड़कियों को किस तरह के उत्पीड़न/ भेदभाव का सामना करना पड़ता है। ये मानदंड क्या हैं?
- उन्हें लिए यदि कोई और व्यवस्था ज़रूरी है, तो जोड़ने या दी गई व्यवस्था को हटाने के लिए कहें और चर्चा करें कि वे उन्हें कैसे प्रभावित करती हैं?
- समाज हाशिए पर रहने वाले अन्य समुदायों की लड़कियों और व्यक्तियों के प्रति कैसे नियंत्रण और भेदभाव करता है?
- अब उनसे उन बातों (कौशल या संसाधन आदि) पर, जो उनके खुद के नियंत्रण में हैं और जो नहीं हैं, विचार करने के लिए कहें।

चित्र 6 : नियंत्रण चक्र

नियंत्रण चक्र[20] - एक विचार प्रक्रिया है, जो प्रतिभागियों को यह सोचने में मदद करती है कि उनके नियंत्रण में क्या है, या वे क्या नियंत्रित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, कौशल, विशेषज्ञता, ज्ञान और सूचना, संसाधन, दूसरों से मिलने वाला मौजूदा समर्थन, सामूहिक शक्ति आदि। ये चीजें या तो पहले से मौजूद हैं या इन्हें विकसित किया जा सकता है। उन्हें नियंत्रण के दायरे में पहचान कर लिखना है।

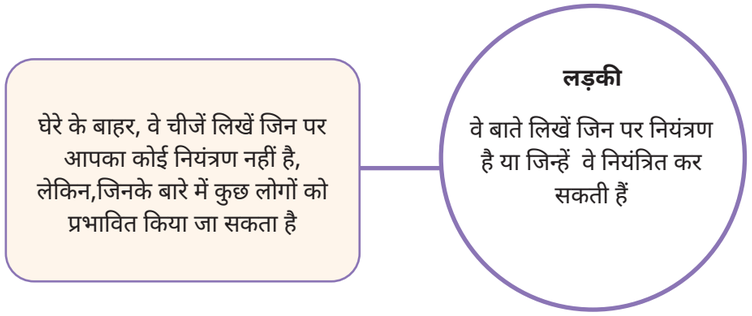

सहजकर्ता के लिए बिंदु:

- प्रतिभागियों को गतिविधि को समझाएं।
- उन्हें उन चीजों के बारे में सोचने के लिए कहें जिन्हें वे नियंत्रित कर सकते हैं।
- उन कौशलों पर विचार करें जिन्हें वे विकसित कर सकते हैं, जो उन्हें बाहरी समस्याओं से निबटने में मदद कर सकते हैं।
- लड़कियों के लिए बदलाव लाने के लिए हमारे पास ऐसे कौन से कौशल, ज्ञान और अनुभव हैं?
- हमारे पास ऐसे कौन से कौशल, ज्ञान, जानकारी, सपोर्ट, आदि है जिससे हम लोगों को लड़कियों केअधिकारों और समता के बारे में जागरूक बना सकें।

वीडियो

- लड़की हाथ से निकल जायेगी (हिंदी) -https://www.youtube.com/watch?v=yhA2Nbn54GQ
- #GrownUpGirls: श्रृंखला (अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ हिंदी में) https://www.youtube.com/watch?v=KBPynp-jBvk&list=PLuOmNjZTlhxRYaT_pdRnEAd73BAjR7M2v&index=3

20 सर्किल ऑफ कंट्रोल को सेंटरवेंशन से अनुकूलित किया गया है छात्रों के लिए नियंत्रण वर्कशीट का चक्र.https://www.centervention.com/circle-of-control/

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट

नीचे दिए गए प्रश्न पर विचार करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं।

- लड़कियों के पास कौन सी शक्तियां होती हैं? हम अपने अधिकारों पर दावा करने के लिए अपनी शक्तियों का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

नोट्स

गर्ल सेशन 3: अपने समुदाय को समझना

इसमें क्या शामिल होगा

- सामाजिक संसाधन की मैपिंग
- संसाधनों तक लड़कियों की पहुंच पर चिंतन

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- उपलब्ध सामाजिक संसाधनों और उन तक अपनी पहुंच की पहचान करते हुए अपने समुदायों की बारे में विचार करते हैं
- उन सामुदायिक प्रथाओं से अवगत हो, जो लड़कियों और युवा महिलाओं को प्रताड़ित करती हैं
- वे विचार करते हैं कि वे अपने समुदायों और उनके लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में क्या सोचते हैं/कैसा महसूस करते हैं
- वे गतिशीलता को दिखाते हैं और उस पर विचार करते हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

टीम निर्माण- गतिविधि 47 - द सर्कल गेम, पृष्ठ 93, Creative Assets and Program Content Guide To Build Social and Em.pdf

टूल 2 - सामाजिक संसाधन मैपिंग टूल

सेशन के लिए सुझाव:

1. **सामूहिक गतिविधि - सामाजिक संसाधन मैपिंग:** उन्हें 5-6 लड़कियों के समूहों में बांट दें। उन्हें अपने समुदाय और उसके संसाधनों का नक्शा बनाने के लिए कहें, जैसे दुकानें, सड़कें, पूजा स्थान, सार्वजनिक शौचालय, खेल के मैदान, पार्क, बस स्टॉप, स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्र, साइबर कैफे, पुस्तकालय, कार्यालय, कुएं/हैंडपंप/सार्वजनिक पानी के नल आदि।

   (नोट -उन्हें किसी अन्य महत्वपूर्ण स्थान या संसाधन को जोड़ने के लिए कहें जो उन्हें लगता है कि उनके लिए प्रासंगिक है, जैसे वे स्थान जहां वे अक्सर जाते हैं या मानते हैं कि उन्हें वहां जाने में सक्षम होना चाहिए।)

2. उन्हें अपने सामुदायिक मैप पर निम्नलिखित को दर्शाने और चिन्हित करने के लिए कहें, और अपने विचारों को लिखें और प्रस्तुत करें -
   - वे कहां सुरक्षित और आत्मविश्वास से पूर्ण महसूस करती हैं, और जहां जाकर उन्हें खुशी होती है?
   - वे बिना प्रतिबंधों के और बिना डर महसूस किए कहां जा सकती हैं?
   - दिन के किस समय या किस मौसम में?
   - क्या वे अकेले बाहर निकलती हैं या किसी के साथ?
   - उनके ऐसा महसूस करने के क्या कारण हैं?
   - लड़कियों को सुरक्षा और पहुंच प्रदान करने के लिए किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है?

3. समुदाय के बारे में वे क्या/कैसे महसूस करती हैं, इस पर प्रस्तुति और चर्चा।

4. **सामूहिक गतिविधि –** लड़कियों से अपने आदर्श समुदाय/समाज का नक्शा बनाने को कहें। उनसे कहें कि वे अपने पिछले समूह में शामिल हों, और लड़कियों के 'सपनों का समुदाय' बनाएं। एक ऐसे समुदाय/समाज की कल्पना करें जिसमें लड़कियां डरती नहीं हैं और अपने फैसले खुद ले सकती हैं - जहां उन्हें अपनी मर्जी से कुछ भी करने की आजादी होती है।

सहजकर्ता के लिए:

- सभी चार्ट पेपर (कम्युनिटी मैपिंग और लड़कियों के सपनों का समुदाय के मैप) इकट्ठा करें और बाद में उपयोग करने के लिए उन्हें सुरक्षित रूप से रखें।
- फोटो खीचें और उन्हें सुरक्षित रूप से रखें।

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट

निम्नलिखित कार्य के बारे में सोचें-विचारें, फिर अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं।

- लड़कियों के सपनों के समुदाय का चित्र - जब आपने पहली बार अपने सपने के समुदाय की कल्पना की थी तो आपको कैसा लगा था? अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अपनी नोटबुक में चित्र बनाएं।

नोट्स

नोट्स

गर्ल सेशन 4: नेतृत्व को समझना

इसमें क्या शामिल होगा

- एक लीडर कौन है?
- लड़कियां/महिलाएं और नेतृत्व/लीडरशिप

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी 'लीडर और नेतृत्व के गुणों' की पारंपरिक समझ पर विचार-विमर्श करते हैं
- वे जेंडर की दृष्टि से महिलाओं/लड़कियों के नेतृत्व पर विचार-विमर्श करते हैं
- वे अपने और अपने समूह के लिए नेतृत्व संकेतकों/गुणों को फिर से परिभाषित करते हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

सेशन के लिए सुझाव –

1. **वर्ड मैपिंग (शब्द-मैप) और चर्चा -** "लीडर" शब्द सुनते ही आपके दिमाग में क्या आता है? या फिर, उन्हें अपनी नोटबुक में एक नेता का चित्र बनाने और उसे आपको दिखाने के लिए कहें।

   [नोट: हो सकता है, अधिकांश प्रतिभागी पहले एक पुरुष का चित्र बनाएं, और समूह गतिविधि के बाद, आप एक नेता के रूप में इस बात पर चर्चा कर सकते हैं कि उन्होंने एक पुरुष का चित्र क्यों बनाया।]

2. **सामूहिक गतिविधि -** उन्हें 5-6 के समूहों में विभाजित करें, काम को समझाएं और इसे पूरा करने के लिए उन्हें 30 मिनट दें। वे अपने समूह में निम्नलिखित चर्चा करेंगे और प्रस्तुत करेंगे:
   - आपके अनुसार एक अच्छा नेता/लीडर कौन है? एक अच्छे लीडर के वास्तविक जीवन में किसी उदाहरण पर विचार करें।
   - चर्चा कीजिए और नेतृत्व के उन पाँच गुणों के नाम बताइए जो आप उनमें देखते हैं।
   - प्रस्तुतियों के बाद, निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करें:
     - क्या हम महिलाओं और लड़कियों को नेता मानते हैं? अगर नहीं, तो क्यों नहीं?
     - क्या उनके ग्रुप में किसी किशोरी लीडर को चुनने के लिए सुझाव थे। उन्हें चुनने से किसने रोका?
     - क्या हम गर्ल लीडर्स के बारे में ज्यादा सुनते हैं? अगर नहीं, तो ऐसा क्यों है?
     - चर्चा को सुगम बनाने के लिए नेतृत्व की नीचे दी गई परिभाषाओं का उपयोग करें।

मुंबई और दिल्ली लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स की संपादकीय टीम ने लड़कियों के नेतृत्व को परिभाषित किया और निम्नलिखित गुणों/संकेतकों, जिन्हें वे व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर देखना चाहेंगी, को प्रस्तुत किया।

लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर्स के शब्दों में नेतृत्व ...

"जब लड़कियां लीडर बनती हैं, तो वे बोलना सीखती हैं और अपने लिए खड़ी होने लगती हैं। वे अपने अधिकारों, विकल्पों और जेंडर समानता के बारे में जानती हैं। उन्हें अपने लिए सही और गलत का फैसला करने के लिए एक दृष्टिकोण मिलता है, और वे निर्णय लेने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। वे अपना ज्ञान और जानकारी दूसरों के साथ साझा करती हैं, और लड़कियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करती हैं।"

"हर किशोरी, अपने जेंडर के बावजूद एक लीडर हो सकती है। हमारे समाज में ऐसे लोग हैं जो पितृसत्तात्मक मानसिकता रखते हैं, और निर्णय लेने में महिलाओं और लड़कियों को शामिल नहीं करते हैं। मेरा मानना है कि, सबके पास निर्णय लेने की क्षमता होती है, और यह उन्हें मिलने वाले अवसरों पर निर्भर करता है, और इसका उनके जेंडर से कोई लेना-देना नहीं है।"

"जब लड़कियां नेतृत्व की भूमिका निभाती हैं, तो उनके प्रतिबंधों का सामना करने के अपने व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, जिसका सामना उन्होंने अपने जेंडर के कारण किया होता है। उन्हें लगातार सीमाओं के अंदर रहने के लिए कहा जाता है, और समाज द्वारा निर्धारित किया जाता है, कि उन्हें क्या करना है, और क्या नहीं। उन्हें अपने परिवारों, समुदायों और स्कूलों में ऐसा व्यवहार मिलता है, जिससे वे पिछड़ी हुई और हताश महसूस करती हैं। उन्होंने इसे चुनौती दी है और आगे आकर, समाज और अन्य लड़कियों के जीवन में बदलाव लाने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास को अपनाया है।"

"नेतृत्व, नई बातों की खोज करने और अपने अनुभवों से सीखने, खुद को बेहतर बनाने और अपने एक नये व्यक्तित्व को खोजने के लिए हर रोज़ का अभ्यास है, यह आपकी पहचान को परिभाषित करने में मदद करता है।"

3. **सामूहिक काम:** उन्हें पहले वाले समूह में बाटें और उन्हें तीन लीडर्स, जो महिला या लड़की हैं, पर विचार करने के लिए कहें। यह भी बताने को कहें कि आप क्यों मानते हैं कि वे लीडर हैं।
    - o नाम, और वे एक लीडर क्यों हैं?
    - o
    - o
4. उनसे चर्चा करने और संकेतकों को परिभाषित करने के लिए कहें – 'यदि आपको अपने/लड़कियों के नेतृत्व के लिए संकेतकों को परिभाषित करना हो, तो आप किन गुणों की तलाश करेंगे'?
5. इस सेशन का समापन करने के लिए, लर्निंग कम्युनिटी की एलुमनाई गर्ल लीडर्स द्वारा बनाई गई नेतृत्व की परिभाषाओं और संकेतकों की समीक्षा करें। आप देख सकते हैं, अगर इन संकेतकों पर प्रतिभागियों द्वारा पहले ही चर्चा की जा चुकी है, जहाँ भी आवश्यक हो उन्हें जोड़ें ।

मुंबई और दिल्ली की लर्निंग कम्युनिटी एलुमनाई गर्ल लीडर्स की संपादकीय टीम ने लड़कियों के नेतृत्व को परिभाषित करने के लिए एक साथ काम किया और निम्नलिखित गुणों/संकेतकों को सामने रखा, जिन्हें वे व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर देखना चाहेंगी।

नेतृत्व के गुण/संकेतक - उनके लिए, एक लीडर वह होते है जिसमें निम्नलिखित नेतृत्व गुण होते हैं, या विकसित किये जा सकते हैं:

- o जो दूसरों का मार्गदर्शन करे और उन्हें सहमत कर सके/उनके दृष्टिकोण को प्रभावित कर सके।
- o जो अपने विचारों और मतों को अच्छी तरह व्यक्त कर सकें।
- o जो नेतृत्व कर सके और निर्णय लेने में सक्रिय भूमिका अदा कर सके।
- o जिसके पास समालोचनात्मक सोच-विचार की क्षमता है।
- o जो सबकी सुनते है और विभिन्न अनुभवों और विचारों को महत्व देता है।
- o जो आत्मविश्वास से पूर्ण है, जो सीखने और ज्ञान प्राप्त करने के अवसरों से आता है।
- o जो दूसरी लड़कियों को समझते है, एक साथ जोड़ती है और उनके साथ समूह में मिल-जुल कर काम करते है।
- o जो जेंडर समानता का समर्थन करते है, और भेदभाव और असमानता की व्यवस्था को चुनौती देते है और उम पर प्रश्न उठाते है।
- o जो लड़कियों के अधिकार जानते/जानने में दिलचस्पी रखते है और उनके चयन, स्वतंत्रता और अधिकार का सम्मान करते है।
- o जो समानता में विश्वास करते है और उसको अपने व्यवहार में लागू करते है/ जो जेंडर, जाति, वर्ग, विकलांगता, यौन रुझान', नस्ल, जातीयता आदि के आधार पर भेदभाव नहीं करते।
- o जो समुदाय को बदलाव की ओर ले जाते है।
- o जो लड़कियों के नेतृत्व में विश्वास करते है।

वीडियो

- o #GrownUpGirls - सुषमा – रिइमेजिन फ्रीडम (अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ हिंदी में) https://www.youtube.com/watch?v=Rq0mcVgyRmc
- o देश का एकमात्र महिला संचालित डिजिटल समाचार मंच - खबर लहरिया (अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ हिंदी) https://www.youtube.com/watch?v=M7kTJGzcqc0

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

निम्नलिखित पर विचार करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं:

- o अपने समुदाय या शहर में 3-5 युवा महिलाओं या गर्ल लीडर्स की पहचान करें। उनके बारे में जानें, वे क्या करते हैं और वे नेता क्यों हैं।

नोट्स

गर्ल सेशन 5: निर्णय लेना

इसमें क्या शामिल होगा

- लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी अपने द्वारा लिए गए निर्णयों पर व्यक्तिगत चिंतन करते हैं
- वे निर्णय लेने में लड़कियों/महिलाओं की भूमिका पर विचार करते हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

सेशन के लिए सुझाव –

1. **गतिविधि 1** - गर्ल्स वॉयसेस करिकुलम से लाइफ लाइन गतिविधि का उपयोग करते हुए व्यक्तिगत चिंतन, गतिविधि 2: लाइफ लाइन बनाना, पेज नं. 28.

   लिंक -https://riseuptogether.org/wp-content/uploads/2019/05/Girls-Voices-Curriculum.pdf

21 गर्ल्स वॉइसेस पाठ्यक्रम: गर्ल अप और राइज अप के सहयोग से

2. **गतिविधि 2** – लड़कियों के लिए एक परिदृश्य बनाएं और प्रस्तुत करें, जिससे वे ये तय करें कि उन्हें उस स्थिति में क्या करना चाहिए।

   उन्हें हर एक स्थिति पर चर्चा करने और विचार-विमर्श करने के लिए 25-30 मिनट का समय दें। उन्हें टीम के साथ साझा करने और चर्चा करवाने के लिए कहें।

उदाहरण के लिय कुछ परिदृश्य [22] नीचे दिए गए हैं:

A. जया के दो छोटे भाई-बहन हैं: एक भाई और एक बहन। आठवीं कक्षा के बाद उसके माता-पिता ने उसे स्कूल भेजना बंद कर दिया। उसकी छोटी बहन और उससे उम्मीद की जाती है कि जब उसका भाई स्कूल जाता है तो वे घर का सारा काम करें। दोनों बहनें सफाई, खाना बनाना, कपड़े धोने के साथ-साथ अपने भाई की देखभाल भी करती हैं। जया स्कूल जाना चाहती है, लेकिन उसके माता-पिता का कहना है कि उनके पास उन तीनों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। जया और उसकी बहन से उम्मीद की जाती है कि वे घर का काम सीखें, क्योंकि इससे उन्हें भविष्य में फायदा होगा।

   - यहां क्या मुद्दा है?
   - इसका जया और उसकी बहन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
   - जया को क्या करना चाहिए?

B. आरजू एक बहुत अच्छी फुटबॉल खिलाड़ी हैं, जो पेशेवर खिलाड़ी बनने की इच्छा रखती हैं। वह कड़ी मेहनत करती है; वह अपने भाई के साथ अभ्यास करने के लिए जल्दी उठ जाती है, और वे स्कूल के बाद अभ्यास करने के लिए पास के मैदान में जाते हैं। वह टीम का हिस्सा बनना चाहती है, लेकिन उसके शहर में लड़कियों की कोई टीम नहीं है। वह स्कूल के टीम की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेती है। उसे यकीन है कि वह टीम में चुन ली जाएगी। वह भाग लेने वाले आधे से ज़्यादा खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन करती है। टीम चयन के बाद, कोच ने घोषणा की कि, टीम में कौन-कौन शामिल किया गया है, और आरज़ू उस सूची में नहीं है। कोच उसे सूचित करता है कि लड़कियों को टीम में आने अनुमति नहीं है, क्योंकि वे टीम के लड़कों का ध्यान विचलित कर सकती हैं।

   - यहाँ क्या मुद्दा है?
   - यह आरज़ू को कैसे प्रभावित करेगा?
   - उसे क्या करना चाहिए?

C. रिया 16 साल की है और उसे स्कूल जाना और कंप्यूटर ट्रेनिंग क्लास में जाना बहुत पसंद है। उसके माता-पिता भी उसका समर्थन करते हैं, लेकिन उसके रिश्तेदारों द्वारा उनकी आलोचना की जाती है। उन्हें रिया को बहुत अधिक छूट देने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। उसके परिजन उसके माता-पिता पर उसकी शादी का दबाव बना रहे हैं। वह चिंतित है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब तक वह और उसके माता-पिता शादी को टाल पाएंगे।

   - यहाँ क्या मुद्दा है?
   - इसका रिया पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
   - उसे क्या करना चाहिए?

[नोट: सहजकर्ता को प्रतिभागियों के संदर्भ और जीवन की वास्तविकताओं के लिए उपयुक्त केस स्टडी विकसित करनी चाहिए।]

22 गर्ल्स वॉयसेस करिकुलम: गर्ल अप और राइज अप द्वारा सहयोग से

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

निम्नलिखित पर विचार करें और अपने विचारों को एक नोटबुक में दर्ज करें -

- क्या आप अपने जीवन से ऐसी ही किसी स्थिति के बारे में याद कर सकते हैं? आपका निर्णय क्या था?

नोट्स

नोट्स

गर्ल सेशन 6: लड़कियों के कलेक्टिव का निर्माण

इसमें क्या शामिल होगा

- एक समूह/ संगठन क्या है? संगठन का महत्व क्या है?
- सामाजिक बदलाव के लिए समूह निर्माण/एकजुट होना

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी सामूहिक रूप से काम करने के महत्व के बारे में अपनी समझ बनाते हैं
- वे अपने अनुभव के आधार पर सामूहिक नेतृत्व को परिभाषित करने के लिए मिल कर काम करते हैं
- वे विभिन्न आंदोलनों और सामाजिक बदलाव/ समान अधिकारों के लिए मांग उठाने के तरीकों के बारे में सीखते हैं

समय
3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

सेशन के लिए सुझाव –

1. प्रतिभागियों को निम्नलिखित पर विचार करने के लिए कहें:
   - हमें कलेक्टिव/समूह की आवश्यकता क्यों है?
   - हमें आपस में क्या जोड़ता है?
   - कलेक्टिव/समूहों के बारे में अपने विचार साझा करें
2. जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ सिक्सटीन डेज ऑफ़ एक्टिविस्म जैसे आंदोलनों में और जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के प्रयासों में लड़कियां कैसे भाग ले रही हैं, इस पर चर्चा करें और अपने क्षेत्र से उदाहरण साझा करें।

   - पढ़िए 'गर्ल्स टेक एक्शन' - की दास्तां महिला संघ: सिएरा लियोन में मेंटर्स अपने समुदायों में लड़कियों के साथ कैसे सामूहिक रूप से जुड़ रहे हैं[23]
   - अपने क्षेत्र से इसी तरह के उदाहरण (केस स्टडी) देखें और उन्हें लड़कियों के साथ साझा करें ।
   - बदलाव और जागरूकता पैदा करने के लिए गर्ल लेड सामूहिक कार्रवाई के कुछ तरीकों पर चर्चा करें, जैसे हस्ताक्षर अभियान (ऑनलाइन और ऑफलाइन), रैलियां, दीवार लेखन, नुक्कड़ नाटक, खेल टूर्नामेंट आदि।

टीम निर्माण के लिए गतिविधियों के उदाहरण

गतिविधि 1

1. प्रतिभागियों को समूहों में बाटें।
2. हर एक समूह का नाम एक वस्तु के आधार पर रखा जाएगा, जैसे हेलीकाप्टर, पंखा, कंप्यूटर, बाइक, आदि और अपना नाम उन्हें अन्य समूहों को बताने की आवश्यकता नहीं है।
3. हर एक समूह उस चीज़ को दर्शाने के लिए अपने शरीर का उपयोग करेगा।
4. अपने नाम को बनाने का उनका प्रयास एक बार पूरा हो जाने पर, हर एक समूह को अपना प्रयास दिखाने के लिए कहा जाएगा, और अन्य समूह उनके नाम का अनुमान लगाएंगे।
5. प्रतिभागियों के अनुभवों के बारे में बातचीत करें और उनसे पूछें कि क्या उन्हें किसी समस्या का सामना करना पड़ा। जब वे तैयार हों, तो उनसे अपनी समस्याओं को साझा करने के लिए कहें और पूछें कि वे उन्हें कैसे हल करने की योजना बनाते हैं।

गतिविधि 2

गतिविधि 38 – ट्री पोज़ (वृक्षासन), पृष्ठ 80, Creative Assets and Program Content Guide To Build Social and Em.pdf

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

इन प्रश्नों पर सोच विचार करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं:

- आप अपने समुदाय में लड़कियों के लिए क्या बदलाव लाना चाहेंगी?
- उस बदलाव को लाने के लिए आपकी टीम क्या कर सकती है?

23 https://wearepurposeful.org/wp-content/uploads/2021/10/girls-take-action.pdf

नोट्स

नोट्स

गर्ल सेशन 7: लक्ष्य निर्धारण

इसमें क्या शामिल होगा

- आपका लक्ष्य/सपना (व्यक्तिगत स्तर पर) क्या है? और इसे कैसे प्राप्त करें?

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी अपने लक्ष्यों पर विचार करते हैं और योजना बनाते हैं कि उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

टूल 3– लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) टूल - यह टूल प्रतिभागियों को उनके जीवन पर विचार करने और भविष्य के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को तैयार करने में सहायता करता है। यह टूल किसी व्यक्ति या समूह के लिए लक्ष्य-निर्धारण करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में प्रभावी रहा है – जो नेतृत्व का एक महत्वपूर्ण कौशल है।

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

अपने साथियों से बात करें और अपनी नोटबुक में उनके उत्तर लिखें/चित्र बनाएँ।

- अपने साथियों या दोस्तों से उनके लक्ष्यों/सपनों के बारे में बात करें।
- वे अपने सपनों को हासिल करने में किन चुनौतियों का अनुभव करते हैं/चुनौतियां को देखते हैं?

नोट्स

गर्ल सेशन 8: गर्ल-पाथ टूल

इसमें क्या शामिल होगा

- विभिन्न स्तरों पर लड़कियां जिन बाधाओं का अनुभव करती हैं
- उन बाधाओं से निपटने के लिए लड़कियों के समाधान

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी उन विभिन्न बाधाओं के बारे में समझते हैं जिनका सामना एक लड़की करती है
- प्रतिभागी अपने सामने आने वाली चुनौतियों/बाधाओं से निपटने के लिए समाधान खोजते हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव:

टूल 4 – गर्ल-पाथ टूल का उद्देश्य उन बाधाओं की पहचान करना है जो लड़कियों को कार्यक्रमों में पूरी तरह से भाग लेने से रोकती हैं, और फिर इन बाधाओं पर काबू पाने (इन्हें हटाने या कम करने) के लिए समाधान पाना है। गर्ल पाथ टूल चार अलग-अलग उन जगहों को दिखाता है, जहां लड़कियों को कार्यक्रमों में पूरी तरह से भाग लेने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है- **उनके अपने मन में , उसके परिवार में, उसके समुदाय में और उसके कार्यक्रम में** । यह सहभागी टूल आवश्यकतानुसार बदला जा सकता है, और विभिन्न प्रतिभागियों के साथ जुड़कर कई तरीकों से इसका उपयोग किया जा सकता है।

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट:

नीचे दिए गए प्रश्न के बारे में सोचें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं।

- आज की गतिविधि और आपके सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान पर विचार करें।

नोट्स

गर्ल सेशन 9: सामाजिक नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम को समझना

इसमें क्या शामिल होगा

- लड़कियों का सामाजिक नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी अपने सामाजिक नेटवर्क का नक्शा बनाते हैं
- वे अपने लिए समर्थन और बाधाओं की पहचान करते हैं और उन पर विचार करते हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

टूल 5 - सामाजिक नेटवर्क मैपिंग - समुदाय में प्रमुख व्यक्तियों/हितधारकों की पहचान करने के लिए एक टूल है, जिन पर भागीदार समर्थन पाने के लिए भरोसा कर सकते हैं। यह उन लोगों की पहचान करने में भी सहायता करता है जो एक प्रतिभागी की नेतृत्व की यात्रा में चुनौतियाँ पेश कर सकते हैं। यह गतिविधि लड़कियों के सामाजिक नेटवर्क के बारे में गहरी समझ प्रदान करती है।

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट

- अपने लिए किए गए एक ऐसे निर्णय के बारे में सोचें, जो आपको लगता है कि महत्वपूर्ण है। अब इस बात पर विचार करें कि पिछली बार कब किसी ने आपके किसी निर्णय में आपका समर्थन किया था, और उस समय आपको कैसा महसूस हुआ था? अब उन चुनौतियों के बारे में सोचें, जिनका निर्णय लेते समय आपने सामना किया और आपने कैसा महसूस किया?

- निम्नलिखित पर विचार करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं:
  - आपने क्या निर्णय लिया? और यह आपके लिए क्यों महत्वपूर्ण है?
  - क्या आपको किसी चुनौती का सामना करना पड़ा? दूसरों का सहयोग न मिलने के क्या कारण थे? आपने उन चुनौतियों/बाधाओं को कैसे दूर किया?
  - किसने आपका समर्थन किया और क्यों?

नोट्स

गर्ल सेशन 10: प्रोजेक्ट के विकास की मूलभूत बातें

इसमें क्या शामिल होगा

- प्रोजेक्ट की योजना बनाने के प्रमुख हिस्से
- बजट क्या होता है?

उद्देश्य/अपेक्षित परिणाम

- प्रतिभागी प्रोजेक्ट की योजना बनाने का कौशल सीखते हैं
- वे बजट के बारे में सीखते हैं, और उसकी योजना कैसे बनाई जाती हैं

समय

3 - 4 घंटे

सेशन और टूल/संसाधन सामग्री के लिए सुझाव

सेशन के लिए सुझाव –

- प्रोजेक्ट की योजना बनाने पर एक सेशन आयोजित करें और प्रोजेक्ट के प्रमुख हिस्सों को समझाएं। व्यक्तिगत उदाहरण का प्रयोग करें, जैसे उच्च शिक्षा या तकनीकी प्रशिक्षण पाने की योजना बनाना।
- प्रोजेक्ट की डिजाइन के प्रमुख हिस्से

1. विषय या मुद्दा

- आप अपनी प्रोजेक्ट के साथ किस विषय/मुद्दे पर काम करना चाहते हैं?
- लड़कियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण विषय/मुद्दा क्यों है?
- इस मुद्दे पर काम करने से लड़कियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

2. पहल/गतिविधियां

- इस मुद्दे को संबोधित करने/ इस पर काम करने में कौन सी गतिविधियाँ आपकी सहायता करेंगी?
- गतिविधियाँ निम्न प्रकार की हो सकती हैं:[इस गाइड का भाग 2 देखें]। इसे गर्ल लीडर्स को समझाएं।
- आप इन गतिविधियों को कैसे व्यवस्थित करेंगे? और इसके लिए क्या-क्या तैयारी, विधियों, सामग्रियों और समर्थन/सहयोग की आवश्यकता है?
- अपनी गतिविधियों को करते समय आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें दूर करने के लिए कौन से समाधान तैयार किए जा सकते हैं?

3. समय - टाइम लाइन का क्या अर्थ है? आप हर एक गतिविधि कब करने वाले हैं?

4. बजट- आपकी गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक बजट कितना है?

5. सीखना, निगरानी और मूल्यांकन (M&E) - गतिविधियों का संचालन कैसे हुआ यह जानने के लिए, इससे क्या सबक सीखे गए हैं, और वांछित परिवर्तन लाने में गतिविधियाँ कितनी प्रभावी रहीं?

- समझिए कि बजट क्या है और इसे बनाना क्यों आवश्यक है। समझाने के लिए उनके जीवन से कुछ उदाहरणों का उपयोग करें।
- बजट बनाने के लिए उन्हें कैलकुलेटर या फोन दें।
- अब, चर्चा को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोजेक्ट की योजना बनाने के टूल (प्रोजेक्ट प्लानिंग टूल) का उपयोग करें और उस प्रमुख मुद्दे की पहचान करें जिस पर वे काम करना चाहती हैं।

वीडियो

- दस चरणों वाला सामुदायिक प्रोजेक्ट कैसे शुरू करें (अंग्रेज़ी) https://www.youtube.com/watch?v=n8b2A7ThU4Y

आत्मचिंतन के लिए असाइनमेंट

नीचे दिए गए प्रश्न पर विचार करें और अपनी नोटबुक में लिखें/चित्र बनाएं।

- आपके घरों या समुदायों में रूपये पैसे के बारे में (धन संबंधी) निर्णय कौन लेता है? ऐसा क्यों है?

नोट्स

नोट्स

नेतृत्व, प्रोजेक्ट एवं बजट की योजना पर संयुक्त कार्यशाला

उद्देश्य:

- गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के लिए एक विषय/मुद्दे की पहचान करना
- गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट को विकसित करना
- प्रोजेक्ट कार्यान्वयन के लिए प्रोजेक्ट की पहल/ गतिविधियाँ, बजट और टाइम लाइन तैयार करने और योजना बनाने के बारे में उन्हें प्रशिक्षित करना।

व्यवस्थाएं:

- सभी समूहों के लिए समान रूप से सुविधाजनक समय और स्थान तय करें
- सुनिश्चित करें कि उस स्थान में गतिविधियों के लिए पर्याप्त जगह है
- सेशन शुरू करने से पहले, सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक स्टेशनरी, टूल और सामग्री उपलब्ध हैं
- परिवहन, भोजन, पानी, गतिविधियों की प्लानिंग, स्वच्छता और प्रसाधन के लिए मेंटर्स और आयोजकों को जिम्मेदारियां सौंपें

टाइम लाइन और अवधि: माह 5, एक दिवसीय कार्यशाला

समय: 6-8 घंटे की कार्यशाला

कार्यशाला की योजना:

इसे आगे कैसे ले जायें

चरण 1: सेशन की शुरुआत में गर्ल लीडर्स का परिचय करें। प्रशिक्षण के उद्देश्यों को समझाएं। और उन्हें पिछले सेशन - प्रोजेक्ट विकास की मूलभूत बातें, का सारांश दें।

चरण 2: मेंटर्स से अनुरोध करें कि, वे अपनी संस्था की लड़कियों का एक समूह बनाएं और उन्हें तीन प्रमुख मुद्दों की पहचान करने को कहें जो उन्हें लगता है कि, लड़कियों और अन्य हाशिए के समूहों/ व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। सभी संस्थाओं की गर्ल लीडर्स को अपनी विचारों को प्रस्तुत करने का समय दें। [लेट गर्ल्स लीड पाठ्यक्रम, गतिविधि 8.1- मुद्दे का आंकलन: प्रॉब्लम ट्री, पेज 153-155 को देखें]

चरण 3: लड़कियों के जीवन से जुड़े किसी प्रासंगिक विषय को चुनने के लिए गर्ल लीडर्स और मेंटर्स के साथ बातचीत करें।

चरण 4: क्योंकि एक्शन प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन की अवधि छह महीने की है इसलिए, गर्ल लीडर्स को उनके द्वारा चुने गए मुद्दों से जुड़े तीन या उससे काम प्रोजेक्ट गतिविधियों/पहलों की योजना बनाने की सलाह दी जाती है। इस मार्गदर्शिका के भाग २ के चरण 4 को देखें और गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट को बनाएं और उनका कार्यान्वयन करें।

चरण 5: प्रोजेक्ट की योजना बनाने पर एक सेशन आयोजित करें। हर एक संस्था के मेंटर और लड़कियां अपनी संस्था का एक समूह बनाएं, और अपने प्रोजेक्ट की योजना बनाएं। हर संस्था के समूह की गर्ल लीडर्स को उनके प्रोजेक्ट के लिए गतिविधि योजना, उसकी निगरानी और मूल्यांकन योजना, बजट और टाइम लाइन तैयार करने के लिए कहें।

चरण 6: इसमें मेंटर्स लड़कियों का सहयोग और मार्गदर्शन करेंगे ताकि लीडर्स की प्रोजेक्ट योजनाएँ विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, यथार्थवादी और मूर्त (स्मार्ट) हों।

चरण 7: योजना के आधार पर गर्ल लीडर्स से टूल 6 - प्लानिंग और बजट शीट - बेसलाइन भरने को कहें, जो इस भाग में दिया गया है।

चरण 8: इसे एक अत्यधिक संवाद वाला/विचारों के आदान-प्रदान वाला सेशन बनाएं, जिसमें आपस में ज़्यादा से ज़्यादा चर्चा और संवाद हो। प्रतिभागियों के उत्साह को बनाए रखने के लिए गतिविधियों के बीच में, एनर्जाईज़र और गीतों का उपयोग करें।

मेंटर्स और गर्ल लीडर्स के लिए असाइनमेंट:

वापस जाकर संस्था के मेंटर्स, गर्ल लीडर्स द्वारा अपनी प्रोजेक्ट की योजना और बजट को अंतिम रूप देने के लिए उनके साथ एक सेशन आयोजित करें, जिसमें गर्ल लीडर्स मिलकर अपने प्रोजेक्ट प्लान को फाइनल करेंगी।

गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से नेतृत्व करना

यह सीखने की प्रक्रिया में 'खुद कर के सीखने' का एक महत्वपूर्ण चरण है, जहाँ लड़कियां एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी नेतृत्व क्षमता का अभ्यास और प्रदर्शन करती हैं। गर्ल लीडर और मेंटर अपने प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए समुदाय में मिलकर काम करते हैं। इस दौरान गर्ल लीडर अपने समूह में प्रोजेक्ट की पहलों को लागू करने के लिए एक योजना विकसित करने, उसके पूर्ण होने के बाद की समीक्षा करने, और अगले चरण के लिए योजना बनाने के लिए काम करेंगी।

उद्देश्य:

- नेतृत्व, निगरानी और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण के दौरान लड़कियों द्वारा चयनित विषय पर प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करना।
- प्रोजेक्ट पहल के माध्यम से समुदाय के साथ जुड़ना ।

टाइम लाइन: पांचवे से दसवां महीना (छह महीने)

इसे कैसे आगे ले जायें?

चरण 1: लड़कियां अपनी प्रोजेक्ट की उन पहलों को लागू करेंगी जिनकी योजना उन्होंने बनाई है।

चरण 2: मेंटर्स सभी गर्ल लीडर के साथ मासिक बैठकें आयोजित और संचालित करें, उन्हें उनकी एक्शन प्रोजेक्ट की योजना की प्रतियां प्रदान करें, और प्रोजेक्ट पहलों को क्रियान्वित करने में मदद करें।

चरण 3: मेंटर्स निम्नलिखित में गर्ल लीडर्स का मार्गदर्शन और समर्थन करेंगे:

- योजना और प्रोजेक्ट की पहलों की तैयारी में
- ज़िम्मेदारियों को बांटना, उदाहरण के लिए, विषय के बारे में जानकारी इकट्ठा करना, मुख्य संदेश विकसित करना, इवेंट की प्लानिंग, सहमति प्राप्त करना, खाने-पीने का इंतज़ाम, बजट को संभालना आदि।
- समुदाय की अन्य लड़कियों और युवाओं को सार्थक रूप से कैसे जोड़ा जाए, इस पर चर्चा करवाने में
- समुदाय की अन्य लड़कियों और युवाओं की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखना, जैसे विकलांग लड़कियों की आयोजन तक पहुँच को सुलभ बनाने में
- प्रोजेक्ट के अंतर्गत इवेंट आयोजित करने के लिए
- प्रोजेक्ट की पहल के लिये आवश्यक जगह के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त अधिकारियों से अनुमति प्राप्त करना
- मुद्दे, उद्देश्यों और परिणामों (गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों) के बारे में सोचने के लिए लड़कियों के साथ चर्चा का नेतृत्व करे

चरण 4: मेंटर्स निम्नलिखित सुनिश्चित करें:

- सुनिश्चित करें कि प्रोजेक्ट की हर एक पहल लड़कियों द्वारा चुने गए मुद्दे के बारे में है, और उसमे समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने और उनसे जुड़ने के लिए पर्याप्त साधन हैं।

चरण 5: हर एक गतिविधि के बाद, मेंटर प्रोजेक्ट की पहल के मूल्यांकन के फॉर्मेट का उपयोग करके प्रोजेक्ट पहलों की समीक्षा को आसान बनाने के लिए लड़कियों के साथ बैठेंगे।

चरण 6: गर्ल लीडर्स को विचार करने के लिए मार्गदर्शन दें कि, उन्होंने क्या सीखा है और वे आगे क्या अलग तरीके से करेंगे, साथ ही समुदाय में इस जुड़ाव को जारी रखने के लिए विचार-विमर्श करें।

चरण 7: मेंटर्स सोशल मीडिया टूल्स का उपयोग करके आयोजन को लोकप्रिय बनाएंगे और उसका दस्तावेजीकरण करेंगे। वे अपनी संस्थाओं की संचार/सोशल मीडिया टीमों से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मेंटर्स और गर्ल लीडर्स की मासिक मीटिंग

मेंटर और गर्ल लीडर्स की मासिक चेक-इन और योजना मीटिंग – मेंटर्स को सभी गर्ल लीडर के साथ मासिक मीटिंग और योजना मीटिंग का आयोजन करना चाहिए। पीयर लीडर्स को इन बैठकों को चलाने में मेंटर की मदद करनी चाहिए। यह जगह लड़कियों को नियमित परामर्श के रूप में सहायता प्राप्त करने में मदद कर सकता है। एक साथ, वे अपनी प्रोजेक्ट की गतिविधियों को लागू करने की योजना बनाती हैं। मेंटर्स की भूमिका यहां प्रक्रिया को आसान बनाने की है जहां गर्ल लीडर निर्णय लेने की ज़िम्मेदारी लें। यह मीटिंग संस्थागत स्तर की है।

उद्देश्य:

- लड़कियों की प्रोजेक्ट की योजना बनाना और तैयारी करना
- संभावित चुनौतियों पर विचार करने के लिए और सामूहिक रूप से समाधान खोजना
- लड़कियों से नियमित रूप से संपर्क में रहना
- चर्चा करने समस्याओं के समाधान खोजना जिनका कार्यान्वयन के दौरान सामना करना पड़ा हो
- एक दूसरे से बात करने, अनुभव साझा करने, और भलाई (वेल-बीइंग) के लिए मिल-जुल कर काम करना

टाइम लाइन और अवधि: मासिक, पांचवे महीने और दसवे महीने के बीच, 1-2 घंटे

मीटिंग सेटिंग: आमने-सामने या वर्चुअल मीटिंग (जहाँ गर्ल लीडर के लिए ऑनलाइन मिलने में आसानी है)

प्रतिभागियों और सहजकर्त्ता: गर्ल लीडर्स , मेंटर्स और पीयर लीडर्स

तैयारी:

- किसी संस्था की सभी गर्ल लीडर्स को मीटिंग की तारीख और समय पर सहमत होना चाहिए
- उन्हें ऐसी जगह मिलने पर भी सहमत होना चाहिए जो सभी गर्ल लीडर्स के लिए सुलभ हो
- मेंटर्स को हर एक मीटिंग से पहले एक स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) की गतिविधि का समय निर्धारित करना चाहिए। [गतिविधि देखें - 39, 40, 41, 43, 44, 47, 49, पृष्ठ 80 से 95, Creative Assets and Program Content Guide To Build Social and Em.pdf]
- यदि गर्ल लीडर्स ने एक गतिविधि पूरी कर ली है, तो मेंटर को गतिविधि मूल्यांकन प्रक्रिया का उपयोग करवाना चाहिए - लड़कियों और द्वारा तैयार किया गया प्लानिंग और बजट शीट टूल 7 – प्रोजेक्ट गतिविधि आंकलन फॉर्म।

वैकल्पिक: गर्ल लीडर्स की मासिक योजना मीटिंग

[संस्थाओं को गर्ल लीडर्स को हर महीने मिलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए]

योजना के लिए मासिक मीटिंग- जहां सभी गर्ल लीडर प्रोजेक्ट की गतिविधियों की योजना बनाने और तैयारी करने के लिए एक साथ आती हैं। नियमित रूप से मिलने से समूह के निर्माण में योगदान मिलता है; गर्ल लीडर काम का भार संभाल सकती हैं और यह तय कर सकती हैं कि वे कैसी योजना बनाना चाहती हैं, जिम्मेदारियों को कैसे बांटना चाहती हैं, आदि। यह मीटिंग संस्थाओं के स्तर पर होगी।

उद्देश्य:

- लड़कियों की प्रोजेक्ट की योजना बनाना और तैयारी करना
- संभावित चुनौतियों पर विचार करने के लिए और सामूहिक रूप से समाधान खोजना
- लड़कियां से नियमित रूप से संपर्क में रहना
- एक दूसरे से बात करने, अनुभव साझा करने के लिए, और भलाई (वेल-बीइंग) के लिए मिल-जुल कर काम करना

टाइम लाइन और अवधि: मासिक, पांचवे महीने और दसवे महीने के बीच, 1-2 घंटे

मीटिंग सेटिंग: आमने-सामने या वर्चुअल मीटिंग (जहाँ गर्ल लीडर के लिए ऑनलाइन मिलने में आसानी है)

प्रतिभागी: गर्ल लीडर (बिना मेंटर के)

तैयारी:

- किसी संस्था की सभी गर्ल लीडर्स को मीटिंग की तारीख और समय पर सहमत होना चाहिए
- उन्हें मीटिंग के एक स्थान पर भी सहमत होना चाहिए जो सभी गर्ल लीडर्स के लिए सुलभ हो

टेबल 5: लड़कियों के सीखने के सफ़र की मैपिंग

मार्गदर्शिका का यह भाग लड़कियों के नेतृत्व और कौशल विकास की यात्राओं की मैपिंग करने के लिए टूल और निर्देश प्रदान करता है। सभी फॉर्म इस गाइड के सेक्शन 5 में, 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए', अंतर्गत दिए गए हैं।

हमारे अनुभव में!

यह टूल समुदाय के बारे में अपने ज्ञान बढ़ाने के लिए है जो एक लर्निंग और मूल्यांकन टूल की तरह भी एक कारगर टूल होगा। इसलिए इसका इस्तेमाल मूल्यांकन के लिए भी किया जा सकता है।

कार्यक्रम की तैयारी और शुरुआत	क्षमता विकास और प्रशिक्षण	गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट - कार्यान्वयन	समीक्षा, सीखना और साझा करना (रिव्यु, लर्निंग, एवं शेयरिंग) – समेकन
पहला और दूसरा चरण - महीना 1	तीसरा चरण - महीना 2-4	चौथा चरण - महीना 5-10	पांचवा चरण - महीना 11-12

किशोरियों के लिए टूल्स

ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) टूल		टूल 2: सामाजिक नक्शा/सोशल रिसोर्स मैपिंग (बेसलाइन) – मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक टूल टूल 3: लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) टूल टूल 4: गर्ल-पाथ टूल टूल 5: सामाजिक नेटवर्क मैपिंग		टूल 2: सामाजिक नक्शा/सोशल रिसोर्स मैपिंग (एंड लाइन) – मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक टूल
लर्निंग और मूल्यांकन टूल	टूल 1: स्व-मूल्यांकन टूल - बेसलाइन	टूल 6: प्लानिंग और बजट शीट – बेसलाइन	टूल 7: प्रोजेक्ट के मूल्यांकन का फॉर्म	टूल 8: गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के लिए मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 1: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 9: बदलाव के पल टूल 10: केस स्टोरी विश्लेषण टूल 11: लाइफ लाइन टूल 12: फोटो-वॉयस टूल – वैकल्पिक

टूल 1 – स्व- मूल्यांकन टूल बेसलाइन

सीखने (लर्निंग) और मूल्यांकन के लिए टूल

विवरण

यह टूल वाचा ट्रस्ट की तुषिता मुखर्जी द्वारा बनाया गया है और एम्पावर द्वारा संशोधित किया गया है। "सेल्फ को समझना-टूल" में ओपन-एंडेड और क्लोज-एंडेड दोनों तरह के प्रश्न शामिल हैं। यह लड़कियों में आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता, स्वयं की अवधारणा और नेतृत्व कौशल के स्तर में बदलाव को मापता है। यह लड़कियों के सुरक्षा और गतिशीलता के अधिकारों की रक्षा करने की उनकी क्षमता को भी मापता है।

उद्देश्य: इस प्रक्रिया का उद्देश्य लड़कियों की बेसलाइन और एंड लाइन की प्रतिक्रियाओं की तुलना करके उनकी आत्म-जागरूकता (सेल्फ-अवैयर्नेस) और नेतृत्व कौशल में बदलाव को मापना है।

निर्धारित समय सीमा:
बेसलाइन: पहला महीना, आमुखीकरण कार्यशाला
एंडलाइन: ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
मेंटर्स इस टूल को लड़कियों द्वारा करवाएंगे।

सामग्री की आवश्यकता:
स्व-मूल्यांकन फॉर्म की प्रतियां, और पेन।

इस का उपयोग कैसे

1. हर एक प्रतिभागी को यह फॉर्म भरना होगा।
   नोट: एक मेंटर या अन्य स्टाफ सदस्य को उनकी सहायता करनी चाहिए जिन्हें बेसलाइन फॉर्म को पूरा करने में पढ़ने और लिखने में कठिनाई होती है।
2. हर एक फॉर्म में छह प्रश्न हैं।
3. हर एक प्रश्न को बेसलाइन और एंडलाइन पर भरा जाना चाहिए। प्रश्न 6 में दो भाग हैं- एक बेसलाइन पर भरा जाना है और दूसरा एंडलाइन पर भरा जाना है।

सहजकर्ता के लिए निर्देश:

1. फॉर्म्स को वितरित करने के बाद, प्रतिभागियों को सभी प्रश्न समझाएं।
2. उन्हें इस फॉर्म को भरने के लिए कहें। उन्हें याद दिलाएं कि फॉर्म्स में उनके नाम, संस्था, तारीख और उम्र को लिखने की आवश्यकता है।
3. उन्हें बताएं कि बेसलाइन और एंडलाइन में कौन से भाग भरने हैं।
4. लड़कियों के बेसलाइन सेक्शन भरने के बाद उनसे सभी फॉर्म एकत्र करें और कार्यान्वयन चरण के अंत में उन्हें यही फ़ॉर्म देना सुनिश्चित करें ताकि वे एंडलाइन वाले भाग को उसी फ़ॉर्म में भर सकें।।
5. यदि वे सहज हैं, तो वे अपनी प्रतिक्रियाएँ लिख या चित्रित कर सकते हैं या साझा करने के लिए वीडियो बना सकते हैं।

हम प्रश्नों से क्या सीख सकते हैं:

1. मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सकती हूं...

बेसलाइन: लड़कियों को इस बारे में सोचने और लिखने/चित्र बनाने के लिए कहें कि उन्हें क्या लगता है कि वे क्या कर सकती हैं। उन्हें उनकी क्षमताओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करें।

एंडलाइन: लड़कियों से इस बारे में सोचने और लिखने/चित्र बनाने के लिए कहें कि वे क्या सोचती हैं कि अब वे क्या कर सकती हैं

बेसलाइन और एंडलाइन पर प्रतिभागी द्वारा प्रदान की गई प्रतिक्रियाओं की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

ए) आत्म प्रभावकारिता

बी) जेंडर भूमिकाओं और सशक्तिकरण के स्तर में बदलाव

2. मुझे अपने आप में ये गुण पसंद हैं...

बेसलाइन: लड़कियों को इस बारे में सोचने और लिखने/चित्र बनाने के लिए कहें कि उन्हें क्या लगता है कि वे क्या कर सकती हैं। उन्हें अपने गुणों पर विचार करने के लिए प्रेरित करें।

एंडलाइन: लड़कियों से कहें कि वे अभी अपने बारे में जो पसंद करती हैं, उसके बारे में लिखें। उनसे उनके द्वारा हासिल किए गए किसी भी नए कौशल के बारे में पूछें।

बेसलाइन और एंडलाइन पर लड़कियों द्वारा दिए गए उत्तरों की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

ए) आत्म सम्मान

बी) लड़कियों की भूमिका में बदलाव - महिलाओं के लिए उचित समझे जाने वाले पारम्परिक भूमिकाओं से अधिक सशक्त भूमिकाओं में

3. जब मैं किसी समूह को संबोधित करती हूं, तो मैं अनुभव करती हूं या महसूस करती हूं...

बेसलाइन: लड़कियों से यह सोचने के लिए कहें कि वे सार्वजनिक रूप से बोलते समय कैसा महसूस करती हैं या उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

एंडलाइन: लड़कियों से इस बात पर विचार करने के लिए कहें कि वे अब कैसा महसूस करती हैं, या सार्वजनिक रूप से बोलते समय उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पूछताछ करें कि क्या उनकी कठिनाइयों में कोई बदलाव हुआ है (कम/बढ़ी हुई)।

बेसलाइन और एंडलाइन पर प्रतिभागियों द्वारा प्रदान की गई प्रतिक्रियाओं की तुलना करके, यह प्रश्न इस आवश्यक नेतृत्व कौशल को मापता है - किसी समूह के सामने या सार्वजनिक रूप से बोलना। मूल्यांकन के लिए विषयगत ग्रेडिंग या गुणात्मक ग्रेडिंग (थीमेटिक ग्रेडिंग) का उपयोग करके प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया जा सकता है, जो संलग्नक संख्या 5.1 और 5.2 में दी गई हैं।

4. जब मेरी जिंदगी से जुड़ा कोई फैसला होता है तो मैं

- मेरे माता-पिता को फैसला लेने देती हूँ
- आत्मविश्वास महसूस नहीं करती
- फैसला होने के बाद जान पाती हूँ
- चुप रहती हूँ क्योंकि मुझसे पूछा नहीं जाता है
- मेरी सोच बताती हूँ
- मेरे माता-पिता से बहस करती हूँ क्योंकि वे मेरी बात नहीं सुनते
- मुझे जो मेरे लिए सही लगता है उसे समझाने की कोशिश करती हूँ
- उन लोगों से सहायता मांगती हूँ जिनकी बात मेरे माता-पिता सुनते हैं
- कोई अन्य _____ (कृपया लिखें)

बेसलाइन: लड़कियों से उन स्थितियों पर विचार करने के लिए कहें, जिनमें उनके जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, और उन स्थितियों में वे क्या करती हैं।

एंडलाइन: लड़कियों से उन स्थितियों पर विचार करने के लिए कहें, जिनमें उनके जीवन के बारे में निर्णय लिये जाते है और वे उन स्थितियों में क्या करती हैं। क्या उनके निर्णय की प्रक्रिया में भाग लेने के तरीके में कोई बदलाव आया है या नहीं। क्या कोई अंतर आया है, यह समझने के लिए उनसे प्रश्न पूछें?

बेसलाइन और एंडलाइन पर प्रतिभागियों द्वारा टिक की गई प्रतिक्रियाओं की तुलना करके, यह प्रश्न उनके इस नेतृत्व कौशल को मापता है - निर्णय लेने की क्षमता

5.जब मैं अपने समुदाय में किसी किशोरी को प्रताड़ित होते हुए देखती हूं, तो सबसे ज्यादा संभावना है कि:

- मै कुछ भी न करूँ
- मैं कुछ करना चाहती हूं लेकिन नहीं जानती कि मैं क्या कर सकती हूं
- उन लोगों से सहायता मांगूंगी, जिन्हें मैं जानती हूं (मेरा नेटवर्क) और उन लोगों से जो मदद कर सकते हैं
- लर्निंग कम्युनिटी समूह के साथ चर्चा कर के इस मुद्दे को हल करने के लिए उचित रणनीतियों को ढूँढने के प्रयास करूंगी
- इस मुद्दे को हल करने के लिए अपने मेंटर्स के साथ चर्चा कर उचित रणनीतियों का उपयोग करूंगी
- कोई अन्य _____ (आप क्या करेंगी, लिखें)

बेसलाइन: लड़कियों से उन विकल्पों के बगल में स्थित बॉक्स को टिक करने के लिए कहें, जिन्हें वे अपने समुदाय में किसी किशोरी को प्रताड़ित होते हुए देखने के समय चुनते हैं।

एंडलाइन: लड़कियों को, अपने समुदाय में किसी किशोरी को प्रताड़ित होते हुए देखने के समय, क्या करेंगी। इससे यह देखा जायेगा की बेसलाइन में उनके द्वारा चुने जाने वाले विकल्पों में क्या बदला है।

यह प्रश्न बेसलाइन और एंडलाइन पर टिक किए गए जवाबों की तुलना करके प्रतिभागियों की लड़कियों की सुरक्षा और गतिशीलता के अधिकारों की रक्षा करने की क्षमता का आंकलन करता है।

6. प्रोजेक्ट की योजना और कार्यान्वयन का कौशल

कौशल को 1-5 के पैमाने पर रैंक करें [1 = सबसे कम, 5 = उच्चतम] जो कार्यक्रम का हिस्सा बनने के बाद हासिल/सुधार किये गए हैं

	बेसलाइन					एंड लाइन				
1. प्रोजेक्ट की योजना बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
2. बजट बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
3. उस पर एक प्रस्तुति बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
4. पुलिस, पंचायत[24] प्रमुख और अन्य सरकारी अधिकारी जैसे हितधारकों से बात करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
5. प्रोजेक्ट पहलों के प्रभाव का आंकलन	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
6. एक टीम के रूप में काम करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
7. बदलाव लाने के लिए नए विचारों के बारे में सोचना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5

24 पंचायत - भारत में स्थानीय शासन निकाय

यह प्रश्न लड़कियों द्वारा बेसलाइन और एंडलाइन पर दिए गए उत्तरों की तुलना करके यह निर्धारित करता है:

ए) नेतृत्व कौशल

बी) प्रोजेक्ट योजना और कार्यान्वयन कौशल

7. कैसे मापें

- रूब्रिक (मानदंडों की ग्रिड) का उपयोग करके सवालों के जवाबों का विश्लेषण किया जा सकता है।
- प्रश्न 1-3 में आत्म-सम्मान, आत्म-प्रभावकारिता और नेतृत्व कौशल में बदलाव का विश्लेषण करने के लिए विषयगत विश्लेषण मार्गदर्शिका देखें (संलग्नक संख्या 5.2 देखें)
- प्रश्न 4 और 5 के उत्तर के लिए थीमेटिक ग्रेडिंग गाइड (गुणात्मक ग्रेडिंग मार्गदर्शिका) देखें। (संलग्नक 5.2 देखें)
- बेसलाइन और एंडलाइन के स्कोर में प्रतिक्रियाओं की तुलना करके प्रोजेक्ट योजना और कार्यान्वयन कौशल (प्रश्न 6) का विश्लेषण किया जा सकता है।
- निष्कर्षों को 'बार चार्ट' द्वारा दिखाया जा सकता है।

प्रिंट करने के लिए फॉर्म को भाग 5 से डाउनलोड किया जा सकता है, उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए'।

टूल 2 – सामाजिक संसाधन (रिसोर्स मैपिंग) टूल

ज्ञान निर्माण और मूल्यांकन टूल

हमारे अनुभव में

हमारे अनुभव में!

यह एक नॉलेज बिल्डिंग टूल है जिसे मूल्यांकन के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

उद्देश्य: इसका उद्देश्य गर्ल लेड कामों में भाग लेने से पहले और बाद में प्रतिभागियों द्वारा अपने समुदाय में देखे जाने वाले बदलावों को दृष्टिगत रूप से चित्रित कर समझ बनाना है।

निर्धारित समय-सीमा:
बेसलाइन – दूसरा महीना, गर्ल सेशन 3 के हिस्से के रूप में
एंडलाइन - ग्यारहवा महीना समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
मेंटर/सहजकर्ता लड़कियों के साथ इस टूल का संचालन करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:
चार्ट पेपर, मार्कर और पेन, रंगीन पोस्ट-इट्स, और एंडलाइन के लिए लड़कियों के सामाजिक संसाधन की मैपिंग के बेसलाइन के फोटो/प्रिंटआउट (4-5 प्रतियां)

इसका उपयोग कैसे

1. इस गतिविधि में किशोरियां भाग लेंगी।
2. वे उनके समुदाय का एक नक्शा बनाएंगी, जो सामाजिक संसाधनों, सार्वजनिक स्थानों और उन संसाधनों तक पहुँचने की उनकी क्षमता को दिखाएगा।

बेसलाइन

3. उन्हें निम्नलिखित पर प्रकाश डालना चाहिए:
   - अपने समुदाय का एक नक्शा बनाएं जो सामाजिक संसाधनों और सार्वजनिक स्थानों को दिखाता हो
   - उन जगहों को चिन्हित करें जहां आप असुरक्षित महसूस करती हैं और बताएँ कि ऐसा क्यों है
   - आप ऐसा दिन के किस समय या किस मौसम में असुरक्षित महसूस करती हैं
   - आप अकेले बाहर जाती हैं या कोई आपके साथ जाता है?
   - उन जगहों को चिह्नित करें, जहां जाने में आप सुरक्षित और खुश महसूस करती हैं।
   - उन स्थानों को चिन्हित करें, जहाँ आपकी पहुँच नहीं है/आपको जाने की अनुमति नहीं है, और वहां जाने की आपको स्वतंत्रता होनी चाहिए।
   - उन स्थानों/क्षेत्रों को चिन्हित करें, जिनमें बदलाव की आवश्यकता है, ताकि लड़कियों की विभिन्न आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें सुलभ बनाया जा सके, उदाहरण के लिए, विकलांग लड़कियां, हाशिये के जाति और वर्ग से आने वाली लड़कियां, जो स्कूल से बाहर हैं, आदि।
   - उन हितधारकों/लोगों को चिह्नित करें जिनसे आप जानकारी और सेवाएं प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते हैं, जैसे, शिक्षक, पुलिस, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, विधायक, या पंचायत नेता, आदि।
   - उन क्षेत्रों/स्थानों को चिन्हित करें जहाँ आपको सुधार का अवसर दिखाई देता है (जैसे, उन सेवाओं/सुविधाओं तक लड़कियों की पहुँच जो उनके लिए ज़रूर हैं)

एंड लाइन

4. निम्नलिखित बिंदु लड़कियों को बदलावों का आंकलन करने में मदद कर सकते हैं:
   - संसाधनों/स्थानों के बारे में ज्ञान में बदलाव –
     - लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद से आप किन संसाधनों या स्थानों से परिचित हुए हैं?
     - विभिन्न समुदायों, जातियों, वर्गों, वैवाहिक स्थिति वाली लड़कियों के लिए आप अपने समुदाय के स्थानों और सेवाओं में क्या सुधार देखते हैं?

       [उदाहरण के लिए - रोशनी, शौचालय, पानी के नल, स्कूलों में शौचालय, पूजा स्थल, स्कूलों में मुफ्त सैनिटरी नैपकिन की सुविधा, किशोरों के अनुकूल स्वास्थ्य/वित्तीय/सामाजिक सेवाएं, किशोरियों के लिए खेल के मैदान, और अन्य हाशिए के समुदायों के लोगों और लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति, आदि]
5. पहुंच और गतिशीलता में बदलाव –
   - आप कहाँ/कौन सी जगहों पर जाने में अब सुरक्षित या आरामदायक महसूस करने लगे हैं?
   - वे कौन से नए स्थान हैं, जहाँ अब आपने जाना शुरू किया है?
   - आप कहाँ जाने में सहज महसूस करते हैं, और आप वहाँ कैसे पहुँचते हैं, उदाहरण के लिए, किस समय, अकेले या किसी के साथ, आदि
6. वे लोग जिनके पास वे जा सकती हैं या उनसे संपर्क कर सकती हैं -
   - वे कौन लोग/हितधारक हैं जिनसे आप जानकारी या सेवाएं प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकती हैं?

सहजकर्ता के लिए निर्देश:

1. उन्हें इस गतिविधि के बारे में बताएं। जो उनके लिए प्रासंगिक है (या होना चाहिए) उसमे उन्हें शामिल करें, और लड़कियों को दिखाएं कि इन संसाधनों तक कैसे पहुंचे।
   [यदि आवश्यक हो तो सामाजिक संसाधनों को शामिल करने के लिए कुछ संकेत दें, उदाहरण के लिए, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, स्कूल, खेल के मैदान, अस्पताल, कार्यस्थल/कार्यालय, पानी के नल, शौचालय,बाजार, बस स्टैंड, मूवी हॉल, पुस्तकालय, सड़कें/गलियां, दुकानें, आदि]

2. उन्हें सामुदायिक मैप बनाने के लिए बड़ा चार्ट पेपर या चार कागज जोड़ के दें, साथ में स्टिकर, पोस्ट-इट, रंगीन मार्कर और पेन भी दें।

3. उन्हें स्थानों या चीजों को दर्शाने के लिए शब्दों और प्रतीकों का उपयोग करने के लिए कहें, जैसे कि पुस्तकालय, स्कूल आदि दिखाने के लिए प्रतीक के रूप में किताबें।

4. इस अभ्यास को करने के लिए उन्हें पर्याप्त समय दें; जल्दबाज़ी न करें।

5. जब वे नक्शा बना रहे हों, उनकी बातचीत सुनें और अपने नोट्स बनाएं। बीच में बोलने से बचें, उन्हें अपनी गतिविधि करने दें।

6. **बेसलाइन:** बेसलाइन के दौरान बनाए गए मैप्स को सहेज कर रखना चाहिए (एक फोटो या चार्ट के रूप में) और जब वे एंडलाइन के दौरान इन मैप्स को दोबारा बनाते हैं तो उन्हें वे दिए जाने चाहिए।

7. **एंडलाइन:** अपने मैप के पूरा होने के बाद, उन्हें सामाजिक संसाधन के मैप और सपनों के समुदाय समुदाय के मैप की एक तस्वीर दी जानी चाहिए, जिसे उन्होंने बेसलाइन (प्रशिक्षण सेशन) के दौरान बनाया था।

8. उनसे बेसलाइन और एंडलाइन के दौरान बनाए गए नक्शों की तुलना करने और उनके द्वारा देखे गए अंतरों पर चर्चा करने को कहें। उनसे उन बदलावों पर विचार करने के लिए कहें जो वे देख पा रहे हैं। उन्हें यह विचार करने को कहें कि ये बदलाव महत्वपूर्ण क्यों हैं। और उन बदलावों को लाने में वे (व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से) क्या भूमिका निभाते हैं?

9. चार्ट की स्पष्ट फ़ोटो लें ताकि उन्हें संभाल कर रखा और साझा किया जा सके।

10. इन नक्शों को समुदाय के सामने पेश करें और महत्वपूर्ण सामुदायिक संसाधनों और स्थानों की लड़कियों के लिए अनुकूलता के बारे में चर्चा को प्रोत्साहित करें, ऐसे संसाधन और स्थान जो कम उपयोग किए जाते हैं और लड़कियों के काम नहीं आते।

इसे कैसे मापें:

1. मेंटर्स को लड़कियों की प्रस्तुतियों और विचार-विमर्श का एक दस्तावेज बनाना चाहिए ।
2. लड़कियों द्वारा सामाजिक मैप का विश्लेषण करने के बाद, मेंटर्स को नीचे दी गई टेबल को पूरा करना चाहिए, जिसे समेकित कर रिपोर्ट में बदलने के लिए लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्था को भेजा जाएगा। (इस रिकॉर्डिंग शीट को प्रिंट करने के लिए भाग 5 के उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' देखें)
3. मेंटर्स, लड़कियों द्वारा विकसित किए गए सामाजिक नक़्शे का उपयोग करते हुए बेसलाइन और एंडलाइन पर इस टेबल को भरें

स्थान/संसाधन/सेवाएं	पहुंच और गतिशीलता	सामाजिक पूंजी / हितधारक
1. वे कौन से संसाधन/जगहे और सेवाएं हैं जो लड़कियों को पता हैं? 2. अपने समुदाय में वंचित लड़कियों और महिलाओं के लिए वे संसाधनों और सेवाओं में क्या सुधार देखते हैं?(इसे केवल एंडलाइन पर भरें)	1. उनके समुदाय में ऐसी कौन सी जगह है जहां लड़कियां जाने में आत्मविश्वास और खुशी महसूस करती हैं? 2. वह क्या है जिसने इन जगहों पर लड़कियों के आने-जाने को संभव बनाया ? 3. कौन सी जगह लड़कियों के लिए असुरक्षित हैं और क्यों? 4. छात्राओं ने उनके समुदाय के संसाधनों तक उनकी पहुंच में सुधार के लिए क्या सुझाव दिए ?	1. वे लोग/हितधारक कौन हैं, जिनसे लड़कियां जानकारी या सेवाएं प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकती हैं?

4. उपरोक्त टेबल से प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए विषयगत ग्रेडिंग गाइड (संलग्नक संख्या 5.2) का उपयोग करें
5. बदलाव का आंकलन करने के लिए बेसलाइन और एंडलाइन के विश्लेषण की तुलना करें।
6. बार ग्राफ़, शब्द बादल (वर्ड क्लाउड), उद्धरण या कोई अन्य विधि जिसे आप सीखों को प्रस्तुत करने के लिए उपयोग करना चाहते हैं, जैसे तरीकों के मिश्रण का उपयोग करके देखे गए बदलाव को प्रस्तुत करें।

रिकॉर्डिंग शीट को भाग 5 के उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' से प्रिंटआउट लेने के लिए डाउनलोड किया जा सकता है।

टूल 3 – लक्ष्य-निर्धारण टूल – एक सपने को सच करना

ज्ञान निर्माण टूल

लक्ष्य

एक अल्पकालीन लक्ष्य वह है जो आप निकट भविष्य में पाना चाहते हैं। निकट भविष्य का मतलब आज, इस हफ्ते, इस महीने या इस साल कुछ भी हो सकता है। एक अल्पकालीन लक्ष्य वह है जिसे आप जल्द पूरा करना चाहते हैं।

एक दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त करने में लंबा समय लगता है। यह कुछ ऐसा है जो आप आगे जा कर भविष्य में करना चाहते हैं। दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए समय और योजना की आवश्यकता होती है। ये कोई ऐसी चीज़ नहीं हैं जो आप इस सप्ताह या इस वर्ष भी कर सकते हैं। दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में आमतौर पर बारह महीने या उससे अधिक समय लगता है।

लक्ष्य निर्धारण का महत्व

लक्ष्य निर्धारण (लघु और दीर्घकालिक लक्ष्य):

- ये हमारे व्यक्तिगत विकास का एक प्रमुख हिस्सा है।
- हमें फोकस और प्रेरणा प्रदान करता हैं।
- हमें बताता है कि क्या हम वास्तव में सफल हो रहे हैं।
- हमें अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने में मदद करता है।
- लक्ष्य निर्धारित करना और प्राप्त करना हमें स्वामित्व और गर्व की भावना देता है।
- लक्ष्य निर्धारित करने की आपकी क्षमता, भविष्य के लिए योजना बनाने की आपकी क्षमता से जुड़ी हुई है।

लक्ष्य-निर्धारण के चरण

1. लक्ष्य निर्धारित करें।
2. लक्ष्य पाने की तारीख निर्धारित करें।
3. इस बारे में सोचें कि वे कौन सी चीजें हैं जो आपको अपना लक्ष्य हासिल करने से रोक सकती हैं।
4. संभावित समस्याओं को दूर करने के लिए समाधान सोचें।
5. उन संसाधनों, लोगों और जगहों सहित, जिनके पास आप मदद या अधिक जानकारी के लिए जाने वाले हैं, अपने लक्ष्य के पास पहुंचने के लिए उठाए जाने वाले अगले कदमों को लिखें।

दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अतिरिक्त तरक़ीबें

- अंतिम चरण से शुरू कर के पीछे की तरफ बढ़ते हुआ योजना बनायें। इस बारे में सोचें कि आप अंत में क्या हासिल करना चाहते हैं, फिर उस कदम तक की योजना बनाएं जो आप अभी इस समय कर सकते हैं।
- अब से 10 साल बाद आप जीवन में कहां पहुंचना चाहते हैं, इसकी एक तस्वीर बनाएं।
- इस बारे में सोचें कि, आपको अपने दीर्घकालिक लक्ष्य तक पहुंचने के लिए 5 साल, 1 साल और 6 महीने में क्या करने की जरूरत है।
- अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको हर महीने क्या करना है, यह लिखें।
- हर एक (मासिक/मील का पत्थर) लक्ष्य पूरा होने के बाद, अपने दीर्घकालिक लक्ष्य की समीक्षा करें और आवश्यक बदलाव करें।

लक्ष्य निर्धारण अभ्यास

एक लक्ष्य के बारे में सोचें: कोई ऐसा लक्ष्य जिसे आपने अपने भविष्य में पाने का सपना देखा है।

- यह किसी भी प्रकार का लक्ष्य और आपके जीवन के किसी भी पहलू से हो सकता है: कलात्मक, दृष्टिकोण संबंधी, शिक्षा से सम्बंधित, आनंद के लिए, सामाजिक, शारीरिक, कैरियर या परिवार संबंधी, और/या वित्तीय।
- यह एक अल्पकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य हो सकता है।

लक्ष्य लिखें: लक्ष्य बहुत सटीक हो।

लक्ष्य की तारीख निर्धारित करें: आप इस लक्ष्य को कब पूरा करना चाहते हैं?

कठिनाइयाँ और बाधाएँ: आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने से क्या रोक सकता है?

1. _____
2. _____
3. _____

समाधान: आप इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए क्या कर सकते हैं?

1. _____
2. _____
3. _____

अगले कदम: अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपको किन कदमों को उठाने की आवश्यकता है? आप किससे संपर्क करेंगे, और आपको कौन सी अन्य जानकारी की आवश्यकता है? हर एक के लिए विशिष्ट तारीखें निर्धारित करें।

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____

टूल 4 - द गर्ल-पाथ

ज्ञान निर्माण टूल

विवरण

एम्पावर और विश्व के पांच क्षेत्रों में हमारी साथी संस्थाओं ने विभिन्न उद्देश्यों के लिए गर्ल-पाथ टूल बनाया है। गर्ल-पाथ का लक्ष्य उन बाधाओं की पहचान करना है, जो लड़कियों को कार्यक्रमों में पूरी तरह से भाग लेने से रोकती हैं, और फिर समस्या-समाधान करना है, जिससे इन बाधाओं को हटाया या कम किया जा सकता है।

गर्ल-पाथ क्या है? [25]

गर्ल पाथ टूल का लक्ष्य उन बाधाओं की पहचान करना है, जो लड़कियों को कार्यक्रमों में पूरी तरह से भाग लेने से रोकती हैं और फिर समाधान निकालना है जिससे इन बाधाओं को दूर किया जा सकता है (हटाया या कम किया जा सकता है)। गर्ल पाथ चार अलग-अलग जगहों को दिखाता है, जहां लड़कियों को कार्यक्रमों में पूरी तरह से शामिल होने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

उनके अपने मन में: आत्म-संदेह, भय, या धारणाएँ जो उन्हें भाग लेने से रोक सकती हैं। उनके मन में वे कौनसी आवाजें/विचार हैं जो उन्हें रोक सकती हैं?

उनके घर में: भाग लेने के लिए उन्हें किसकी सहमति की आवश्यकता है? उनके ऊपर कौन सी जिम्मेदारियां या काम हैं, जो उन्हें करना है, जिससे वे भाग ले पायें? क्या उनके माता-पिता, भाइयों या परिवार के अन्य सदस्यों को शामिल होने की ज़रूरत है, ताकि वह पहली बार उपस्थित हो सकें और बाद में आना जारी रखे?

उनके समुदाय में: वह कार्यक्रम स्थल पर कैसे पहुँचती है? वह अपने रास्ते में किससे मिल सकती है/किसका सामना कर सकती हैं (क्या वे सुरक्षित हैं)? उनके समुदाय के सदस्य उनकी भागीदारी पर क्या प्रतिक्रिया दे सकते हैं (कौन विरोध कर सकता है, कौन उसका समर्थन कर सकता है)?

कार्यक्रम में: कौन सा समय और स्थान उन्हें भाग लेने में सक्षम बनाता है? क्या वहां उनका स्वागत होता है? क्या पाठ्यक्रम उन्हें ध्यान में रखकर बनाया गया है? क्या वह समय और प्रयास का निवेश करके कुछ मूल्यवान पा रही हैं? क्या प्रशिक्षक और कार्यकर्ता समावेशी और सहायक हैं?

*** कार्यक्रम के बाद:** मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक, पाँचवाँ स्थान: उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, उसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए कार्यक्रम छोड़ने के बाद उन्हें किस सहायता की आवश्यकता है? उदाहरण के लिए, संपर्क में रहना, प्रगति की मोनिटरिंग करने और जरूरत पड़ने पर सहयोग करने की रणनीतियों के बारे में सोचा जा सकता है।

25 https://empowerweb.org/assets/uploads/tools-resources/422/the_girl_path_2019_english.pdf

यह टूल नए कार्यक्रम के लिए कैसे उपयोगी होगा?

1. यह कार्यक्रम की शुरुआत से लड़कियों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा।
2. प्रासंगिक कार्यक्रम रणनीतियों को डिजाइन करने में संस्थाओं की सहायता करने के लिए यह टूल उन चुनौतियों और मुद्दों की पहचान करने में मदद करेगा, जो लड़कियां अपने समुदायों में अनुभव करती हैं।
3. यह टूल इस धारणा को दूर करने में कि, "लड़कियां भाग नहीं लेती हैं, क्योंकि उनकी रुचि नहीं है", और उनकी भागीदारी बढ़ाने में सहायता करेगा।

इस टूल का उपयोग कैसे करें?

इस टूल का उपयोग करने के विभिन्न तरीके हैं। सामान्य तरीका है:

1. इस दस्तावेज़ में दिए गए चित्रों का उपयोग करें या गर्ल-पाथ की मैपिंग की अतिरिक्त प्रतियां प्रिंट करें, (चार स्थानों में से हर एक के लिए - उसके दिमाग में, उसके घर में, समुदाय में, कार्यक्रम में) - और उन्हें एक दीवार पर चिपका दें, हर एक मैप के चारों ओर जगह छोड़ दें।
2. स्टिकी नोट्स या कागज के टुकड़ों का उपयोग करते हुए, आपके समुदाय या कार्यक्रम की लड़कियों को चार स्थानों में से हर एक में जिन बाधाओं का सामना करना पड़ता है, या जिनका सामना करना पड़ सकता है, उन्हें पहचानें और लिखें।
3. चार स्थानों में से हर एक में सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों का व्यावहारिक समाधान निर्धारित करें। ये ऐसी चीजें हो सकती हैं जिन्हें आपके कार्यक्रम ने आज़माया है, और इनमें सुधार किया जा सकता है या इन्हें अधिक बार किया जा सकता है। गर्ल-पाथ में भाग लेने के दौरान, अपनाने लायक नए तरीके सामने आ सकते हैं।

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:

मेंटर/ सहजकर्ता प्रतिभागियों (लड़कियों और युवाओं) के साथ इस टूल का संचालन करेंगे।

कैसे?

1. गतिविधि में भाग लेने के लिए लड़कियों की सहमति प्राप्त करें।
2. आप इस टूल का उपयोग ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों स्थिति में कर सकते हैं। हालाँकि, दोनों स्थितियों के लिए अलग-अलग तैयारी की आवश्यकता होगी।
3. प्रतिभागियों को गतिविधि और उसके लक्ष्यों के बारे में बताएं और उन्हें सूचित करें कि वे अपने समुदायों में बाधाओं की पहचान करेंगे।
4. उन्हें पिछली लक्ष्य-निर्धारण गतिविधि की याद दिलाएं; इससे प्रतिभागियों को उनके लक्ष्य(यों) के बारे में सोचने में मदद मिलेगी।

समय:

1. 1 घंटा - बाधाओं/चुनौतियों पर चर्चा के लिए
2. 1 घंटा - समाधान पर चर्चा के लिए
3. 45 मिनट - प्राथमिकताओं पर चर्चा के लिए

सहजकर्ता के लिये:

1. गर्ल-पाथ टूल (www.empowerweb.org से डाउनलोड किया जा सकता है) में दिए गए चित्रों का प्रयोग करें, चार स्थानों में से हर एक के लिए – उनके मन में, उनके घर में, समुदाय में, कार्यक्रम में - और हर एक मैप के चारों ओर जगह छोड़ते हुए उन्हें एक दीवार पर चिपका दें। आप इन चित्रों को चार चार्ट पेपर पर भी चिपका सकते हैं।

2. एक-एक करके उनके साथ हर एक चित्र के पास जाएँ और उनसे चर्चा करने और दीवार या चार्ट पेपर पर लिखने/चित्र बनाने के लिए कहें। यदि वे लिखने में सहज नहीं हैं, तो किसी मेंटर या पीयर मेंटर को उनकी सहायता करनी चाहिए।

3. इसे हर चित्र के लिए दोहराएं और चर्चा और लिखने के लिए पर्याप्त समय दें।

4. चर्चा में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें।

5. बाधाओं/मुद्दों या चुनौतियों की पहचान करने के बाद, उनसे चार स्थानों में से हर एक के लिए समाधान के लिए सुझाव लें:
   - आपके अनुसार किशोरियों/युवाओं के लिए कार्यक्रम को क्या समाधान लागू करना चाहिए?
   - इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए संस्था को किन लोगों/हितधारकों के साथ काम करना चाहिए?

6. जब प्रतिभागी बाधाओं और संभावित समाधानों के बारे में बता रहे हों तो मेंटर/सहजकर्ता को ध्यान दें।

7. गतिविधि के बाद, मेंटर को नीचे दी गई रिकॉर्डिंग शीट को भरे। इस टेबल को भरने के लिए चार्ट पेपर और मेंटर के नोट्स को भी देखें:

टूल 4 – गर्ल-पाथ रिकॉर्डिंग शीट

प्रतिभागियों की संख्या: _____

प्रतिभागियों की उम्र: _____

गांव/क्षेत्र: _____

संस्था: _____

बाधाओं/मुद्दों/चुनौतियों और समाधानों का संदर्भ लें और नीचे दी गई टेबल भरें:

जगहें	बाधाएं/चुनौतियां	समाधान
उनके मन में		
उनके घर में		
उनके समुदाय में		
कार्यक्रम में		

प्राथमिकता की गतिविधि :

1. लड़कियों द्वारा साझा की गई समस्याओं और समाधानों की पूरी सूची प्रदर्शित करें।
2. उनसे अनुरोध करें कि वे चार क्षेत्रों में से हर एक में तीन से पांच सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों/चुनौतियों को प्राथमिकता दें, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।
3. आप लड़कियों को उनके सबसे महत्वपूर्ण तीन से पांच मुद्दों/बाधाओं को चिह्नित करने के लिए रंगीन डॉट्स या पेन दे सकते हैं।

टूल 5 - सामाजिक नेटवर्क मैपिंग

ज्ञान निर्माण टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा विकसित किया गया है। सामाजिक नेटवर्क मैपिंग, समुदाय में उन प्रमुख व्यक्तियों की पहचान करने के लिए एक टूल है, जिन पर एक प्रतिभागी भरोसा करते हैं और जिनसे सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। यह उन लोगों की पहचान करने में भी मदद करता है, जो उनकी नेतृत्व यात्रा में के लिए बाधाएँ पैदा कर सकते हैं। यह गतिविधि लड़कियों के सामाजिक नेटवर्क के बारे में गहरी समझ बनाती है।

उद्देश्य:

इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतिभागियों के सामाजिक नेटवर्क को समझना और उनके समर्थन के साथ-साथ संभावित बाधाओं का विश्लेषण करना है।

निर्धारित समय - सीमा:

गर्ल सेशन 9 - सोशल नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम को समझना, के दौरान।

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:

मेंटर्स इस टूल को लड़कियों के साथ संचालित करेंगे ।

सामग्री की आवश्यकता:

सामाजिक नेटवर्क मैपिंग फॉर्म की प्रतियां, पेन, और अलग-अलग रंग के मार्कर।

इसका उपयोग कैसे करें:

1. सहजकर्ता हर एक प्रतिभागी को यह लिखने के लिए कहें कि, वे किसके करीब महसूस करते हैं, वे किस पर भरोसा/ विश्वास करते हैं, जो उनकी सबसे अधिक मदद करते हैं।
2. सोशल नेटवर्क मैपिंग के चित्र वाली शीट बाँटें ।
3. प्रतिभागियों को केंद्र में एक आकृति बनाने के लिए कहें जो उनका खुद का प्रतिनिधित्व करती है, और आगे के वृत्तों में, उन्हें उन लोगों के नाम (नाम यदि वे चाहते हैं और सहज महसूस करते हैं) लिखने के लिए कहें, जिनसे वे सोचते हैं कि वे करीब महसूस करते हैं, या जिन पर वे भरोसा करते हैं, प्यार करते हैं, और जिनके पास वे मदद के लिए जाते हैं।
4. प्रतिभागी इन व्यक्तियों को सबसे महत्वपूर्ण से कम महत्वपूर्ण के पैमाने पर रैंक करेंगे, जैसे-जैसे वे केंद्र से दूर जायेंगे वो व्यक्ति की उनसे दूर को दिखायेगा।
5. उन्हें अपनी शीट देखने और इस पर विचार करने के लिए कहें:
    - आप अपने सामाजिक नेटवर्क को देखकर कैसा महसूस करते हैं?
    - उन्होंने कुछ लोगों को अपने करीब क्यों रखा है?
    - कुछ लोग दूर क्यों हैं?

सहजकर्ता के लिये निर्देश:

1. शीट्स की प्रतियां बनाएं।
2. गतिविधि के बारे में लड़कियों को सूचित करें।
3. उन्हें उनके नाम, उम्र, संस्था और तारीख जैसी जानकारी के साथ चार्ट/शीट भरने का निर्देश दें।
4. गतिविधि के बाद, सभी शीट/चार्ट एकत्र करें।
5. चार्ट की फोटो लें ताकि उन्हें सहेजना और वितरित करना आसान हो। डाउनलोड करें और उन्हें सुरक्षित और निजी रखें।

सुरक्षा उपाय:

1. एकत्रित की गई सभी शीटों को गोपनीय और सुरक्षित रखें।
2. डिजिटल प्रतियां बनाते समय, उन्हें अपने डिवाइस से हटाना सुनिश्चित करें (यदि फ़ोटो लेने के लिए व्यक्तिगत डिवाइस का उपयोग कर रहे हैं) और उन्हें एक सुरक्षित और गोपनीय फ़ोल्डर में रखें।
3. यह जानने के लिए प्रतिभागियों के साथ बात करें कि क्या वे मेंटर्स के साथ कोई बात करना चाहते हैं। यह संभव है कि इस तरह के नेटवर्क मैपिंग से उन्हें कुछ अप्रिय अनुभवों की याद आ जाय। ऐसे मामलों में, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके पास बात करने के लिए कोई हो।

नाम: _____

आयु: _____

परिवार के सदस्य: _____

संस्था: _____

गांव/शहर: _____

चित्र 7:

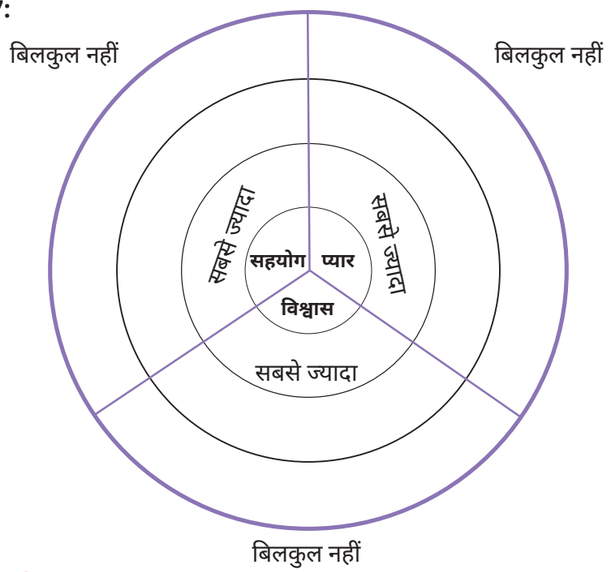

सहजकर्ता के लिए नोट:

1. यह टूल एक किशोरी को यह सोचने में मदद करता है कि वह अपने और अपने एक्शन प्रोजेक्ट के लिए अपने नेटवर्क का उपयोग कैसे कर सकती है।
2. यह मैपिंग एक प्रतिभागी की सामाजिक पूंजी की कल्पना करने में सहायता करता है।
3. प्रतिभागी अपनी प्रोजेक्ट की गतिविधियों की योजना बनाने के लिए एक समूह के रूप में भी इस टूल का उपयोग कर सकते हैं। यह समूह को उन गतिविधियों की पहचान करने में सहायता करेगा जो उनकी मदद कर सकते हैं, और गतिविधियों को पूरा करने के दौरान संभावित बाधाओं/चुनौतियों का पता लगा सकते हैं।

टूल 6 - गर्ल लेड एक्शन[26] प्रोजेक्ट के प्लानिंग और बजट शीट - बेसलाइन

प्लानिंग और मूल्यांकन टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा विकसित किया गया है। प्लानिंग और बजट शीट में लड़कियों और मेंटर्स के लिए गतिविधि की योजना लिखने, टाइम लाइन बनाने, आयोजनों के लिए बजट बनाने और प्रोजेक्ट लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए विभिन्न भाग शामिल हैं। यह लड़कियों को अपने प्रोजेक्ट का प्लान बनाने में मदद करता है। यह फॉर्म गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट की मोनिटरिंग और मूल्यांकन के लिए बेसलाइन के रूप में भी काम करता है। इसे संपादकीय टीम और एलुमनाई गर्ल लीडर्स के फीडबैक के आधार पर अपडेट किया गया है।

उद्देश्य: इस अभ्यास का उद्देश्य प्रतिभागियों के लिए एक गतिविधि योजना, बजट, टाइमलाइन, लक्ष्य और उनकी प्रोजेक्ट के लिए आउटपुट बनाकर प्रोजेक्ट प्लानिंग का अनुभव प्राप्त करना है।

निर्धारित टाइम लाइन: बेसलाइन –
चौथे से पांचवा महीना

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
मेंटर्स/सहजकर्ता इस टूल को लड़कियों के समूह के साथ संचालित करेंगे

सामग्री की आवश्यकता:
पेन और फॉर्म की प्रतियां

26 गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट्स - अपने समुदायों में बदलाव को प्रभावित करने के लिए गर्ल लीडर्स द्वारा इनकी संकल्पना और नेतृत्व किया जाता है।

इसका उपयोग कैसे करें:

1. एक संस्था की लड़कियां और मेंटर्स एक ग्रुप बनाएंगे।
2. हर एक समूह को एक फॉर्म दिया जाएगा।
3. इस फॉर्म के तीन हिस्से हैं: एक बेसलाइन पर भरा जाना है, दूसरा हर एक काम को पूरा करने के बाद, और तीसरा एंडलाइन पर।

सहजकर्ता के लिये:

1. सुनिश्चित करें कि हर एक संस्था के मेंटर और लड़कियां मिलकर काम करें।
2. उन्हें उनके नाम, संस्था, तारीख और उम्र के साथ फॉर्म भरने की याद दिलाएं।
3. सभी भागों को भरने के बाद सभी फॉर्म्स को एकत्र करें और सुनिश्चित करें उन्हें उनके प्लान और बजट की एक कॉपी दी जाय, ताकि वे इसे अपनाने एक्शन प्रोजेक्ट की निगरानी के लिए उपयोग कर सकें और कार्यान्वयन चरण के अंत में इसकी मदद ले सकें।

प्रोजेक्ट की योजना बनाना

गर्ल लीडर्स के नाम: _____

मेंटर का नाम: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

सहजकर्ता के लिए निर्देश:

- उन्हें उन मुद्दों पर विचार करने को कहें, जिनका वे अपने समुदाय में सामना करते हैं। उन्हें इस प्रोजेक्ट के माध्यमों से अपने समुदायों में किस प्रकार के बदलाव लाने की उम्मीद है, इसके बारे में बताना है।
- प्रतिभागियों को अपने प्रोजेक्ट की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय (60-90 मिनट) दें।
- प्लानिंग शीट पर हर एक बिंदु को समझाएं और उन्हें विचार करने और उसे विस्तृत करने के लिए कहें।
- उनकी योजना विकसित करने में उनकी सहायता करें (आवश्यकतानुसार)।
- प्रतिभागियों से अनुरोध करें कि, छह महीने की कार्यान्वयन अवधि को ध्यान में रखते हुए तीन या उससे कम प्रोजेक्ट गतिविधियों की योजना बनाएं।
- यदि आवश्यक हो, तो उनकी योजना को और विस्तार से लिखने के लिए अतिरिक्त कागज उपलब्ध कराएं।

थीम: आपके प्रोजेक्ट की थीम/मुद्दा क्या है?

समस्या: आप अपने एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से कौन से मुद्दे या समस्याएँ हल करने की कोशिश कर रहे हैं? अपने समुदाय से प्रासंगिक डेटा/उदाहरणों का उपयोग करके समस्या को समझाएं।

बेसलाइन: प्रोजेक्ट योजना, गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट की बेसलाइन के रूप में काम करेगी। लड़कियों अनुरोध करें कि हर एक भाग पर चर्चा करें और उन्हें भरें। उन्हें इस प्रक्रिया का महत्व समझाएं और रैलियों, नुक्कड़ नाटकों, सामुदायिक मैपिंग आदि जैसी गतिविधियों के उदाहरण दें। उन्हें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करें कि ये प्रोजेक्ट गतिविधियाँ उन बदलावों से कैसे संबंधित हैं जो वे अपने समुदायों में देखना चाहती हैं।

आपका वांछित परिणाम या लक्ष्य: आप अपने समुदाय में क्या बदलाव देखना चाहेंगी? लड़कियों के अधिकारों और उनके जीवन में यह बदलाव क्यों महत्वपूर्ण है?

1. **भौगोलिक क्षेत्र:** आपका प्रोजेक्ट किस क्षेत्र में या किन लोगों के साथ है ? (xx बस्ती, गांव, शहर, सोशल मीडिया नेटवर्क, स्कूल, कॉलेज आदि)?

सफलता कैसी दिखती है? (बदलाव के प्रमुख संकेतक): आप कैसे जानेंगे कि आपके प्रोजेक्ट के कारण बदलाव हो रहा है? अपने प्रोजेक्ट के लिए प्रमुख संकेतक बनाएं जो बदलाव या सफलता को मापने में मदद करेंगे।

महत्वपूर्ण संकेतक:

2. **प्रोजेक्ट की गतिविधियों:** आप किन प्रोजेक्ट गतिविधियों की योजना बना रहे हैं

सहजकर्ता/मेंटर के लिए नोट:

- छह महीने की कार्यान्वयन अवधि को ध्यान में रखते हुए प्रोजेक्ट गतिविधियों की योजना बनाएं।
- यदि दो से अधिक प्रोजेक्ट गतिविधियाँ हैं, तो इसके लिए एक विस्तृत योजना बनाएँ (तीसरी गतिविधि के लिए दी गई जगह वैकल्पिक है)
- आवश्यकतानुसार अतिरिक्त फॉर्म दें, और उन्हें प्लानिंग फॉर्म/शीट में शामिल करें।

प्रोजेक्ट गतिविधि/हस्तक्षेप 1[27]- विस्तृत योजना	प्रोजेक्ट गतिविधि 2 - विस्तृत योजना	प्रोजेक्ट गतिविधि 3 - विस्तृत योजना (वैकल्पिक)
1. गतिविधि की योजना क्या है? प्रमुख चरणों के बारे में बताएं। 2. आपको किन चीजों को खरीदने/ भुगतान करने की आवश्यकता होगी, उदाहरण के लिए, लड़कियों के लिए प्रशिक्षण, जगह का रेंट, स्टेशनरी, संसाधन सामग्री, आदि? (बाद में बजट शीट में इसका अनुमान लगाया जाएगा) 3.प्रमुख निर्णयकर्ता कौन हैं (माता-पिता, शिक्षक, सरकारी अधिकारी, पंचायत, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पुलिस, गैर-लाभकारी संस्था, आदि) जिनसे आपको लगता है कि आप संपर्क कर सकते हैं? 4. इसमें क्या जोखिम या चुनौतियां हो सकती हैं? 5. आप उनका समाधान कैसे करेंगे?		

27 प्रोजेक्ट गतिविधि/हस्तक्षेप - बड़ी कार्रवाई परियोजनाओं का एक हिस्सा हैं और परियोजना के लक्ष्य/उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद करते हैं।

बजट की आवश्यकता

1. प्रतिभागियों को बजट फॉर्म समझाएं और उन्हें उस बजट सेशन की याद दिलाएं जिससे वे पहले भाग में कर चुके हैं।
2. प्रतिभागियों को उनके द्वारा निर्धारित गतिविधियों के लिए बजट बनाने के लिए 45 से 60 मिनट का समय दें।
3. बजट टेम्प्लेट भरने से पहले, वे चर्चा करके एक कच्चा बजट बना सकते हैं।
4. योजना शीट पर हर एक बिंदु के और विस्तार से समझाएं और उनसे अनुरोध करें कि वे इस पर विचार-विमर्श करें। बजट योजना विकसित करने में सहायता करें (आवश्यकतानुसार)।

चूंकि प्रतिभागी पहली बार बजट बना रहे हैं, इसलिए उन्हें समझने और उस पर काम करने के लिए पर्याप्त समय दें। उन्हें बजट पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो सकती है। कार्यशाला के दौरान, भारत में गर्ल लीडर्स ने फॉर्मेट की व्याख्या की और बजट बनाने के तरीके पर अपने सुझाव दिए, और उन्होंने इसे एक सप्ताह के बाद अंतिम रूप दिया।

प्रोजेक्ट गतिविधि -1	प्रोजेक्ट गतिविधि – 2	प्रोजेक्ट गतिविधि - 3
6. प्रोजेक्ट गतिविधि में आपकी कितनी लागत आएगी? उन सभी चीजों के बारे में सोचें जिन्हें आपको खरीदने या जिनके लिए भुगतान करने की आवश्यकता होगी, और फिर हर एक गतिविधि को उसकी लागत के साथ सूचीबद्ध करें। **उदाहरण: प्रोजेक्ट गतिविधि -1** 1. गतिविधि का नाम – सर्वेक्षण/ survey 2. सर्वे की 250 प्रतियां = 2 x 250 =500/- 3. 15 प्रतिभागियों के लिए दोपहर का भोजन = 50 x 15 =750 4. 20 पेन =150/- सर्वे के बारे में 20 पोस्टर =1500/-		

प्रोजेक्ट गतिविधि -1	प्रोजेक्ट गतिविधि 2	प्रोजेक्ट गतिविधि 3
7. हर एक गतिविधि के लिए कुल लागत **500+750+150+1500** **= 2900/-**		
कुल बजट राशि जिसका अनुरोध किया गया (हर एक गतिविधि के लिए सभी लागतों को जोड़ें)	**गतिविधि 1 = 2900/-** **गतिविधि 2= 5000/-** **कुल =7900/-**	

गर्ल लीडर्स के हस्ताक्षर: _____

मेंटर्स के हस्ताक्षर: _____

कार्यकारी निदेशक के हस्ताक्षर: _____

तारीख: _____

मेंटर्स/सहजकर्ता के लिए नोट:

मेंटर्स को हर एक प्रोजेक्ट गतिविधि के पूरा होने के बाद गर्ल लीडर्स के साथ एक प्रोजेक्ट गतिविधि की समीक्षा मीटिंग करवानी चाहिए, यह विचार-विमर्श करने के लिए कि गतिवधि कैसी हुई, योजना पर फिर से विचार करने और कोई आवश्यक सुधार/बदलाव करने के लिए। अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्मेट की सहायता लें।

टूल 7 - प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्मेट

निगरानी (मोनिटरिंग) और मूल्यांकन टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा विकसित किया गया है। इस गतिविधि मूल्यांकन टूल में गर्ल लीडर्स के लिए प्रश्न शामिल हैं, जिनसे वो प्रोजेक्ट की गतिविधियों की प्रगति पर विचार और मूल्यांकन कर सकते हैं। यह लड़कियों को उनकी प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए एक प्रोजेक्ट योजना देता है। इसमें संपादकीय टीम और एलुमनाई गर्ल लीडर्स के सुझावों के आधार पर सुधार किये गए हैं।

उद्देश्य:
इस टूल का उद्देश्य प्रोजेक्ट गतिविधि के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है, जिसमें इसकी उपलब्धियां और चुनौतियां शामिल हैं।

निर्धारित समय - सीमा:
पांचवे से दसवे महीने के बीच, हर एक प्रोजेक्ट गतिविधि/ के बाद

प्रतिभागियों और सहजकर्त्ता:
इस टूल को मेंटर्स/सहजकर्ता संचालित करेंगे, और गर्ल लीडर्स द्वारा सामूहिक रूप से भरा जाएगा।

सामग्री की आवश्यकता:
पेन और फॉर्म की प्रतियां

इस का उपयोग कैसे करें:

1. एक संस्था की गर्ल लीडर्स और मेंटर्स का एक ग्रुप बनाएं।
2. हर ग्रुप को एक फॉर्म दें।

मेंटर/ सहजकर्ता के लिए निर्देश:

1. हर एक प्रोजेक्ट गतिविधि को पूरा करने के बाद गर्ल लीडर्स को इस फॉर्म का उपयोग विचार-विमर्श के लिए करना चाहिए।
2. मूल्यांकन के लिए बेसलाइन (प्रोजेक्ट प्लानिंग और बजट शीट) की एक कॉपी दें।
3. हर एक प्रश्न को समझाएं, और मूल्यांकन प्रक्रिया को आसान बनाएं. उनसे अनुरोध करें कि गर्ल लीडर अपने प्रोजेक्ट के काम का मूल्यांकन करें।
4. इस मूल्यांकन को एंडलाइन के दौरान देखा जाना चाहिए।

प्रोजेक्ट गतिविधि 1

1. क्या आपने इस गतिविधि के अपने सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हैं? आपकी गतिविधि की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

2. आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में किस से सहायता मिली?

3. आप किसके पास गईं?
   - o # किशोरियों की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
   - o # युवाओं की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
   - o # युवाओं की संख्या जिन तक अप्रत्यक्ष रूप से पहुंच बनी
   - o # समुदाय के सदस्यों की संख्या जिन तक पहुंच बनी
   - o कोई और_____

4. भाग लेने वाले लोगों (लड़कियों, माता-पिता, हितधारकों, उपस्थित लोगों) से कुछ उद्धरण/कथन शामिल करें?

5. आपको किन बाधाओं/चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

प्रोजेक्ट गतिविधि 1

6. अगले गतिविधि के दौरान आप क्या अलग तरीके से करेंगे?

7. क्या आप अपनी बजट अपेक्षाओं पर खरे उतरे?
   - o हाँ
   - o नहीं
   - o कुछ हद तक

8. क्या आपको बजट को संभालने में किसी चुनौती का सामना करना पड़ा? अगर हां, तो वे चुनौतियां क्या थीं?

9. क्या आपने गतिविधि की फ़ोटो खींची? यदि हां, तो कृपया गतिविधि की कुछ फ़ोटो शामिल करें। या आप गतिविधि के बारे में खुद को व्यक्त करने के लिए (यदि आप चाहें) तो चित्र बना सकते हैं।

प्रोजेक्ट गतिविधि 2 – मूल्यांकन (इसे ऊपर दिए प्रश्नों का उपयोग करके, प्रोजेक्ट गतिविधि 2 को पूरा करने के बाद भरा जाना चाहिए।)

टूल 8 – गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट का मूल्यांकन - एंड लाइन

मूल्यांकन टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा विकसित किया गया है। गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट मूल्यांकन टूल में गर्ल लीडर्स के लिए विचार-विमर्श और प्रभाव मूल्यांकन के लिए प्रश्न शामिल हैं। संपादकीय टीम के सुझावों और एलुमनाई गर्ल लीडर्स के फीडबैक को देखते हुए इसमें बदलाव किये गये हैं।

उद्देश्य: इस टूल का उद्देश्य गर्ल लीडर्स द्वारा तय किये गए बदलावों का मूल्यांकन करना है, उनके प्रोजेक्ट में क्या सफल हुआ और क्या नहीं, उनकी महत्वपूर्ण सीखें क्या रहीं, आदि पर विचार करना है।

निर्धारित समय - सीमा:
एंड लाइन, ग्यारहवा से बारहवा महीना

प्रतिभागियों और सहजकर्त्ता:
इस टूल को मेंटर्स/सहजकर्ता द्वारा इस्तेमाल में लाया जाएगा और गर्ल लीडर्स द्वारा सामूहिक रूप से भरा जाएगा।

सामग्री की आवश्यकता:
पेन और फॉर्म की प्रतियां

सहजकर्ता के लिए नोट्स:

1. प्रतिभागियों को सभी प्रश्न समझाएं।
2. हर एक गतिविधि के लिए बेसलाइन (प्रोजेक्ट प्लानिंग और बजट शीट) और प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्मेट की एक प्रति प्रदान करें।
3. उन्हें बेसलाइन योजना और प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन प्रारूपों को देखने के साथ-साथ एंडलाइन प्रश्नों पर विचार करने को कहें।
4. इस गतिविधि को पूरा करने के लिए उन्हें 60-90 मिनट दें, और प्रश्नों को समझाने और विचार-विमर्श प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उपलब्ध रहें।

गर्ल लीडर्स के नाम: _____

मेंटर का नाम: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

1. लक्ष्य या प्रभाव जिसे आप देखना चाहते हैं:

1.1. क्या आपने इस एक्शन प्रोजेक्ट के लिए अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त किया? आपने क्या हासिल नहीं किया?

1.2. आपके एक्शन प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

1.3. इस लक्ष्य को हासिल करने में किस से मदद मिली?

2. आपको किस बात ने चौंकाया ? क्या कुछ ऐसा हुआ जिसके बारे में आपने पहले से अनुमान नहीं लगाया था?

3. बाधाएं/चुनौतियां

3.1. आपको किन बाधाओं/चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

3.2. अगली बार आप अलग तरीके से क्या करेंगे?

4. प्रमुख निर्णयकर्ता:

4.1. क्या आप प्रमुख निर्णयकर्ताओं तक पहुंचने और वांछित समर्थन प्राप्त करने में सफल रहे?

4.2. आप किन हितधारकों तक पहुंचे?

4.3. आपको किस तरह का समर्थन मिला?

4.4. आपको उनका समर्थन पाने में कैसे मदद मिली? (उदाहरण के लिए, नेतृत्व/बातचीत/नेटवर्किंग कौशल आदि की वजह से)

5. भौगोलिक क्षेत्र और लोग जिन तक पहुंच बनी: आप अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से किन तक पहुंच सके? (इस भाग को भरने के लिए प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्म्स का उपयोग करें)

5.1. क्षेत्र/बस्ती/गाँव/शहर

5.2. लोग जिन तक आप अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से पहुंचे

- # किशोरियों की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
- # युवाओं की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
- # युवाओं की संख्या जिन तक अप्रत्यक्ष रूप से पहुंच बनी
- # समुदाय के सदस्यों की संख्या जिन तक पहुंच बनी
- कोई और_____

6. बदलाव के प्रमुख संकेतक: अपनी प्रोजेक्ट की सफलता निर्धारित करने के लिए प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन करें?

महत्वपूर्ण संकेतक:

7. क्या आप सभी गतिविधियों के लिए अपनी बजट अपेक्षाओं को पूरा कर पाए हैं?

गर्ल लीडर्स के हस्ताक्षर: **तारीख:**

टूल 9 - बदलाव के पल

लर्निंग और मूल्यांकन टूल

अपने सन्दर्भ में अपनाएं!

आप इस टूल का उपयोग गर्ल लीडर्स से व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिक्रियाएँ शेयर करने और उनकी व्यक्तिगत सीखने की प्रक्रिया को समझने के लिए भी कर सकते हैं।

विवरण

यह टूल लिंडा होल्डन (कहानी कम्युनिकेशंस) द्वारा विकसित किया गया था। मोमेंट ऑफ चेंज एक कथात्मक टूल है जिसमें तीन प्रश्न होते हैं जो एक किशोरी से कार्यक्रम में शामिल होने से पहले और बाद में अपने जीवन का वर्णन करने के लिए कहते हैं। कार्यक्रम में भाग लेने के परिणामस्वरूप हर एक लड़की अपने आप में देखे गए बदलावों पर विचार करती है।

उद्देश्य:

इस गतिविधि का लक्ष्य हर एक प्रतिभागी में आये बदलाव का वर्णनात्मक/ गुणात्मक विवरण प्राप्त करना है।

निर्धारित समय - सीमा:

ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला के दौरान

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:

मेंटर/सहजकर्ता यह टूल लड़कियों के साथ संचालित करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:

लिखने के लिए कार्ड/पेपर, पेन, मार्कर

इसे कैसे करें:

1. एक दीवार पर तीन कॉलम में तीन प्रश्न (नीचे) प्रदर्शित करें। या हर एक प्रतिभागी को फॉर्मेट की एक प्रति दें और उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस पर विचार करने और उसे भरने के लिए कहें।
2. लड़कियों को गतिविधि और प्रश्नों के बारे में बताएं।
3. लिखने के लिए कार्ड/कागज प्रदान करें, और लड़कियों को तीनों प्रश्नों पर विचार करने और तीन अलग-अलग कार्ड/कागजों पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करने का निर्देश दें।
4. उनके जवाबों को दीवार पर लगे हर एक एक कॉलम के नीचे लगाने को कहें।

सहजकर्ता के लिये निर्देश:

1. प्रतिभागियों को सभी प्रश्नों के बारे में बताएं और उन्हें सोचने और अपने उत्तर लिखने के लिए पर्याप्त समय दें।
2. हर एक प्रश्न के उत्तर के लिए 10-15 मिनट का समय दें।
3. गतिविधि के लिए 1-2 घंटे रखें।
4. दीवार की एक स्पष्ट फोटो लें ताकि आप प्रक्रिया को दस्तावेज और साझा कर सकें।

नाम: _____

आयु: _____

परिवार के सदस्य: _____

संस्था: _____

गांव/शहर: _____

मेरा जीवन कैसा था (पहले)?	मेरा जीवन कैसा है (बाद में)?	मैंने अपने खुद के, अपने समुदाय और अपनी दुनिया के बारे में क्या सीखा?
कार्यक्रम में शामिल होने से पहले आपका जीवन कैसा था?	कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आप के जीवन में कैसे और किस तरह से बदल गया है?	आपने अपने बारे में क्या नया जाना जो आप पहले नहीं जानती थीं? आपने दूसरों से क्या सीखा? आपने अपने समुदाय और समाज के बारे में क्या सीखा?
प्रतिभागी को अपने कार्यक्रम में शामिल होने से पहले के जीवन पर विचार करने के लिए कहें। किशोरी को अपने, अपने समुदाय और दुनिया के बारे में अपनी भावनाओं पर विचार करने के लिए समय दें।	प्रतिभागी से उन बातों के बारे में विस्तार से बताने के लिए कहें जिनसे कार्यक्रम में शामिल होने के बाद से उसके जीवन में बदलाव आया है। उसे इस बात पर विचार करने के लिए कहें कि उसने गतिविधियों में भाग लेकर अपने, अपने समुदाय और दुनिया के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला।	प्रतिभागी को लिखने के लिए प्रोत्साहित करें: उसने अपने बारे में क्या खोजा जो वह पहले नहीं जानती थी? उसने दूसरों से क्या सीखा? उसने समुदाय और समाज के बारे में क्या सीखा?

यह कैसे मापें:

1. यह टूल प्रतिभागियों द्वारा महसूस किए गए बदलावों का वर्णनात्मक विवरण प्रदान करता है।
2. उनकी प्रतिक्रियाओं का उपयोग विषयगत विश्लेषण (थीमेटिक ग्रेडिंग) के लिए किया जा सकता है। प्रतिभागियों द्वारा अनुभव किए गए बदलाव को समझने के लिए जो विषय बार-बार आ रहे हैं, उनको देखा जा सकता है।
3. विषयगत विश्लेषण के लिए मार्गदर्शिका (थीमैटिक ग्रेडिंग गाइड) का उपयोग करके फीडबैक का विश्लेषण करें - संलग्नक संख्या 5.2 जिसे भाग 5 के उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए', में देखे।
4. परिणामों को वर्ड क्लाउड (शब्द-बादल), गर्ल लीडर्स द्वारा कही गई विशेष बातों और थीमैटिक बबल का उपयोग करके प्रदर्शित किया जा सकता है।

टूल 10 - केस स्टोरी विश्लेषण

लर्निंग और मूल्यांकन टूल

यह गुणात्मक टूल जेंडर मानदंडों, लड़कियों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों/चुनौतियों की पहचान करने और उनके निर्णय लेने के कौशल का आंकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करता है।

उद्देश्य:
इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतिभागियों में महत्वपूर्ण सोच और निर्णय लेने की क्षमता का आंकलन करना है। यह उन्हें किसी स्थिति/कहानी का विश्लेषण करने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदर्शित करने का मौक़ा देता है। यह प्रतिभागियों को उनके दृष्टिकोण, आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेने की क्षमता के बारे में बताता है।

निर्धारित समय - सीमा:
ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
मेंटर्स/सहजकर्ता इस टूल को व्यक्तिगत या सामूहिक स्तर पर प्रतिभागियों के साथ संचालित करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:
केस स्टडी/कहानी, चार्ट पेपर और पेन/मार्कर की प्रतियां

इसे कैसे करें:

1. प्रतिभागियों को छोटे समूहों (चार से पांच के समूह) में बातें और हर एक समूह को केस स्टडी की एक कॉपी दें।
2. उनसे अनुरोध करें कि वे कहानी को पढ़ें, हर एक हिस्से के बाद दिए गए प्रश्नों पर चर्चा करें, और अपनी प्रतिक्रियाओं और कारणों को नोट करें/लिखें।
3. नीचे उदाहरण के लिए एक कहानी दी गई है। यह सुझाव दिया जाता है कि संस्था या इसका उपयोग करें, या अपने संदर्भ के आधार पर ऐसी कोई कहानी विकसित करें।

रीना 14 साल की हैं; वह दिल्ली में एक छोटी बस्ती (समुदाय) में अपनी मां और नौ और अठारह साल के दो भाइयों के साथ रहती है। वह फुटबॉल और पढ़ाई दोनों को पसंद करती है। वह एक पब्लिक स्कूल में पढ़ती है, जहाँ लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं।
उसकी दोस्ती लड़के और लड़कियों दोनों से है। वे एक साथ खेलना, हंसना और पढ़ना पसंद करते हैं। वह अब बड़ी हो रही है, उसका शरीर बदल रहा है, और उसकी माहवारी शुरू हो रही है। वह अपने परिवार के सदस्यों के व्यवहार में बदलाव देखती है। उसकी माँ उसके बारे में चिंतित है, और उसे ठीक से कपड़े पहनने की सलाह देती है। वह उसे ऐसे कपड़े पहनने को कहती है, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से ढक जाए। उसके भाई उसे लड़कों से बात करने से मना करते हैं और शाम ढलने से पहले घर लौटने के लिए कहते हैं। वह परेशान और दुखी है, और सोच रही है कि उसके साथ ऐसा क्यों हो रहा है।

वह अपने परिवार के सदस्यों के व्यवहार में बदलाव क्यों देख रही है?
इस बदलाव का रीना के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?
रीना को क्या करना चाहिए?

उसकी माँ उसे फ़ुटबॉल खेलने या इधर-उधर भाग-दौड़ करने से मना करती है, और उसे घर के काम-काज करने की हिदायत देती है। वह खेल और पढ़ाई में आगे है, लेकिन घरेलू जिम्मेदारियों के कारण उसके पास समय नहीं बचता है। पढ़ाई के साथ-साथ प्रैक्टिस के लिए जाना उसके लिए मुश्किल होता जा रहा है। उसके खेल प्रशिक्षक ने उसे ध्यान देने और नियमित रूप से अभ्यास करने की हिदायत दी है। उसकी मां ने उसकी शादी की चर्चा शुरू कर दी है।

उसके साथ ऐसा क्यों हो रहा है?
उसे क्या करना चाहिए?

वह सुमित की अच्छी दोस्त हैं, वे सहपाठी हैं और एक साथ बड़े हुए हैं। वह पढ़ाई को पूरा करने के लिए उसकी मदद लेने लगती है। वह उसकी मदद करता है और ध्यान रखता है। उनकी मुलाकात से उसकी मां नाराज हो जाती है, और उसका बड़ा भाई रीना पर गुस्सा हो जाता है। उसके आस-पास के लोग भी इस बात पर ध्यान देते हैं, और उसकी मां से इस बारे में बात करते हैं, कि वह कैसे अपनी बेटी को रोके। रीना को सुमित से मिलने से मना कर दिया जाता है। उसे अब अपनी पढ़ाई की चिंता है और वह अपने दोस्त सुमित से न मिल पाने को लेकर परेशान है।

इस बात का रीना पर क्या असर हो रहा है?
उसे क्या करना चाहिए?

4. उन्हें प्रश्नों को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के लिए 45-60 मिनट दें। समूह गतिविधि पर ध्यान दें।
5. हर एक समूह को अपनी चर्चा प्रस्तुत करने के लिए कहें। उनके चर्चा बिंदुओं को नोट करें। रीना के लिए हर एक स्थिति और निर्णयों/रणनीतियों के लिए उनके चर्चा के बिंदुओं को लिख कर रखें।
6. उनकी प्रस्तुतियों को एकत्रित करें और नीचे दी गई रिकॉर्डिंग शीट को भरने के लिए उन्हें संभाल कर रखें।
7. चार्ट की एक स्पष्ट फोटो लें, जिससे इसे रखना और साझा करना आसान हो।

इसे कैसे मापें:

1. समूहों की प्रस्तुतियों/ प्रेजेंटेशन के बाद, मेंटर्स को प्रेजेंटेशन चार्ट और प्रेजेंटेशन के दौरान लिए गए नोट्स का उपयोग करके नीचे दिए गए टेबल को पूरा करें। फिर इस फॉर्मेट को एकत्रित करके लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्था को रिपोर्टिंग के लिए भेजा जा सकता है। (इस रिकॉर्डिंग शीट को प्रिंट करने के लिए भाग 5 के उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' देखें।)
2. उनके फीडबैक/प्रतिक्रियाओं और विश्लेषण को नीचे दिए गए विषयों के तहत वर्गीकृत करें।
3. दिए गए टेबल में प्रतिक्रियाओं (फीडबैक) का विश्लेषण करने के लिए, विषयगत विश्लेषण गाइड का प्रयोग करें (संलग्नक संख्या 5.2 देखें)।
4. बदलाव को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करें, जैसे वर्ड क्लाउड, कथन (कोट), और विषयगत (थीमैटिक) बबल।

अपने सन्दर्भ में अपनाएं

अपने सन्दर्भ में अपनाएं!

आप यहां दी गई कहानी का उपयोग कर सकते हैं या अपने संदर्भ के अनुसार इसके समान कहानी विकसित कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली कहानी में लड़कियों से उनके जीवन और उनके सामने आने वाली विभिन्न स्थितियों पर विचार करने के लिए प्रश्न हों।

टूल 10 - केस स्टोरी विश्लेषण

विषय-वस्तु	मुद्दों/समस्याओं की पहचान करने का कौशल	जेंडर मानदंडों की समझ और आलोचनात्मक विश्लेषण के कौशल	निर्णय लेने का कौशल
मेंटर्स लड़कियों के प्रेजेंटेशन चार्ट और लड़कियों के विचार-विमर्श (जिन्हें लिखा गया था) का उपयोग करके इस टेबल को भरें	उन्होंने रीना के साथ किन समस्याओं/मुद्दों की पहचान की?	उन्होंने रीना पर लगाई गई पाबंदियों के क्या कारण बताए?	रीना की समस्याओं के लिए उन्होंने क्या समाधान या रणनीतियाँ सुझाईं?
		वे क्या मानते हैं, कि इन प्रतिबंधों का रीना के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?	

टूल 11 - लाइफ लाइन

सीखना (लर्निंग) और मूल्यांकन के लिए टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा बनाया गया है। लाइफ लाइन एक बदलाव को एक चित्र के रूप में बताने का टूल है, जो लड़कियों के समूह को अपनी लर्निंग कम्युनिटी के सामूहिक सफ़र में मजबूती और चुनौतियों के पलों को पलटकर देखने में मदद करता है।

उद्देश्य:
इस गतिविधि का उद्देश्य लड़कियों के कलेक्टिव/समूह की ताकत/ मजबूती के पल और चुनौतियों के पलों का अनुमान लगाना है।

निर्धारित समय - सीमा:
ग्यारहवां महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
मेंटर्स/सहजकर्ता इस टूल को प्रतिभागियों/लड़कियों के समूह के साथ संचालित करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:
चार्ट पेपर और विभिन्न रंगीन मार्कर

इसे कैसे करें:

1. हर एक समूह की गर्ल लीडर्स को चार्ट पेपर और मार्कर दें।
2. उन्हें अपने लर्निंग कम्युनिटी की शुरुवात से अपने समूह की यात्रा पर विचार करना है, जब वे लर्निंग कम्युनिटी समूह में शामिल हुईं, प्रशिक्षण में भाग लिया, अपनी प्रोजेक्ट पर काम किया और सामूहिक रूप से उन्हें लागू किया।
3. हर एक समूह, पूरे कार्यक्रम के दौरान अपने समूह के जीवन-काल दिखने वाली वाली एक लाइन खींचेगा, जिसमें महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया जाएगा।
4. जब भी रेखा पर एक शिखर बनता है, तो यह एक सकारात्मक पल, उपलब्धि, समर्थन, खुशी आदि को दिखाता है।
5. उन्हें सामूहिक रूप से अपनी यात्रा के दौरान कैसा लगा, यह दिखाने के लिए, शब्दों, चित्रों या वाक्यों को चोटियों/ऊँचे और घाटियों/निम्न स्थानों के साथ रखने के लिए कहें। चर्चा को सुगम बनायें, जससे वे ये दिखा पायें कि उन्होंने अपनी राहों को कैसे बदला, जैसे कि वे किसी चुनौती को कैसे हल कर पाए आदि।
6. समूह को अपनी लाइफ लाइन प्रस्तुत करने और अपने विचार साझा करने के लिए कहें।
7. जो वे साझा करते हैं, उसे लिख कर रखें।

सहजकर्ता के लिये निर्देश:

1. गर्ल लीडर्स को गतिविधि समझाएं
2. उन्हें शीट के हर एक भाग को भरने के लिए कहें: उनके नाम, आयु, संस्था, तारीख आदि से ।
3. उदाहरण के तौर पर, बोर्ड पर एक लाइन खींचिए। समूहों को समझाएं कि हर एक समूह के सफ़र के आधार पर ये रेखाएँ अलग-अलग होंगी।
4. लाइफ लाइन शब्दों की बजाय चित्रों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित होती है, जिससे प्रतिभागियों के लिए अपने समूह के जीवन को चित्रित करना आसान हो जाता है।
5. गतिविधि के बाद सभी चार्ट पेपर एकत्र करें।
6. चार्ट की एक स्पष्ट फोटो ले लें, क्योंकि इसे रखना और साझा करना आसान होता है।

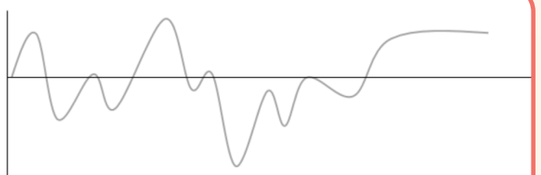

चित्र 8:

इसे कैसे मापें:

1. यह टूल मजबूतियों और चुनौतियों के पलों को समझने में मदद करता है और इससे एक समूह के रूप में प्रतिभागियों के सशक्तिकरण और अशक्तीकरण में योगदान करने वाले कारकों का आंकलन करने के लिए आगे खोज की जा सकती है। यह टूल यह भी दिखा सकता है कि कब या कहाँ अधिक सहयोग की आवश्यकता है।
2. मेंटर/ सहजकर्ता को उन विचार-विमर्श का मिलान करना चाहिए जिन्हें लड़कियों के समूह ने अपनी प्रस्तुति के दौरान साझा किया है।
3. प्रस्तुतियों के बाद, मेंटर्स को प्रस्तुतिकरण चार्ट और प्रस्तुति के दौरान लिए गए नोट्स का उपयोग करके रिकॉर्डिंग शीट को पूरा करना चाहिए। (इस रिकॉर्डिंग शीट को प्रिंट करने के लिए भाग 5 के उप-भाग 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' देखें।)
4. उनकी प्रतिक्रियाओं और विश्लेषण को नीचे दिए गए विषयों/थीम के तहत वर्गीकृत करें।

टूल 11 - लाइफ लाइन

विचार-विमर्श प्रश्न

मेंटर्स को इस फॉर्म को लड़कियों के प्रेजेंटेशन चार्ट और विचार-विमर्श के नोट्स की मदद से पूरा करना चाहिए।

1. समूह के रूप में मजबूती के पल (सकारात्मक, ताकत, उपलब्धियां) क्या थे?

2. किस बात ने उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद दी?

3. उन्होंने किन कमियों (चुनौतियों) का सामना किया?

4. उन्होंने उन चुनौतियों को कैसे हल किया?

5. इस शीट को समूह की केस स्टडी विकसित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है । इस शीट को समेकित करने और रिपोर्टिंग के लिए लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्था को भी भेजा जा सकता है।
6. समूह की यात्रा को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करें, जिसमें 'मजबूती के पल और 'चुनौतियों के पल' शामिल हैं, जैसे 'शब्द-बादल' (वर्ड क्लाउड), कथन (कोट), और विषयगत (थीमैटिक बबल)।

टूल 12 - फोटो वॉइस टूल (वैकल्पिक)

सीखना (लर्निंग) और मूल्यांकन टूल

उद्देश्य

फोटो वॉइस टूल एक सहभागी शोध टूल है, जो प्रतिभागियों द्वारा लिए गए फोटो का उपयोग, उनसे सम्बंधित मुद्दों और स्थितियों को चित्रित करने और विचार-विमर्श करने के लिए करता है। प्रतिभागी ऐसी तस्वीरें लेते हैं जो उन्हें लगता है कि उनके लिए महत्वपूर्ण हैं और उन बदलावों के बारे में साझा करते हैं जिन्हें वे दिखाना चाहते हैं, आमतौर पर ये एक किसी खास विषय से जुड़े होते हैं।

[स्रोत -https://whatworks.org.nz/photo-voice/]

उद्देश्य: यह गतिवधि किसी दिए गए मुद्दे या विषय पर प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और विचारों को समझने में मदद करती है और यह जानने में मदद करती है कि उनके लिए क्या महत्वपूर्ण है और क्यों।

निर्धारित समय-सीमा:
ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

टूल का उपयोग कौन करेगा:
सहजकर्ता/मेंटर्स सहभागियों के साथ इस टूल का इस्तेमाल करेंगे

सामग्री की आवश्यकता:
कैमरा या स्मार्टफोन, कैंची और गोंद, चार्ट पेपर और मार्कर और कोलाज गतिविधि के लिए अखबारों और पत्रिकाओं से चित्र

इसे कैसे करें:

1. प्रतिभागियों को टूल, इसके उद्देश्य और इसका उपयोग करने के तरीके के बारे में बताएं।
2. उन्हें जोड़ों या छोटे समूहों में फोटो लेने के लिए कैमरे दें।
3. कैमरे का उपयोग करने और फोटो लेने के मूल नियम समझाएं।
4. प्रतिभागियों को सहमति के बारे में याद दिलाएं और समझाएं कि लोगों या उनकी निजी संपत्ति की फोटो लेने से पहले उन्हें सहमति लेनी होगी।
5. प्रतिभागी अपने द्वारा ली गई फोटो के माध्यम से विचार-विमर्श करने के लिए एक विषय तय करें।

या

6. ऐसी स्थितियों में जहां संसाधनों की कमी के कारण कैमरे का उपयोग करना कठिन हो, कोलाज गतिविधि का उपयोग किया जा सकता है।
7. प्रतिभागियों को छोटे समूहों में विभाजित करें और उन्हें काम करने के लिए पत्रिकाओं/समाचार पत्रों और अन्य सामग्रियां दें।
8. गतिविधि को समझाएं।
9. **थीम / विषय: नीचे दी गई थीम** केवल उदाहरण के लिए हैं; सहजकर्ता को 'फोटो वॉइस' एक्टिविटी के लिए थीम या विषय का चयन करने के लिए प्रतिभागियों के साथ चर्चा करना चाहिए।

   लड़कियों की लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के विषयों में ये शामिल हो सकते हैं:

   - लड़कियां और सार्वजनिक स्थानों पर उनकी पहुंच
   - लड़कियां लीडर्स के रूप में
   - लड़कियों की शिक्षा
   - लड़कियों और महिलाओं की भूमिका
   - लड़कियों की आकांक्षाएं और उनके समर्थक

10. प्रतिभागी एक विषय का चयन करेंगे और अपने विचारों, विचारों और दृष्टिकोणों को व्यक्त करने के लिए फोटो का उपयोग करेंगे ।
11. प्रतिभागियों को उनकी फोटो क्लिक करने के लिए पर्याप्त समय दें (कम से कम 45-60 मिनट।)
12. फोटो के प्रिंट निकालें
13. उन्होंने क्या क्लिक किया, उन्होंने इसे क्यों क्लिक किया, और यह उनके द्वारा चुने गए विषय के बारे में क्या कहता है, इस पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक चर्चा करवाएं। अन्य प्रतिभागी क्या सोचते हैं?
14. चर्चा को रिकॉर्ड करें या लिख लें।

सहजकर्ता ध्यान दें:

उन्हें समझाएं और दोहराएं कि इस गतिविधि का उद्देश्य “अच्छी” फोटो लेना नहीं है, बल्कि ऐसी फोटो लेना है जो उनसे जुड़ी हों।

इसे कैसे मापें:

- गतिविधि के विषय के आधार पर उनकी सोच का दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रतिभागियों द्वारा साझा किए गए दृष्टिकोण, विचार और कारण एकत्र करें।
- विषयगत विश्लेषण के लिए, गुणात्मक ग्रेडिंग गाइड (संलग्नक संख्या 5.1) को देखें।

ध्यान दें: गर्ल लीडर्स के टूल के लिए भाग 5, में – ‘कार्यान्वयन में आसानी के लिए’ हिस्से से सभी फॉर्म और रिकॉर्डिंग शीट डाउनलोड की जा सकती हैं।

भाग 4: लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से मेंटर्स का सफ़र

यह भाग लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए मेंटर्स की क्षमता विकास और प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत करता है। यह कार्यक्रम के कार्यान्वयन के दौरान क्षमता विकास और मेंटर के सहयोग के महत्व पर जोर देता है। इसमें मुंबई और दिल्ली में लर्निंग कम्युनिटी के मेंटर्स द्वारा व्यक्त की गई जरूरतों के आधार पर, उदाहरण के तौर पर, प्रशिक्षण योजना, टाइम लाइन और सेशन डिजाइन के लिए निर्देश शामिल किये गए हैं। अनुरोध किया जाता है कि संस्थाएं, अपने सन्दर्भ और मेंटर्स की जरूरतों के अनुसार इसमें सुधार/बदलाव करें। यह भाग तीन उप-भागों में बांटा गया है: 1) प्रशिक्षण और क्षमता विकास; 2) समुदाय में मेंटर्स का कार्य; और 3) मेंटर्स के सीखने के सफ़र की मैपिंग करना।

मेंटर्स की सीखने के सफ़र की टाइम लाइन

चित्र 9:

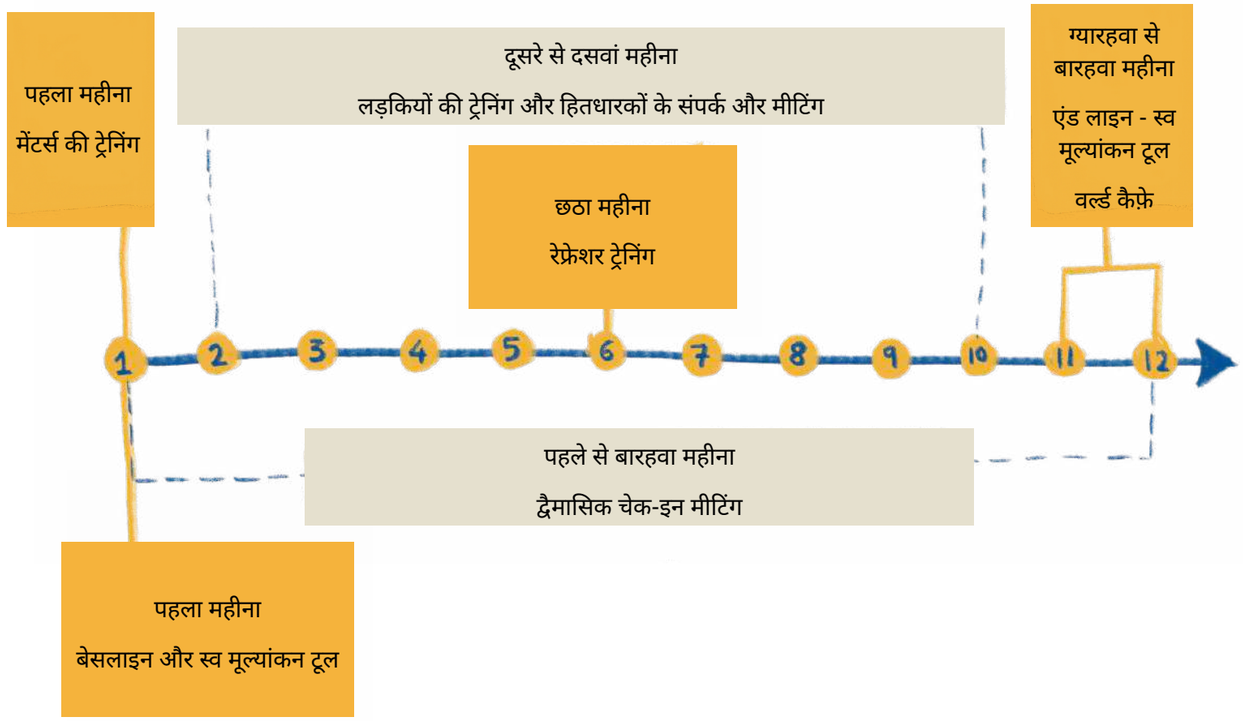

मेंटर्स की बदलती जरूरतों और संदर्भों के आधार पर यह टाइमलाइन बदल सकती है। समन्वयक प्रशिक्षण आयोजित कर सकते हैं और मेंटर्स के समय और उपलब्धता के आधार पर चेक-इन मीटिंग को कितनी बार करना है यह निर्धारित कर सकते हैं।

प्रशिक्षण और क्षमतावर्धन

मेंटर्स का प्रशिक्षण और चेक-इन महत्वपूर्ण क्यों है?

मेंटर्स इस कार्यक्रम के आधार स्तम्भ हैं, और उन्हें किशोरियों, युवा महिलाओं और उनके समुदायों के साथ काम करते समय कौशल में विकास और समर्थन की आवश्यकता होती है। मेंटर बनने में काफी समय और मेहनत लगती है। यह एक कठिन भूमिका भी हो सकती है। मेंटर्स की भूमिका लड़कियों को वह सहयोग प्रदान करना है, जिसकी उन्हें अपने नेतृत्व को विकसित करने, अपनी योजनाओं के बारे में ठोस निर्णय लेने और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए आवश्यकता होती है। इसलिए, गर्ल लेड कार्यक्रम में मेंटर्स के लिए प्रशिक्षण और क्षमता-विकास में निवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है।

लर्निंग कम्युनिटी और अन्य समुदाय-आधारित कार्यक्रमों में मेंटर्स, आदर्श स्थिति में, उसी संदर्भ और पृष्ठभूमि से होते हैं, जहाँ से वे लड़कियां और युवा आते हैं, जिन पर कार्यक्रम केंद्रित है। इसलिए, स्वयं मेंटर्स को भी अपनी यात्रा, पूर्वाग्रहों और विचार-धारा पर विचार-विमर्श करने के लिए एक जगह और अवसरों की आवश्यकता होती है। मेंटर्स का प्रशिक्षण जेंडर, यौनिकता, जाति, वर्ग, विकलांगता, जेंडर आधारित हिंसा, पितृसत्ता, और 'यौन एवं प्रजनन स्वास्थ और अधिकार' जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में उनके दृष्टिकोण और समझ के निर्माण के लिए जगह प्रदान करता है, जो किशोरियों के साथ और अन्य हितधारकों के साथ काम करने के लिए एक नारीवादी और इंटरसेक्शनल लेंस विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कई लोगों के सामने इस तरह की अवधारणाओं को देखने का यह पहला अवसर हो सकता है, या ये विचार, अन्य स्रोतों से प्राप्त उनकी सीखों के विपरीत हो सकते हैं, इसलिए न केवल सीखने के लिए बल्कि पहले से सीखे हुए को बदलने (अनलर्निंग) के लिए भी इसमें उनके लिए जानकारी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, मेंटर्स को लड़कियों के साथ भागीदारी और गर्ल लेड प्रक्रियाओं को संचालित करने, उन्हें सामूहिक बनाने, उनके नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है; और किशोरियों और युवा महिलाओं को अपने नेतृत्व का प्रदर्शन/अभ्यास करने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए समुदाय के साथ काम करने में भी।

मेंटर्स के शब्दों में-

"हमें इस बारे में सोचना चाहिए कि मेंटर अपनी भूमिका में कैसे विकसित हो सकते हैं और हम उनके लिए एक समृद्ध भूमिका कैसे बना सकते हैं"।

"मेंटर्स के लिए एक मंच होना चाहिए, जहां वे रोज़मर्रा के आधार पर या आवश्यकता के अनुसार जुड़ सकें। उन्हें क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए एक समर्थन व्यवस्था की आवश्यकता है।

- लर्निंग कम्युनिटी मुंबई और दिल्ली

युवाओं और किशोरियों के अधिकारों और जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों और उनके अधिकारों के लिए उनके और उनके समुदायों के साथ काम करना मेंटर्स के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से थकाने वाला हो सकता है, और उन्हें अपने घरों या समुदायों में इस काम के लिए कुछ प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ सकता। लर्निंग कम्युनिटी प्रोग्राम डिजाइन और प्रशिक्षण गाइड में नियमित संपर्क के लिए समय (टच प्वाइंट), और खुद की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) सेशन दिए गए हैं। नियमित सत्रों में मेंटर्स को एक-दूसरे से जोड़ना भी उनकी अपनी सामाजिक पूंजी को बनाता है, और आंदोलन के प्रति अपनेपन की भावना को बढ़ाता है।

मेंटर्स के प्रशिक्षण और चेक-इन में कौन-सी थीम/विषय शामिल होंगे?

मेंटर्स के प्रशिक्षण के लिए विषय:

- लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को समझना, इसके दृष्टिकोण, उद्देश्यों, मार्गदर्शक सिद्धांतों, गतिविधियों और टाइम लाइन, और सेफगार्डिंग (सुरक्षा) के उपाय शामिल हैं।
- विभिन्न विषयों पर नज़रिया निर्माण, किशोरियों और युवाओं, और उनके मुद्दों और सामुदायिक संदर्भों को समझने के लिए एक इंटरसेक्शनल लेंस के निर्माण के लिए।
- नेतृत्व और लड़कियों और युवाओं के सामूहिक निर्माण के लिए एक गर्ल लेड प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कौशल निर्माण।
- अपने लिए, साथ ही उन लड़कियों और युवाओं के लिए जिनके साथ वे काम करते हैं, स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) के महत्व को समझने के लिए।

मेंटर्स के लिए संपर्क के लिए विषय/(चेक-इन थीम):

- उनकी सीखों और क्षेत्र के अनुसार अनुभव का आदान-प्रदान।
- चुनौतियों पर चिंतन और सामूहिक रूप से समाधान ढूंढना।
- नए कौशलों का विकास और परिप्रेक्ष्य को मजबूत करना।

मेंटर्स का प्रशिक्षण

उद्देश्य:

- गर्ल लेड और किशोरी केंद्रित कार्यक्रम, उद्देश्यों, गतिविधियों, टाइम लाइन, और सीखने, निगरानी और मूल्यांकन के सिद्धांतों सहित लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के लिए आमुखीकरण करने के लिए
- जेंडर मानदंडों, शक्ति और पितृसत्ता, भेदभाव और उत्पीड़न, जेंडर समानता, नारीवादी नेतृत्व और किशोरियों से संबंधित मुद्दों पर नज़रिया विकसित करने के लिए
- मेंटरिंग कौशल के विकास के लिए
- स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) के काम करने के लिए
- एक दूसरे से मिलने, जुड़ने और ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए मेंटर्स के लिए एक मंच बनाने के लिए

टाइम लाइन और अवधि: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के पहले महीने में, 4-5 दिनों के लिए

प्रतिभागियों की संख्या: 15-20 (प्रति संस्था 2-3 प्रतिभागी)

प्रशिक्षण सेटिंग:

- **इन-पर्सन (आमने-सामने) आवासीय सेटिंग:** प्रतिभागी पहले दिन प्रशिक्षण केंद्र में आते हैं और प्रशिक्षण की अवधि के दौरान प्रशिक्षण स्थल पर ही रहते हैं। यह उन प्रतिभागियों के लिए उपयोगी है, जो दूर-दराज के स्थानों से आते हैं, और जिनके लिए रोज़ आना-जाना मुश्किल है।
- **इन-पर्सन (आमने-सामने) गैर-आवासीय सेटिंग:** प्रतिभागी सुबह प्रशिक्षण स्थल/केंद्र जाते हैं और सेशन में भाग लेने के बाद शाम को लौट जाते हैं।
- **ऑनलाइन प्रशिक्षण:** प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए किसी ऑनलाइन मंच का उपयोग किया जाता है।

हमारे अनुभव में!

आवासीय प्रशिक्षण भारत के संदर्भ के लिये बेहतर हैं। अधिकांश युवा महिला मेंटर्स के ऊपर घरेलू जिम्मेदारियां होती हैं, भले ही वे कामकाजी हों। प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवासीय प्रशिक्षण को उपयोगी पाया गया है। यह मेंटर्स के परामर्श से, उनके संदर्भों, जरूरतों, उपलब्धता और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण की योजना बनाने के लिए सुझाव:

- प्रशिक्षण की टाइम लाइन मेंटर्स की उपलब्धता और प्राथमिकताओं के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए। टाइम लाइन में क्षेत्रीय त्योहारों और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का ध्यान रखना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि, मेंटर्स के पास ट्रेनिंग के दौरान रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान और संसाधनों तक पहुंच है (जैसे इंटरनेट, सुरक्षित परिवहन, जलपान और भोजन, स्वच्छ शौचालयों) है।
- एक आवासीय प्रशिक्षण की स्थिति में, सुनिश्चित करें कि प्रतिभागियों के पास आरामदायक आवास, भोजन और परिवहन तक पहुंच हो।
- यदि उनके छोटे बच्चे हैं, तो क्रेश या केयरटेकर जैसे प्रावधानों पर विचार करें जो उनकी पूरी भागीदारी को आसान बनाएगा।
- विकलांग मेंटर्स की पहुंच की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उचित रहने की व्यवस्था करें।
- कुछ सेशन या पूरे प्रशिक्षण करने के लिए स्थानीय विषय विशेषज्ञों/सहजकर्ताओं को आमंत्रित करें।
- चूंकि प्रशिक्षण में उन विषयों को शामिल किया जाएगा जिनमे व्यक्तिगत विचार-विमर्श शामिल होंगे, मेंटर्स के लिए खुद को व्यक्त करने और प्रशिक्षण के दौरान गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाएँ।
- ऊर्जावान, रचनात्मक तरीकों (जैसे, रोल-प्ले, गाने, थिएटर और नाटक) को शामिल करें, और चर्चा को प्रेरित करने के लिए गतिविधियाँ (जैसे, केस स्टडी, समूह गतिविधियाँ, सहमत-असहमत, मूवी स्क्रीनिंग, आदि) का उपयोग करें।
- संस्थाओं को उन मेंटर्स को अधिक समर्थन और प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए, जो पहली बार इस भूमिका को निभा रहे हैं, क्योंकि वे भी लड़कियों के साथ अपने सीखने का सफ़र शुरू कर रहे हैं।

ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए सुझाव:

निम्नलिखित कारक मेंटर्स प्रशिक्षण को अधिक सार्थक और सुलभ बनाने में मदद कर सकते हैं।

- ऑनलाइन प्रशिक्षण उबाऊ हो सकता है, और थकान का कारण बन सकता है। इससे बचने के लिए, प्रशिक्षण सत्रों को प्रतिदिन 2-3 घंटे से अधिक न करें। प्रशिक्षण को दो भागों में भी विभाजित किया जा सकता है: सप्ताह 1 में तीन दिन और सप्ताह 2 में दो से तीन दिन।
- सुनिश्चित करें कि, सभी प्रतिभागियों (मेंटर्स) के पास टूल्स और संसाधनों जैसे लैपटॉप/कंप्यूटर और एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन हो।
- सुनिश्चित करें कि, उनके पास सेशन में भाग लेने के लिए सुविधाजनक स्थान और समय है। प्रतिभागियों के साथ सेशन रिकॉर्डिंग साझा करें।
- चर्चा को प्रोत्साहित करने और जिज्ञासा पैदा करने के लिए नए तरीकों से सत्रों की योजना बनाएं।
- हर एक सेशन के बाद विचार-विमर्श, प्रश्नोत्तर, या किसी भी छोटी गतिविधि/ऊर्जावर्धन के लिए कुछ समय अलग रखें, जिसका प्रतिभागी नेतृत्व करना चाह सकते हैं।
- सेशन के बाद प्रतिभागियों के साथ नियमित संपर्क करना सबसे अच्छा अभ्यास है, जिसमें व्यक्तिगत विचार-विमर्श हो सके, क्योंकि चर्चा प्रतिभागियों में कुछ भावनाओं को सामने ला सकती है।

टेबल 6: प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा

निम्नलिखित प्रशिक्षण, आमने-सामने, आवासीय/गैर-आवासीय या ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामिल किए जाने वाले सत्रों के विषयों को सूचीबद्ध करता है। संस्थाओं को यह सुझाव दिया जाट है कि, वे इस प्रशिक्षण को करने के लिए मेंटर्स की उपलब्धता, और समय के अनुसार नीचे दी गई योजना को अपनाएं। चूंकि यह लर्निंग कम्युनिटी के काम के लिए आधारभूत प्रशिक्षण है, इसलिए सलाह दी जाती है कि, मेंटर्स के प्रशिक्षण को पर्याप्त समय दिया जाए।

मास्टरक्लास/सेशन	इसमें क्या शामिल होगा	अपेक्षित परिणाम		अवधि	टूल/संसाधन सामग्री
लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम का परिचय					
मेंटर सेशन 1: स्वागत और परिचय आधारभूत बातें	o परिचय और आइस-ब्रेअकिंग की गतिविधियाँ o बेसलाइन टूल का उपयोग करके मेंटर्स द्वारा स्व-मूल्यांकन	o प्रतिभागी एक दूसरे को जानते हैं o वे बेसलाइन फॉर्म का उपयोग करके स्व-मूल्यांकन करते हैं		2-3 घंटे	o स्व-मूल्यांकन के लिए बेसलाइन टूल
मेंटर सेशन 2: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम ओरिएंटेशन गर्ल लेड और लड़कियों पर केंद्रित कार्यक्रम	o लर्निंग कम्युनिटी क्या है? o कार्यक्रम डिजाइन, उद्देश्य, मूल्य, रणनीति और गतिविधियां o गर्ल लेड और लड़कियों पर केंद्रित कार्यक्रम के सिद्धांत	o प्रतिभागियों को इसके उद्देश्यों, मूल्यों और डिज़ाइन सहित, लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के प्रति उन्मुख किया जाता है o वे गर्ल लेड और लड़कियों पर केंद्रित कार्यक्रम को समझते हैं		3 - 4 घंटे	o लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका सेक्शन 1 और सेक्शन 2 o वीडियो https://www.youtube.com/watch?v=fysQfPkOFTk #SorryThankYouTataByeBye पितृसत्ता को #सॉरीथैंक यूटाटाबायबाय | ऑक्सफैम इंडिया एक्स एजेंट्स ऑफ इश्क (हिंदी में, अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ)[28]
सेफगार्डिंग पर आमुखीकरण	o लड़कियों और युवाओं की सेफगार्डिंग (सुरक्षा) क्या है?	o वे सेफगार्डिंग (सुरक्षा) और उसके उपायों को समझते हैं		3 - 4 घंटे	o इस मार्गदर्शिका से सेफगार्डिंग सेशन के लिए संलग्नक संख्या 2.2 देखें
मुख्य अवधारणाओं को समझना और कौशल निर्माण करना					
मेंटर सेशन 3: अपनी भावना को पहचाने (नेम द फीलिंग)	o प्रतिभागी भावनाओं को पहचानना और नाम देना सीखते हैं	o प्रतिभागी भावना को पहचानना और नाम देना सीखते हैं		3 - 4 घंटे	o गतिविधि - क्रिएटिव एसेट्स एंड प्रोग्राम कंटेंट गाइड से नेम द फीलिंग (पृष्ठ 29): सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा का निर्माण करने और मानसिक आघात को कम करने और हीलिंग को बढ़ावा देने के लिए। Creative Assets and Program Content Guide To Build Social and Em.pdf

28 ऑक्सफैम इंडिया और एजेंट्स ऑफ इश्क का फेमिनिस्ट वीडियो सॉन्ग शादी की उम्र बढ़ाने जैसे आसान उपाय के बजाय बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आजीविका के माध्यम से लड़कियों के लिए सक्षम माहौल बनाने पर जोर देगा।#EmpowermentNotAge #16दिन

मास्टरक्लास/सेशन	इसमें क्या शामिल होगा	अपेक्षित परिणाम		अवधि	टूल/संसाधन सामग्री
जेंडर को समझना	o जेंडर क्या है और जेंडर मानदंड क्या हैं? o जेंडर और लिंग के बीच अंतर o नॉन-बाइनरी के रूप में जेंडर पहचान (पुरुष और महिला से परे)	o प्रतिभागी जेंडर को एक सामाजिक निर्माण के रूप में; जेंडर और लिंग के बीच अंतर; और जेंडर मानदंड को समझें o प्रतिभागी एक जेंडर लेंस विकसित करें और जेंडर पहचान को नॉन-बाइनरी (न केवल पुरुष और महिला) के रूप में समझें		3 - 4 घंटे	**गतिविधियों और लेख के लिए सुझाव** o जेंडर को समझने पर लेख https://genderspectrum.org/articles/understanding-gender o गतिविधियाँ: जेंडर क्या है?https://creaworld.org/resource/gender-aur-pitrasatta-a-guide/[29](पेज संख्या 18-30) (हिंदी) **वीडियो** o https://www.youtube.com/watch?v=YQAFYy15N7E ट्रांसजेंडर क्या है? सीधे शब्दों में समझाया (अंग्रेजी) o https://www.youtube.com/watch?v=4wBGQNVXCbU Bandish E Bahaw (हिंदी) o रोशनी मिस्बाह | हिजाबी बाइकर |#ChalBadhChal (अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ) https://www.youtube.com/watch?v=MLRA6qxF7Jw o https://www.youtube.com/watch?v=RgPSFLXNOu8 इस यंग ट्रांस डॉक्टर की एक प्रेरक कहानी है (अंग्रेज़ी)[30] o https://www.youtube.com/playlist?list=PLuOmNjZTlhxRYaT_pdRnEAd73BAjR7M2v #GrownUpGirls: श्रृंखला (अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ) (नोट: विषय से सबसे अधिक प्रासंगिक 1-2 वीडियो चुनें)
मेंटर सेशन 4: सत्ता और पितृसत्ता को समझना	o पॉवर वाक o सत्ता और पितृसत्ता को समझने की गतिविधि, पितृसत्ता की उत्पत्ति	o प्रतिभागी पितृसत्ता की अवधारणा को समझते हैं और यह कि यह कैसे असमानता और उत्पीड़न की अन्य प्रणालियों के साथ सम्बद्ध है o प्रतिभागी समाज के ढांचे और तंत्र को बेहतर समझते हैं और यह ढांचा कैसे लोगों को वंचित करने और हाशिए पर लाने का काम करता है, इसे भी समझते हैं।		2-3 घंटे	o गतिविधि: पॉवर वाक https://jliflc.com/wp-content/uploads/2019/06/Power-Walk.pdf o गतिविधि: पितृसत्ता क्या है और यह कैसे काम करती है?https://creaworld.org/resource/gender-aur-pitrasatta-a-guide/ (पृष्ठ 37-40), (हिन्दी) o https://partners4prevention.org/resource/regional-curriculum-transforming-masculinities-towards-gender-justice मॉड्यूल 3: पितृसत्ता और सत्ता तंत्र (पृष्ठ 82-85), (अंग्रेज़ी) o https://justassociates.org/all-resources/feminist-movement-builders-dictionary/

29 CREA (Creating Resources for Empowerment in Action)

30 डॉ. त्रिनेत्र हलदार गुम्माराजू को इस बात की परवाह नहीं है कि आपने अतीत में उन्हें किस नाम से पुकारा है। वह केवल इस बात पर जोर देती है कि अब आप उसे डॉक्टर बुलाओ। कर्नाटक की पहली ट्रांस महिला मेडिकल डॉक्टर के जीवन में से एक उन बाधाओं पर काबू पाने में एक निबंध है जो उसके खिलाफ हमेशा से रहे थे। यहाँ उसकी कहानी है।

मास्टरक्लास/सेशन	इसमें क्या शामिल होगा	अपेक्षित परिणाम		अवधि	टूल/संसाधन सामग्री
मेंटर सेशन 5: लड़कियों और युवाओं के लिए एक समावेशी, सुरक्षित और साहसिक स्थान बनाना	o समता और समानता, समावेशन और विविधता की अवधारणाएं o लड़कियों और युवाओं के साथ काम करते हुए इंटरसेक्शनल और नारीवादी (फेमिनिस्ट) लेंस को समझना	o प्रतिभागी समता और समानता की अवधारणा को समझते हैं o वे लड़कियों और युवा महिलाओं के लिए एक समावेशी, सुरक्षित और साहसिक स्थान बनाना सीखती हैं o वे सामूहिक एकजुटता और सामूहिक सत्ता निर्माण के बारे में सीखते हैं		3-4 घंटे	o नारीवादी-नेतृत्व-कुंजी-परिभाषा_0.pdf (werise-toolkit.org) o वीडियो: https://www.youtube.com/watch?v=WFfxeUu338g इंटरसेक्शनल नारीवाद क्या है? | इंटरसेक्शनल फेमिनिज्म क्या है हिंदी में? - यूट्यूब (हिंदी)[31]
मेंटर सेशन 6: नेतृत्व	o नेतृत्व को समझने o जेंडर और नेतृत्व	o प्रतिभागी नेतृत्व की एक अवधारणा के रूप में समझ बनाते हैं o वे एक जेंडर लेंस से नेतृत्व पर विचार करते हैं o वे नारीवादी दृष्टिकोण से नेतृत्व के संकेतकों को फिर से परिभाषित करते हैं		2 - 3 घंटे	o इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के भाग 3, गर्ल सेशन 4: नेतृत्व को समझना, को देखें
मेंटर सेशन 7: स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग)	o स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग)	o प्रतिभागी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में सीखते हैं और यह सीखते हैं कि हमारे काम में स्वयं की देखभाल और भलाई (वेल-बीइंग) के काम को शामिल करना क्यों महत्वपूर्ण है		2 - 3 घंटे	o एवरी डे माइंड डे यूनिसेफ वेलबीइंग टूलकिट-https://www.unicef.org/thailand/media/7211/file/Mental%20Health%20Toolkit%20for%20Young%20People.pdf[32] o गतिविधि- स्वयं की देखभाल करना, पृष्ठ 20-22,https://www.phf.org.uk/wp-content/uploads/2018/03/Heads20Up20Final20Approved20version.pdf[33] o अतिरिक्त संसाधन: जेंडर और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पढ़ें https://www.youngminds.org.uk/young-person/coping-with-life/gender-and-mental-health/[34]

31 भारत में नारीवाद द्वारा, लिंक - https://www.youtube.com/@feminisminindiahindi
32 यूनिसेफ इंडिया द्वारा
33 यूके यूथ और पॉल हैमलिन फाउंडेशन 2015 का कॉपीराइट
34 यंगमाइंड्स द्वारा, लिंक https://www.youngminds.org.uk/

मास्टरक्लास/सेशन	इसमें क्या शामिल होगा	अपेक्षित परिणाम		अवधि	टूल/संसाधन सामग्री
मेंटर की भूमिका को समझना					
मेंटर सेशन 8: मैं कौन हूँ?	o 'जीवन की नदी' गतिविधि का उपयोग करते हुए आत्म-चिंतन	o प्रतिभागी स्वयं पर विचार करते हैं		3 - 4 घंटे	o गतिविधि - जीवन की नदी, पेज नं. 13 - 19 से स्वयं की देखभाल-और-आत्मरक्षा-मैन्युअल.pdf [35] लिंक: https://creaworld.org/resource/self-care-and-self-defence-manual/
मेंटर कौन हैं?	o मेंटर की भूमिका	o प्रतिभागी एक मेंटर के रूप में उनकी भूमिका की एक समझ बनाते हैं			o एक मेंटर कौन है? इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के भाग 2 देखें o गतिविधि – सेशन 4 मेंटर के गुण, पृष्ठ संख्या. 15-16 से https://www.care.org/news-and-stories/resources/learning-communities-on-the-move-lcom-a-model-for-girl-led-activism-and-movement-building-mentors-training-facilitation-package/
मेंटर सेशन 9: मेंटर की भूमिका और जिम्मेदारियां	o मेंटर्स की भूमिका, लड़कियों के साथ उनका काम, समुदाय और कार्यक्रम/संस्थागत स्तर की जिम्मेदारियां	o प्रतिभागी अपनी भूमिका की समझ विकसित करते हैं और एक मेंटर के रूप में कार्य करते हैं		2 घंटे	o इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के भाग 2 से मेंटर की भूमिका और जिम्मेदारियों के लिए संलग्नक 2.1 देखें
मेंटर सेशन 10: प्रशिक्षण और संचालन कौशल विकास	o लर्निंग कम्युनिटी लड़कियों के प्रशिक्षण के लिए सत्रों की सुविधा के लिए कौशल निर्माण	o प्रतिभागियों ने लड़कियों के साथ सेशन को चलाने के लिए अपने कौशल का विकास किया o सेशन की योजना बनाने के कौशल सीखे		2 - 3 घंटे	o सेशन 5 – मेंटर एक सहजकर्ता के रूप में (LCOM मेंटर प्रशिक्षण पैकेज पृष्ठ 17-19 से https://www.care.org/news-and-stories/resources/learning-communities-on-the-move-lcom-a-model-for-girl-led-activism-and-movement-building-mentors-training-facilitation-package/ o इस गाइड के भाग 3 से सेशन संचालन के लिए मार्गदर्शिका देखें

35 आर्टेमिसा, एलिगे और क्रिया के सहयोग से मरीना बर्नाल और अन्य लोगों द्वारा लिखी गई यह स्वयं सहायता पुस्तिका

मास्टरक्लास/सेशन	इसमें क्या शामिल होगा	अपेक्षित परिणाम		अवधि	टूल/संसाधन सामग्री
सीखना, निगरानी और मूल्यांकन और कार्यक्रम योजना					
मेंटर सेशन 11: सीखने की निगरानी और मूल्यांकन (लर्निंग, मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन)	o लर्निंग, निगरानी और मूल्यांकन क्या है? o लर्निंग, निगरानी और मूल्यांकन (लर्निंग, मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन) के टूल और प्रक्रिया	o प्रतिभागी लर्निंग, निगरानी और मूल्यांकन की अवधारणा और उनकी भूमिका को बनाते और समझते हैं o वे लर्निंग, निगरानी और मूल्यांकन (लर्निंग, मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन) टूल्स और प्रक्रियाओं का उपयोग करने के लिए कौशल विकसित करते हैं		2 - 3 घंटे	o इस कार्यक्रम गाइड के भाग 1 का; किशोरियों के सीखने का सफ़र की मैपिंग करना भाग-3 से और; मेंटर्स के सीखने के सफ़र की मैपिंग, भाग-4 से, संदर्भ लें
मेंटर सेशन 12: लर्निंग कम्युनिटी कार्यान्वयन के लिए योजना	o समय रेखा (टाइमलाइन) क्या है? o लर्निंग कम्युनिटी टाइमलाइन o कार्यक्रम की योजना और तैयारी	o प्रतिभागियों को लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम टाइम लाइन और योजना के प्रति उन्मुख किया जाता है o वे लड़कियों और उनके संस्थाओं के लिए एक कार्यक्रम योजना और टाइम लाइन विकसित करते हैं		2 - 3 घंटे	o इस कार्यक्रम मार्गदर्शिका के 1 और 2 भागों से संदर्भ लें

मेंटर्स के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण

मेंटर्स का क्षमता विकास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। हम छह महीने के बाद एक रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित करने की सलाह देते हैं। यह काम की गति बढ़ाने में मदद करेगा और मेंटर्स को नए कौशल, थीम और इंटरसेक्शन सीखने और अपने साथियों के साथ जुड़ने में भी सहायता देगा। रिफ्रेशर प्रशिक्षण की अवधि आवासीय सेटिंग में 2-3 दिनों की हो सकती है, या ऑनलाइन आयोजित की जा सकती है। हालाँकि, प्रशिक्षण के पहले वास्तविक स्थिति का आंकलन करना चाहिए, और इसे अपने संदर्भ और मेंटर्स की उपलब्धता के अनुसार आयोजित करना चाहिए।

उद्देश्य:

- मेंटर्स को **उनके साथियों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करना**
- जेंडर, इंटरसेक्शनेलिटी, समावेशन और विविधता जैसे प्रासंगिक विषयों की उनकी समझ को बढ़ाना और उनके दृष्टिकोण और कौशल का विकास करना
- संदर्भ-विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने के लिए जिनका सामना वे अपने मेंटरिंग अनुभवों के दौरान कर सकते हैं, उनकी सहयता करने के लिए **सामूहिक रूप से समाधान तैयार करना**
- लर्निंग कम्युनिटी के लिए नए दृष्टिकोणों का सह-निर्माण करना और उसमे सुधार करना

टाइम लाइन और अवधि: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम कार्यान्वयन के लगभग **छह महीने** के बाद, 2-3 दिनों के लिए

सेटिंग: व्यक्तिगत रूप से आवासीय/गैर-आवासीय या ऑनलाइन सेटिंग

आंकलन की आवश्यकता – रिफ्रेशर प्रशिक्षण मेंटर्स की जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए। रिफ्रेशर प्रशिक्षण की योजना बनाने से पहले, संस्थाओं को नीचे दिए गए प्रश्नों का उपयोग करके आवश्यकताओं का आंकलन करना चाहिए।

कृपया मेंटर्स को प्रश्नों के बारे में बताएं और उन्हें अपने जवाब लिखने और साझा करने के लिए कहें (यदि वे लिखने और साझा करने में सहज हैं) या वार्तालाप को सुविधाजनक बनाने के लिए इन प्रश्नों का उपयोग करें।

या

इन प्रश्नों को चार्ट पेपर पर प्रदर्शित करें (हर एक प्रश्न के लिए एक चार्ट) या एक व्हाइटबोर्ड का उपयोग करें जिससे मेंटर्स के लिए हर एक प्रश्न के बाद उत्तर देने के लिए जगह हो। प्रतिक्रियाओं को सामान्य विषयों में समूहों में बाँट कर प्राथमिकता दें।

टाइम लाइन और अवधि: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम कार्यान्वयन के लगभग छह महीने के बाद, 2-3 दिनों के लिए

(ये सांकेतिक प्रश्न हैं; संस्था उन्हें अपने अनुसार बदल सकती हैं, या मेंटर्स की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को जानने के लिए अतिरिक्त प्रश्न पूछ सकती हैं।)

1) लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के कौन से विषय **संशोधित** होने चाहिए और उन्हें **कैसे** संशोधित किया जाना चाहिए? उदाहरण के लिए, गर्ल लेड और लड़कियों पर केन्द्रित दृष्टिकोण वाले कार्यक्रम, लर्निंग कम्युनिटी के मूल्य, टाइमलाइन, सीखना, निगरानी और मूल्यांकन (लर्निंग, मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन), मेंटर की भूमिका, आदि। कृपया 3 - 4 विषयों का उल्लेख करें।

a. _____
b. _____
c. _____
d. _____

2) आप कौन से **नए दृष्टिकोण या विषय** सीखने में रुचि रखती हैं? जाति और जेंडर, पलायन और लड़कियां, गैर-पारंपरिक आजीविका, मानसिक स्वास्थ्य और भलाई (वेल-बीइंग) इसके कुछ उदाहरण हैं। कृपया 3-4 विषयों का उल्लेख करें।

a. _____
b. _____
c. _____
d. _____

3) आप कौन से **नए कौशल** सीखना चाहेंगीं? उदाहरण के लिए, दस्तावेज़ीकरण, कहानी सुनाना, सोशल मीडिया, समुदाय-निर्माण, आदि। कृपया 3-4 विषयों का उल्लेख करें।

a. _____
b. _____
c. _____
d. _____

4) आपके पास कोई अन्य प्रश्न/विषय/विषय हो सकते हैं।

a. _____
b. _____
c. _____
d. _____

हमारे अनुभव में

हमारे अनुभव में!

1. जब हमने लर्निंग कम्युनिटी मुंबई और दिल्ली के मेंटर्स से ये प्रश्न पूछे तो उन्होंने ये कहा:
2. सहजकर्ता होने और मेंटरिंग कौशल को मजबूत करना
3. सीखने, निगरानी और मूल्यांकन के कौशल को मजबूत करना
4. लर्निंग कम्युनिटी में समस्या सुलझाने के कौशल और समाधानों को समेकित करना
5. सीखने और दस्तावेज़ीकरण, कहानी सुनाने का कौशल - असफलताओं, उपलब्धियों और नई समझ के रूप में सीखना
6. टीम निर्माण और कलेक्टिव निर्माण कौशल
7. एलसी कार्य पर विचार करने के लिए सोच-समझ को मजबूत करना
8. सोशल मीडिया अभियानों को चलाने का कौशल

तैयारी के लिए अगला कदम:

- रिफ्रेशर प्रशिक्षण डिजाइन करते समय मेंटर्स के फीडबैक को देखें।
- मेंटर्स द्वारा साझा किए गए विषयों पर कुछ सत्रों या पूरे प्रशिक्षण को करने के लिए आपके क्षेत्र के स्थानीय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकते हैं।
- संरचना के लिए ऊपर दिए गए मेंटर्स के प्रशिक्षण वाले भाग को देखें।

मेंटर्स के साथ द्वि-मासिक चेक-इन/कॉल

द्वि-मासिक चेक-इन/कॉल- हर दो महीने में एक चेक-इन मीटिंग या फोन कॉल सभी मेंटर्स और पीयर लीडर्स को जोड़ने और एक सपोर्ट सिस्टम बनाने में मदद कर सकता है। लर्निंग कम्युनिटी मुंबई और दिल्ली, भारत के मेंटर्स में से एक ने इस आवश्यकता को व्यक्त किया।

उद्देश्य:

- विभिन्न संस्थाओं के मेंटर और सहकर्मी (पीयर लीडर) को एक दूसरे के साथ कनेक्ट करने के लिए
- सीख और क्षेत्र से अनुभव साझा करने के लिए
- चुनौतियों पर चिंतन करने के लिए और सामूहिक रूप से समाधान खोजने के लिए
- मेंटर्स की सामूहिक रूप से भलाई (वेल-बीइंग) पर काम करने के लिए
- नए विषयों पर कौशल निर्माण करने के लिए

अवधि और मीटिंग सेटिंग: वर्चुअल या आमने-सामने /ऑफलाइन (गैर-आवासीय) सेटिंग में 2-3 घंटे

प्रतिभागी: सभी सदस्य संस्थाओं के मेंटर और सहकर्मी (पीयर लीडर)

सहजकर्त्ता: सदस्य संस्थाओं के संस्था प्रमुख, बारी-बारी से इन बैठकों का संचालन करने में लीड लें सकते हैं, या वे/कोई भी मेंटर ऐसा कर सकते हैं।

तैयारी:

- मेंटर्स की उपलब्धता के आधार पर उनके परामर्श से मीटिंग की तारीख और समय निर्धारित करें।
- एक मीटिंग एजेंडा बनाएं और नए कौशल(ओं)/थीम(ओं) पर मेंटर्स से परामर्श लें।
- गर्ल-पाथ टूल और लक्ष्य निर्धारण पर पहली मीटिंग में प्रशिक्षण प्रदान करें।
- मेंटर्स और पीयर लीडर्स द्वारा अपनी बात साझा करने और चर्चा करने के लिए पर्याप्त समय रखें।
- वर्चुअल या ऑफलाइन मीटिंग की योजना बनाते समय मेंटर्स के प्रशिक्षण भाग में उल्लिखित विचारों से मदद लें।

वैकल्पिक

एक ऑनलाइन मंच पर मेंटर्स का समूह (वैकल्पिक) – एक पुनरावृत्ति प्रक्रिया के दौरान, भारत में मेंटर्स ने कई बार बात-चीत करने की इच्छा व्यक्त की और सुझाव दिया कि व्हाट्सएप या किसी अन्य मैसेजिंग ऐप पर मेंटर्स का एक ऑनलाइन समूह बनाया जाए। हालांकि, ऑनलाइन समूह बनाने का निर्णय लेने से पहले उन्हें निम्नलिखित कारकों पर विचार करना चाहिए:

- सभी मेंटर्स के पास स्मार्टफोन हो और उनकी व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता जैसे मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, यदि यह उनका निजी फोन/डिवाइस नहीं है, तो समूह के अन्य सदस्यों की संपर्क जानकारी उसी डिवाइस का उपयोग करने वाले परिवार के अन्य सदस्यों/दोस्तों के लिए सुलभ हो जायेगी।
- गोपनीयता संबंधी चिंताओं और सहजता पर चर्चा और मूल्यांकन करना आवश्यक है।
- यह मेंटर्स के लिए पूरी तरह से वैकल्पिक है और यह उनकी सहजता, व्यक्तिगत टूल्स के होने और इंटरनेट पैकेज तक पहुंच पर निर्भर करेगा।

समुदाय में मेंटर्स का कार्य

किशोरियों के साथ प्रशिक्षण – मेंटर्स की प्राथमिक भूमिका किशोरियों के नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने के लिए उनके साथ काम करना है। वे किशोरियों के नेतृत्व-आधारित एक्शन प्रोजेक्ट को डिजाइन करने और लागू करने से पहले समुदाय में किशोरियों और युवा महिलाओं के साथ तीन महीने के नियमित सेशन आयोजित करके इसे पूरा करती हैं। सत्रों का विवरण इस मार्गदर्शिका के भाग 3 में दिया गया है।

किशोरियों के सीखने का सफ़र

नियमित बैठकों के माध्यम से हितधारकों के साथ जुड़ाव – अवसरों और अधिकारों तक लड़कियों की पहुंच निर्धारित करने में समुदाय के सदस्य/हितधारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वे द्वारपाल हैं जिनके साथ लड़कियों के लिए एक सक्षम सशक्त माहौल बनाने की आवश्यकता है। जिन लड़कियों के साथ आप काम कर रहे हैं उनके लिए माता-पिता और महत्वपूर्ण वयस्कों के साथ जुड़ना समुदायों के भीतर लड़कियों के लिए सक्षम स्थान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

भारत में, एलुमनाई गर्ल लीडर्स ने लड़कियों के माता-पिता/अभिभावकों को सबसे महत्वपूर्ण हितधारकों के रूप में पहचाना, जो लड़कियों की निर्णय लेने की क्षमता और निर्णय लेने को प्रभावित करते हैं; इसलिए, उनका समर्थन महत्वपूर्ण है। उन्होंने लड़कियों के माता-पिता या अभिभावकों के साथ त्रैमासिक बैठकों के माध्यम से नियमित रूप से जुड़ने की सलाह दी। अन्य क्षेत्रीय संदर्भों में, यह एक अलग हितधारक हो सकते हैं, जिसका समर्थन लड़कियों के लिए एक मजबूत समर्थन प्रणाली बनाने में मदद कर सकता है। संस्थाओं को लड़कियों/प्रतिभागियों के साथ, उनके सबसे अधिक प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने और उनके साथ नियमित जुड़ाव/बैठकों की योजना बनाने का सुझाव दिया जाता है।

नियमित बैठकों के माध्यम से माता-पिता/अभिभावकों के साथ जुड़ाव – मेंटर्स को गर्ल लीडर्स के माता-पिता के साथ कम से कम त्रैमासिक अवधि पर मिलना चाहिए और उनके साथ जुड़ना चाहिए।

उद्देश्य:

- माता-पिता के साथ नियमित रूप से साझा करने और उनकी चिंताओं को समझने के लिए
- गर्ल लीडर्स के लिए अधिक समर्थन बनाने के लिए

टाइम लाइन: दूसरे से दसवे महीने के बीच

मीटिंग सेटिंग: व्यक्तिगत रूप से- सभी माता-पिता/अभिभावकों के साथ एक साथ मिलना /घर की विजिट करना

प्रतिभागियों: गर्ल लीडर्स के माता-पिता/अभिभावक

सहजकर्त्ता: मेंटर, और सहकर्मी (पीयर लीडर)

तैयारी:

- मेंटर्स को माता-पिता/अभिभावकों के लिए उपयुक्त मीटिंग का दिन और समय तय करना चाहिए
- ऐसे मुद्दे तैयार रखिये जिन पर आप उनसे चर्चा करेंगे

मार्गदर्शिका का यह भाग मेंटर्स की बदलाव की यात्रा को चित्रित करने के लिए टूल और निर्देश प्रदान करता है। सभी फॉर्म मार्गदर्शिका के अंत में, संलग्नक में, कार्यान्वयन में आसानी के लिए शीर्षक वाले भाग में भी उपलब्ध हैं।

	कार्यक्रम की तैयारी और शुरुआत	क्षमता विकास और प्रशिक्षण	गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट - कार्यान्वयन	समीक्षा, सीखना और साझा करना (रिव्यु, लर्निंग, एवं शेयरिंग) – समेकन

मेंटर के लिए टूल्स

	पहला और दूसरा चरण - महीना 1	तीसरा चरण - महीना 2-4	चौथा चरण - महीना 5-10	पांचवा चरण - महीना 11-12
ज्ञान निर्माण (नॉलेज बिल्डिंग) टूल		टूल 3: लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) टूल टूल 4: गर्ल-पाथ टूल		
लर्निंग और मूल्यांकन टूल	टूल 13: स्व-मूल्यांकन टूल – बेसलाइन			टूल 13: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 14: वर्ल्ड कैफे

मेंटर्स के लिए टूल
टूल 13 – स्व-मूल्यांकन फॉर्म
लर्निंग और मूल्यांकन टूल

विवरण

यह टूल एम्पावर द्वारा बनाया गया है। मेंटर के स्व-मूल्यांकन फॉर्म में आठ प्रश्न हैं और एंडलाइन पर एक अतिरिक्त प्रश्न पूछा जाएगा। हर एक प्रश्न में दो भाग हैं, एक को बेसलाइन पर और दूसरे को एंडलाइन पर पूरा किया जाना है। यह फॉर्म मेंटर्स के नेतृत्व और नियोजन कौशल के साथ-साथ किशोरियों से संबंधित मुद्दों पर उनकी समझ के स्तर का आंकलन करता है।

उद्देश्य:
इस फॉर्म का उद्देश्य मेंटर्स में मेंटरिंग कौशल में वृद्धि को मापना है

निर्धारित समय - सीमा:
बेसलाइन: पहला महीना, मेंटर्स का प्रशिक्षण
एंडलाइन: ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:
सहजकर्ता इस टूल को मेंटर्स के साथ संचालित करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:
के लिए स्व-मूल्यांकन की प्रतियां, पेन

इसे कैसे करें:

1. हर एक मेंटर इस फॉर्म को भरेंगे
2. संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे प्रश्नों को पढ़ें और यदि आवश्यक हो, तो उन्हें उनके विशिष्ट संदर्भ के अनुसार बदलें
3. इस फॉर्म में बेसलाइन और एंडलाइन दोनों पर भरे जाने वाले प्रश्न शामिल हैं

सहजकर्ता के लिए निर्देश:

1. फॉर्म को समझाएं, इसे कैसे भरना है
2. मेंटर्स से फॉर्म भरने को कहें
3. फॉर्म्स में आवश्यकतानुसार अपना नाम, संस्था, दिनांक और आयु डालने के लिए उन्हें निर्देश दें
4. विश्लेषण के लिए सभी फॉर्म्स को एकत्र करें

प्रश्नों से हम क्या सीख सकते हैं:

नाम: _____

आयु: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

1. क्या आपने पहले किशोरियों के साथ काम किया है? यदि हां, तो कहां और आपने क्या काम किया--आपकी भूमिका(संक्षेप में लिखिए)।

_____

_____

_____

_____

_____

_____

2. फील्ड में काम करते समय, जब मैं सहज होती हूं...

निम्नलिखित को 1-5 के पैमाने पर स्कोर करें [1= सहज नहीं, 3= मध्यम, 5 = बहुत सहज]

	बेसलाइन					एंडलाइन				
1. समुदाय में चलना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
2. समुदाय के लोगों से बात करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
3. किशोरियों के साथ सेशन लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
4. वयस्कों के साथ सेशन लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
5. वयस्कों के साथ बातचीत में आसानी	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
6. पुलिस, शिक्षकों और अन्य सरकारी अधिकारियों जैसे हितधारकों के साथ बात-चीत करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
7. समुदाय में फोटो लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
8. जनसभाएं करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मेंटर की सहजता और लड़कियों और उनके समुदायों के साथ काम करने का कौशल मापता है ।

3. मेंटरिंग का कौशल

निम्नलिखित कौशल को 1-5 के पैमाने पर स्कोर करें [1= कुशल नहीं, 3= मध्यम, 5 = बहुत कुशल]

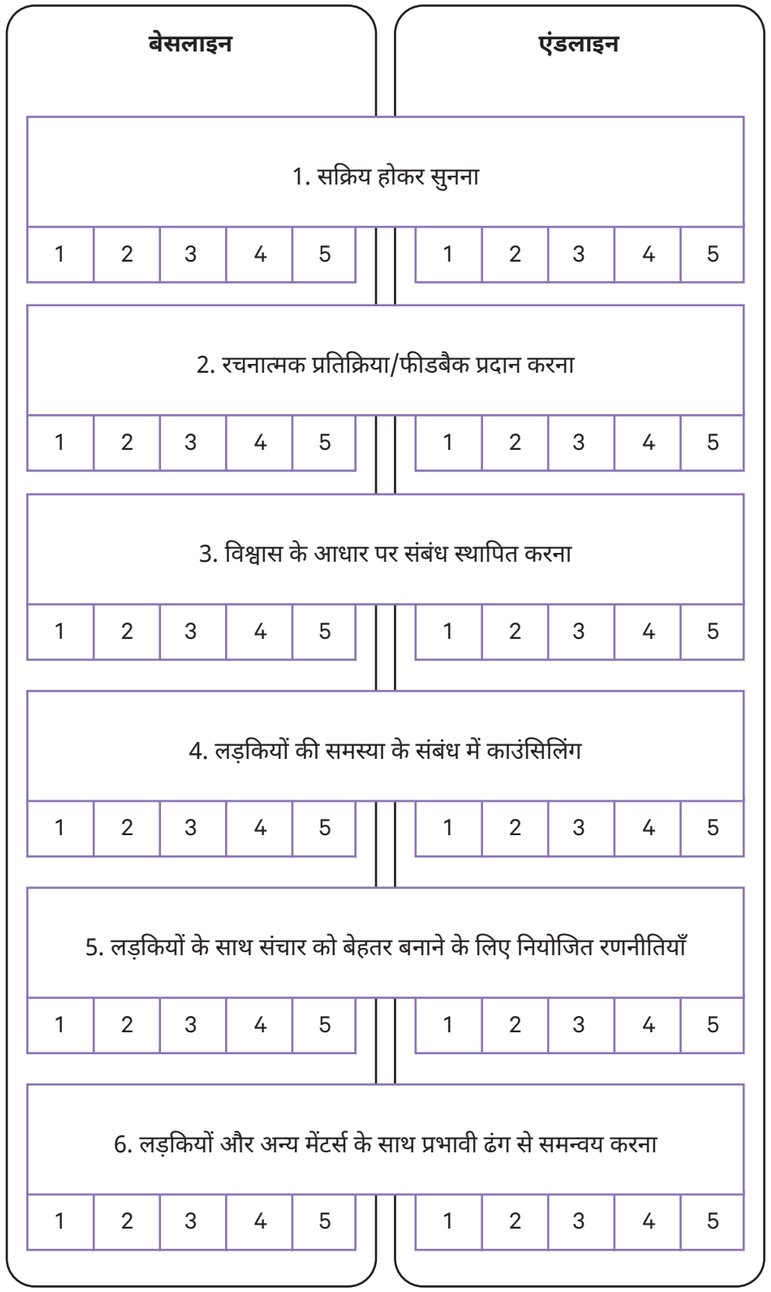

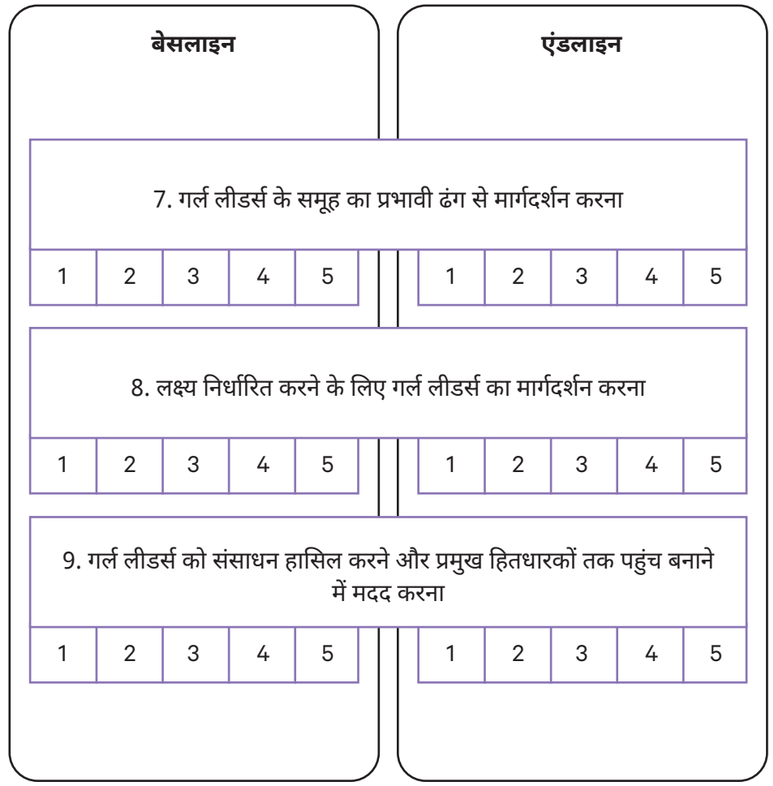

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मेंटर्स के मेंटरिंग स्किल्स में बदलाव मापता है।

4. लर्निंग कम्युनिटी को लड़कियों के लिए एक समावेशी और भेदभाव से मुक्त जगह बनाने के लिए मेरी रणनीतियां होंगी

बेसलाइन - समावेशन और गैर-भेदभाव के लिए रणनीतियाँ	**एंड लाइन –** क्या आपने यह लक्ष्य पूरा कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिलकुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका: क्या आपने जो योजना बनाई थी, उससे अलग रणनीतियों का इस्तेमाल किया? अगर हाँ तो क्या?		

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

- लर्निंग कम्युनिटी को एक समावेशी और भेदभाव से मुक्त जगह बनाने के लिए बेसलाइन पर निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने में मेंटर किस हद तक सक्षम रहे है
- परामर्श कौशल

5. आपने अपने लिए क्या लक्ष्य रखे हैं ?

बेसलाइन - मेरा लक्ष्य अपने लिए है, और मेरा निजी प्रोजेक्ट है...	**एंड लाइन -** क्या आपने यह लक्ष्य हासिल कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

- मेंटर अपने लिए बेसलाइन में निर्धारित उद्देश्यों को किस हद तक पूरा कर पाया है

6. अपने समुदाय के लिए लक्ष्य

बेसलाइन - कार्यक्रम नेटवर्क को देखते हुए, मैं समुदाय में निम्नलिखित बदलाव लाऊंगी...	**एंड लाइन –** क्या आपने यह लक्ष्य पूरा कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

- गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से समुदाय में बदलाव लाने के उपायों को करने के लिए बेसलाइन पर निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने में मेंटर किस हद तक सक्षम रहा है?
- प्रोजेक्ट की योजना बनाने का कौशल

7. अन्य संस्थाओं से सीखने का लक्ष्य

बेसलाइन - लड़कियों की लर्निंग कम्युनिटी नेटवर्क को देखते हुए, मैं सीखना चाहूंगी ...	**एंड लाइन -** आपने अन्य संस्थाओं से क्या सीखा है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		

बेसलाइन और एंडलाइन पर मेंटर्स द्वारा दिए गए जवाबों की तुलना करके, यह प्रश्न मापता है:

- उसने अपने प्रशिक्षण और भागीदारी के दौरान कार्यक्रम नेटवर्क से क्या सीखा?

8. एंड लाइन पर पूछे जाने वाले अतिरिक्त मुक्त प्रश्न

8.1. इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने और लड़कियों के साथ काम करने की सबसे अच्छी बात यह है...

मेंटर कार्यक्रम के दौरान उनके अनुभव के बारे में लिखेंगे । यह प्रश्न कार्यक्रम में सुधार कैसे करें, इस बारे में महत्वपूर्ण सीखें प्रदान करता है।

8.2. आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या रही है?

मेंटर, किस क्षेत्र में सुधार की जरूरत है, उसके बारे में लिखेंगे। यह प्रश्न मेंटर्स के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण सीखें प्रदान करता है।

8.3. इस कार्यक्रम के कारण मुझे जो सबसे बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है वह है...

यह प्रश्न कार्यक्रम के कारण सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव का विश्लेषण करता है।

8.4. इस कार्यक्रम में, अन्य संस्थाओं के साथ काम करने से मुझे सीखने मिला है ...

मेंटर अन्य संस्थाओं के साथ काम करने से उनमे कौन से नए दृष्टिकोण विकसित हुए, उनके बारे में लिखेंगे

इसे कैसे मापें:

- प्रश्न 2 और 3 के लिए बेसलाइन और एंडलाइन प्रतिक्रियाओं की तुलना यह देखने के लिए की जा सकती है कि मेंटर्स के कौशल कैसे बदल गए हैं।
- विषयगत विश्लेषण गाइड का उपयोग प्रश्न 4-9 के लिए बेसलाइन और एंडलाइन प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता है।
- परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए एक बार चार्ट का उपयोग किया जा सकता है। परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए सारणीबद्ध किया जा सकता है:
  - कार्यक्रम में भाग लेने के परिणामस्वरूप उनमें जो योग्यताएँ विकसित हुई हैं।
  - उन विशेषताओं ने उनके पेशेवर जीवन को कैसे प्रभावित किया है?

मेंटर्स के लिए
टूल 14 - वर्ल्ड कैफे

लर्निंग और मूल्यांकन टूल

विवरण

यह टूल 1990 के दशक में एलिजाबेथ लंक द्वारा विकसित किया गया था। वर्ल्ड कैफे एक ऐसा टूल है, जिसका उपयोग कार्यक्रम में किसी विशेष विषय पर समूह चर्चा शुरू करने के लिए किया जाता है। इसकी शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा अलग-अलग टेबल पर किसी विषय पर चर्चा करने से होती है, जिसमें प्रतिभागी समय-समय पर टेबल बदलते रहते हैं और 'टेबल होस्ट' द्वारा उनकी नई टेबल पर पिछली चर्चा के बारे में जानकारी दी जाती है। बातचीत की सुविधा के लिए एक कैफे जैसा माहौल बनाया जाता है।

उद्देश्य:

इस टूल को कार्यक्रम के परिणामों पर केंद्रित चर्चा को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रक्रिया से शुरू हुई बातचीत उन दृष्टिकोणों को एक साथ लाने में सहायता कर सकती है, जिनका उपयोग कार्यक्रम की ताकत और कमजोरियों को समझने के लिए किया जा सकता है।

निर्धारित समय - सीमा:

ग्यारहवा महीना, समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

इस टूल का उपयोग कौन करेगा:

सीनियर मेंटर/सहजकर्ता इस टूल को मेंटर्स के साथ संचालित करेंगे।

सामग्री की आवश्यकता:

फ्लिप चार्ट, पोस्ट-इट नोट्स, पेन, टेबल और बजर (वैकल्पिक)।

इसे कैसे करें:

1. हर एक मेंटर को पोस्ट-इट नोट्स और एक पेन दिया जाएगा फिर उन्हें एक टेबल पर बैठाया जाता है।
2. हर एक टेबल पर एक फ्लिपचार्ट होता है जिस पर विषय लिखा होता है।
3. मेंटर्स को विषय को लिखने से पहले और उसे फ्लिपचार्ट पेपर पर चिपकाने से पहले अपने साथियों के साथ 5-7 मिनट के लिए फ्लिपचार्ट पर लिखे विषय पर चर्चा करनी चाहिए।
4. 10 मिनट के बाद बजर बजेगा और उन्हें टेबल बदलने की जरूरत होगी।

विषय हैं:

- व्यक्तिगत और लड़कियों का सामूहिक स्तर
- संस्थागत स्तर
- सामुदायिक स्तर
- आपने नेटवर्क में अन्य संस्थाओं से क्या सीखा है?

सहजकर्ता के लिये:

1. मेंटर्स को एक्टिविटी समझाएं।
2. उन्हें पोस्ट-इट नोट्स पर अपना नाम और संस्था का नाम डालने के लिए कहें।
3. गतिविधि के बाद सब नोट्स इकट्ठा करें।
4. रिकॉर्डिंग शीट का उपयोग करके, प्रोग्राम-स्तरीय विचार-विमर्श को देखने के लिए और क्या काम किया और क्या नहीं इसे दर्ज करें। इस रिकॉर्डिंग शीट का प्रिंट आउट लेने के लिए भाग 5 के उपभाग – 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' देखें।

रिकॉर्डिंग शीट

	क्या काम किया?	क्या काम नहीं काम/सीमाएं/ चुनौतियां?
व्यक्तिगत और लड़कियों का सामूहिक स्तर		
संस्थागत स्तर		
सामुदायिक स्तर		
लर्निंग कम्युनिटी - कम्युनिटी ऑफ़ प्रैक्टिस		

इसे कैसे मापें:

1) कार्यक्रम स्तर के विचार-विमर्श को समझने के लिए संस्थाओं द्वारा प्रदान किए गए विचार-विमर्श का उपयोग करें और थीमेटिक गाइड (संलग्नक संख्या 5.2 देखें) विषयगत विश्लेषण करके देखें कि क्या काम आया और क्या काम नहीं आया।

नोट: मेंटर्स के टूल के लिए भाग 5 के उपभाग – 'कार्यान्वयन में आसानी के लिए' से सभी फॉर्म और रिकॉर्डिंग शीट डाउनलोड की जा सकती हैं।

भाग 5: लर्निंग कम्युनिटी की सीखों को साथ लाना

यह भाग बताता है कि लर्निंग कम्युनिटी की सीखों को कैसे एक साथ लाया जाए और काम की भविष्य की दिशा की कल्पना की जाए। यह इस प्रश्न का उत्तर देने में आपकी सहायता कर सकता है, “मेरी यात्रा कैसी दिखती है, और हम यहाँ से कैसे आगे बढ़ते हैं?”

समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला

लर्निंग कम्युनिटी की यात्राओं पर विचार करने के लिए एक समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला एक महत्वपूर्ण स्थान है, इसे लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के कार्यान्वयन के पूरा होने के बाद ग्यारहवे या बारहवे महीने में आयोजित किया जा सकता है। लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक सभी सदस्य संस्थाओं, मेंटर्स, गर्ल लीडर्स और सहकर्मी (पीयर लीडर)ओं के लिए कार्यशाला आयोजित कर सकता है। विचार-विमर्श की प्रक्रिया आमने-सामने कार्यशाला में की जाती है।

नोट: ऐसे व्यक्ति या संस्था जो कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस' का हिस्सा नहीं हैं या लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को लागू करने के लिए अभी अन्य संस्थाओं के साथ नहीं काम कर रहे हैं, उन्हें अपने संस्था स्तर पर गर्ल लीडर्स, मेंटर्स और सहकर्मी (पीयर लीडर) के साथ समीक्षा (रिव्यु), लर्निंग और शेयरिंग कार्यशाला आयोजित करनी चाहिए।

उद्देश्य:

- एक दूसरे के साथ उपलब्धियों और अनुभवों को साझा करने के लिए
- सीखने (लर्निंग) पर विचार-विमर्श करने और मूल्यांकन करने के लिए
- सीखने, निगरानी और मूल्यांकन (लर्निंग, मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन) के लिए एंडलाइन डेटा एकत्र करने के लिए
- लड़कियों की सिफारिशों को उनके समुदायों में ठोस बदलाव लाने के लिए प्रमुख हितधारकों तक पहुँचाने के लिए गर्ल लेड इवेंट की योजना बनाना
- एलुमनाई समारोह सहित संयुक्त रूप से सभी लर्निंग कम्युनिटी सदस्य संस्थाओं द्वारा आयोजित संस्थागत स्तर और/या एक गर्ल लेड घटना पर सामुदायिक स्तर की गतिविधियों की योजना बनाने के लिए

टाइम लाइन और अवधि: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम कार्यान्वयन के ग्यारहवे महीने के बाद, एक आमने-सामने / व्यक्तिगत आवासीय या गैर-आवासीय या ऑनलाइन सेटिंग में 2-3 दिनों के लिए।

प्रतिभागी: गर्ल लीडर्स (सभी गर्ल लीडर्स, यदि केवल एक संस्था इसे कर रही है)। यदि सभी सदस्य संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है, तो हर एक किशोरी समूह के प्रतिनिधियों को कार्यशाला में भाग लेना चाहिए।

[नोट: समूह की सभी लड़कियों को एक साथ अपनी सीख पर विचार करना चाहिए, और फिर कार्यशाला में समूह के विचार-विमर्श को साझा करने के लिए 4-5 गर्ल लीडर प्रतिनिधियों का चयन करें।]

संस्थागत प्रमुख / लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम प्रबंधक, मेंटर और सहकर्मी (पीयर लीडर)

इसे कौन करवाएगा: इस तरह की भागीदारी प्रक्रियाओं को करवाने की विशेषज्ञता वाले किसी लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक या बाहरी सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा करवाया जायेगा।

टूल: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के सीखने और मूल्यांकन की सुविधा के लिए, भाग 3 और 4 के तहत दिया गया है।

टेबल 8: लर्निंग और मूल्यांकन टूल्स

गर्ल लीडर्स के लिए टूल	
मूल्यांकन टूल	टूल 2: सामाजिक संसाधन की मैपिंग (एंड लाइन) – मूल्यांकन के लिए वैकल्पिक टूल टूल 8: गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 1: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 9: बदलाव के पल टूल 10: केस स्टोरी विश्लेषण टूल 11: लाइफ लाइन टूल 12: फोटो वॉयस टूल –वैकल्पिक
मेंटर्स के लिए टूल	
मूल्यांकन टूल	टूल 13: स्व-मूल्यांकन टूल - एंड लाइन टूल 14: वर्ल्ड कैफे

सहजकर्ता के लिए नोट्स:

- गर्ल लेड गतिविधियों की योजना बनाने के लिए लड़कियों और मेंटर्स के साथ एक सेशन आयोजित करें, इसके उद्देश्यों का निर्धारण करें, किसे आमंत्रित किया जाना चाहिए, कार्यक्रम की सामग्री, और लड़कियों की आवाज और मांगों को सुनने योग्य बनाने के लिए रणनीतियां।
- उन्हें इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें कि वे आयोजन के दौरान अपनी उपलब्धियों को कैसे प्रस्तुत करेंगे और निर्णयकर्ताओं के सामने अपनी मांगों को प्रस्तुत करेंगे। उन्हें कुछ प्रभावी प्रेजेंटेशन-बनाने और देने की सलाह दें।

कार्यक्रम और समुदाय-स्तर के प्रभाव का दस्तावेजीकरण कैसे करें?

संस्था/लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक नीचे दिए गए प्रश्नों का उपयोग कार्यक्रम के दस्तावेजीकरण और गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के समुदाय-स्तर के प्रभाव को देखने के लिए कर सकते हैं। यह संस्थाओं को गर्ल लीडर्स के नेतृत्व में काम के माध्यम से लाए गए बदलाव को देखने में मदद करेगा। परिणामों की तुलना करने के लिए इसे या तो व्यक्तिगत संस्थाओं या लर्निंग कम्युनिटी समन्वयक संस्था द्वारा लिखित रूप में रखा जा सकता है। नीचे सूचीबद्ध प्रश्न केवल सुझाव हैं; आप उन्हें उद्देश्यों के साथ बेहतर ढंग से उपयोगी बनाने के लिए उसमे कुछ जोड़ या उसे बदल सकते हैं।

1. कार्यक्रम का दस्तावेजीकरण करने के लिए हर एक संस्था की योजना और बजट शीट का सारांश इस्तेमाल किया जा सकता है।

2. निम्नलिखित प्रभाव को मापने के लिए, गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट मूल्यांकन शीट का इस्तेमाल किया जा सकता है:

- किस प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाती हैं?
- कितनी लड़कियों ने इन गतिविधियों को लागू किया?
- एक गतिविधि के माध्यम से समुदाय के कितने लोगों तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पहुँच बन पाई?
- समुदाय में किस प्रकार के बदलाव देखे गए?
- लड़कियों ने अपने नेतृत्व और योजना बनाने के कौशल का प्रयोग करने के लिए गतिविधियों का उपयोग कैसे किया?
- गर्ल लीडर्स के एक्शन प्रोजेक्ट्स के कारण समुदाय में क्या बदलाव आए?
- उनकी प्रोजेक्ट की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियां क्या थीं?
- उन्होंने किन बाधाओं का सामना किया और उन्हें आगे क्या काम करने की जरूरत है?

संस्थाओं के लिए सीखें/लर्निंग

साझा कार्यशाला व्यक्तिगत संस्थाओं को लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के माध्यम से अपने संस्था की यात्रा पर विचार-विमर्श करने का मौका देती है। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे कार्यशाला के दौरान एकत्र की गई गर्ल लीडर्स और मेंटर्स की सीखें को देखें, और मूल्यांकन करें कि, क्या काम किया या क्या नहीं किया, क्या अलग तरीके से किया जा सकता था, और किशोरियों और अपने समुदायों में युवा लोगों के लिए इसे और अधिक सार्थक कैसे बनाया जाए। इसके अतिरिक्त, वे इस बात पर विचार कर सकती हैं कि उनकी अपनी संस्था के लिए युवा-केंद्रितता और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग की यात्रा कैसी रही है। ये लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के अगले चरण की योजना बनाने में सहायक होंगे।

विचार-विमर्श के लिए, संस्था नीचे सूचीबद्ध प्रश्नों का का उपयोग कर सकती हैं।

संस्थागत स्तर के चिंतन के लिए प्रश्न (वैकल्पिक)

लर्निंग और मूल्यांकन के लिए प्रश्न

ये प्रश्न संस्थाओं को लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम लागू करने से पहले और बाद में विचार-विमर्श करने के लिए दिए जाते हैं। यह लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम मार्गदर्शिका की मदद से, कार्यक्रम के प्रमुख दृष्टिकोणों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने, योजना बनाने और रणनीतियों को विकसित करने में संस्थाओं की मदद कर सकते हैं।

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम शुरू होने से पहले विचार-विमर्श करने के लिए प्रश्न (बेसलाइन):

सार्थक युवा जुड़ाव और युवा केन्द्रीयता :

- क्या स्टाफ युवाओं की भागीदारी और गैर-भेदभाव से संबंधित मूल्यों, क्षमताओं और कौशल में प्रशिक्षित है?
- क्या आपकी संस्था में युवाओं के नेतृत्व वाले कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाती है?
- क्या संस्था के पास कर्मचारियों और युवाओं दोनों के अधिकारों की रक्षा के लिए बाल संरक्षण नीतियों सहित युवाओं के साथ काम करने के लिए नैतिक प्रोटोकॉल हैं?
- क्या युवा योजना बनाने, डिजाइन बनाने और कार्यान्वयन और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में शामिल हैं? उदाहरण के लिए - युवा (मेंटर समूहों या नेटवर्क के माध्यम से) वार्षिक योजना अभ्यास, बजट और मूल्यांकन में भाग लेते हैं; रणनीतिक और वार्षिक योजनाओं में युवा मुद्दों को प्राथमिकता के रूप में शामिल किया जाता है, और युवा लोगों को सुना जाता है, और उनकी सिफारिशों को लागू किया जाता है।
- क्या युवा विचार-विमर्श करने और प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए सुरक्षित और सहभागी स्थानों के भीतर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं?

अन्य संस्था के साथ सहयोग, विशेषज्ञता को साझा और आदान-प्रदान करना:

- क्या आप अपनी विशेषज्ञता, कौशल और अनुभव साझा करते हैं, जो युवाओं और विशेष रूप से किशोरियों और महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं?

उनकी संस्था, में सीखने और सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुकूलन, युवा कार्यक्रम:

- क्या आपको लगता है कि आपकी संस्था में, युवाओं के साथ अन्य कार्यक्रमों में, कौशल, शिक्षा और नए दृष्टिकोण को अपनाया जा सकता है?

लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम कार्यान्वयन चरण के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें (एंड लाइन):

सार्थक युवा जुड़ाव और युवा केन्द्रीयता:

- आपने अपने काम के विभिन्न चरणों (योजना/डिजाइन/कार्यान्वयन/सीखने और प्रभाव के प्रयासों) में लड़कियों और/या युवाओं को कैसे शामिल किया और आपने इस अनुभव से क्या सीखा?
- अनुदान अवधि के दौरान आपने लड़कियों और/या युवा लोगों के साथ काम करने के बारे में क्या सीखा है, और आप इसे अपने काम में कैसे शामिल कर रहे हैं?

किसी अन्य संस्था के साथ सहयोग करना, साझा करना और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करना:

- क्या लर्निंग कम्युनिटी कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस' कार्यक्रम मॉडल में शामिल होने के बाद से आपके संस्था ने कोई नया कौशल या दृष्टिकोण हासिल किया है? यदि हां, तो कृपया उनकी सूची बनाएं।
- क्या आपने एक संयुक्त गतिविधि, जैसे क्षमता विकास और सामुदायिक कार्यक्रम आदि आयोजित करने के लिए किसी अन्य सदस्य संस्था के साथ सहयोग किया है?

उनके संस्था, युवा कार्यक्रम में सीखने और सर्वोत्तम प्रथाओं का अनुकूलन:

- क्या आपने पिछले 12-18 महीनों में अपने संस्था में युवा (या अन्य) कार्यक्रमों में किसी भी लर्निंग कम्युनिटी की सीखों या सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया है?
- लर्निंग कम्युनिटी की सीखों या सर्वोत्तम प्रथाओं से आपको नए प्रस्ताव तैयार करने या नए काम को चलाने में कोई मदद मिलती है?
- यदि हां, तो आपने लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम/सीखने के किस हिस्से से मदद ली?
- इसने आपकी मदद कैसे की?

लर्निंग कम्युनिटी के आगे का सफ़र ...

चित्र 10:

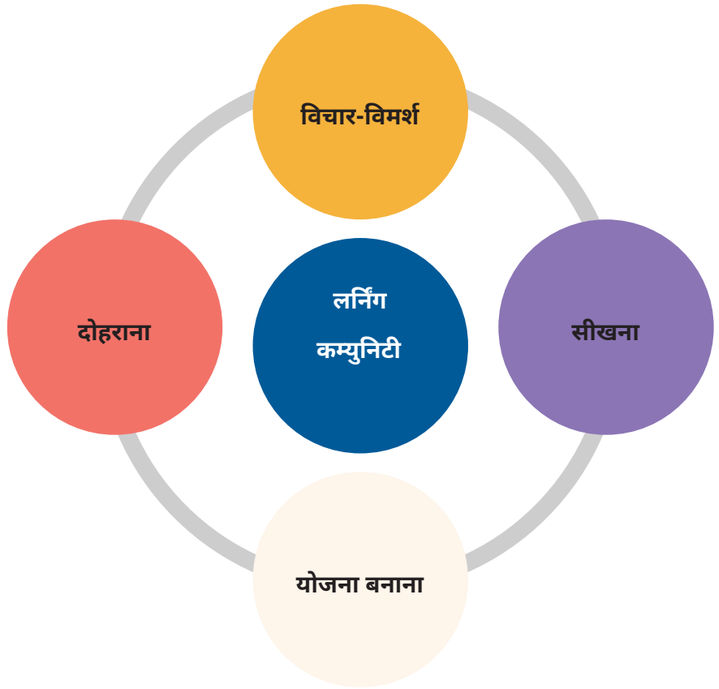

विचार विमर्श करना: संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने समुदायों में लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम चलाने से मिली सीख को समझने के लिए पर्याप्त समय दें:

- किशोरियों और युवाओं और उनके समुदायों के लिए यह कितना सार्थक था।
- क्या कार्यक्रम ने नेतृत्व कौशल और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाया, और लड़कियां/युवाओं के दृष्टिकोण में बदलाव लाया और कैसे।
- कार्यक्रम ने मेंटर की क्षमताओं को बढ़ाया है या नहीं और कैसे।
- क्या कार्यक्रम युवा केंद्रित था और कैसे।
- क्या लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम ने लड़कियों के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित किया और कैसे।

सीखना: लड़कियों और युवाओं और उनके समुदायों की नई जरूरतों के बारे में।

योजना: लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम लड़कियों के नेताओं, मेंटर्स और संस्थाओं द्वारा दिए किए गए विचारों और लड़कियों और उनके समुदायों की नई पहचान की गई जरूरतों पर आधारित है; लड़कियों और युवाओं के साथ लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम को फिर से डिजाइन करें।

दोहराना: लड़कियों और संस्थाओं के बड़े पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करने के लिए और बदलाव के लिए उनकी सिफारिशों को वास्तविक बनाने के लिए लर्निंग कम्युनिटी की अलुमनाई गर्ल लीडर्स के नेताओं के साथ काम करने के लिए लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम; लर्निंग कम्युनिटी कार्यक्रम के माध्यम से नई लड़कियों और युवा नेताओं को शामिल करना।

पद्धतिगत टूल/विश्लेषण गाइड

ये विभिन्न सहभागी टूल्स का उपयोग करके लड़कियों और मेंटर्स से एकत्रित फीडबैक का विश्लेषण करने में सहायक हैं।

5.1 गुणात्मक ग्रेडिंग गाइड

युवा विकास के संदर्भ में, निगरानी और मूल्यांकन (मोनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन) प्रक्रिया इस बारे में व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्र करने में मदद करती है, कि किसी कार्यक्रम में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के प्रयास कैसे काम कर रहे हैं। मूल्यांकन ऐसी जानकारी प्रदान करते हैं जिसका उपयोग कार्यक्रमों और पहलों को सही दिशा में रखने और गुणवत्ता सुधारों को सूचित करने के लिए तुरंत किया जा सकता है। युवा केंद्रित कार्यक्रम में उत्पन्न बहुत सारा डेटा गुणात्मक होता है।

इस गाइड का उद्देश्य यह समझाना है कि युवावस्था में गुण, जैसे व्यवहार, क्षमता, कौशल आदि में सुधार को मापने के लिए गुणात्मक डेटा को कैसे एकत्र, पहचान, कोड और उसका विश्लेषण किया जा सकता है। यह निर्देश भी देता है कि किसी कार्यक्रम के प्रभाव को मापने के लिए गुणात्मक डेटा को मात्रात्मक में कैसे बदला जा सकता है।

गुणात्मक ग्रेडिंग क्या है?

गुणात्मक डेटा में गहन टिप्पणियां, बयान और युवाओं के कथन शामिल हैं, जो कार्यक्रम के परिणामों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकते हैं। गुणात्मक डेटा का विश्लेषण करके, महत्वपूर्ण विषयों, समानताओं और विरोधाभासों की पहचान की जा सकती है जो एक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले मुद्दों की एक स्पष्ट तस्वीर बनाने करने में मदद करते हैं। गुणात्मक प्रतिक्रियाओं में खुद रिपोर्ट की गई जानकारी शामिल हो सकती है (वे किस प्रकार की समस्याओं का सामना करते हैं? वे किसी विषय के बारे में क्या जानते हैं?), संख्यात्मक पैमाने पर रैंक किए गए अनुभव या दृष्टिकोण (उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से बोलने के बारे में कितना आश्वस्त महसूस करता है)। इस विधि में डेटा को शब्दों/कथनों से संख्याओं में बदलना शामिल है। यह डेटा कोडिंग या स्कोर करके और उभरते पैटर्न की तलाश करके किया जा सकता है। यदि गुणात्मक डेटा स्टैण्डर्ड प्रश्नावली वाले सर्वे के उत्तरों के रूप में है, तो यह डेटा परिमाणित भी हो सकता है। यह पहले/बाद में तुलना की अनुमति भी देता है, ताकि समय के साथ बदलावों का आंकलन किया जा सके। युवा प्रतिभागियों के बेसलाइन और फॉलो-अप एंडलाइन सर्वेक्षण, युवा विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया और परिणाम मूल्यांकन, दोनों के लिए मूल्यवान गुणात्मक जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

गुणात्मक डेटा को मात्रात्मक में कैसे बदलें

1	निर्धारित करें कि कौन सी गुणात्मक विशेषताएँ, जैसे जीवन कौशल, क्षमताएँ, या दृष्टिकोण, आप कार्यक्रम के प्रतिभागियों में मूल्यांकन करना चाहते हैं। अपने कार्यक्रम में युवाओं को विचाराधीन विशेषता पर स्वयं को और उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करने में सहायता करने के लिए स्पष्ट और सरल प्रश्न तैयार करें।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि हमारे पास एक कार्यक्रम है, जो लड़कियों के नेतृत्व को विकसित करने पर केंद्रित है और एक जीवन कौशल जिसे मापा जाना चाहिए, वह है आत्मविश्वास। प्रतिभागियों के आत्मविश्वास में बदलाव का आंकलन करने के लिए हम प्री- और पोस्ट-टेस्ट (पहले और बाद के टेस्ट) के दौरान पूरा करने के लिए एक प्रश्न/कथन तैयार कर सकते हैं।

आत्मविश्वास को मापने के लिए एक पूर्व और परीक्षण के बाद के फॉर्मेट का उदाहरण:

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	बाद का -परीक्षण
मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सकती हूं...	मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सकती हूं...

उपरोक्त कथन का फॉर्मेट:

- प्रतिभागियों को उनके अपने शब्दों में अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें
- एक ही पृष्ठ पर एक पूर्व और बाद की प्रतिक्रिया प्रदान करता है, जो प्रतिभागियों द्वारा उनकी पहले की प्रतिक्रिया के साथ तुलना कर उनके सुधार का आंकलन करने में मदद करता है
- जल्दी विश्लेषण/ग्रेडिंग करने के लिए, मूल्यांकनकर्ताओं के लिए, पूर्व और बाद की प्रतिक्रियाओं को एक ही पृष्ठ पर देखना आसान होता है ।

2	पूर्व और बाद की टेस्ट के माध्यम से कार्यक्रम के प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाएं एकत्र करें

एक उदाहरण प्रतिक्रिया

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं गा सकती हूं, नाच सकती हूं और अपनी मां की मदद कर सकती हूं।	मुझे खुशी है कि मैं रिपोर्ट तैयार कर सकती हूं, सर्वेक्षण कर सकती हूं और प्रोजेक्ट की योजना बना सकती हूं।

3	तीन बिंदु वाले पैमाने का उपयोग करके पूर्व और बाद के टेस्ट के दौरान एकत्र की गई प्रतिक्रियाओं के लिए स्कोर दें: +1 उत्कृष्ट परिणाम या सकारात्मक बदलाव के लिए 0 बिना किसी बदलाव के -1 खराब परिणाम या नकारात्मक बदलाव के लिए

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं पढ़ सकती हूं और घर का काम कर सकती हूं। मुझे लगता है कि मैं एक अच्छी बेटी हूं।	मुझे खुशी है कि मैं बाहर जा सकती हूं और अपने समुदाय को बदलने के लिए कुछ कर सकती हूं। मैं अब अपने माता-पिता से बिना किसी डर के बात कर सकती हूं कि मैं अपने जीवन के बारे में कैसा महसूस सकती हूं। मुझे पता है कि बजट कैसे तैयार करना है और किसी भी कार्यक्रम की योजना कैसे बनानी है।

अंक	+1

कोई बदलाव न दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं पढ़ सकती हूं, और मैं दोस्त बना सकती हूं	मुझे खुशी है कि मैं अपने दोस्तों के साथ पढ़ और खेल सकती हूं

अंक	0

खराब परिणाम या नकारात्मक बदलाव दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं पोस्टर पेंट कर सकती हूं और उनकी मदद कर सकती हूं।	मैं खुश हूं कि मैं खुद को बदलना चाहती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि कैसे। मुझे लगता है कि मैं असमंजस में हूँ।

अंक	-1

4	प्री और पोस्ट-टेस्ट (पहले और बाद के टेस्ट) स्कोर की तुलना करें। कोई यह निर्धारित करके परिणामों का मूल्यांकन कर सकता है कि कितने प्रतिभागियों ने सुधार किया, कितने नहीं बदले, और कितने नकारात्मक परिणाम थे।

चित्र 11: कार्यक्रम के प्रतिभागियों में आत्मविश्वास के स्तर का परिणाम – उदाहरण

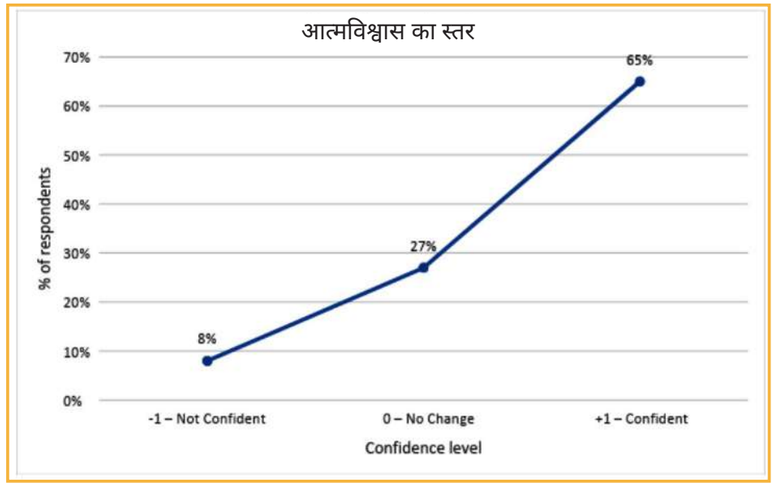

5.2 विषयगत विश्लेषण गाइड

यह गुणात्मक या वर्णनात्मक प्रतिक्रियाओं को थीम/विषयों में बदलने के लिए एक और उपयोगी तरीका है, जिसका उपयोग प्रतिभागियों में बदलाव का आंकलन करने के लिए किया जा सकता है। प्रतिक्रियाओं का विषयगत विश्लेषण रिपोर्टिंग पैटर्न (थीम) की प्रकृति की व्याख्या करके, डेटा के भीतर सुधार को पहचानने में मदद करता है । प्रतिभागियों द्वारा स्वयं में पहचाने जाने वाले बदलावों को समझने के लिए बार-बार आने वाले विषयों का मिलान किया जा सकता है। यह पूर्व निर्धारित थीम के काम करने के बजाय, उभरते हुए पैटर्न के आधार पर थीम बनाने का भी मौक़ा देता है।

विषयगत विश्लेषण के लिए निर्देश

चरण 1: प्रतिभागी की प्रतिक्रिया में उभरने वाले विभिन्न विषयों को पहचानें और सूचीबद्ध करें। उदाहरण के लिए, नीचे दिए गए प्रतिभागी द्वारा प्रदान की गई प्रतिक्रिया, जो एक बेहतर परिणाम दिखाती है, निम्नलिखित विषयों को दर्शाती है: बढ़ी हुई गतिशीलता, बेहतर संचार कौशल, योजना बनाने की क्षमता और जेंडर आधारित हिंसा के विरुद्ध कार्य करने की क्षमता।

प्रतिभागी 1

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की उदाहरण प्रतिक्रिया

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं पढ़ सकती हूं और घर का काम कर सकती हूं। मुझे लगता है कि मैं एक अच्छी बेटी हूं।	मुझे खुशी है कि मैं अधिक आत्मविश्वासी महसूस कर रही हूं। मैं बाहर जा सकती हूं और अपने समुदाय को बदलने के लिए कुछ कर सकती हूं।मैं अब अपने माता-पिता से बिना किसी डर के बात कर सकती हूं कि मैं अपने जीवन के बारे में कैसा महसूस करती हूं।मुझे पता है कि बजट कैसे तैयार करना है और किसी भी कार्यक्रम की योजना कैसे बनानी है। अगर मुझे कभी भी यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है तो मैं पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज करा सकती हूं।

चरण दो: प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया में उभरे विषयों की एक टेबल तैयार करें। नीचे दी गई टेबल प्रतिभागी 1 की प्रतिक्रिया में उभरे विषयों को सूचीबद्ध और चिह्नित करती है।

विषय-वस्तु	**प्रतिभागी 1**
आत्म सम्मान	X
गतिशीलता	X
संचार कौशल	X
योजना कौशल	X
जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने की क्षमता	X

चरण 3: नीचे 5 प्रतिभागियों द्वारा प्रदान किए गए उत्तर के उदाहरण दिए गए हैं, हर एक प्रतिक्रिया के लिए चरण 2 का पालन करें और नीचे दिखाए गए अनुसार विषयगत विश्लेषण टेबल भरें:

प्रतिभागी 1

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं पढ़ सकती हूं और घर का काम कर सकती हूं। मुझे लगता है कि मैं एक अच्छी बेटी हूं।	मुझे खुशी है कि मैं अधिक आत्मविश्वासी महसूस कर रही हूं। मैं बाहर जा सकती हूं और अपने समुदाय को बदलने के लिए कुछ कर सकती हूं।मैं अब अपने माता-पिता से बिना किसी डर के बात कर सकती हूं कि मैं अपने जीवन के बारे में कैसा महसूस सकती हूं।मुझे पता है कि बजट कैसे तैयार करना है और किसी भी कार्यक्रम की योजना कैसे बनानी है।

प्रतिभागी 2

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं एक..... सुना सकती हूँ	मुझे खुशी है कि अब मुझे भाषण देने में शर्म नहीं आती। मैं पूरे विश्वास के साथ सरकारी अधिकारियों से बात कर सकती हूं।

प्रतिभागी 3

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मेरे बहुत सारे मित्र हैं।	मुझे खुशी है कि मैं अपने समुदाय में कहीं भी जा सकती हूं और एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सार्वजनिक स्थान का उपयोग कर सकती हूं। मैं एक बजट तैयार कर सकती हूं और एक कार्यक्रम की योजना बना सकती हूं। अगर मेरे स्कूल में कोई लड़का मेरे साथ गलत व्यवहार करता है तो मैं अपने माता-पिता और शिक्षकों से संपर्क कर सकती हूं।

प्रतिभागी 4

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं गा सकती हूं और पेंटिंग कर सकती हूं।	मुझे एक नेता होने पर गर्व है जो भाषण दे सकती है, और नुक्कड़ नाटक में प्रदर्शन करके जेंडर आधारित हिंसा के बारे में अपने विचार व्यक्त कर सकती है। मैं एक आयोजन का एजेंडा बना सकती हूं, और नगर निगम के अधिकारियों से सहमति प्राप्त कर सकती हूं।

प्रतिभागी 5

सकारात्मक बदलाव या सुधार दिखाने वाले प्रतिभागी की प्रतिक्रिया का उदाहरण

प्री-टेस्ट (पूर्व टेस्ट)	पोस्ट-टेस्ट (बाद का टेस्ट)
मुझे खुशी है कि मैं कविताएँ लिख सकती हूँ और अपने दोस्तों की मदद कर सकती हूँ।	मुझे खुशी है कि मैं आत्मविश्वास महसूस कर रही हूं। लड़कियों के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मैं अपने दोस्तों और शिक्षकों की मदद कर सकती हूं। मैं अपने स्कूल के पास पुलिस गश्त बढ़ाने के लिए अन्य लड़कियों का समर्थन हासिल करने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान की योजना बना सकती हूं, और उसे आयोजित कर सकती हूं।

टेबल 9: विषयगत विश्लेषण टेबल

बार-बार आने वाले विषय	प्रतिभागी 1	प्रतिभागी 2	प्रतिभागी 3	प्रतिभागी 4	प्रतिभागी 5	कुल लड़कियों की संख्या जिन्होंने सुधार दिखाया है
खुद पे भरोसा	X	X		X	X	4
गतिशीलता	X		X			2
संचार कौशल	X	X		X		3
योजना कौशल	X		X	X	X	4
जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने की क्षमता	X		X		X	3

चरण 4: परिणाम एक बार चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित किए जा सकते हैं। नीचे दिया गया आंकड़ा उपरोक्त टेबल में गिने गए पांच प्रतिक्रियाओं के विषयगत विश्लेषण का परिणाम दिखाता है।

चित्र 12: विषयगत विश्लेषण का एक उदाहरण परिणाम

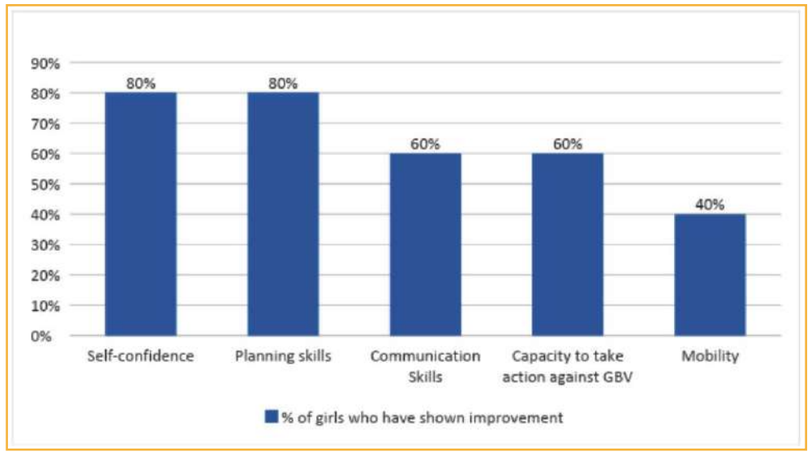

कार्यक्रम में भाग लेने के बाद जिन लड़कियों ने अपने आत्मसम्मान में सुधार किया उनके विषयगत विश्लेषण से पता चलता है कि:

- 80% ने अपने आत्मविश्वास में सुधार किया है
- 80% ने गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें व्यवस्थित करने की अपनी क्षमता में सुधार किया है
- जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 60% ने अपनी क्षमता में सुधार किया है
- 60% ने संवाद करने के लिए अपने आत्मविश्वास में सुधार किया है
- 40% ने सार्वजनिक स्थानों तक पहुँचने का विश्वास विकसित किया

प्रवृत्ति, प्रगति, बदलाव, या पैटर्न (ऊपर दिए गए उदाहरण) दिखाने के लिए रेखा, क्षेत्र या बार ग्राफ़ के साथ ग्राफ़ या चार्ट का उपयोग करके विश्लेषण परिणाम प्रस्तुत किए जा सकते हैं। डेटा प्रस्तुत करने का एक अन्य प्रभावी तरीका वर्ड क्लाउड (शब्द-बादल) के माध्यम से है, जैसा कि नीचे बताया गया है।

5.3 वर्ड क्लाउड क्या है?

[स्रोत: https://www.betterevaluation.org/en/evaluation-options/wordcloud]

वर्ड क्लाउड

वर्ड क्लाउड शब्द आवृत्ति का चित्रों द्वारा प्रतिनिधित्व करते हैं, जो उन शब्दों को दिखाते हैं जो किसी लिखाई में बार-बार आते हैं। साक्षात्कारों, दस्तावेजों, या अन्य पाठ में अक्सर दिखाई देने वाले शब्दों की पहचान करके, इस प्रकार का दृश्य मूल्यांकनकर्ताओं विश्लेषण में मदद कर सकता है। इसका उपयोग रिपोर्टिंग चरण में सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं या विषयों को दिखने करने के लिए भी किया जा सकता है।

इंटरनेट पर मुफ्त में कई शब्द और टैग क्लाउड जनरेटर उपलब्ध हैं, और उन्हें बनाने की प्रक्रिया सरल है। टेक्स्ट बॉक्स में बस टेक्स्ट दर्ज करें (उदाहरण के लिए, साक्षात्कार की एक श्रृंखला), और टूल शब्दों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व उत्पन्न कर देगा। अधिकांश शब्द क्लाउड जनरेटर उपयोगकर्ताओं को रंग और फ़ॉन्ट बदलने की अनुमति देते हैं, और सामान्य या समान शब्दों को बाहर कर देते हैं।

चित्र 13: वर्ड क्लाउड

सलाह

- वर्ड क्लाउड, प्रयोग करने में आसन और टेक्स्ट वाले डाटा को विज्वलैस करने के लिए सस्ता विकल्प है|शब् बादलों की व्याख्या करने की चुनौतियों में से एक यह है, की इसमें शब्दों की आवृत्ति के प्रदर्शन पर जोर दिया जाता है, जरूरी नहीं की उनका उतना महत्त्व हो |
- यदि एक ही विचार के लिए थोड़े अलग शब्दों का उपयोग किया जाता है, तो वर्ड क्लाउड उन्हें सटीक रूप से नहीं दिखाएगा (उदाहरण के लिए, 'बड़ा', 'विशाल' विराट, आदि,)। उनमें संदर्भ का भी अभाव है, जिसका अर्थ है कि अलग-अलग शब्दों का अर्थ खो सकता है। इन सीमाओं के कारण, शुरुवाती गुणात्मक विश्लेषण के लिए ही वर्ड क्लाउड उपयुक्त हैं।
- क्लाउड जनरेटर शब्द में डालने से पहले डेटा क्लीनिंग करने के लिए समय निकालें। उदाहरण के लिए, साक्षात्कार के लिखित रूप में "आप जानते हैं" या "जैसे कि" जैसे सामान्य संवादात्मक फिकरे शामिल हो सकते हैं जिन्हें हटा दिया जाना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि डेटा संग्रह टीम मुख्य शब्दों को लगातार एक ही तरीके से लिखे – चूंकि कुछ सॉफ्टवेयर पैकेज अलग लिखे शब्दों को समान नहीं मानेंगे।
- प्रतिभागियों के साथ निष्कर्ष पर सहमती बनायें।
- यदि रिपोर्टिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है, तो दर्शकों को इसकी की सीमाओं के बारे में सूचित करें।

कार्यान्वयन में आसानी के लिए

यह भाग संस्थाओं को लड़कियों और मेंटर्स के लिए आवश्यक सभी फॉर्म्स और टूल्स को डाउनलोड करने और प्रिंट करने की सुविधा देता है।

प्रिंट करने के लिए गर्ल लीडर्स के टूल्स/फॉर्म्स और रिकॉर्डिंग शीट

टूल 1 – गर्ल लीडर्स के लिए स्व-मूल्यांकन टूल [बेसलाइन और एंडलाइन]

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 1 – स्व मूल्यांकन टूल

(आप यहाँ लिख सकते हैं या चित्र बना सकते हैं)

1. **मुझे खुशी है कि मै ये कर सकती हूँ...**

2. **मुझे खुद में ये गुण पसंद हैं...**

3. **जब मै एक समूह को संबोधित करती हूँ तो मै ऐसा महसूस/अनुभव करती हूँ.....**

4. **जब मेरी जिंदगी से जुड़ा कोई फैसला होता है तो मैं**

    1. मेरे माता-पिता को फैसला लेने देती हूँ
    2. आत्मविश्वास महसूस नहीं करती
    3. तय होने के बाद जान पाती हूँ
    4. चुप रहती हूँ क्योंकि मुझसे पूछा नहीं जाता है
    5. मेरी सोच बताती हूँ
    6. मेरे माता-पिता से बहस करती हूँ क्योंकि वे मेरी बात नहीं सुनते
    7. मुझे जो मेरे लिए सही लगता है उसे समझाने की कोशिश करती हूँ
    8. उन लोगों से सहायता मांगती हूँ जिनकी बात मेरे माता-पिता सुनते हैं
    9. कोई अन्य _____ (कृपया लिखें)

5. **जब मैं अपने समुदाय में किसी किशोरी को प्रताड़ित होते हुए देखती हूं, तो सबसे ज्यादा संभावना है कि:**

    1. मै कुछ भी न करूँ
    2. मैं कुछ करना चाहती हूं लेकिन नहीं जानती कि मैं क्या कर सकती हूं
    3. उन लोगों से सहायता मांगूंगी, जिन्हें मैं जानती हूं (मेरा नेटवर्क) और उन लोगों से जो मदद कर सकते हैं
    4. लर्निंग कम्युनिटी समूह के साथ चर्चा कर के इस मुद्दे को हल करने के लिए उचित रणनीतियों को ढूँढने के प्रयास करूंगी
    5. इस मुद्दे को हल करने के लिए अपने मेंटर्स के साथ चर्चा कर उचित रणनीतियों का उपयोग करूंगी
    6. कोई अन्य _____ (आप क्या करेंगी, लिखें)

6. **प्रोजेक्ट की योजना और कार्यान्वयन का कौशल**

कौशल को 1-5 के पैमाने पर रैंक करें [1 = सबसे कम, 5 = उच्चतम] जो कार्यक्रम का हिस्सा बनने के बाद हासिल/सुधार किये गए हैं

	BASELINE					ENDLINE				
1. प्रोजेक्ट की योजना बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
2. बजट बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
3. उस पर एक प्रस्तुति बनाना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
4. पुलिस, पंचायत प्रमुख और अन्य सरकारी अधिकारियों जैसे हितधारकों से बात करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
5. प्रोजेक्ट पहलों के प्रभाव का आंकलन	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
6. एक टीम के रूप में काम करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
7. बदलाव लाने के लिए नए विचारों के बारे में सोचना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5

टूल 2 –सामाजिक संसाधन की मैपिंग (रिकॉर्डिंग शीट)

मेंटर्स द्वारा भरे जाने के लिए

टूल 2 - सामाजिक संसाधन की मैपिंग

(रिकॉर्डिंग शीट)

	स्थान/संसाधन/सेवाएं	पहुंच और गतिशीलता	सामाजिक पूंजी / हितधारक
मेंटर्स लड़कियों द्वारा विकसित किए गए सामाजिक नक्शों का उपयोग करते हुए बेसलाइन और एंडलाइन पर इस टेबल को भरें	1. वे कौनसे संसाधन/जगहे और सेवाएं हैं जो लड़कियों को पता हैं?	1. उनके समुदाय में ऐसी कौन सी जगह है जहां लड़कियां जाने में आत्मविश्वास और खुशी महसूस करती हैं?	1. वे लोग/हितधारक कौन हैं, जिनसे लड़कियां जानकारी या सेवाएं प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकती हैं?
	2. अपने समुदाय में वंचित लड़कियों और महिलाओं के लिए वे संसाधनों और सेवाओं में क्या सुधार देखते हैं?(इसे केवल एंडलाइन पर भरें)	2. वह क्या है जिसने इन जगहों पर लड़कियों के आने-जाने को संभव बनाया?	
		3. कौन सी जगह लड़कियों के लिए असुरक्षित हैं और क्यों?	
		4. लड़कियों ने उनके समुदाय के संसाधनों तक उनकी पहुंच में सुधार के लिए क्या सुझाव दिए?	

टूल 3 –लक्ष्य-निर्धारण टूल (रिकॉर्डिंग शीट)

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 3 – लक्ष्य-निर्धारण टूल- अपने सपने को सच करना

(आप लिख सकती हैं या चित्र बना सकती हैं)

लक्ष्य निर्धारण अभ्यास

एक लक्ष्य के बारे में सोचें: कोई ऐसा लक्ष्य जिसे आपने अपने भविष्य में पाने का सपना देखा है।

1. यह किसी भी प्रकार का लक्ष्य और आपके जीवन के किसी भी पहलू से हो सकता है: कलात्मक, दृष्टिकोण संबंधी, शिक्षा से सम्बंधित, आनंद के लिए, सामाजिक, शारीरिक, कैरियर या परिवार संबंधी, और या वित्तीय।

2. यह एक अल्पकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य हो सकता है।

लक्ष्य लिखें: लक्ष्य बहुत सटीक हो।

लक्ष्य की तारीख निर्धारित करें: आप इस लक्ष्य को कब पूरा करना चाहते हैं?

कठिनाइयाँ और बाधाएँ: आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने से क्या रोक सकता है?

समाधान: आप इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए क्या कर सकते हैं?

अगले कदम: अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपको किन कदमों को उठाने की आवश्यकता है? आप किससे संपर्क करेंगे, और आपको कौन सी अन्य जानकारी की आवश्यकता है? हर एक के लिए विशिष्ट तारीखें निर्धारित करें।

टूल 4 – गर्ल-पाथ टूल (रिकॉर्डिंग शीट)

मेंटर्स द्वारा भरे जाने के लिए

टूल 4 – द गर्ल-पाथ

रिकॉर्डिंग शीट

प्रतिभागियों की संख्या:

प्रतिभागियों की आयु:

गांव/क्षेत्र:

संस्था:

नीचे दी गई टेबल को चार्ट पेपर के इस्तेमाल कर के भरें

जगहें	बाधाएं/चुनौतियां	समाधान
उनके मन में		
उनके घर में		
उनके समुदाय में		
कार्यक्रम में		

टूल 5 -सामाजिक नेटवर्क मैपिंग

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 5 - सामाजिक नेटवर्क मैपिंग

नाम: _____

आयु: _____

परिवार के सदस्य: _____

संस्था: _____

गांव/शहर: _____

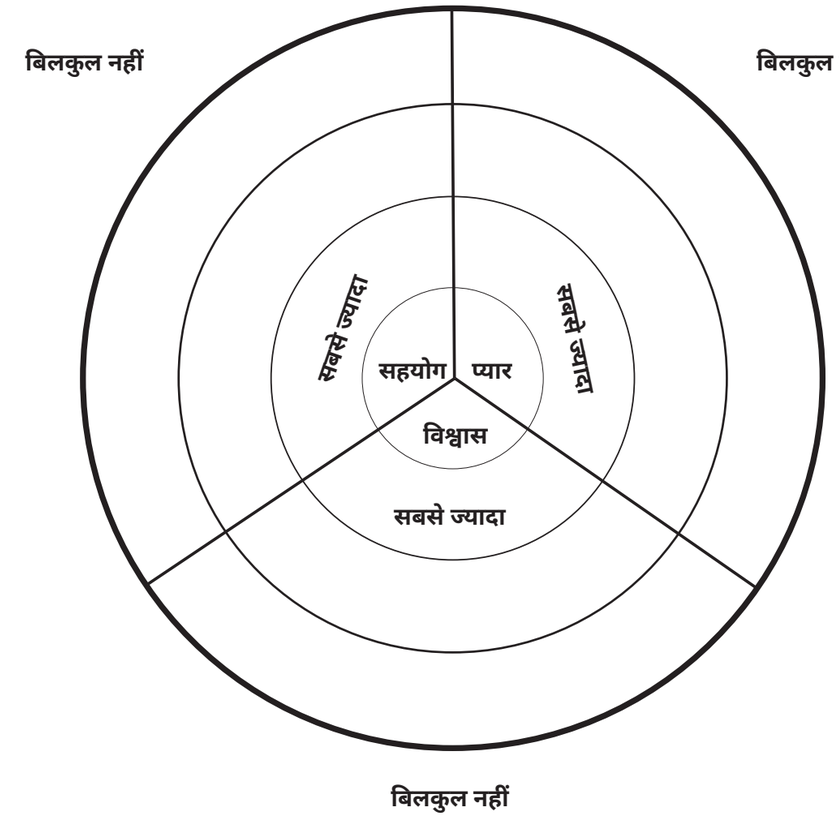

टूल 6 – गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के लिए प्लानिंग और बजट शीट

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 6 - गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट के लिए प्लानिंग और बजट शीट - बेसलाइन

गर्ल लीडर्स के नाम: _____

मेंटर का नाम: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

प्रोजेक्ट की योजना बनाना

थीम: आपके प्रोजेक्ट की थीम/मुद्दा क्या है?

समस्या: आप अपने एक्शन प्रोजेक्ट के माध्यम से कौन से मुद्दे या समस्याएँ हल करने की कोशिश कर रहे हैं? अपने समुदाय से प्रासंगिक डेटा/उदाहरणों का उपयोग करके समस्या को समझाएं।

बेसलाइन: प्रोजेक्ट योजना, गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट की बेसलाइन के रूप में काम करेगी।

1. **आपका वांछित परिणाम या लक्ष्य:** आप अपने समुदाय में क्या बदलाव देखना चाहेंगी? लड़कियों के अधिकारों और उनके जीवन में यह बदलाव क्यों महत्वपूर्ण है?

2. **भौगोलिक क्षेत्र:** आपका प्रोजेक्ट किस क्षेत्र में या किन लोगों के साथ है ? (xx बस्ती, गांव, शहर, सोशल मीडिया नेटवर्क, स्कूल, कॉलेज आदि)?

3. **सफलता कैसी दिखती है? (बदलाव के प्रमुख संकेतक):** आप कैसे जानेंगे कि आपके प्रोजेक्ट के कारण बदलाव हो रहा है? अपने प्रोजेक्ट के लिए प्रमुख संकेतक बनाएं जो बदलाव या सफलता को मापने में मदद करेंगे।

महत्वपूर्ण संकेतक:

3.1. _____

3.2. _____

3.3. _____

3.4. _____

4. प्रोजेक्ट की गतिविधियों: आप किन प्रोजेक्ट गतिविधियों की योजना बना रहे हैं?

प्रोजेक्ट गतिविधि/हस्तक्षेप 1 - विस्तृत योजना	**प्रोजेक्ट गतिविधि 2 - विस्तृत योजना**	**प्रोजेक्ट गतिविधि 3 - विस्तृत योजना (वैकल्पिक)**
5. गतिविधि की योजना क्या है? प्रमुख चरणों के बारे में बताएं।		
6. आपको किन चीजों को खरीदने/भुगतान करने की आवश्यकता होगी, उदाहरण के लिए, लड़कियों के लिए प्रशिक्षण, जगह का रेंट, स्टेशनरी, संसाधन सामग्री, आदि? (बाद में बजट शीट में इसका अनुमान लगाया जाएगा)		
7. प्रमुख निर्णयकर्ता कौन हैं (माता-पिता, शिक्षक, सरकारी अधिकारी, पंचायत, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पुलिस, गैर-लाभकारी संस्था, आदि) जिनसे आपको लगता है कि आप संपर्क कर सकते हैं?		
8. इसमें क्या जोखिम या चुनौतियां हो सकती हैं?		
9. आप उनका समाधान कैसे करेंगे?		

बजट की आवश्यकता

प्रोजेक्ट गतिविधि -1	**प्रोजेक्ट गतिविधि - 2**	**प्रोजेक्ट गतिविधि - 3**
10. प्रोजेक्ट गतिविधि में आपकी कितनी लागत आएगी? उन सभी चीजों के बारे में सोचें जिन्हें आपको खरीदने या जिनके लिए भुगतान करने की आवश्यकता होगी, और फिर हर एक गतिविधि को उसकी लागत के साथ सूचीबद्ध करें। **उदाहरण: प्रोजेक्ट गतिविधि -1** o गतिविधि का नाम – **सर्वे** o सर्वे की 250 प्रतियां = 2 x 250 = **500/-** o 15 प्रतिभागियों के लिए दोपहर का भोजन = 50 x 15 = **750** o 20 पेन = **150/-** o सर्वे के बारे में 20 पोस्टर = **1500/-**		
11. हर एक गतिविधि के लिए कुल लागत **500+750+150+1500** **= 2900/-**		
कुल बजट राशि जिसका अनुरोध किया गया (हर एक गतिविधि के लिए सभी लागतों को जोड़ें)	गतिविधि 1 = 2900/- गतिविधि 2 = 5000/- कुल = **7900/-**	

गर्ल लीडर्स के हस्ताक्षर:
तारीख:

मेंटर्स के हस्ताक्षर:

कार्यकारी निदेशक के हस्ताक्षर:

टूल 7 – प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्मेट

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 7 - प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्मेट

प्रोजेक्ट गतिविधि 1

1. क्या आपने इस गतिविधि के अपने सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हैं? आपकी गतिविधि की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

2. आपको अपना लक्ष्य हासिल करने में किस से सहायता मिली?

3. आप किसके पास गईं?
   - o # किशोरियों की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
   - o # युवाओं की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
   - o # युवाओं की संख्या जिन तक अप्रत्यक्ष रूप से पहुंच बनी
   - o # समुदाय के सदस्यों की संख्या जिन तक पहुंच बनी
   - o कोई और _____

4. भाग लेने वाले लोगों (लड़कियों, माता-पिता, हितधारकों, उपस्थित लोगों) से कुछ उद्धरण/कथन शामिल करें?

5. आपको किन बाधाओं/चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

6. अगले गतिविधि के दौरान आप क्या अलग तरीके से करेंगे?

7. क्या आप अपनी बजट अपेक्षाओं पर खरे उतरे? : हाँ/नहीं/कुछ हद तक

8. क्या आपको बजट को संभालने में किसी चुनौती का सामना करना पड़ा? अगर हां, तो वे चुनौतियां क्या थीं?

9. क्या आपने गतिविधि की फ़ोटो खींची? यदि हां, तो कृपया गतिविधि की कुछ फ़ोटो शामिल करें। या आप गतिविधि के बारे में खुद को व्यक्त करने के लिए (यदि आप चाहें) तो चित्र बना सकते हैं।

प्रोजेक्ट गतिविधि 2 – मूल्यांकन (इसे ऊपर दिए प्रश्नों का उपयोग करके, प्रोजेक्ट गतिविधि 2 को पूरा करने के बाद भरा जाना चाहिए।)

टूल 8 – गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट का मूल्यांकन - एंड लाइन फॉर्मेट

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 8 – गर्ल लेड एक्शन प्रोजेक्ट का मूल्यांकन - एंड लाइन

गर्ल लीडर्स के नाम: _____

मेंटर का नाम: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

1. लक्ष्य या प्रभाव जिसे आप देखना चाहते हैं:

1.1. क्या आपने इस एक्शन प्रोजेक्ट के लिए अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त किया? आपने क्या हासिल नहीं किया?

1.2. आपके एक्शन प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या थी?

1.3. इस लक्ष्य को हासिल करने में किस से मदद मिली?

2. आपको किस बात ने चौंकाया ? क्या कुछ ऐसा हुआ जिसके बारे में आपने पहले से अनुमान नहीं लगाया था?

3. बाधाएं/चुनौतियां

3.1. आपको किन बाधाओं/चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

3.2. अगली बार आप अलग तरीके से क्या करेंगे?

4. प्रमुख निर्णयकर्ता:

4.1. क्या आप प्रमुख निर्णयकर्ताओं तक पहुंचने और वांछित समर्थन प्राप्त करने में सफल रहे?

4.2. आप किन हितधारकों तक पहुंचे?

4.3. आपको किस तरह का समर्थन मिला?

4.4. आपको उनका समर्थन पाने में कैसे मदद मिली? (उदाहरण के लिए, नेतृत्व/बातचीत/नेटवर्किंग कौशल आदि की वजह से)

5. भौगोलिक क्षेत्र और लोग जिन तक पहुंच बनी: आप अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से किन तक पहुंच सके? (इस भाग को भरने के लिए प्रोजेक्ट गतिविधि मूल्यांकन फॉर्म्स का उपयोग करें)

5.1. क्षेत्र/बस्ती/गाँव/शहर

5.2. लोग जिन तक आप अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से पहुंचे

- # किशोरियों की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
- # युवाओं की संख्या जिन तक सीधी पहुंच बनी
- # युवाओं की संख्या जिन तक अप्रत्यक्ष रूप से पहुंच बनी
- # समुदाय के सदस्यों की संख्या जिन तक पहुंच बनी
- कोई और_____

6. बदलाव के प्रमुख संकेतक: अपनी प्रोजेक्ट की सफलता निर्धारित करने के लिए प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन करें?

7. क्या आप सभी गतिविधियों के लिए अपनी बजट अपेक्षाओं को पूरा कर पाए हैं?

गर्ल लीडर्स के हस्ताक्षर: **तारीख:**

टूल 9 – बदलाव के पल

गर्ल लीडर्स के लिए

टूल 9 - बदलाव के पल

नाम: _____

आयु: _____

परिवार के सदस्य: _____

संस्था: _____

गांव/शहर: _____

मेरा जीवन कैसा था (पहले)?	मेरा जीवन कैसा है (बाद में)?	मैंने अपने खुद के , अपने समुदाय और अपनी दुनिया के बारे में क्या सीखा?
1. काकार्यक्रम में शामिल होने से पहले आपका जीवन कैसा था?	1. काकार्यक्रम में शामिल होने के बाद आप के जीवन में कैसे और किस तरह से बदल गया है?	1. आपने अपने बारे में क्या नया जाना जो आप पहले नहीं जानती थीं? 2. आआपने दूसरों से क्या सीखा? 3. आआपने अपने समुदाय और समाज के बारे में क्या सीखा?

टूल 10 – केस स्टोरी विश्लेषण टूल

मेंटर्स द्वारा भरे जाने के लिए

टूल 10 - केस स्टोरी विश्लेषण टूल

रिकॉर्डिंग शीट

विषय-वस्तु	मुद्दों/समस्याओं की पहचान करने का कौशल	जेंडर मानदंडों की समझ और आलोचनात्मक विश्लेषण के कौशल	निर्णय लेने का कौशल
मेंटर्स लड़कियों के प्रेजेंटेशन चार्ट और लड़कियों के विचार-विमर्श (जिन्हें लिखा गया था) का उपयोग करके इस टेबल को भरें	उन्होंने रीना के साथ किन समस्याओं/मुद्दों की पहचान की?	उन्होंने रीना पर लगाई गई पाबंदियों के क्या कारण बताए? वे क्या मानते हैं, कि इन प्रतिबंधों का रीना के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?	रीना की समस्याओं के लिए उन्होंने क्या समाधान या रणनीतियाँ सुझाईं?

टूल 11 – लाइफ लाइन टूल

मेंटर्स के द्वारा भरे जाने के लिए

टूल 11 - लाइफ लाइन

(रिकॉर्डिंग शीट)

विचार-विमर्श प्रश्न

मेंटर्स को इस फॉर्म को लड़कियों के प्रेजेंटेशन चार्ट और विचार-विमर्श के नोट्स की मदद से पूरा करना चाहिए।

1. समूह के रूप में मजबूती के पल (सकारात्मक, ताकत, उपलब्धियां) क्या थे?

2. किस बात ने उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद दी?

3. उन्होंने किन कमियों (चुनौतियों) का सामना किया?

4. उन्होंने उन चुनौतियों को कैसे हल किया?

टूल 13 – स्व-मूल्यांकन फॉर्म [बेसलाइन, एंड लाइन]

मेंटर्स के द्वारा भरे जाने के लिए

टूल 13 - मेंटर्स के लिए स्व-मूल्यांकन फॉर्म

(आप इस फॉर्म का प्रिंट ले सकते हैं या सीधे कंप्यूटर पर इसे भर सकते हैं)

नाम: _____

आयु: _____

संस्था: _____

तारीख: _____

1. क्या आपने पहले किशोरियों के साथ काम किया है? यदि हां, तो कहां और आपने क्या काम किया-- आपकी भूमिका (संक्षेप में लिखिए)।

2. फील्ड में काम करते समय, जब मैं सहज होती हूं...

निम्नलिखित को 1-5 के पैमाने पर स्कोर करें [1= सहज नहीं, 3= मध्यम, 5 = बहुत सहज]

	बेसलाइन					एंडलाइन				
1. समुदाय में चलना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
2. समुदाय के लोगों से बात करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
3. किशोरियों के साथ सेशन लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
4. वयस्कों के साथ सेशन लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
5. वयस्कों के साथ बातचीत में आसानी	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
6. पुलिस, शिक्षकों और अन्य सरकारी अधिकारियों जैसे हितधारकों के साथ बात-चीत करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
7. समुदाय में फोटो लेना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
8. जनसभाएं करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5

3. मेंटरिंग का कौशल

निम्नलिखित कौशल को 1-5 के पैमाने पर स्कोर करें [1= कुशल नहीं, 3= मध्यम, 5 = बहुत कुशल]

	बेसलाइन					एंडलाइन				
1. सक्रिय होकर सुनना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
2. रचनात्मक प्रतिक्रिया/फीडबैक प्रदान करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
3. विश्वास के आधार पर संबंध स्थापित करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
4. छात्राओं की समस्या के संबंध में काउंसिलिंग	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
5. लड़कियों के साथ संचार को बेहतर बनाने के लिए नियोजित रणनीतियाँ	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
6. लड़कियों और अन्य मेंटर्स के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
7. गर्ल लीडर्स के समूह का प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
8. लक्ष्य निर्धारित करने के लिए गर्ल लीडर्स का मार्गदर्शन करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
9. गर्ल लीडर्स को संसाधन हासिल करने और प्रमुख हितधारकों तक पहुंच बनाने में मदद करना	1	2	3	4	5	1	2	3	4	5

4. लर्निंग कम्युनिटी को लड़कियों के लिए एक समावेशी और भेदभाव से मुक्त जगह बनाने के लिए मैं जिन रणनीतियों का पालन करूंगा

बेसलाइन समावेशन और गैर-भेदभाव के लिए रणनीतियाँ	एंड लाइन क्या आपने यह लक्ष्य पूरा कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		
	क्या आपने जो योजना बनाई थी, उससे अलग रणनीतियों का इस्तेमाल किया? अगर हाँ तो क्या?		

5. आपने अपने लिए क्या लक्ष्य रखे हैं ?

बेसलाइन मेरा लक्ष्य अपने लिए है, और मेरा निजी प्रोजेक्ट है...	एंड लाइन क्या आपने यह लक्ष्य हासिल कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		

6. अपने समुदाय के लिए लक्ष्य

बेसलाइन बेसलाइन - कार्यक्रम नेटवर्क को देखते हुए, मैं समुदाय में निम्नलिखित बदलाव लाऊंगा...	एंड लाइन क्या आपने यह लक्ष्य पूरा कर लिया है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका:		

7. अन्य संस्थाओं से सीखने का लक्ष्य

बेसलाइन लड़कियों की लर्निंग कम्युनिटी नेटवर्क को देखते हुए, मैं सीखना चाहूंगी ...	एंड लाइन आपने अन्य संस्थाओं से क्या सीखा है?		
	पूरी तरह	आंशिक रूप से	बिल्कुल नहीं
	कृपया बताएं कि किस वजह से आप इस लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम हुए, या आपको इसे हासिल करने में सक्षम होने से रोका: _____ _____ _____ _____		

8. एंड लाइन पर पूछे जाने वाले अतिरिक्त प्रश्न

8.1. इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने और लड़कियों के साथ काम करने की सबसे अच्छी बात यह है...

8.2. आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या रही है?

8.3. इस कार्यक्रम के कारण मुझे जो सबसे बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है वह है...

8.4. इस कार्यक्रम में, अन्य संस्थाओं के साथ काम करने से मुझे सीखने मिला है ...

टूल 14 – वर्ल्ड कैफे - रिकॉर्डिंग शीट

टूल 14 - वर्ल्ड कैफे

रिकॉर्डिंग शीट

	क्या काम किया?	**क्या काम नहीं किया /सीमाएं/चुनौतियां?**
व्यक्तिगत और लड़कियों का सामूहिक स्तर		
संस्थागत स्तर		
सामुदायिक स्तर		
लर्निंग कम्युनिटी - कम्युनिटी ऑफ़ प्रैक्टिस		